THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
vaartha hindi
@vaartha_hindi
vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30अंक : 17 (विशाखापट्टणम,निजामाबाद, हैदराबाद, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ. 1 चैत्र 2082 सोमवार,14 अप्रैल -2025 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ 16 मूल्य: 8 रुपये

17 राज्यों में आंधी-तूफान का अलर्ट

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने आज मध्य प्रदेश, यूपी, बिहार सहित 17 राज्यों में आंधी-बारिश और तूफान का अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में धूलभरी आंधी की चेतावनी है। असर दिल्ली तक देखने को मिल सकता है। राजस्थान में शनिवार को बिजली-आंधी से 2 लोगों की मौत हो गई है। बिजली की चपेट में आने से खेत में काम कर रही एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग झुलस गए। वहीं, सिरोही में शुक्रवार देर रात तेज आंधी के चलते पेड़ गिरने से एक महिला की जान चली गई।

>>14

पटाखा फैक्टरी में विस्फोट आठ की मौत, सात घायल

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने गहरा शोक व्यक्त किया

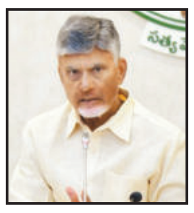

अमरावती, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में रविवार को एक पटाखा निर्माण इकाई में आग लगने से आठ लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में मारने वाले श्रमिकों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। घटना में सात अन्य लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। दुर्घटना दोपहर करीब 12:45 बजे हुई और बचावकर्मी फिलहाल शवों को निकालने और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में जुटे हुए हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्थानीय लोग भी घटनास्थल पर पुलिस की मदद कर रहे हैं। राज्य की गृह मंत्री वी. अनिता ने बताया, इस अग्निकांड में दो महिलाओं सहित कुल आठ लोगों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि घायलों को इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री नायडू ने अनिता और जिला अधिकारियों को निर्देश दिया है कि घायलों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जाए। वहीं आंध्र प्रदेश सीएमओ की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने अनकापल्ली जिले में एक पटाखा निर्माण इकाई में हुए विस्फोट में आठ श्रमिकों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और राज्य की गृह मंत्री अनिता से फोन पर बात कर घटना की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि घायलों को सर्वोत्तम संभव चिकित्सा सुविधा मिले। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार पीड़ितों के परिवारों की मदद करे। उन्होंने अधिकारियों को घटना की गहन जांच करने और उन्हें एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि घायल श्रमिकों में से दो की हालत गंभीर है।

मुर्शिदाबाद में केंद्रीय बल तैनात डीजीपी संग बंगाल पुलिस भी डटी

हालत काबू में लाने के बीच 180 अरेस्ट

कोलकाता, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के बाद मुर्शिदाबाद में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) को तैनात किया गया है। इसके साथ ही बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) की नौ कंपनियां और राज्य पुलिस भी हिंसा प्रभावित इलाकों में गश्त कर रही हैं। वे मुर्शिदाबाद के सूती और समसेरगंज में हालात सामान्य करने की कोशिश कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल के डीजीपी राजीव कुमार मुर्शिदाबाद में डटे हैं। डीजीपी ने कड़ा संदेश देते हुए कहा कि किसी भी तरह की हिंसा और गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उधर, बीजेपी के महासचिव और सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती जिलों में सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफस्पा) लगाने का आग्रह किया है। इन जिलों में मुर्शिदाबाद, मालदा, नादिया और दक्षिण 24 परगना शामिल हैं। इन सबके बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि उनकी सरकार वक्फ संशोधन कानून को लागू नहीं करेगी। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। मुर्शिदाबाद के सूती और समसेरगंज में बीएसएफ की नौ कंपनियां तैनात की गई हैं। बीएसएफ राज्य पुलिस के साथ मिलकर काम कर रही है। वे लोगों को हर संभव मदद कर रहे हैं। बीएसएफ के डीआईजी निलोत्पल कुमार पांडे ने बताया कि बीएसएफ की टुकड़ियां अशांति की खबर मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। राज्य पुलिस स्थिति को नियंत्रण में लाने की कोशिश कर रही है और बीएसएफ उनकी मदद कर रही है। कुछ जगहों पर बीएसएफ को विरोध का सामना करना पड़ा और गुंडों ने उन पर हमला भी किया। हालात तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में हैं। लोग डरे हुए हैं। समसेरगंज की एक महिला ने कहा कि हमारे पड़ोस में लोगों को मार दिया गया है। हम डरे हुए हैं और सो नहीं पा रहे हैं। समसेरगंज के एक और निवासी ने कहा कि बीएसएफ की गश्त से हमें थोड़ी राहत मिली है। स्थिति तनावपूर्ण है। बीएसएफ के जवान कई इलाकों में रूट मार्च कर रहे हैं। पुलिस फोर्स भी इलाके में निगरानी रख रही है। बीजेपी सांसद रानाघाट जगन्नाथ सरकार ने भी गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है।

>>14

सहकारी समितियां अब पेट्रोल पंप चलाएंगी, गैस बांटेंगी: शाह

भोपाल, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह भोपाल के रवींद्र भवन में आयोजित राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान मध्यप्रदेश दुग्ध संघ और नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के बीच एमओयू हुआ। इसके साथ ही एमपी के छह दुग्ध संघों और एनडीडीबी के बीच छह अलग-अलग एमओयू भी किए गए।

शाह ने कहा कि देश में सहकारी समितियां अब पेट्रोल पंपों का संचालन करेंगी और रसोई गैस वितरण भी संभालेंगी। सहकारिता सेक्टर में मध्य प्रदेश में काफी संभावनाएं हैं, जिस पर काम करने की जरूरत है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा- मध्य प्रदेश के अंदर कृषि, पशुपालन और सहकारिता क्षेत्र में अधिक संभावनाएं हैं। मैं मानता हूं कि हमें हमारी संभावनाओं का शत-प्रतिशत दोहन करने के लिए ढेर सारा काम करने की जरूरत है।

अमित शाह ने कहा कि ग्रामीण विकास और कृषि विकास के आयाम, पशुपालन के आयाम, इन सबको एक जगह पर रखकर केंद्रीय स्तर पर कोई विचार नहीं किया। विचार होता भी कैसे। कोई सहकारिता मंत्रालय ही नहीं था।

आजादी के 75 साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहकारिता मंत्रालय बनाकर मुझे मंत्री बनाया। मोहन जी कह रहे हैं उन्हें आश्चर्य हुआ तो थोड़ा मुझे भी आश्चर्य हुआ। साढ़े तीन साल के समय में मोदी जी ने खुद बहुत बारीकी से देखकर सहकारिता आंदोलन में बहुत बड़ा बदलाव लाने का काम किया। शाह ने कहा- आज भी सहकारिता राज्य का विषय है। भारत सरकार राज्य की सूची में कोई बदलाव नहीं कर सकती, लेकिन टैक्स को पुनर्जीवित करना, डेयरी क्षेत्र को बढ़ाना, उत्पादन के क्षेत्र में सहकारिता को ले जाना, अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक, जिला सहकारी बैंक और ग्रामीण बैंकों के सुचारू व्यवस्थापन का सारा काम कैसे होगा ?

कन्हैया कुमार की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

पटना, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। भाजपा की बिहार इकाई ने रविवार को कन्हैया कुमार के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। जेएनयू के पूर्व अध्यक्ष पर एक टीवी इंटरव्यू के दौरान पीएम मोदी और आरएसएस के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है।

बिहार में भाजपा के मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने पटना के कोतवाली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। इकबाल ने पुलिस से कन्हैया कुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की अपील की। जो कांग्रेस की छात्र शाखा, नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया के अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रभारी हैं।

इकबाल ने कहा कि कन्हैया कुमार, जो 'टुकड़े टुकड़े गिरोह' का हिस्सा हैं। उन्होंने 11 अप्रैल को एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में पीएम मोदी और आरएसएस और इसकी विचारधाराओं के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि हमने पुलिस में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है और तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। हमें पूरा भरोसा है कि पुलिस उचित कार्रवाई करेगी।

आतंकियों के पास से पाकिस्तानी सामान बरामद

जम्मू, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में 11 अप्रैल की देर रात को हुए मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया था। जिसके बाद से जारी सर्च ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने शनिवार को 1 एम4 राइफल, 2 एके47 राइफल, 11 मैगजीन, 65 एम4 गोलियां और एके47 की 56 गोलियां, साथ ही टोपी, दवाइयां, प्राथमिक उपचार सामग्री और मोजे बरामद किए हैं। दवाओं पर पाकिस्तान और लाहौर का पता लिखा है। मारे गए तीनों आतंकी जैश-ए-मोहम्मद के थे।

संविधान संशोधन सुप्रीम कोर्ट करेगा तो सदन क्या करेंगे

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल के राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को ज्यूडिशियल ओवररीच बताया है। ज्यूडिशियल ओवररीच का मतलब कोर्ट का सीमा पार कर कार्यपालिका और विधायिका में दखल होता है। उन्होंने आगे कहा, कोर्ट संविधान संशोधन करेगा, तो संसद और विधानसभा की क्या भूमिका रहेगी? केरल राज्यपाल ने कहा- संविधान में गवर्नर के लिए विधेयकों पर निर्णय लेने की समय सीमा नहीं है।

तहव्वुर राणा मांग रहा पेपर, पेन, कुरान

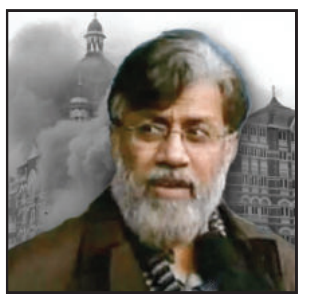

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। 26/11 मुंबई हमले की साजिश रचने वाले तहव्वुर हुसैन राणा से एनआईए लगातार दूसरे दिन पूछताछ कर रही है। एनआईए 2008 में हुए हमलों की बड़ी साजिश का पता लगाने की कोशिश कर रही है। राणा को दिल्ली के सीजीओ कॉम्प्लेक्स स्थित एनआईए के हेड ऑफिस में कड़ी सुरक्षा वाली सेल में रखा गया है। सुरक्षाकर्मी दिन-रात उसकी निगरानी कर रहे हैं।

राणा को सामान्य कैदी की तरह रखा जा रहा है और उसकी धार्मिक जरूरतों का भी ध्यान रखा जा रहा है। उससे हमले से पहले मिले लोगों और आईएसआई जैसे संगठनों से उसके संबंधों के बारे में पूछताछ की जा रही है। एक अधिकारी ने बताया कि राणा को किसी भी अन्य गिरफ्तार व्यक्ति की तरह माना जा रहा है, कोई विशेष व्यवहार नहीं किया जा रहा है।

राणा ने कुरान की एक कॉपी मांगी थी, जो उसे दे दी गई है। वह एजेंसी के मुख्यालय स्थित अपनी सेल में दिन में 5 बार नमाज पढ़ते हुए देखा गया है। कुरान के अलावा, राणा ने पेन और पेपर भी मांगा था, जो उसे दे दिया गया है। हालांकि, उस पर कड़ी नजर रखी जा रही है ताकि वह पेन का इस्तेमाल खुद को नुकसान पहुंचाने के लिए न करे।

>>14

नेशनल हेराल्ड केस में राहुल-सोनिया की गिरफ्तारी चाहती है 'आप' ?

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने नेशनल हेराल्ड मामले पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने इस मामले को 'ओपन एंड शट केस' बताया है। कक्कड़ ने सवाल उठाया कि कांग्रेस नेताओं को अभी तक इस मामले में गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया है। उन्होंने इस मामले में बीजेपी और कांग्रेस पर मिलीभगत का आरोप भी लगाया है। उनका कहना है कि दोनों पार्टियां सिर्फ चुनावों के दौरान ही एक-दूसरे का विरोध करती हुई दिखती हैं। असल में, दोनों पार्टियां एक ही हैं।

'आप' प्रवक्ता ने कहा, 'कांग्रेस पार्टी के नेताओं को क्यों गिरफ्तार नहीं किया जा रहा है? ऐसा इसलिए है क्योंकि ये दोनों पार्टियां (बीजेपी-कांग्रेस) मिली हुई हैं। जब भी चुनाव होते हैं तो ये दोनों ऐसे मामले उठाते हैं। बीजेपी के पास पिछले 10 सालों से इतनी एजेंसियां हैं। नेशनल हेराल्ड केस तो ओपन एंड शट केस है।' इसका मतलब है कि मामला बिल्कुल साफ है और इसमें कार्रवाई होनी चाहिए।

उन्होंने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि अगर जांच एजेंसियां केजरीवाल को "गैरकानूनी" तरीके से गिरफ्तार कर सकती हैं, तो कांग्रेस नेताओं के साथ ऐसा क्यों नहीं किया गया। कक्कड़ का मानना है कि यह दोहरा रवैया दिखाता है कि बीजेपी और कांग्रेस के बीच कुछ तो मिलीभगत है।

आम आदमी पार्टी के आरोपों ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। इसके बयान से कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ सकती हैं और विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया ब्लॉक के औचित्य पर भी नए सिरे से सवालिया निशान लग सकता है। वैसे देखने वाली बात है कि इस मामले में आगे क्या होता है। क्या जांच एजेंसियां कांग्रेस नेताओं पर कार्रवाई करेंगी? या फिर यह मामला ऐसे ही चलता रहेगा?

>>14

कुलदीप चंद की पार्थिव देह पैतृक गांव पहुंची, लोगों ने की फूलों की बारिश

गलोड़, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। (हमीरपुर)। जम्मू के अखनूर सेक्टर में आतंकियों से मुठभेड़ के दौरान बलिदानी हुए कुलदीप चंद की पार्थिव देह रविवार सुबह उनके पैतृक गांव पहुंची। बलिदानी कुलदीप चंद की अंतिम यात्रा में शामिल होने के लिए सैकड़ों लोग उनके पैतृक गांव पहुंचे। इस दौरान तिरंगा यात्रा निकली गई। लोगों ने फूलों की बारिश करके उन्हें अंतिम विदाई दी। सेना के अधिकारियों ने सैन्य सम्मान के साथ उन्हें सलामी दी। कुलदीप चंद दो माह पूर्व छुट्टी काटकर गए थे। वह अपने पीछे बेटा बेटी पत्नी और बुजुर्ग माता पिता छोड़ गए हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बलिदानी कुलदीप चंद की शहादत पर शोक व्यक्त किया है।

नेशनल हेराल्ड केस

ईडी के एक्शन पर बिफरे कपिल सिब्बल

बोले- कांग्रेस की हर जगह कब्जाने की साजिश

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। नेशनल हेराल्ड केस में प्रवर्तन निदेशालय के एक्शन पर समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद कपिल सिबल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ईडी ने नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों को कब्जा करने की शुरुआत कर दी है। इसका मतलब ये हुआ कि ईडी के जरिए केंद्र की सरकार अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को कितना परेशान कर सकती है। सिब्बल ने कहा कि सरकार ने इस मामले में सीबीआई का इस्तेमाल नहीं करके ईडी का इस्तेमाल इसलिए किया क्योंकि सीबीआई को राज्य सरकारों से इजाजत लेनी पड़ती है, इसलिए बहुत सोच समझकर इस केस को ईडी के जरिए निपटाया जा रहा है। इसी तरह का प्रयास हेमंत सोरेन और सिद्धारमैया और चिदंबरम के लिए किया गया। यह कांग्रेस पार्टी को पंगु बनाए जाने की साजिश है।

देश में रूल ऑफ लॉ नहीं

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस के पास कोई जगह न बचे इसकी कोशिश है। ईडी ने कब्जा लेने का जो नोटिस दिया है, उसका एक ही भाव है, हर हाल में जहां जहां कांग्रेस के दफ्तर हैं वो सब सरकार ले ले। सिब्बल ने कहा कि देश में रूल ऑफ लॉ नहीं है। नेशनल हेराल्ड से अगर देश को कोई नुकसान हुआ है तो क्या किसी ने उसके खिलाफ कोई शिकायत या केस दर्ज कराया? सिब्बल ने कहा कि सिर्फ सुब्रमण्यम स्वामी ने कह दिया और उस पर ईडी ने कार्रवाई कर दी।

पुराने कांग्रेस नेता और सपा सांसद ने कहा कि स्वामी तो नेशनल हेराल्ड के शेयर होल्डर भी नहीं हैं। इस केस में ईडी ने बड़ा एक्शन लिया है। एसोसिएट जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की 661 करोड़ रुपये की संपत्ति पर कब्जा करने के लिए नोटिस जारी किया है। ये कार्यवाही दिल्ली, मुंबई और लखनऊ में हुई है। नेशनल हेराल्ड केस में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को आरोपी बनाया गया है।

नाबालिग लड़की से बलात्कार और हत्या के आरोपी ने जेल के अंदर तौलिए से लगाई फांसी, पुलिस भी हैरान

कल्याण, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कल्याण में नाबालिग लड़की को किडनैप कर बलात्कार कर हत्या करने के मामले के आरोपी विशाल गवली ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आरोपी विशाल ने तलोजा जेल में सुबह साढ़े तीन बजे फांसी लगाई है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, रविवार को सुबह साढ़े तीन बजे शौचालय जाते समय आरोपी विशाल गवली ने अपनी तौलिए से फांसी लगाकर आत्महत्या की है। उसके शव को जे।जे। अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। बता दें कि आरोपी विशाल गवली साढ़े तीन महीने से तलोजा जेल में कैद था। आरोपी के जेल के अंदर ही फांसी लगाकर आत्महत्या करने की जानकारी खारघर पुलिस ने दी है।

किसान दंपती ने तीन बच्चों के साथ खाया जहरीला पदार्थ

पति-पत्नी की मौत, बच्चे अस्पताल में भर्ती

साबरकांठा, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के साबरकांठा जिले में आत्महत्या की कोशिश का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक किसान और उसकी पत्नी ने तीन किशोर बच्चों के साथ कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। इससे पति-पत्नी की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि वडाली कस्बे में हुई इस घटना के पीछे का सटीक कारण अभी स्पष्ट नहीं है। वडाली पुलिस थाने के उपनिरीक्षक रविराज जोशी ने बताया कि शनिवार सुबह दंपति, उनके दो बेटों और एक बेटी को उल्टी होने लगी। इसके बाद कुछ पड़ोसियों ने एंबुलेंस बुलाई और परिवार के पांच सदस्यों को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया, 'वहां से उन्हें दोपहर के आसपास हिम्मतनगर के सिविल अस्पताल में रेफर कर दिया गया। शाम को किसान की मौत हो गई, जबकि रविवार तड़के उसकी पत्नी की मौत हो गई।' अधिकारी ने कहा कि वह व्यक्ति किसान था। परिवार ने यह कदम क्यों उठाया? इसका सटीक कारण अभी तक स्पष्ट नहीं है। मामले की जांच की जा रही है। मृतकों की पहचान विनू सागर (42) और उनकी पत्नी कोकिलाबेन (40) के रूप में हुई है। अधिकारी ने कहा कि उनके तीन बच्चे 19 वर्षीय बेटी और 17 और 18 वर्षीय बेटों का इलाज चल रहा है। उनकी हालत स्थिर है। उन्होंने कहा कि वडाली पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया है और मामले की आगे की जांच की जा रही है।

हनुमान जयंती पर माहौल बिगाड़ने की साजिश, शोभायात्रा मार्ग पर बीच सड़क मिले मांस के टुकड़े

पन्ना, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। हनुमान जन्मोत्सव पर पूरे देश में शोभायात्रा निकाली गई। पन्ना जिले के पवई नगर में भी विशाल शोभायात्रा जगदीश स्वामी मंदिर से प्रारभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से शोभायात्रा निकली गई। शोभा यात्रा सीएम राइज विद्यालय के पास से गुजर रही थी तभी रास्ते में मांस के टुकड़े बीच सड़क में पड़े मिले, जिससे शोभा यात्रा में शामिल लोगों ने देखा और आपत्ति जताते हुए आक्रोश व्यक्त किया। साथ ही शोभा यात्रा को रोककर सड़क पर बैठ गए।

थाना प्रभारी त्रिवेंद्र त्रिवेदी तहसीलदार प्रीति पंथी मौके पर पहुंची और नगर पंचायत से पानी टैंकर बुलवाकर नगर परिषद सफाई कर्मचारियों के सहयोग से साफ-सफाई करवाई गई। आश्वासन दिया गया कि सुबह तक जिस किसी असमाजिक तत्व द्वारा यह कृत किया गया है कार्रवाई की जाएगी, तब कहीं जाकर आक्रोशित लोग माने साथ ही कड़े शब्दों में बजरंग दल विश्व हिंदू परिषद कार्यकर्ताओं ने कहा कि सुबह तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती है तो पवई नगर सहित पूरा जिला बंद आंदोलन किया जाएगा। शांति के टापू कहे जाने वाले पन्ना के पवई में किसी ने फिजा में ज़हर घोलने की कोशिश की या फिर संयोग वश ऐसा हुआ यह तो पुलिस विवेचन उपरांत ही स्पष्ठ हो पाएगा।

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने पत्नी संग डोईवाला गुरुद्वारे में टेका मत्था, की सुख-समृद्धि की कामना

डोईवाला, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। (ऋषिकेश) बैसाखी पर्व पर रविवार को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह पत्नी के साथ डोईवाला गुरुद्वारा पहुंचे। यहां उन्होंने गुरुद्वारे में मत्था टेका और सुख-समृद्धि की कामना की।इसके साथ ही उन्होंने प्रदेशवासियों को बैसाखी पर्व की बधाई दी। राज्यपाल के पहुंचने पर गुरुद्वारा प्रधान गुरदीप सिंह ने उनका स्वागत किया। रागी जत्था ने शबद कीर्तन से गुरु महिमा का बखान किया। कार्यक्रम में पूर्व राज्यमंत्री नरेंद्रजीत बिंद्रा, एसपी सिंह, करण वोरा, तजेंद्र सिंह, ईश्वर अग्रवाल, नरेंद्र सिंह नेगी, मनोज नौटियाल, इंद्रजीत सिंह आदि थे।

दुष्कर्म और हत्या का आरोपी गिरफ्तार

इंफाल, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में एक लड़की के दुष्कर्म और हत्या के मामले में 21 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि लड़की का शव शुक्रवार को थानलोन उप-मंडल के जंगल में मिला। एक अधिकारी ने बताया कि लड़की जंगल में लकड़ी इकट्ठा करने गई थी। जब वह वापस नहीं लौटी तो उसके पिता उसे खोजने जंगल में गए। लड़की के कपड़े फटे हुए थे और शरीर पर चोट के निशान थे। पुलिस ने बताया कि आरोपी को जिले के खोकेन गांव से गिरफ्तार किया गया। वह फेरजावल जिले का रहने वाला है।

आरोपी के लिए कड़ी सजा की मांग करते हुए जोमी मदर्स एसोसिएशन ने कहा कि दुष्कर्म जैसी घटना महिलाओं के सम्मान की कमी और उनकी गरिमा की रक्षा करने में विफलता को दर्शाती है।

एक महीने में यौन उत्पीड़न से जुड़ी यह तीसरी घटना

चुराचांदपुर जिले में एक महीने से भी कम समय में नाबालिग लड़कियों के यौन उत्पीड़न से जुड़ी यह तीसरी घटना है। इस महीने की शुरुआत में चुराचांदपुर जिले में एक नाबालिग लड़के ने 10 वर्षीय लड़की के साथ यौन उत्पीड़न किया था। पिछले महीने चुराचांदपुर जिले में विस्थापित लोगों के लिए एक राहत शिविर के आसपास 9 वर्षीय लड़की मृत पाई गई थी। लड़की के शरीर पर गर्दन पर चोट के निशान और शरीर के चारों ओर खून के धब्बे पाए गए थे। उसके माता-पिता ने आरोप लगाया था कि लड़की का यौन उत्पीड़न करने के बाद उसकी हत्या कर दी गई थी।

नशे में दोस्त ने की थी मेट्रो कर्मचारी की हत्या, लाश को टेकरी पर फेंक दिया था

इंदौर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर की देवधरम टेकरी पर मिली लाश की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। मामला हत्या का निकाला। पुलिस ने उत्तरप्रदेश से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या के बाद वह पुलिस की गिरफ्तारी से बचने के लिए भाग गया था।

आरोपी राहुल ने नशे में हुए विवाद में अपने ही दोस्त कमलेश पासवास की हत्या कर दी थी। 9 अप्रैल को पुलिस को सूचना मिली थी कि गांधी नगर में देवधरम टेकरी के समीप एक युवक का शव पड़ा है। युवक की शिनाख्त पुलिस ने मेट्रो प्रोजेक्ट के कर्मचारी कमलेश पासवास के रुप में की थी।

अवैध मदरसों पर एक्शन शुरू, हल्द्वानी में कई किए गए सील, ताबड़तोड़ छापेमारी जारी

हल्द्वानी, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तराखंड के हल्द्वानी में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अवैध मदरसों को लेकर एक निर्देश दिया। इसके बाद से बनभूलपुरा में अवैध मदरसों के खिलाफ ताबड़तोड़ छापेमारी की कार्रवाई की गई। रविवार सुबह से अवैध रूप से संचालित मदरसों पर प्रशासनिक कार्रवाई में कई मदरसे सील कर दिए गए हैं। अपर जिलाधिकारी विवेक राय के मुताबिक, इन मदरसों में से कई के पास कोई मान्यता नहीं थी। इसके अलावा, कुछ मदरसों के खिलाफ गंभीर शिकायतें भी दर्ज की गई थीं। इस सबको देखते हुए ही इन मदरसों पर कार्रवाई की गई है। कुमाऊं के सबसे बड़े शहर हल्द्वानी के बनभूलपुरा इलाके में रविवार से मदरसों पर कार्रवाई की गई। जानकारी के मुताबिक, इसमें अवैध रूप से संचालित 6 मदरसों को सील किया गया है। अपर जिलाधिकारी विवेक राय के मुताबिक, इस दौरान मदरसों को लेकर कई शिकायतें भी मिली थीं, जिसमें मदरसों में बच्चों के बैठने की समुचित व्यवस्था न होना, शौचालय और स्वच्छता की कमी, सुरक्षा उपायों के तहत सीसीटीवी कैमरे न होना शामिल हैं। कुछ मदरसे ऐसे हैं, जो मस्जिदों के अंदर ही संचालित किए जा रहे थे,

'अमित शाह ने अपने भाषण में किया शिवाजी महाराज का अपमान'

संजय राउत ने एकनाथ शिंदे पर भी बोल हमला

मुंबई, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के गृहमंत्री अमित शाह रायगढ़ किला पहुंचे थे, जहां उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज को नमन किया और फिर जनता को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने औरंगजेब विवाद पर भी बात रखी। अमित शाह ने कहा कि औरंगजेब खुद को आलमगीर कहता था, लेकिन वह महाराष्ट्र में पराजित हुआ और यहीं पर उसकी समाधि बनी। उन्होंने कहा कि शिवाजी को महाराष्ट्र तक सीमित मत रखिए। उनकी विरासत पूरे देश के लिए प्रेरणा का स्रोत है। अब उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत दावा कर रहे हैं कि अमित शाह ने अपने भाषण में शिवाजी महाराज का अपमान किया था। इतना ही नहीं, वे राज्य के गृहमंत्री यानी देवेंद्र फडणवीस से मांग कर रहे हैं कि अमित शाह पर एफआईआर होनी चाहिए थी। दरअसल, रविवार (13 अप्रैल) को संजय राउत ने कहा, आप अमित शाह का भाषण देखिए। हम छत्रपति शिवाजी महाराज बोलते हैं। ये महाशय शिवाजी-शिवाजी करते हैं। यह तो उनका अपमान है। इस अपमान के लिए उनपर एफआईआर की जानी चाहिए। इसका आदेश खुद महाराष्ट्र के गृहमंत्री को देना चाहिए। संजय राउत ने यह भी दावा किया कि अगर कोई और नेता ऐसे शिवाजी कहता तो ये लोग एफआईआर करवा चुके होते। कहते कि शिवाजी का अपमान किया है और फिर सबको जेल में डाल देते।

एकनाथ शिंदे गुट पर भी हमला

एकनाथ शिंदे गुट को घेरते हुए संजय राउत ने कहा, शिंदे गुट के लोग भी वहां खुद थे। किसी को मन में यह बात नहीं खटकी। गृहमंत्री अमित शाह शिवाजी महाराज पर ज्ञान दे रहे हैं और उनको पहले नाम से बुला रहे हैं। औरंगजेब की कब्र को 'समाधि' कह कर बुला रहे हैं। यह सब क्या चल रहा है? संजय राउत ने कहा, बीजेपी वालों ने तीन महीने से महाराष्ट्र में औरंगजेब की कब्र उखाड़ने का कार्यक्रम हाथ में लिया था। कहते थे उखाड़ ही देंगे, रहने नहीं देंगे, लेकिन किया तो कुछ नहीं। हमने कहा कि यह कब्र महाराष्ट्र के मराठा योद्धा शिवाजी महाराज के युद्ध की जीती जाती मिसाल है। औरंगजेब की कब्र बताती है कि महाराष्ट्र पर हमला करने वालों की कब्र हमने यहीं खोद दी और उन्हें यहीं गाड़ दिया। लेकिन बीजेपी वाले कहां सुनने को राजी थे। शिवसेना यूबीटी सांसद ने आगे कहा, ये लोग ऐसे मूड में थे कि कब्र उखाड़ कर ही रख देंगे। किया तो कुछ नहीं। जिसे हम कब्र करते हैं, उसे देश के गृहमंत्री अमित शाह ने समाधि का दर्जा दे दिया। अगर यह समाधि है तो फिर आप तीन महीने से दंगे क्यों करवा रहे थे? उन्होंने कहा, औरंगजेब की कब्र को समाधि बताना छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान नहीं है? अगर ऐसे शब्द का इस्तेमाल किसी और पार्टी के नेता ने किया होता तो बीजेपी पूरे देश में आंदोलन करती। इतना ही नहीं, संजय राउत ने बड़ा दावा करते हुए यह भी कह दिया कि महाराष्ट्र में दंगा करने वालों को राज्य सरकार का संरक्षण प्राप्त था। उन्होंने कहा, सबसे ज्यादा गड़बड़ तो महाराष्ट्र में हुई। दंगे करने वालों को राज्य के गृहमंत्री और मुख्यमंत्री का समर्थन रहा।

भारत में बनी रोबोटिक सर्जरी मशीन 'मेडी जार्विस' असम में हुई लॉन्च, कैंसर के मरीजों के इलाज में मिलेगी मदद

गुवाहाटी, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मेड-इन-इंडिया रोबोटिक सर्जरी मशीन 'मेडी जार्विस' को रविवार को लॉन्च किया। इस मशीन को गुवाहटी के स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में लॉन्च किया गया। मेडी जार्विस रोबोटिक मशीन कैंसर के इलाज के दौरान डॉक्टरों की सहायता करेगी। रोबोटिक मशीन को लॉन्च किए जाने के दौरान सीएम सरमा ने रविवार को कहा, 'मैंने गुवाहाटी के स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में रोबोटिक सर्जरी यूनिट का लोकार्पण किया है। सभी आधुनिक सुविधाओं से लैस यह यूनिट इस क्षेत्र में कैंसर की देखभाल को आगे बढ़ाएगी।' इसके पहले सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'हम कल स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में मेड इन इंडिया रोबोटिक सर्जरी मशीन को समर्पित करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं, जो जटिल सर्जरी को आसानी से अंजाम दे सकती है।' इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह मशीन डॉक्टरों को जटिल सर्जरी को और अधिक आसानी से करने में मदद करेगी।

पहले झींकबिजुरी और अब धनपुरी क्षेत्र में कौओं की मौत से मचा हड़कंप स्वास्थ्य विभाग सतर्क

शहडोल, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के जैतपुर क्षेत्र में हुई कौओं की मौत के बाद जांच रिपोर्ट में बर्ड फ्लू का खुलासा हुआ है। इसके बाद से जिला प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया और मैदान पर उतरकर कार्य कर रहा है। जांच रिपोर्ट में यह बात सामने आई की कौओं की मौत बर्ड फ्लू से हुई है। इसको लेकर मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी ने अपनी टीम मैदान में उतार दी और लोगों की स्क्रीनिंग करवानी शुरू करवा दी है। अब धनपुरी क्षेत्र में भी कई कौओ मृत अवस्था में मिले हैं, जिससे लोगों में काफी दहशत हैं। झींकबिजुरी में बर्ड फ्लू से 100 से ज्यादा कौओं की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर सर्वे कर रही है।

झींक गांव में 35 घरों का सर्वे करने वाली टीम ने बताया कि एक भी घर में सर्दी बुखार के मरीज नहीं मिले। सर्वे का काम आगे भी जारी रहेगा। इस बीच सीएमएचओ शहडोल डॉ। राजेश मिश्रा ने बर्ड फ्लू को कंट्रोल रूम, जिला रैपिड रिस्पांस टीम और सेक्टर कॉम्बेट टीम का गठन किया है।

विधायक पुत्र का तांडव

टेकरी तक गाड़ियां लेकर पहुंचे? मंदिर के पुजारी से मारपीट कर गेट खुलवाए

इंदौर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। देवास टेकरी की माता के पट खुलवाने के लिए पुजारी से मारपीट करने वाले भाजपा विधायक गोलू शुक्ला के बेटे रुद्राक्ष शुक्ला का मामला गरमा गया है। कांग्रेस भी विधायक पुत्र की दादागीरी का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाने की तैयारी कर रही है। पुजारी के शिकायती आवेदन में विधायक पुत्र का नाम दर्ज है, लेकिन एफआईआर में पुलिस अफसरों ने रुद्राक्ष का कही जिक्र नहीं किया। यह सवाल भी उठ रहे हैं कि आखिर टेकरी तक विधायक पुत्र लाल बत्ती लगी कार के साथ अपने दोस्तों की कारों का काफिला कैसे ले गया, क्योंकि टेकरी तक जिस रास्ते से वाहन जाते हैं, वह प्रशासनिक अफसरों की अनुमति के बगैर नहीं खोले जा सकते हैं। बताते हैं कि एक प्रशासनिक अफसर के निर्देश पर रपट के गेट खोले गए थे। इस घटनाक्रम को लेकर पुजारी परिवार का आरोप है कि लाखों रुपये की ज्वेलरी मां चामुंडा और मां तुलजा भवानी की प्रतिमा पर समर्पित रहती है। जिसकी जिम्मेदारी पुजारी की रहती है, इसलिए शयन आरती के बाद मंदिर के पट नहीं खोले जाते। सिर्फ नवरात्रि के समय मंदिर रात में भी खुला रहता है। पूरे मामले को लेकर जब हमने तेज मां चामुंडा सेवा समिति की प्रभारी तहसीलदार निधि राजपूत से चर्चा करनी चाहिए तो निधि राजपूत से हमारा कोई संपर्क नहीं हो पाया। पुजारी परिवार ने आरोप लगाए है कि किसके कहने पर रात को एक बजे करीब दस गाड़ियां माता टेकरी पर पहुंची। यदि गाड़ियों को नीचे ही रोका जाता तो पट खुलवाने को लेकर विवाद ही नहीं होता। इस मामले में भी अफसरों ने चुप्पी साध रखी है। अब कोतवाली पुलिस माता टेकरी के कंट्रोल रूम पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। इसके लिए पुलिस अफसरों ने मंदिर प्रबंधन को पत्र लिखा है। विधायक पुत्र ने अपने इंस्टाग्राम आईडी पर भी देर रात माता टेकरी के वीडियो स्टेटस पर लगाए है।

52 बम वाले बयान से फंसे प्रताप सिंह बाजवा, घर पहुंची पुलिस

सीएम मान ने पूछा- कहां से मिली जानकारी?

चंडीगढ, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब विधानसभा में नेता विपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने प्रदेश में 52 बम आने की सूचना का खुलासा किया था। उनके इस दावे पर सीएम भगवंत मान ने पूछा है कि आपको ये जानकारी कहां मिली? वहीं इस बाबत डिटेल जानकारी हासिल करने के लिए पंजाब पुलिस की टीम भी उनके घर पहुंची। इस बात की बाजवा ने भी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि मुझे जो कुछ बताना था मैंने बता दिया है। इस बीच पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान प्रताप सिंह बाजवा से पूछा है कि आपके पास ये जानकारी कहां से आई? या आप पंजाब में दहशत फैला रहे हैं!

पाकिस्तान से क्या है बाजवा का कनेक्शन?

पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा, अगर विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने पंजाब में बम होने की जानकारी दी है तो उनका पाकिस्तान से क्या कनेक्शन है? वहां के आतंकवादी सीधे उन्हें फोन करके क्यों बता रहे हैं कि उन्होंने कितने बम भेजे हैं?

सीएम का सवाल- क्या एलओपी बम फटने का इंतजार कर रहे थे?

सीएम के मुताबिक, यह जानकारी न तो इंटेलिजेंस के पास है और न ही केंद्र सरकार की तरफ से आई है, लेकिन अगर विपक्ष के इतने बड़े नेता के पास यह जानकारी आई है तो उनकी जिम्मेदारी थी कि वे पंजाब पुलिस को बताते कि यहां बम हैं। क्या वे बम फटने और लोगों के मरने का इंतजार कर रहे थे। ताकि उनकी राजनीति चलती रहे? और अगर यह झूठ है तो क्या वे ऐसी बातें करके पंजाब में आतंक फैलाना चाहते हैं?

मेरा काम लोगों को सचेत करना है- प्रताप सिंह बाजवा

सीएम भगवंत मान की ओर से पूछे गए सवालों पर रविवार (13 अप्रैल) को नेता विपक्ष ने पलटवार किया है। उन्होंने बम की सूचना को लेकर पूछे गए सवालों के जवाब में लीडर ऑफ अपोजिशन प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि मेरा काम सरकार को सचेत करना है, जो मैंने किया। पंजाब के बॉर्डर एरिया में बम आये थे और मैंने इसकी सूचना दी। एलओपी प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि मनोरंजन कालिया के घर पर भी हमला हुआ था। हमारे सोर्स ये कह रहे थे कि पंजाब में हमने लगातार काम किया है।

'पंजाब में आए कई बम'

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रताप सिंह बाजवा ने आगे कहा, मैंने एक टीवी चैनल को बयान दिया है कि मेरे सूत्रों ने मुझे चेतावनी दी है कि पंजाब में कई बम आए हैं। 18 बम फट चुके हैं। 30 से 32 बम इस्तेमाल किए जाने हैं। मेरे सूत्रों ने मुझे बताया कि मैं एक महत्वपूर्ण पद पर हूं, इसलिए मुझे सचेत रहना चाहिए।

लोगों की जान बचाना मेरा काम- एलओपी

उन्होंने कहा, मैंने काउंटर इंटेलिजेंस के साथ पूरा सहयोग किया है। आगे भी पूरा सहयोग करूंगा। हमारा काम लोगों को बचाना है। पंजाब सरकार की मदद करना है। मैंने टीम (काउंटर इंटेलिजेंस) को बता दिया है कि मैं अपने सूत्रों का खुलासा नहीं करने जा रहा हूं। मैं उन्हें (काउंटर इंटेलिजेंस के एआईजी) जो कुछ भी बता सकता था, बता दिया है।

ये सब आप का नाटक

प्रताप सिंह बाजवा के मुताबिक इंटेलिजेंस टीम से पहले मीडिया वाले हमारे यहां पहुंच चुके थे, इसलिए यह सब आम आदमी पार्टी का नाटक है। आप सरकार बैकफुट पर है। उन्होंने कहा कि सुबह पंजाब पुलिस वाले घर आये थे। उन्होंने मेरा बयान लिया है। इस मामले में सीएम भगवंत मान का बेतुका बयान हमने देखा है। पंजाब के हालत एक बार फिर खराब हो रहे हैं। पंजाब में राकेट से हमला होने लगे हैं।। हम अपनी सोर्स को नहीं बता सकते हैं। हर रोज राकेट लांचर और आरडीएक्स मिल रहा है। पंजाब में मान सरकार पूरी तरह से फेल हो गई है। बता दें कि पंजाब में नेता विपक्ष प्रताप सिंह बाजवा द्वारा दिए गए बयान कि पंजाब में 50 बॉम्ब आए हैं जिनमे से 32 अभी भी चलने हैं। इस पर प्रदेश में राजनीति तेज हो गई है। आज पंजाब पुलिस की एक टीम बाजवा के चंडीगढ़ सेक्टर 8 स्थित घर पर इस बारे में जांच पड़ताल करने पहुंची है।

घर में घुस कर की गई महिला डॉक्टर की हत्या

चिकित्सक से दुष्कर्म के आरोप में आईपीएस अधिकारी पर एफआईआर

नागपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर शहर में एक 50 वर्षीय महिला डॉक्टर की हत्या कर दी गई। वह अपने घर में मृत पाई गई। महिला के सिर पर चोट के निशान थे। नागपुर में ही एक महिला डॉक्टर से शादी का झांसा देकर एक 30 वर्षीय आईपीएस अधिकारी ने दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी अधिकारी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि महिला डॉक्टर का शव शनिवार रात हुडकेश्वर पुलिस थाना क्षेत्र में लाडीकर लेआउट में उसके घर में मिला। मृतक की पहचान डॉ। अर्चना अनिल राहुले के रूप में हुई है। वह सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के फिजियोथेरेपी विभाग में सहायक प्रोफेसर थीं। पुलिस के अनुसार, अर्चना अकेली रहती थीं। अर्चना के पति डॉ। अनिल राहुले छत्तीसगढ़ के रायपुर में काम करते हैं। उनका बेटा पुणे में रहता है, जो मेडिकल का तृतीय वर्ष का छात्र है। पुलिस के अनुसार, अर्चना के पति कई दिनों के बाद शनिवार रात घर लौटे थे। उन्होंने अर्चना का शव रात करीब 9.30 बजे देखा। पुलिस ने बताया कि जब अनिल घर पहुंचे तो घर से दुर्गंध आ रही थी। मुख्य द्वार खुला था और शव बिस्तर पर पड़ा था। सूचना पर पुलिस मृतक के घर पहुंची। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि महिला के सिर पर गंभीर चोट के निशान थे। इससे पता चलता है कि अर्चना पर हमला किया गया था और उनकी मौत तीन दिन पहले हुई होगी, क्योंकि शव सड़ना शुरू हो गया था। हुडकेश्वर थाने में हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस जांच में जुटी है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 14 अप्रैल, 2025 3

सुविचार

अक्सर लोग जुए की तरह ज़िंदगी को समझने लगते हैं पर जुए में सिर्फ़ एक ही व्यक्ति जीतता है ।

आज से एससी वर्गीकरण अधिनियम लागू करने की पूरी तैयारी

एससी वर्गीकरण पर कैबिनेट उप-समिति की अंतिम बैठक आयोजित

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने घोषणा की कि तेलंगाना 14 अप्रैल से पूरे राज्य में एससी वर्गीकरण अधिनियम लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। रविवार को सचिवालय में एससी वर्गीकरण पर कैबिनेट उप-समिति की अंतिम बैठक की अध्यक्षता करते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने पुष्टि की कि अधिनियम के तौर-तरीकों को रेखांकित करने वाला सरकारी आदेश (जीओ) अंबेडकर जयंती पर जारी किया जाएगा। जीओ की पहली प्रति मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को सौंपी जाएगी। 14 अप्रैल को अधिनियम लागू होने के साथ, तेलंगाना सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी के बाद एससी उप-वर्गीकरण लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। उप-समिति की बैठक में उपाध्यक्ष और मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा, मंत्री सीतक्का और पोन्नम प्रभाकर, सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति शमीम अख्तर, जिन्होंने एक सदस्यीय आयोग का नेतृत्व किया था, कल्याण के प्रमुख सचिव श्रीधर, विधि सचिव तिरुपति और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। समिति ने न्यायमूर्ति शमीम अख्तर आयोग की सिफारिशों के आधार पर कार्यान्वयन दिशानिर्देशों की गहन समीक्षा की और जीओ जारी करने के लिए अपनी अंतिम मंजूरी दी। इस अधिनियम का उद्देश्य 59 एससी उप-जातियों को परस्पर पिछड़ेपन के आधार पर तीन समूहों में वर्गीकृत करके अनुसूचित जातियों के लिए मौजूदा 15 प्रतिशत आरक्षण को युक्तिसंगत बनाना है। समूह I में 15 सबसे वंचित समुदाय शामिल हैं, जो एससी आबादी का 3.288 प्रतिशत है, और उन्हें प्रतिशत आरक्षण आवंटित किया गया है। समूह II में 18 मध्यम रूप से लाभान्वित समुदाय शामिल हैं, जो एससी आबादी का 62.74 प्रतिशत है, और उन्हें 9 प्रतिशत आवंटित किया गया है। समूह III में 26 अपेक्षाकृत बेहतर समुदाय शामिल हैं, जो एससी आबादी का 33.963 प्रतिशत बनाते हैं, और उन्हें 5 प्रतिशत आरक्षण मिलता है। सुप्रीम कोर्ट के 1 अगस्त को ऐतिहासिक फैसले के बाद अक्टूबर 2024 में नियुक्त शमीम अख्तर आयोग को एससी उप-जातियों में सामाजिक-आर्थिक संकेतकों का अध्ययन करने का काम सौंपा गया था। आयोग को 8,600 से अधिक अभ्यावेदन प्राप्त हुए और उसने जनसंख्या वितरण, साक्षरता स्तर, उच्च शिक्षा में प्रवेश, रोजगार के रुझान, वित्तीय सहायता और राजनीतिक भागीदारी का विस्तृत विश्लेषण किया। प्रारंभिक प्रस्तुति के बाद, कई समुदायों द्वारा उठाई गई चिंताओं को दूर करने के लिए इसका कार्यकाल एक महीने के लिए बढ़ा दिया गया था, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रिपोर्ट को अंतिम रूप देने से पहले हर आवाज सुनी जाए। उन्होंने सामाजिक न्याय के लिए कांग्रेस पार्टी की प्रतिबद्धता को श्रेय दिया और कहा कि एससी वर्गीकरण को लागू करने के फैसले को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत नेतृत्व का समर्थन प्राप्त था, जिसमें राहुल गांधी ने अपने चुनाव अभियान के दौरान इस मुद्दे का समर्थन दोहराया था। इस अधिनियम को 18 मार्च को तेलंगाना विधानसभा द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया और बाद में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने इसे मंजूरी दे दी। कैबिनेट उप-समिति ने एससी श्रेणी के भीतर क्रीमी लेयर शुरू करने की आयोग की सिफारिश को भी खारिज कर दिया। उत्तम कुमार रेड्डी ने स्पष्ट किया कि सरकार आर्थिक मानदंडों के आधार पर किसी भी उप-समूह को बाहर किए बिना समान लाभ सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसी भी मौजूदा लाभ को कम नहीं किया जाएगा और यह वर्गीकरण सभी एससी समूहों के अधिकारों की रक्षा करते हुए निष्पक्षता बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि एससी के लिए वर्तमान 15 प्रतिशत आरक्षण 2011 की जनगणना पर आधारित है, जबकि तेलंगाना में एससी आबादी तब से लगभग 17.5 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार 2026 की जनगणना के डेटा उपलब्ध होने के बाद कुल आरक्षण बढ़ाने पर विचार करेगी।अंतिम बैठक ऐतिहासिक असंतुलन को ठीक करने और तेलंगाना में अनुसूचित जातियों के बीच सबसे हाशिए पर रहने वाले लोगों को न्याय का लंबे समय से लंबित वादा पूरा करने के लिए एक गहन, परामर्श और डेटा-संचालित प्रक्रिया की परिणति को चिह्नित करती है।

पुराने शहर में मेट्रो कॉरिडोर के लिए भूमि अधिग्रहण में तेजी

212 करोड़ रुपये के मुआवजे के चेक वितरित

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद एयरपोर्ट मेट्रो लिमिटेड के एमडी एनवीएस रेड्डी ने कहा कि मेट्रो रेल विस्तार के हिस्से के रूप में, एमजी बस स्टेशन (एमजीबीएस) से चंद्रायनगुट्टा तक 7.5 किमी के हिस्से पर प्रभावित संपत्तियों का अधिग्रहण तेजी से चल रहा है। रविवार को यहां जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि स्थानीय निवासियों के पूर्ण सहयोग से भूमि अधिग्रहण और प्रभावित संपत्तियों को ध्वस्त करने का काम बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। इस खंड पर कुल 1100 प्रभावित संपत्तियों में से 205 संपत्तियों के लिए 212 करोड़ रुपये का मुआवजा पहले ही वितरित किया जा चुका है।

रेड्डी ने कहा कि मार्ग के दोनों ओर कुछ अत्यधिक उलझे हुए बिजली, टेलीफोन और अन्य केबल, जो अवरोध पैदा कर रहे थे, उन्हें इंजीनियरिंग टीमों द्वारा सावधानीपूर्वक हटाया जा रहा है, ताकि प्रभावित संपत्तियों को सुरक्षित तरीके से ध्वस्त किया जा सके। विस्तार कार्य एचएएमएल के राजस्व और पुलिस विंग के साथ मेट्रो रेल इंजीनियरों की देखरेख में सक्रिय रूप से किया जा रहा है। उन्होंने प्रभावित संपत्ति मालिकों की स्वेच्छा से आगे आने, सरकार द्वारा प्रस्तावित मुआवज़ा स्वीकार करने और मेट्रो परियोजना के लिए अपनी संपत्ति सौंपने के लिए सराहना की। कई इमारतों और संरचनाओं को पहले ही ध्वस्त कर दिया गया है, और सड़क विस्तार के लिए मलबा हटा दिया गया है।

रेड्डी ने जोर देकर कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक सावधानियां बरती जा रही हैं कि आसपास की संवेदनशील संरचनाएं किसी भी तरह से प्रभावित न हों। उन्होंने कहा कि हालांकि रमजान के महीने के दौरान काम की गति थोड़ी धीमी हो गई थी, लेकिन अब इसने फिर से गति पकड़ ली है और सुचारू रूप से आगे बढ़ रहा है। एनवीएस रेड्डी ने कहा कि पुराने शहर के विस्तार का कार्य तेजी से किया जा रहा है और केंद्र सरकार से मंजूरी मिलते ही मेट्रो का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

राज्यपाल ने जय भीम पदयात्रा को हरी झंडी दिखाई

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने आज सुबह भारत रत्न डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 134वीं जयंती के अवसर पर राजभवन से जय भीम पदयात्रा को हरी झंडी दिखाई। यह युवा मामले और खेल मंत्रालय के निर्णय के अनुसार आयोजित किया गया है, जिसके तहत सभी राज्यों में राष्ट्रव्यापी जय भीम पदयात्रा आयोजित की जाएगी, जो उनकी संबंधित राज्य की राजधानियों में आयोजित की जाएगी। पदयात्रा में एनसीसी कैडेट, स्काउट और गाइड और राजभवन के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिन्होंने भारतीय संविधान के प्रमुख वास्तुकार और सामाजिक न्याय की लड़ाई में एक महान व्यक्ति को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मार्च का समापन नेकलेस रोड स्थित डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा पर हुआ। इससे पहले, राज्यपाल ने राजभवन में डॉ. बी.आर. अंबेडकर की स्थायी विरासत के सम्मान में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। यह कार्यक्रम समानता, न्याय और हाशिए पर पड़े लोगों के उत्थान के लिए डॉ. अंबेडकर की आजीवन प्रतिबद्धता की मार्मिक याद दिलाता है।

इस अवसर पर बोलते हुए, राज्यपाल ने युवाओं से डॉ. अंबेडकर के आदर्शों को अपनाने और अधिक समावेशी और समतावादी समाज के निर्माण के लिए उनके जीवन के कार्यों से प्रेरणा लेने का आग्रह किया।

एम. दाना किशोर, आईएएस, राज्यपाल के प्रधान सचिव; कर्नल समीर शर्मा, उप महानिदेशक, एनसीसी; श्री वेणु कुमार, आईपीएस (सेवानिवृत्त), राज्य सचिव, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स; और राजभवन के अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया

बाबासाहेब का जीवन मानवीय भावना की जीत का एक उज्ज्वल प्रमाण : राज्यपाल

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कहा कि डॉ. बी.आर. अंबेडकर की जयंती के अवसर पर, मैं भारत के महानतम सपूतों में से एक को अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जिन्होंने हमारे राष्ट्र के संविधान को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने एक उत्साही समाज सुधारक और एक प्रसिद्ध वकील, डॉ. अंबेडकर ने अपना जीवन न्याय, समानता और हाशिए पर पड़े लोगों के सशक्तिकरण के लिए समर्पित कर दिया। राज्यपाल ने कहा कि आदरणीय बाबासाहेब का जीवन प्रतिकूल परिस्थितियों पर मानवीय भावना की जीत का एक उज्ज्वल प्रमाण है। उनका जीवन न्याय, समानता और गरीबों और दलितों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए एक स्पष्ट आह्वान है। उनकी विरासत हमें न्यायपूर्ण और समावेशी समाज की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करती रहती है। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर, आइए हम सभी संविधान के आदर्शों और आदेशों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करें। आइए हम संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखें और अपने महान राष्ट्र के गौरव को बहाल करने के लिए मिलकर प्रयास करें।

'वॉक ए वेव 2.0' में 3,000 से अधिक लोग शामिल

ऑटिज़्म जागरूकता और समावेशन को बढ़ावा देने की पहल

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ऑटिज्म के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए, 3,000 से अधिक स्वास्थ्य उत्साही और ऑटिज्म देखभाल विशेषज्ञों ने रविवार को गाचीबोवली स्टेडियम में 2के वॉकथॉन 'वॉक ए वेव 2.0' में भाग लिया। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि वॉक का उद्देश्य एक साझा स्थान बनाना भी था जहाँ न्यूरोडाइवर्स और न्यूरोटिपिकल प्रतिभागी एक उद्देश्य के साथ एक साथ चलते, नृत्य करते और जश्न मनाते थे। वॉकथॉन में कई समावेशी गतिविधियाँ शामिल थीं, जिसमें विजया तुपुरानी द्वारा संचालित एक उच्च ऊर्जा नृत्य एचआईआईटी सत्र, सुधा रमानी द्वारा कहानी सुनाना और रोहिणी जयंती द्वारा कठपुतली शो शामिल था। एक जीवंत कार्निवल, खेल और रचनात्मक स्टॉल ने परिवारों का स्वागत किया और उत्सव और जुड़ाव का माहौल बनाया।

डब्ल्यूआईसीसीआई होलिस्टिक चाइल्ड डेवलपमेंट काउंसिल की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुपमा डालमिया ने कहा कि आज जागरूकता से आगे बढ़कर स्वीकृति की ओर कदम बढ़ाने का दिन था। हम साथ-साथ चले, किसी और के लिए नहीं, बल्कि एक-दूसरे के साथ। स्वेता रेड्डी, ऑटिज़्म कॉज़ एंबेसडर, और रश्मी श्रीवास्तव, डब्ल्यूआईसीसीआई में काउंसिल लीड, अभिनेत्री पायल राधाकृष्ण, डॉ मंजुला अनागानी और अन्य उपस्थित थे।

कांग्रेस सरकार उर्दू भाषा और साहित्य को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धः मंत्री

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन उत्तम कुमार रेड्डी ने तेलंगाना में उर्दू भाषा, उर्दू साहित्य और उर्दू संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए कांग्रेस सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया।अनवर-उल-उलूम कॉलेज, मल्लेपल्ली में अनवर-उल-उलूम एजुकेशनल एसोसिएशन द्वारा आयोजित 8वें नवाब शाह आलम खान मेमोरियल मुशायरे में शनिवार रात को बोलते हुए उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार उर्दू की भाषाई और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उर्दू शिक्षकों के सभी रिक्त पदों को विशेष भर्ती अभियान के माध्यम से भरा जाए। हमारी सरकार उर्दू को वह सम्मान, मान्यता और संस्थागत समर्थन देने के लिए दृढ़ संकल्पित है, जिसकी वह हकदार है। उर्दू भाषा के साथ अपने व्यक्तिगत जुड़ाव को व्यक्त करते हुए उत्तम ने कहा, मैं हैदराबाद के पुराने शहर में पैदा हुआ था। मेरे माता-पिता ने पूरी तरह से उर्दू माध्यम से पढ़ाई की और घर पर भी उर्दू भाषा बोलते थे। उर्दू मेरी परवरिश, मेरी भावनाओं और मेरी संस्कृति की भाषा है। उन्होंने उर्दू भाषा को बढ़ावा देने के लिए वार्षिक मुशायरा का लगातार आयोजन करने के लिए अनवर-उल-उलूम एजुकेशनल एसोसिएशन की प्रशंसा की और इसे एक महान सांस्कृतिक मिशन बताया जो हैदराबाद की भावना को जीवित रखता है। उर्दू के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने इसे दुनिया की सबसे खूबसूरत भाषाओं में से एक बताया। उन्होंने कहा, उर्दू तहजीब, सद्भाव और अभिव्यक्ति की भाषा है। इसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई - अपनी भावपूर्ण कविता, क्रांतिकारी नारों और जोशीले भाषणों से लोगों को एकजुट किया। उन्होंने कहा कि उर्दू न केवल संचार का माध्यम है बल्कि विविध संस्कृतियों और समुदायों के बीच एक सेतु है।मंत्री ने यह भी आश्वासन दिया कि कांग्रेस सरकार अल्पसंख्यकों के अधिकारों और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, सभी अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों को वह समर्थन मिलेगा जिसके वे हकदार हैं। हमने अल्पसंख्यक कल्याण बजट को दोगुना कर दिया है और अपने समुदायों को सशक्त बनाने के लिए 4,000 करोड़ रुपये खर्च करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार पिछली सरकार के दौरान अल्पसंख्यक संचालित कॉलेजों द्वारा सामना किए गए विलंबित शुल्क प्रतिपूर्ति जैसे मुद्दों को सक्रिय रूप से संबोधित कर रही है।

आरक्षण के मुद्दे पर उत्तम कुमार रेड्डी ने स्पष्ट आश्वासन दिया कि कांग्रेस सरकार 4% मुस्लिम आरक्षण की हर कीमत पर रक्षा करेगी। उन्होंने कहा, "यह सिर्फ नीति नहीं है - यह एक संवैधानिक अधिकार है। हम हर न्यायिक मंच पर इसके बचाव के लिए सभी कानूनी लड़ाई लड़ेंगे।" सांसद के रूप में अपने कार्यकाल को याद करते हुए उन्होंने बताया कि कांग्रेस हमेशा अल्पसंख्यकों के अधिकारों को खतरे में डालने वाले कानूनों के खिलाफ खड़ी रही है। उन्होंने कहा, "हाल ही में, कांग्रेस पार्टी ने संसद द्वारा पारित वक्फ संशोधन अधिनियम का कड़ा विरोध किया। हम इस तरह के हमलों का विरोध करना जारी रखेंगे।" राहुल गांधी, टीपीसीसी अध्यक्ष एम महेश कुमार गौड़ और वरिष्ठ नेता वी हनुमंत राव के नेतृत्व का हवाला देते हुए उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी धर्मनिरपेक्षता और संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए एकजुट और प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, "दिल्ली से तेलंगाना तक, कांग्रेस अल्पसंख्यकों के साथ खड़ी है। हमारा मिशन हर नागरिक के लिए समानता, न्याय और सुरक्षा है।" उन्होंने चेतावनी दी कि राजनीतिक लाभ के लिए धर्म के नाम पर देश को विभाजित करने के प्रयासों का कड़ा विरोध किया जाएगा। उन्होंने श्रोताओं से कहा, "हम आपकी सुरक्षा, आपके अधिकारों और आपके भविष्य के लिए प्रतिबद्ध हैं," कवियों, छात्रों और नागरिकों की भीड़ ने तालियाँ बजाकर उनका अभिवादन किया।

उत्तम कुमार रेड्डी ने अनवर-उल-उलूम एजुकेशन सोसाइटी की सराहना करते हुए कहा कि यह तेलंगाना के सबसे सम्मानित संस्थानों में से एक है, जो लगभग 18,000 छात्रों को शिक्षा प्रदान करता है। उन्होंने सरकार की ओर से इसकी शैक्षणिक और सांस्कृतिक पहलों के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया, और उर्दू भाषी समुदाय के साथ निरंतर जुड़ाव का वादा किया।

टीएस मेडिकल काउंसिल ने दवाइयां बेचने वाले फर्जी डॉक्टरों का किया भंडाफोड़

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य चिकित्सा परिषद (टीएसएमसी) ने फर्जी डॉक्टरों की पहचान की है जो मेडिकल स्टोर चला रहे हैं और एंटीबायोटिक्स, स्टेरॉयड और अन्य अनुसूची एच दवाओं की अनियमित बिक्री में शामिल हैं, जिनके लिए अनिवार्य रूप से योग्य एमबीबीएस डॉक्टर के पर्चे की आवश्यकता होती है। मेडिकल शॉप चलाने के लिए फार्मासिस्ट का होना और टीएस ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन (टीएसडीसीए) और फार्मेसी काउंसिल द्वारा जारी लाइसेंस होना अनिवार्य है लेकिन, बिना इन अनुमतियों के फर्जी डॉक्टर मेडिकल शॉप चला रहे हैं, जो हमेशा उनके क्लीनिक से जुड़ी होती हैं।

फर्जी एलोपैथी चिकित्सकों ने अपनी गतिविधियों को वैध बनाने के लिए एक नया तरीका भी निकाला है, जिसमें दावा किया गया है कि वे पारंपरिक एलोपैथिक स्वास्थ्य सेवा सुविधा की तुलना में केवल 'सीमित' एलोपैथी चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। हालांकि, टीएसएमसी ने स्पष्ट किया है कि 'सीमित' एलोपैथी चिकित्सा मौजूद नहीं है। टीएसएमसी के उपाध्यक्ष डॉ. गुंडागनी श्रीनिवास कहते हैं कि ऐसा कोई कानून नहीं है जो कहता हो कि प्राथमिक चिकित्सा केंद्र या प्राथमिक देखभाल केंद्र के नाम पर एलोपैथी क्लिनिक/फार्मेसी स्थापित करके कुछ सीमाओं के भीतर एलोपैथी चिकित्सा का अभ्यास किया जा सकता है। प्राथमिक चिकित्सा केंद्र में सीमित एलोपैथी का अभ्यास करना नीम हकीमी के बराबर है। यह अजीब है कि ऐसे व्यक्ति बिना फार्मासिस्ट के मेडिकल शॉप भी चला रहे हैं और दवाइयाँ बेच रहे हैं। मेडिकल काउंसिल के पास राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) अधिनियम की धारा 34 और 54 के तहत ऐसे फर्जी चिकित्सकों के खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज करने का अधिकार है। परिषद के उपाध्यक्ष ने कहा कि एनएमसी अधिनियम में ऐसे व्यक्तियों पर एक साल तक की कैद और पांच लाख रुपये तक के जुर्माने का भी प्रावधान है।

हैदराबाद विश्वविद्यालय परिसर में मृत पाया गया एक और चित्तीदार हिरण

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) परिसर में शनिवार को एक और चित्तीदार हिरण मृत पाया गया। बताया गया है कि कुत्तों द्वारा पीछा किए जाने के दौरान झील में गिरने से हिरण की मौत हो गई। मौके पर पहुंचे वन विभाग और विश्वविद्यालय के सुरक्षा अधिकारियों के साथ छात्रों ने हिरण को बाहर निकाला। राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालय परिसर से लगे कांचा गच्चीबावली भूमि के कुछ हिस्से को साफ करने के बाद, 10 दिनों के भीतर विश्वविद्यालय परिसर में हिरणों की यह चौथी मौत है, जहां बड़ी संख्या में चित्तीदार हिरण और अन्य जानवर और पक्षी हैं। इसके अलावा, शुक्रवार की रात को परिसर में एक विशाल इंडियन रॉक पाइथन, जो कि शेड्यूल 1 श्रृंखला का है, भी देखा गया। एबीवीपी एचसीयू के अध्यक्ष और रिसर्च स्कॉलर के बाला कृष्ण ने एक वीडियो में कहा कि कांग्रेस और उसके नेता, जो दावा करते हैं कि कैंपस में कोई वन्यजीव नहीं है, उन्हें यह देखना चाहिए। वनों की कटाई के कारण जानवर और सरीसृप सड़कों पर आ रहे हैं। आप हर चीज को एआई द्वारा जनित बताकर बच नहीं सकते। 9 अप्रैल को विश्वविद्यालय परिसर में एक चित्तीदार हिरण को कथित तौर पर मृत अवस्था में पाया गया था। इससे पहले, जंगली कुत्तों के हमले में एक हिरण का बच्चा मारा गया था, जिन्होंने जानवर के पिछले पैरों को फाड़ दिया था। 4 अप्रैल को कुत्तों के एक झुंड ने एक हिरण पर हमला कर दिया जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। हालांकि छात्रों और विश्वविद्यालय के सुरक्षा गार्डों ने प्राथमिक उपचार देकर उसे पशु चिकित्सालय पहुंचाया, लेकिन हिरण बच नहीं सका।

सिख समुदाय के सदस्यों ने 326वां खालसा पंथ स्थापना दिवस मनाया

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सिख समुदाय के सदस्यों द्वारा रविवार को गुरुद्वारा साहब अमीरपेट में 326वां खालसा पंथ स्थापना दिवस (वैसाखी) हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। प्रबंधक समिति गुरुद्वारा साहेब, अमीरपेट द्वारा आयोजित, खालसा पंथ स्थापना दिवस में गुरुबानी कीर्तन का पाठ, रागी जत्थों द्वारा उपदेश देना, श्री गुरु ग्रंथ साहिबजी को पालकी पर ले जाना, एक विशाल रंगीन नगर कीर्तन, गतका कौशल का मनमोहक प्रदर्शन और गुरु का लंगर का आयोजन, एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया। शाम तक चले विशाल दीवान में हजारों सिख श्रद्धालु और अन्य समुदाय के लोग शामिल हुए। गुरु गोबिंद सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम अमीरपेट में सोमवार को रात 9 बजे से 1.30 बजे तक विशेष वैसाखी राण कीर्तन दरबार (रात्रि समागम) का आयोजन किया जाएगा।

करीमनगर में सड़क दुर्घटना में व्यक्ति की मौत

करीमनगर, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। थिम्मापुर मंडल के अलगुनूर चौक पर एक सड़क दुर्घटना में 55 वर्षीय व्यक्ति वेलपुला लक्ष्मण की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब एक टिपर ने बाइक को टक्कर मार दी। अलगुनुर निवासी लक्ष्मण की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय अस्पताल भेज दिया है। मामला दर्ज कर लिया गया है।

IN THE COURT OF HON'BLE 1st SENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT :: AT: HYDERABAD
S.O.P NO 20 OF 2025
BETWEEN:
Dayal Chand Agarwal & Others ...Petitioners
AND
Reliance Industries Ltd and others ...Respondents

Please take notice that the petitioner has filed Succession O.P vide SOP No 20 of 2025 on the file of Hon'ble 1st Senior Civil Judge, City Civil Court, at Hyderabad to declare them as successors of Late. Rambilash Agarwal @ Rambilas Agarwal in Respect of shares of 768 shares of Reliance Industries Limited vide Folio number 029034974 and 384 shares of Jio Financial Services Limited vide Folio number 029034974, and the same is posted to **30-04-2025**, Any persons having objections may appear before the above-named court at **10.30 am** on the said date either in person or through an advocate, failing which the matter will be heard ex-parte and orders will be passed on merits. Hence this notice.

//BY THE ORDER OF THE COURT//
Sd/- NARAYANDAS JHAWAR
MEGHA JHAWAR
Advocates
Goshamahal, Hyderabad, Telangana.
Cell: 9440009495, 9908336554

सीडब्ल्यूई की हुई तेरहवीं एसआईटी के सामने पेश होगा परिवार; जांच में मिले अहम सुराग

प्रयागराज, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। एयरफोर्स के कमांडर वर्क्स इंजीनियर (सीडब्ल्यूई) सत्येंद्र नारायण मिश्रा की हत्या के बाद घर वालों ने उनकी तेरहवीं कर दी है। अब पीड़ित परिवार स्पेशल इनवेस्टीगेशन टीम (एसआइटी) के सामने पेश होकर अपना पक्ष रखेगा। उधर, तफ्तीश में जुटी एसआइटी को हत्याकांड में कई अहम तथ्य मिले हैं, जिसके आधार पर तकनीकी साक्ष्यों से उनका मेल कराया जा रहा है। मामले में कौशांबी जेल में बंद हत्यारोपित हनी पास का भी इसी मुकदमे में रिमांड बनवाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। एयरफोर्स स्टेशन बमरौली के हाई सिक्योरिटी जोन में रहने वाले सत्येंद्र नारायण मिश्रा की 28 मार्च की देर रात गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने मामले में लाल बिहारा निवासी मुख्य आरोपित सौरभ और उसके माता-पिता को गिरफ्तार करते हुए हत्याकांड का राजफाश किया।

जेडीयू नेता संजय झा ने सीएम नीतीश को लेकर किया बड़ा दावा

ललन सिंह ने लालू परिवार पर बोला हमला

पटना, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार की सभी राजनीतिक पार्टियां चुनावी रणनीति बनाने में जुटी नजर आ रही है। एनडीए और महागठबंधन द्वारा अपनी-अपनी जीत का दावे किए जा रहे हैं। इसी बीच जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि दलितों के लिए जितना काम नीतीश कुमार ने किया है उतना किसी ने नहीं किया है। 2005 के बाद दलितों के लिए नीतीश कुमार ने कई ऐसे फैसले लिए जिनसे उनकी जिंदगी में बड़ा बदलाव आया है। आर्थिक सामाजिक तौर पर भी दलित काफी मजबूत हुए। उन्होंने कहा कि आज केंद्र और राज्य में डबल इंजन की सरकार है। असली स्वर्णिम काल बिहार का अब आया है। आने वाले 5 साल में बिहार तेजी से विकास की ओर अग्रसर होगा। डबल इंजन सरकार का फायदा बिहार को मिल रहा है। एनडीए 2025 का विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ेगा। बिहार को बैक गियर में नहीं टॉप गियर में लेकर जाना है।

'महिलाएं समाज में तेजी से आगे बढ़ रही हैं'

वहीं केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार जब मुख्यमंत्री बने उन्होंने नारा दिया 'न्याय के साथ विकास, समाज के हर तबके का विकास। लेकिन जो समाज में हाशिए पर थे उन्हें समाज की मुख्य धारा में लाने का संकल्प लिया और आज दलितों की हालत में बड़ा परिवर्तन आया। उन्होंने कहा कि समाज का तब तक विकास नहीं हो सकता जब तक महिलाओं का विकास नहीं होता। महिलाओं के लिए पंचायत में 50 प्रतिशत का आरक्षण दिया गया है। आज महिलाए समाज में तेजी से आगे बढ़ रही है। कदम से कदम मिलाकर चल रही है। नीतीश कुमार लगातार महिलाओं को सशक्त कर रहे है।

ललन सिंह ने लालू परिवार पर साधा निशाना

ललन सिंह ने लालू यादव के शासनकाल पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अपने परिवार को ही बढ़ाते रहे है। महिलाओं के पंचायत में आरक्षण में भी रुकावट डाली है। लेकिन नीतीश कुमार ने महिलाओं को पंचायत में आरक्षण दिया। आज वो लोग शासन का सपना देख रहे है उनसे सतर्क रहिएगा, ऐसे लोगों के सपने को चूर-चूर करना है।

जिस दिन आ जाएंगे उस दिन घंटे भर में इसका इलाज कर देंगे

वक्फ पर इमरान मसूद का बड़ा बयान

लखनऊ, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन कानून को लेकर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा है कि हम एक घंटे में इसका इलाज करना जानते हैं. जिस दिन आ जाएंगे उस दिन इसका इलाज घंटे भर में कर देंगे. हैदराबाद में आयोजित ऑल इंडिया मुस्लिम मिली काउंसिल के कार्यक्रम में कांग्रेस सांसद ने कहा कि मस्जिद नहीं होगी तो नमाज कहां पढ़ेंगे. कब्रिस्तान नहीं होंगे तो दफनाए कहां जाएंगे. ईदगाह की तो बात ही छोड़ दीजिए. दुआ कीजिए कि हमलोग आ जाएं. इमरान मसूद ने कहा कि समंदर में तूफान बहुत है और जब तूफान हो तो तूफान का सामना बड़ा जहाज करता है, कश्तियां नहीं कर पाती है इसलिए आपसे कहना चाहता हूं कि कश्तियों की सवारी छोड़कर जहाज की सवारी की तैयारी करिए. एक ही रास्ता है और कोई रास्ता नहीं है. ये वादा आपसे करना चाहता हूं. जिस दिन आए जाएंगे, उस दिन घंटे भर के अंदर इसका इलाज कर देंगे. मुर्शिदाबाद हिंसा पर इमरान मसूद ने कहा कि हम हिंसा के पूरी तरह खिलाफ हैं. ये लड़ाई देश के मुसलमानों की नहीं है, ये देश के संविधान की लड़ाई है. जिस तरह से वक्फ कानून लाकर संविधान को रौंदा गया, उन्होंने (भाजपा) आंशिक रूप से संविधान को रौंदा है. मैं सभी से अपील करूंगा कि विरोध करें लेकिन ऐसा कुछ न करें जो संविधान के खिलाफ हो. कांग्रेस सांसद ने कहा कि कानूनी सीमाओं में रहकर विरोध करें, कानूनी सीमाओं को न तोड़ें. उन्होंने कहा कि बीजेपी वह पार्टी है

बक्सर में एनएच-120 पर हुआ दर्दनाक सड़क हादसा, ट्रक ड्राइवर की मौत; केबिन काटकर निकाला गया शव

डुमरांव, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। (बक्सर)। रविवार की सुबह डुमरांव-बिक्रमगंज राष्ट्रीय राजमार्ग-120 पर कोरान सराय थाना गेट से कुछ दूरी पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। जेसीबी मशीन से क्षतिग्रस्त ट्रक के केबिन को काटकर ड्राइवर का शव बाहर निकाला गया। यह हादसा उस समय हुआ जब एक बालू लदे खड़े ट्रक में पीछे से आ रहे दूसरी बालू लदे ट्रक ने तेज रफ्तार में टक्कर मार दी। नासिरीगंज से बालू लेकर आ रही ट्रक ने कोरान सराय थाना गेट से 150 मीटर दक्षिण स्थित एक होटल के सामने खड़े ट्रक में पीछे से इतनी जोरदार टक्कर मारी कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस दौरान स्टेयरिंग पर बैठे चालक की दबकर मौत हो गई।

'वक्फ अधिनियम का विरोध करने वाले मूर्ख हैं', कथावाचक रामभद्राचार्य ने दिया बयान

लखनऊ, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रसिद्ध रामकथावाचक और तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने वक्फ संशोधन अधिनियम का विरोध करने वालों को लेकर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन अधिनियम का विरोध करने वाले मूर्ख हैं। रामभद्राचार्य ने यमुना नदी के प्रदूषण के मुद्दे पर दिल्ली की पूर्व सरकार द्वार ठोस कदम नहीं उठाए जाने की आलोचना की। दरअसल रामभद्राचार्य वृंदावन में एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान उनसे जब पत्रकारों ने सवाल किया कि वक्फ संशोधन कानून लागू होने के बावजूद लोग इसका विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं? इसके जवाब में रामभद्राचार्य ने कहा कि वे (प्रदर्शनकारी) मूर्ख हैं। बता दें कि वक्फ संशोधन अधिनियम को लोकसभा और राज्यसभा से पास कराए जाने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पास भेजा गया था। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी इस बिल को मंजूरी दे दी और अब यह कानून की शक्ल ले चुका है। इसके खिलाफ मुस्लिम संगठनों द्वारा देशभर में विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। वक्फ अधिनियम के खिलाफ कोलकाता में भी विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी दौरान रामभद्राचार्य ने यमुना नदी के सफाई के मामले पर कहा कि मैं दिल्ली में यमुना की सफाई ना होने से दुखी हूं। मैं तो बलपूर्वक वहां के नेताओं को कहूंगा कि जल्द से जल्द यमुना के साफ-सफाई का काम शुरू कर दें। अब देरी ठीक नहीं। बता दें कि वक्फ संसोधन विधेयक पास होने के बाद से ही इस नए कानून की विपक्षी दलों द्वारा आलोचना की जा रही है। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दायर की जा चुकी हैं, जिसपर सुप्रीम कोर्ट 16 अप्रैल को सुनवाई करने वाला है।

गौतमबुद्ध नगर जिले में 27 महीने में करीब 4 हजार अपराधियों को मिली सजा

नोएडा, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के गठन होने के बाद से पूरे प्रदेश में लगातार अपराधियों और माफियाओं के खिलाफ नजीर बनने वाली कार्रवाई को अंजाम दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के अंतर्गत गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट ने हत्या, पॉक्सो एक्ट, दुष्कर्म, दहेज हत्या, अपहरण, लूट, डकैती आदि जैसे जघन्य अपराधों में 1 जनवरी 2023 से 10 अप्रैल 2025 तक (27 महीने) कुल 3932 अपराधियों को सजा दिलाई है। इनमें से 33 अपराधियों को आजीवन कारावास, 24 अपराधियों को 20 वर्ष का कारावास और 22 अपराधियों को 10 वर्ष का कारावास हुआ है। सजा पाने वाले सभी आरोपी संगीन अपराधों में संलिप्त थे। यह जानकारी कमिश्नरेट पुलिस के मीडिया सेल की तरफ से दी गई है। ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के अंतर्गत पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में तीनों जोन की पुलिस हत्या, लूट, रेप, पॉक्सो एक्ट, दहेज हत्या, अपहरण और डकैती जैसे जघन्य अपराधों को चिह्नित करती है और न्यायालय में प्रभावी पैरवी करती है। सभी जोन में पुलिस द्वारा विवेचना को निष्पक्षता और गुणवत्ता के साथ समय से पूर्ण किया जाता है। ऐसे मामलों से जुड़े साक्ष्यों को समय से न्यायालय के समक्ष पेश कराकर अपराधियों को कठोर सजा दिलाई जा रही है।

कमिश्नरेट पुलिस की तरफ से इस अवधि के दौरान पॉक्सो एक्ट से संबंधित 83 मुकदमे, दुष्कर्म से संबंधित 10 मुकदमे, अपहरण से संबंधित 20 मुकदमे, हत्या से संबंधित 31 मुकदमे, डकैती से संबंधित 13 मुकदमे, लूट से संबंधित 302 मुकदमे, गिरोहबंद अधिनियम से संबंधित 65 मुकदमे, चोरी से संबंधित 1120 मुकदमे, आर्म्स एक्ट से संबंधित 766 मुकदमे और अन्य मामलों से जुड़े 1153 मुकदमे यानी कुल 3567 मुकदमे में 3932 अपराधियों को सजा दिलाई गई है।

2 साल पुराने रिजल्ट पर अखिलेश यादव ने गुजरात मॉडल को कहा फेल

लखनऊ, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात में 157 स्कूलों में 10वीं क्लास में एक भी बच्चा पास नहीं हुआ, इस खबर को लेकर अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पोस्ट पर बीजेपी और गुजरात मॉडल पर हमला बोला है। अखिलेश यादव ने एक खबर शेयर करते हुए कहा कि गुजरात मॉडल ही फेल हो गया, इस पर उनका साथ आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिया। हालांकि जिस रिजल्ट को लेकर अखिलेश यादव ने हमला बोला है वो 2 साल पुराना है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि गुजरात मॉडल ही फेल हो गया। गुजरात में 157 स्कूलों में 10वीं की बोर्ड परीक्षा में एक भी छात्र पास नहीं हुआ। भाजपा हटाएंगे, भविष्य बचाएंगे! अखिलेश के इस हमले पर आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी साथ दिया, सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि ये गुजरात मॉडल है। ये बीजेपी मॉडल है जो ये पूरे देश में लागू करना चाहते हैं। ये डबल इंजन मॉडल है। आगे लिखा पूरे देश को ये अनपढ़ रखना चाहते हैं। आप मुझे एक राज्य बता दीजिए जहां इनकी सरकार हो और इन्होंने वहां शिक्षा का कबाड़ा ना किया हो। इसी मॉडल के तहत अब ये दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को भी ध्वस्त करने में लगे हैं।

कब का है रिजल्ट जिस पर अखिलेश ने घेरा?

गुजरात में साल 2023 में कक्षा 10 के नतीजे घोषित किए गए थे। उस समय राज्य में गुजरात बोर्ड की कक्षा 10 के लिए कुल पास छात्रों का रिजल्ट 64.62 प्रतिशत था 76 प्रतिशत के साथ, उस समय दाहोद केवल 40.75 प्रतिशत उत्तीर्ण दर के साथ सूची में सबसे नीचे था। जबकि 157 स्कूलों में एक भी बच्चा पास नहीं हो पाया था। एक रिपोर्ट के अनुसार दोबारा परीक्षा देने वाले 165690 छात्रों में से केवल 27446 ही उत्तीर्ण हुए। इस रिजल्ट को लेकर उस समय कई सवाल उठे थे। दो साल बाद एक बार फिर ये रिजल्ट चर्चा में आ गया है। जो गुजरात मॉडल पर सवाल खड़े कर रहा है। इस मामले पर अब तक बीजेपी की तरफ से कोई जवाब नहीं आया है।

राणा सांगा विवाद के बीच सपा नेता हरीश पर अविनाश मिश्रा ने किया हमला, बनारस वाले मिश्राजी नाम से चर्चित है हरीश

बनारस, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। राणासांगा पर दिए गए विवादित बयान के खिलाफ जहां एक ओर देश भर में करणी सेना विरोध प्रदर्शन कर रही है तो वहीं बीते दिन वाराणसी में स्थानीय सपा नेता और बनारस वाले मिश्राजी के नाम से चर्चित हरीश मिश्रा पर हमला हो गया। आरोप है कि करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने हरीश मिश्रा पर हमला किया है। दरअसल हरीश मिश्रा ने राणासांगा और करणी सेना को लेकर विवादित बयान दिया। माना जा रहा है कि इसी को लेकर हरीश मिश्रा पर करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने ये हमला किया है। इस दौरान दोनों पक्षों के लोग घायल हुए हैं। बीच सड़क पर ही चाकू चले हैं। मौके पर लोगों ने 2 हमलावरों को पकड़ लिया है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने सपा नेता के ऊपर हमले के आरोप में अविनाश मिश्रा और उसके साथी को गिरफ्तार किया है। इस दौरान ये दोनों भी घायल हुए हैं।

बनारस में हरीश मिश्रा पर हुआ हमला

ये पूरा मामला वाराणसी के सिगरा थाना क्षेत्र के विद्यापीठ इलाके से सामने आया है। स्थानीय सपा नेता हरीश मिश्रा जो बनारस वाले मिश्रा जी के नाम से भी चर्चित हैं, उनपर हमला किया गया है। हमला उस समय हुआ जब वह अपने घर के बाहर खड़े थे। हमलावरों ने हरीश मिश्रा पर चाकू से हमला किया था, लेकिन उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं पहुंची। इस दौरान आस-पास के लोगों ने हमलावरों को पकड़ लिया और उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। हरीश मिश्रा का कहना है कि उन्हें अपने ऊपर हमले की आशंका थी, इसलिए कुछ दिन पहले ही उन्होंने पुलिस में इसको लेकर सूचना भी दी थी। आपको ये भी बता दें कि इस पूरे मामले में पुलिस ने भी करणी सेना की भूमिका से इनकार किया है।

माफिया अतीक के करीबी समेत पांच की गाड़ी फिर सीज

'ऑपरेशन हंटर' से पुलिस ने कसा शिकंजा

प्रयागराज, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद से जुड़े पांच लोगों को पुलिस ने बड़ा झटका दिया है, उनकी गाड़ियां जब्त कर ली गई हैं। ये कार्रवाई ऑपरेशन हंटर के अंतर्गत की गई है। सभी जब्त किए गए वाहनों को पूरामुफ्ती थाने में सुरक्षित रखा गया है, और पुलिस उनके मालिकों की गतिविधियों पर नजर रख रही है, जिसके बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लग्जरी गाड़ियों पर कार्रवाई इन जब्त की गई कुछ महंगी गाड़ियों पर काली फिल्म लगी हुई थी, और कुछ में हूटर भी लगे थे। इसके अलावा, कई गाड़ियों पर नंबर प्लेट भी नहीं थे, जबकि उन्हें शोरूम से निकले हुए काफी समय हो चुका है। हिस्ट्रीशीटरों पर पुलिस की नज़र वाहनों पर कार्रवाई के साथ-साथ, पुलिस हिस्ट्रीशीटरों के घरों पर भी दस्तक दे रही है और वांछित अपराधियों को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है। पुलिस अपराधियों पर लगातार दबाव बना रही है। ऑपरेशन हंटर अपराधियों पर शिकंजा डीसीपी सिटी अभिषेक भारती ने विभिन्न मामलों में वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी, हिस्ट्रीशीटरों की निगरानी और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के साथ-साथ माफिया अतीक गिरोह से जुड़े लोगों पर शिकंजा कसने के लिए ऑपरेशन हंटर शुरू किया है।

जेसीओ और उनकी पत्नी के साथ बर्बरता पर सेना नाराज

डीजीपी से शिकायत की तब निलंबित हुए थानेदार

पटना, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा में सेना के जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) अजीत कुमार और उनके परिवार के साथ बिहार पुलिस ने बेरहमी से पीटा था। इतना ही नहीं जब सूबेदार अजीत कुमार ने विरोध किया तो उसे गिरफ्तार कर लिया गया। बात जब सेना मुख्यालय पहुंचा तो अधिकारियों ने कड़ी नाराजगी जताई। फौरन सेना के अधिकारियों ने बिहार के डीजीपी विनय कुमार से मुलाकात की और उनसे कार्रवाई की अपील की। इसके बाद डीजीपी के आदेश पर तेल्हारा थाना के थानेदार को निलंबित कर दिया गया है। अब आईजी स्तर के अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। डीजीपी ने सेना के अधिकारी को दोषियों पर कड़ी कार्रवाई और निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है। नालंदा के तेल्हारा थाना क्षेत्र चांदपुर गांव में सूबेदार अजीत कुमार चैती छठ के अवसर पर छुट्टी लेकर अपने घर आए थे। उन्होंने बताया कि उनके भाई और सरपंच मंटू कुमार पर दुष्कर्म का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने मंटू पर प्राथमिकी दर्ज की है। जब मंटू नहीं मिला तो तेल्हारा थाने की पुलिस ने नौ अप्रैल की रात को अजीत कुमार के घर छापेमारी की। पुलिस ने बिना वारंट और पूर्व सूचना के दीवार फांदकर घर में घुसे। विरोध करने पर घर मौजूद लोगों को बेरहमी से पीटा। इतना ही नहीं मुझे, मेरी पत्नी, भाभी, भतीजी, बहन को घर से खींचकर ले गए और सभी को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। इतना ही नहीं पुलिस के कार्य में बाधा का आरोप लगाकर मुझे और मेरे भतीजे पर केस कर दिया।

यूनिवर्सिटी में 5 छात्रों पर बिजली गिरी, सभी झुलसे, 2 की हालत गंभीर

मुरादाबाद, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी में आकाशीय बिजली गिरने से 5 छात्र झुलस गए थे। अब इस घटना का सीसीटीवी फूटेज सामने आया है जिसमें पेड़ के नीचे खड़े छात्रों पर बिजली गिरती हुई साफ दिखाई दे रही है। छात्र यूनिवर्सिटी में आयोजित महावीर जयंती के अवसर पर कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे। बारिश से बचने के लिए पेड़ के नीचे खड़े हो गए थे। इस बीच अचानक बिजली गिरने से सभी छात्र जमीन पर गिर गए। एक छात्र उठकर भाग गया, बाकी पांच छात्र झुलस गए। बाद में उनके साथियों ने उन्हें यूनिवर्सिटी के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

तेजस्वी हों, पीके हों या कांग्रेस, इनका उद्देश्य बिहार की समस्या हल करना नहीं: मनोज तिवारी

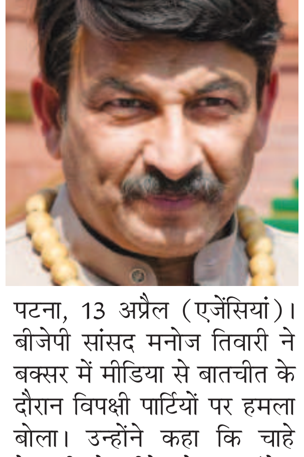

पटना, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने बक्सर में मीडिया से बातचीत के दौरान विपक्षी पार्टियों पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि चाहे तेजस्वी हों, पीके हों या कांग्रेस इनका उद्देश्य बिहार की समस्याओं को हल करना या राज्य में समृद्धि लाना नहीं है। ये लोग केवल निजी लाभ पर ध्यान केंद्रित करते हैं। सत्ता में आने पर अपना-अपना घर भरते हैं। अपराध का नंगा नाच करते है। बिहार आज एनडीए के साथ मजबूती से खड़ा है। राज्य के हर कोने में विकास हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि दो दिन बाद बिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी आएंगे, बहुत सारी बातें बताएंगे। मेरा पूरा विश्वास है कि अगले पांच साल में बिहार को हम एक विकसित बिहार के रास्ते पर दौड़ा लेंगे। जब तक देश विकसित होगा, उससे पहले बिहार को विकसित करके देंगे।

बंगाल हिंसा पर भी बोले मनोज तिवारी

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ संशोधन अधिनियम के विरोध में भड़की हिंसा पर भी बीजेपी सांसद मनोज तिवारी की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में राज्य सरकार द्वारा हिंसा भड़काई जा रही है। खास तौर पर हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। इस स्थिति से पूरे देश की आंखें खुल जानी चाहिए कि कैसे एक सरकार तुष्टिकरण के नाम पर एकजुट हिंदू समुदाय पर अत्याचार करवा रही है, पुलिस साथ नहीं दे रही है। शासन प्रशासन गूंगा हो चुका है। मुझे लगता है इस दर्द को अब बंगाल के लोग समझने लगे है। बहुत जल्दी टीएमसी का सर्वनाश होगा ऐसा मेरा विश्वास है।

डिप्टी सीएम ने भी तेजस्वी यादव पर बोला हमला

इसके अलावा बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि टिकट तो वे देते हैं वह साफ दिखता है। हमलोग जानते हैं कि शराब माफिया को टिकट देने का काम तेजस्वी करते हैं। लालू प्रसाद यादव का परिवार ही पूरी तरह शराब माफियाओं से मिला हुआ है। गोपालगंज, सीवान में किसे टिकट दिया, ऐसे बहुत उदाहरण है। उन्होंने आगे कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव होगा और नीतीश कुमार के नेतृत्व में फिर से सरकार बनेगी।

हज यात्रा: 29 अप्रैल से राजधानी से पहली उड़ान 15 अप्रैल से लगाए जाएंगे दिमागी बुखार के टीके

लखनऊ, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। हज यात्रियों की उड़ानों का सिलसिला 29 अप्रैल से शुरू हो जाएगा। इससे पहले हज यात्रियों को 15 अप्रैल से दिमागी बुखार के टीके लगाए जाएंगे। हज कमेटी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को टीके उपलब्ध कराने के लिए पत्र भेज दिया है। प्रदेश से हज के लिए करीब 13748 यात्रियों को लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट और दिल्ली एयरपोर्ट से सऊदी अरब रवाना किया जाना है। लखनऊ से रवाना होने के वाले हज यात्रियों के लिए राज्य हज कमेटी सरोजनीनगर स्थित मौलाना अली मियां मेमोरियल हज हाउस में व्यवस्था की गई है। रवानगी से पूर्व हज यात्रियों को दिमागी बुखार (मेनिनजाइटिस) के टीके लगवाना अनिवार्य है। ये टीके 15 अप्रैल से लगाए जाएंगे। टीकाकरण शिविर का आयोजन 17 अप्रैल तक रहेगा।

सपा जिला कार्यालय की लीज निरस्त करने की मांग पर सांसद रुचि वीरा बोलीं

'जरूरत पड़ी तो हम इसके खिलाफ कोर्ट भी जायेंगे'

मुरादाबाद, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में प्रशासन द्वारा समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय की लीज निरस्त करने के लिए शासन को पत्र लिखे जाने पर मुरादाबाद से समाजवादी पार्टी की सांसद रुचि वीरा ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है और हमें लगता है कि यह सत्ता पक्ष के नेताओं के कहने पर कार्यवाही हो रही है। हम इस मामले में अधिकारियों से मिलेंगे और अपनी बात उनके सामने रखेंगे। सपा सांसद ने कहा कि पहले भी एक बार हम अधिकारियों से इस मामले में मिले थे और कार्यवाही रुक गयी थी। एक बार और हम अधिकारियों से मिलकर अपनी बात रखेंगे। अगर जरूरत पड़ी तो हम इसके खिलाफ कोर्ट भी जायेंगे। यहां समाजवादी पार्टी के कार्यालय की 1994 में स्थापना हुई थी। तब से यही समाजवादी पार्टी का कार्यालय मौजूद है। यह कार्यवाही दुर्भाग्यपूर्ण है। रुचि वीरा ने कहा कि मुरादाबाद में सपा का जिला कार्यालय सिविल लाइन इलाके में चक्कर की मिलक ग्राम छावनी में नजूल भूमि पर बना हुआ है जो 1994 में लीज पर ली गयी थी। राजस्व रिकॉर्ड में यह कोठी संख्या 4 के नाम से दर्ज है और लगभग 953.71 वर्ग मीटर में यहाँ सपा जिला कार्यालय बना हुआ है।

सपा नेताओं की चिंता बढ़ी- सांसद

उन्होंने कहा कि मुरादाबाद नगर निगम की सिफारिश पर मुरादाबाद मंडल के कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने प्रमुख सचिव नगर विकास यूपी सरकार को दिनांक 28 मार्च 2025 को पत्र भेज कर इसकी लीज को निरस्त कर इसे सरकारी प्रयोजनार्थ शासन में निहित करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान करने की मांग की है।

जिसके बाद से सपा नेताओं की चिंता बढ़ गयी है। मुरादाबाद सांसद ने कहा कि अगर शासन से आवंटन निरस्त कर भूमि को सरकारी प्रयोजनार्थ हेतु शासन में निहित करने की मंजूरी मिल जाती है तो फिर नगर निगम और जिला प्रशासन इस भूमि पर अपना कब्ज़ा कर लेगा और ऐसे में समाजवादी पार्टी का कार्यालय बंद हो सकता है। इसे लेकर समाजवादी पार्टी की सांसद रुचि वीरा की यह प्रतिक्रिया सामने आई है।

बिलासपुर में अज्ञात लोगों ने तोड़ी मजार

केस दर्ज, आसपास के सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

बिलासपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। बिलासपुर की गोबिंद सागर झील किनारे ऐतिहासिक सांढू मैदान में बनाई गई मजार को अज्ञात लोगों ने रात को तोड़ दिया। इस मजार को लेकर पिछले कुछ दिनों विवाद चला हुआ है। करीब एक सप्ताह पहले भी इस मजार को लेकर सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट की गई थी, जिस पर सवर्ण मोर्चा के कार्यकर्ता मजार के पास पहुंच गए थे। हालांकि मजार का इतिहास जान पर वापस चले गए। मजार को लेकर भ्रामक पोस्ट डालने को लेकर सदर थाना में एफआईआर भी दर्ज की गई थी, लेकिन उस मामले की जांच पूरी होने पहले ही शनिवार रात को अज्ञात लोगों ने मजार को तोड़ दिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव चौधरी ने बताया कि मजार तोड़ने को लेकर अज्ञात लोगों पर मामल दर्ज किया है। आसपास लगे सीसीटीवी की जांच की जा रही है।

फैशन डिजानइर विक्की की फैक्टरी पहुंचे राहुल गांधी, व्यापार में आ रही परेशानियों के बारे में पूछा

नारनौल, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी नारनौल के फैशन डिजाइनर विक्की सैनी की फैक्टरी में पहुंचे। विक्की सैनी ने 2016-17 में दिल्ली के हौज खास के पास शाहपुर जाट में फैक्टरी लगाई थी। जिसमें करीब 40 कारीगर कार्य भी कर रहे हैं। अब उनकी फैक्टरी में पांच अप्रैल को राहुल गांधी ने पहुंच कर अनेक मुद्दों पर चर्चा की। बता दें कि राहुल गांधी ओबीसी वर्ग से जुड़े ऐसे व्यापारियों को लेकर सर्वे कर रहे हैं, जिन्होंने जीरो से अपना कारोबार शुरू किया है। इस दौरान राहुल गांधी ने विक्की सैनी से पूछा कि ओबीसी के कितने लोग इस फील्ड में हैं। साथ ही इस कार्य में क्या-क्या परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यहां तक राहुल गांधी ने कपड़े की कटिंग भी की। जिसका अब उन्होंने वीडियो जारी किया है। राहुल गांधी ने पूछा कि आप ने काम कहां से शुरू किया? विक्की सैनी ने कहा कि उसने जीरो लेवल से कार्य शुरू किया। उसने टीवी पर देखकर फैशन डिजाइनिंग में आने की सोची। राहुल गांधी ने पूछा कि आपका मिशन क्या है तो विक्की ने कहा कि उसे मिडिल क्लास से हायर बनना है।

जो कार्य कर रहा उसकी नहीं मिल रही वैल्यू

राहुल गांधी ने कहा कि जो कार्य कर रहा है उसे वैल्यू नहीं मिल रही है और बिचौलिया पहले लाभ उठा रहा है। इस नेटवर्क में जिसकी पहुंच है वह सारा फायदा उठा रहे हैं। आपका 20 हजार में बिकेगा, वहीं दूसरा पांच लाख में बेच रहा है। हुनर में फर्क नहीं है, लेकिन सारा प्रॉफिट कोई ओर उठा रहा है।

लोगों का काम बिना पहुंच के बने ऐसा हो सिस्टम

राहुल गांधी ने कहा कि बिना पहुंच के देश में कोई काम नहीं होता। जिसकी वजह से व्यापारी को पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। वह ऐसा सिस्टम चाहते हैं कि लोगों का काम बिना पहुंच के बन जाएं।

हुनर है पर एंट्री नहीं मिल रही

विक्की सैनी ने राहुल गांधी से कहा कि हमारे पास हुनर है, लेकिन बेहतर प्लेटफार्म नहीं मिल पा रहा है। जिस पर राहुल ने कहा आप लोगों को भी उसमें जगह मिलनी चाहिए।

नारनौल के मोहल्ला नलापुर का रहने वाला है विक्की

नारनौल के मोहल्ला नलापुर में विक्की सैनी का जन्म हुआ था। उनके पिता उदमीराम सैनी की नई और पुरानी सब्जी मंडी में दुकानें हैं। लेकिन विक्की ने हटकर कुछ करने की ठानी और अब दिल्ली में फैक्टरी लगाकर नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

विक्की के पिता बोले बेटे पर गर्व

उदमीराम सैनी ने बताया कि उसके दो लड़के हैं। उसके बड़े लड़के ने फैशन डिजाइनर का कोर्स किया था। जिसके बाद वह दिल्ली में ही रहकर अपना कार्य कर रहा है। फैशन डिजाइनिंग के क्षेत्र में बेटे ने जो सफलता हासिल की है, उससे क्षेत्र का मान बढ़ा है और उन्हें अपने बेटे पर गर्व है। यह बड़े गर्व की बात है कि राहुल गांधी जैसे नेता उनकी फैक्टरी पर आए और उनके बेटे की हौसला अफजाई की।

नई दिल्ली स्टेशन पर मिला 'खजाना', फिर रेल अटेंडेंट ने जो किया वो कर देगा हैरान

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। रेलवे स्टेशन से ईमानदारी की ऐसी मिसाल सामने आई है जो किसी का भी मन मोह लेगी. दरअसल बीते दिन बिहार के राजेंद्र नगर से चल कर दिल्ली आने वाली संपूर्ण क्रांति में एक यात्री ने अपना कीमती सामान से भरा बैग ट्रेन में ही छोड़ दिया. जिसपर ट्रेन के अटेंडेंट की नजर पड़ी और अटेंडेंट ने तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को इसके बारे में जानकारी दी और कीमती बैग को उसके मालिक तक पहुंचा दिया गया. हुआ ये कि जब राजेंद्र नगर से पटना के रास्ते चली संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस जब नई दिल्ली पहुंची, तो कोच अटेंडेंट रणधीर कुमार सिंह को नोटों और गहनों से भरा थैला मिला. बावजूद इसके उन्होंने अपना ईमान डिगने नहीं दिया. उन्होंने लावारिस बैग के बारे में तुरंत ट्रेन के टीटीई को सूचना दी. टीटीई साहब ने भी तत्परता से काम किया और कोच के चार्ट को देखा.

दिल्ली में 5 दिन चलेंगी तेज हवाएं, राजस्थान में लू का अलर्ट, यूपी के 47 जिलों में होगी बारिश

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में अलग-अलग जगहों पर मौसम करवट लेता नजर आ रहा है, जहां राजधानी दिल्ली में आई आंधी के बाद तापमान में गिरावट आई और लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली। हालांकि दो दिन से मौसम साफ है, 14 अप्रैल के बाद अगले 5 दिन फिर से दिल्ली में तेज हवाएं चलेंगी। मौसम विभाग की ओर से 15, 16, 17, 18, 19 अप्रैल के लिए तेज हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया गया है। दिल्ली के तापमान में इन दिनों बढ़ोतरी देखने को मिलेगी, जहां आज दिल्ली का न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस है। वहीं कल यानी 14 अप्रैल को बढ़ोतरी के साथ न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। आज उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में तेज बिजली कड़कने और हवाओं के साथ हल्की बारिश हो सकती है।

हरियाणा से चंडीगढ़ तक बारिश

इसके साथ ही हरियाणा, चंडीगढ़ में भी गरज के साथ बारिश और बिजली चमकने की संभावना है। अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर और उससे सटे पूर्वी भारत में गरज के साथ बारिश, बिजली चमकने और तेज हवाएं चलने की संभावना है। वहीं 14-15 अप्रैल को अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय और ओडिशा में भारी बारिश का अलर्ट है। वहीं 15 अप्रैल को झारखंड में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है। अगले तीन दिन केरल में तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है।

उत्तर-पश्चिम भारत का तापमान

इसके अलावा मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत के अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना जाहिर नहीं की है। हालांकि, इसके बाद अगले 6 दिनों के दौरान तापमान में 4-6 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी। आज महाराष्ट्र के अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने की संभावना है और अगले 4 दिनों के दौरान फिर से तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी।

इन राज्यों में लू का अलर्ट

14 और 15 अप्रैल को पश्चिमी राजस्थान में लू चलने की संभावना है। यही नहीं 16-18 अप्रैल को पंजाब, हरियाणा, पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश में भी अलग-अलग स्थानों पर भीषण लू चलने की संभावना है। वहीं उत्तर प्रदेश के 47 जिलों के लिए अगले 24 घंटे के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इसके साथ ही इन जिलों में गरज-चमक बिजली गिरने की भी संभावना है।

कुल्लू में टूटा पुल

सीमेंट से लदे ट्रक का भार सह नहीं पाया, एनएच-305 पर यातायात बंद

कुल्लू , 13 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू के मंगलौर में एक पुल टूटने का मामला सामने आया है. इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. पुल टूटने से राष्ट्रीय राजमार्ग 305 पर आवाजाही पूरी तरह से ठप है. राहत और बचाव कार्य जारी है.

दरअसल, कुल्लू के मंगलौर में जीभी, बंजर, तीर्थन से आनी की ओर जाने वाला पुल टूटने की घटना उस समय हुई जब 10 पहियों वाला सीमेंट से लदा ट्रक पुल से गुजर रहा था. पुलिस गुजरते वक्त ट्रक गिर गया. यह घटना राष्ट्रीय राजमार्ग 305 की है. पुल टूटने से एनएच 305 पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद हो गई है.

केरल की पहली आदिवासी एयर होस्टेस दिहाड़ी मजदूर की बेटी ने ऐसे पाया मुकाम

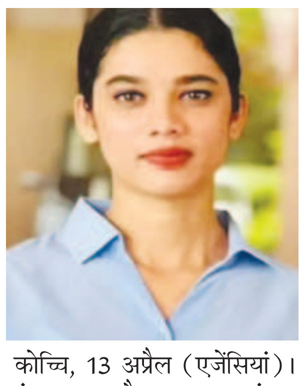

कोच्चि, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। इंसान का हौसला अगर बुलंद और मजबूत हो तो विपरीत हालात भी उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकते। बुलंद हौसले और मजबूत इरादों से इंसान कोई भी लक्ष्य हालिस करता है। विपरीत हालातों में हासिल की गई सफलता समाज और राज्य के लिए प्रेरणा बनती है। ऐसी ही सफलता की एक मिसाल पेश की है केरल की गोपिका गोविंद ने। गोपिका ने सपने देखे और उसको साकार करने में राह में जो मुश्किले आईं उसका भी सामना किया और बन गईं केरल की पहली आदिवासी एयर होस्टेस। गोपिका गोविंद ने केरल की पहली आदिवासी एयर होस्टेस बनकर इतिहास रच दिया। यह उनकी उपलब्धि भर नहीं, बल्कि केरल के लिए भी गौरव का विषय है। गोपिका का जन्म केरल के अलाकोड़े के पास कावुनकुडी के एसटी कॉलोनी में हुआ था। उनके माता-पिता पी। गोविंदन और वी।जी। जो दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करते थे। गोपिका करिम्बा जनजातीय समुदाय की एक युवती हैं।

गोपिका का बचपन आर्थिक कठिनाइयों और सीमित संसाधनों से भरा था। फिर भी उन्होंने कभी अपने सपने को नहीं छोड़ा और उसे पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने रसायन विज्ञान में बीएससी किया। परिवार की आर्थिक स्थिति के चलतेएक वक्त ऐसा भी आया जब उन्होंने अपना सपना छोड़ने का मन बना लिया था, लेकिन एक दिन अखबार में एयर होस्टेस की वर्दी पहने एक केबिन क्रू सदस्य की तस्वीर देखकर उनका सपना फिर जाग उठा। इसके बाद गोपिका ने एयर होस्टेस बनने का निर्णय लिया। गोपिका ने वायनाड के कलपेटा स्थित ड्रीम स्काई एविएशन ट्रेनिंग अकादमी में एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स में दाखिला लिया। गोपिका का पहले प्रयास में चयन नहीं हो सका, लेकिन गोपिका ने उम्मीद नहीं छोड़ी। उनको दूसरे प्रयास में सफलता मिली। तीन महीने के प्रशिक्षण के बाद गोपिका ने कन्नूर से खाड़ी देश के लिए अपनी पहली उड़ान भरी। गोपिका की सफलता दर्शाती है कि दृढ़ इच्छाशक्ति से कोई भी सपना पूरा करना संभव है। आज गोपिका आदिवासी और पिछड़े समुदायों की युवा महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं।

दो घंटे में बदमाशों ने लूटपाट की तीन वारदातों को दिया अंजाम, हवलदार समेत पांच लोगों को मारा चाकू

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। आदर्श नगर इलाके में बृहस्पतिवार को दो घंटे के भीतर बदमाशों ने लूटपाट की तीन वारदात को अंजाम दिया। इस दौरान विरोध करने और पकड़ने का प्रयास करने वाले दिल्ली पुलिस के हवलदार समेत पांच लोगों को चाकू मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने तकनीकी जांच कर एक नाबालिग समेत दो बदमाशों को पकड़ लिया। पुलिस ने इनके कब्जे से लूटे गए दो मोबाइल, एक लैपटॉप और 41 हजार रुपये बरामद किए हैं। बालिग बदमाश की पहचान यूपी के देवरिया के गांव बहिहार बगेल निवासी सूरज के रूप में हुई। वह दिल्ली में आदर्श नगर में रहता है। उत्तर पश्चिम जिला उपायुक्त भीष्म सिंह के मुताबिक, बृहस्पतिवार तड़के चार बजे आदर्श नगर निवासी सोनू अपने चाचा ओम प्रकाश के साथ आजादपुर मंडी जा रहा था, तभी स्कूटी सवार दो बदमाशों ने उन्हें रोका और चाकू मारने की धमकी देकर मोबाइल, 50 हजार और दस्तावेज छीन लिए। विरोध करने पर बदमाश ने सोनू के सीने में चाकू मार दिया। पुलिस इस मामले की जांच कर ही रही थी कि तभी आजादपुर फ्लाईओवर के पास पिकअप वैन चालक मुकेश के साथ लूटपाट की सूचना मिली। विरोध करने पर बदमाशों ने उसे चाकू मार दिया। कैब चालक अभिषेक पांडे और ड्यूटी से घर जा रहे रणजीत नगर थाने में तैनात हवलदार जय भगवान ने बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की, तो बदमाश दोनों पर चाकू से हमला कर भाग गए।

होटल में किराये का कमरा... बिस्तर पर बिखरे नोट, 23 लाख कैश, आती थी लड़कियां, रूम नंबर 207 में ये क्या

जालंधर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर में पुलिस ने एक होटल में रेड की। वहां का नजारा देख पुलिस भी सन्न रह गई। होटल के रूम नंबर 207 में बैड पर नोट बिखरे थे। होटल के कमरे को पूरे एक महीने के लिए बुक किया गया था। कमरे में तीन लोग ठहरे थे, जिनसे मिलने के लिए लड़कियां भी आती थी। जब पुलिस ने रेड की तो हकीकत सामने आ गई। दरअसर होटल के कमरे से ठगी का खेल चल रहा था। पुलिस को कमरे से कुल 23 लाख रुपये कैश, 160 सिम कार्ड, कई एटीएम और बैंक पासबुक भी मिली है। जालंधर के होटल एम-1 कमरा किराये पर लेकर लोगों को ठग रहे तीन नौसरबाजों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस गिरोह का मुख्य किंगपिन भी पकड़ा गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में रिंपल डुगडगा, वरुण आंचल और अनिल कुमार है। तीनों आरोपी गुजरात का रहने वाले हैं और 10 दिन से होटल एम-1 में रह रहे थे। पुलिस ने तीनों के खिलाफ केस दर्ज करके उनसे पूछताछ शुरू कर दी है। जानकारी अनुसार एम-1 होटल में रह रहे गुजरात के राजकोट निवासी रिंपल डुगडगा ने होटल मैनेजर को एक माह तक रूम में ठहरने की बात कही थी। मैनेजर को उसपर शक हुआ और तभी से उस पर नजर रखनी शुरू कर दी। कई दिनों से उसे मिलने अलग-अलग लोग और लड़कियां भी आ रही थी। उनके हाथ में लिफाफे होते थे, जिनमें काफी कैश था। शक होने पर होटल प्रबंधकों ने पुलिस को सूचना दी तो एसीपी सैंट्रल निर्मल सिंह के नेतृत्व में थाना नई बारादरी के प्रभारी कमलजीत सिंह ने पुलिस टीम के साथ होटल के रूम नंबर 207 में रेड की। जैसे ही पुलिस कमरे में पहुंची तो नजारा देख हैरान रह गई। बैड पर नोट बिखरे हुए थे। कैश इतना था कि पुलिस को पैसे गिनने वाली मशीन मंगवानी पड़ी। गिनने पर वह 23 लाख रुपए निकले। पुलिस को रूम से 160 सिम कार्ड, अलग-अलग बैंकों के एटीएम कार्ड और पासबुक बरामद हुई। थाना नई बारादरी के प्रभारी कमलजीत सिंह ने बताया कि आरोपी लोगों को झांसा देकर उनकी बैंक डिटेल्स लेकर उनके बैंक खाते खाली कर देते थे और फिर वह रकम अपने बैंक खाते में ट्रांसफर करके एटीएम कार्ड या फिर पासबुक के जरिये निकलवा लेते थे।

प्रगतिशील कर्नाटक के

बेंगलुरु पार्क में हिंदू लड़के के साथ बैठी थी मुस्लिम लड़की ,दोनों को ऐसा पीटा कि मच गया बवाल

बेंगलुरु, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। बेंगलुरु के एक पार्क में एक हिंदू लड़के और मुस्लिम लड़की से मारपीट की गई और उनको धमकाया गया। घटना चंद्रा सुवर्णा लेआउट पार्क में हुई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। पुलिस ने पांच आरोपियों की गिरफ्तारी की है। दरअसल, बेंगलुरु के चंद्रा सुवर्णा लेआउट पार्क में स्कूटी पर बैठे थे। इसी दौरान कुछ लड़के उन्हें घेर कर उनसे सवाल जवाब कर वीडियो रिकॉर्ड करने लगे। आरोपियों में से एक युवक बार-बार युवती से पूछता है कि क्या उसके घर वालों को पता है कि वो कहां है। साथ ही हिंदू युवक से पूछता है कि वह अलग धर्म की लड़की के साथ क्यों बैठा है। युवकों ने युवती से भी कहा कि वो बुर्का पहनकर एक हिंदू लड़के के साथ बाइक पर क्यों बैठी है। इसके बाद लकड़ी भी उन युवकों के साथ बहस करने लगती है। फिर आरोपी युवक स्कूटी पर बैठे युवक को थोड़ी दूर ले जाते हैं और उसके साथ मारपीट शुरू कर देते हैं। साथ ही लड़की को शर्म करो कहने लगते हैं। इस मामले में पुलिस ने शुरू में हिंसा से इनकार किया, लेकिन वीडियो में आरोपियों द्वारा युवक को घेरकर लकड़ी को डंडे से पीटते देखा जा सकता है। पुलिस के अनुसार, युवती ने उत्पीड़न और मारपीट की शिकायत की है। इस मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों वसीम, मंसूर, अफरीद, महिन और एक नाबालिग की गिरफ्तारी की है। इस पूरे मामले में सियासत भी शुरू हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे और कर्नाटक की सीएम सिद्धारमैया सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा, 'राज्य में 'किसी भी तरह की मॉरल पुलिसिंग को "बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कर्नाटक एक प्रगतिशील राज्य है। यह बिहार, उत्तर प्रदेश या मध्य प्रदेश नहीं है।'

पंजाब पुलिस को बड़ी सफलता

10 लाख के इनामी आंतकी गोल्डी ढिल्लों के 2 गुर्गे गिरफ्तार; तीन किलो आईईडी बरामद

चंडीगढ़, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस को रविवार को एक बड़ी सफलता मिली है। पंजाब के डीजीपी के आधिकारिक एक्स हैंडल से जानकारी दी गई है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव आधिकारिक अकाउंट पर शेयर किए गए पोस्ट के अनुसार काउंटर इंटेलिजेंस फिरोजपुर ने जर्मनी स्थित आतंकी गुरप्रीत सिंह उर्फ गोल्डी ढिल्लों द्वारा संचालित आतंकी मॉड्यूल के प्रमुख गुर्गों जग्गा सिंह और मनजिंदर सिंह को गिरफ्तार किया है। गुरप्रीत सिंह उर्फ गोल्डी ढिल्लों, गोल्डी बराड़ और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सबसे करीबी गुर्गा है। पुलिस ने फिरोजपुर में शांति और सद्भाव को बिगाड़ने की पाकिस्तान की आईएसआई की योजना को विफल कर दिया।

आरोपियों के पास से 2.8 किलोग्राम आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) बरामद हुआ है, जिसमें 1.6 किलोग्राम आरडीएक्स और 1 रिमोट कंट्रोल है। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आईईडी को लक्षित आतंकी हमले के लिए बनाया गया था। एनआईए ने गोल्डी ढिल्लों पर 10 लाख का इनाम घोषित किया है। विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मोहाली में एफआईआर दर्ज की गई है। डीजीपी पंजाब ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि पंजाब पुलिस पाकिस्तान की आईएसआई द्वारा प्रायोजित अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और संगठित अपराध नेटवर्क को खत्म करने और पंजाब में शांति और सद्भाव बनाए रखने के अपने मिशन में दृढ़ है।

सगाई के बाद दूल्हे ने घुमाया एक कॉल, मांग बैठी दो ऐसी चीजें, दुल्हन के पैरों तले खिसक गई जमीन सीधे पहुंची थाने

भोपाल, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला की सगाई हो गई थी और कुछ ही दिन में उसकी शादी होने वाली थी। घर पर शादी की तैयारियां जोरों-शोरों से शुरू हो चुकी थी। मैरिज गार्डन बुक करने से लेकर कैटरिंग और जरूरी शॉपिंग भी कर ली गई थी। लेकिन इसी बीच कुछ ऐसा हुआ की दुल्हन बनने से पहले महिला थाने पहुंच गई। उसने अपने मंगेतर और उसके परिवार पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करवा दी। जानकारी के मुताबिक, ऐशबाग क्षेत्र में रहने वाली युवती ने मंगेतर रेलकर्मी सहित उसके परिवार पर महिला थाने में दहेज प्रताडना का केस दर्ज कराया है। युवती का आरोप है कि सगाई होने के कुछ दिन बाद अचानक रेलकर्मी ने दहेज में पांच लाख रुपए नकद और बुलेट की मांग की थी।

दिल्ली में अधिकारियों की मीटिंग में शामिल ये शख्स कौन? आतिशी ने उठाए बडे सवाल

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में 27 साल बाद भाजपा की सरकार आई है। राजधानी में बीजेपी की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के पति इन दिनों सुर्खियों में हैं। दरअसल, आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि उनके पति राष्ट्रीय राजधानी में सरकार चला रहे हैं। यह दावा विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने किया है, जिसके बाद से नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। आपको बता दें कि आतिशी ने मनीष गुप्ता की फोटो शेयर करते हुए लिखा कि यह शख्स दिल्ली के अधिकारियों की बैठक ले रहे हैं, वह दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के पति हैं।

आतिशी ने लगाए आरोप

दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री ने एक्स पर कुछ फोटो शेयर की, जिसमें उन्होंने लिखा 'जो व्यक्ति एमसीडी, डीजेबी, पीडब्ल्यूडी और डीयूएसआईबी के अफसरों की मीटिंग ले रहे हैं, यह दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के पति मनीष गुप्ता हैं।' उन्होंने लिखा कि 'हम पहले सुनते थे कि अगर गांव में एक महिला सरपंच चुनकर आती थी, तो सारा सरकारी काम उसका पति संभालता था।' ऐसा कहा जाता था कि गांव की महिलाओं को सरकारी काम संभालना नहीं आता, इसलिए काम 'सरपंच-पति' संभालेंगे, लेकिन इस प्रथा का विरोध हुआ, महिला सरपंचों को ट्रेनिंग देने की शुरुआत हुई कि वे अपनी जिम्मेदारी संभाल सकें।

'दिल्ली में सीएम के पति चला रहे सरकार'

आतिशी ने आगे लिखा कि देश के इतिहास में यह पहली बार हुआ होगा कि एक महिला मुख्यमंत्री बनी और सारा सरकारी काम उनके पति संभाल रहे हैं। उन्होंने सवाल करते हुए लिखा कि क्या रेखा गुप्ता जी को सरकारी काम संभालना नहीं आता? क्या इसी वजह से दिल्ली में रोज लंबे-लंबे पॉवर कट हो रहे हैं? क्या रेखा जी से बिजली कंपनियां नहीं संभाली जा रही हैं? क्या इसी वजह से प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ रही है? क्या रेखा जी से शिक्षा विभाग नहीं संभल रहा? उन्होंने आखिर में लिखा कि एक मुख्यमंत्री-पति का सरकार चलाना बेहद खतरनाक है।

यूसुफ अंसारी के खिलाफ एफआईआर, बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने की थी शिकायत

मुंबई, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई में औरंगजेब को लेकर जारी विवाद पूरी तरह से थमने से पहले मस्जिदों पर लाउडस्पीकर लगाने वाला विवाद जोर पकड़ने के संकेत मिले हैं। ऐसा इसलिए कि भारतीय जनता पार्टी के नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया को धमकी देने के आरोप में यूसुफ अंसारी के खिलाफ शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया है। दरअसल, यूसुफ अंसारी ने अंसारी ने मस्जिद के स्पीकर पर बीजेपी के पूर्व सांसद किरीट सोमैया के कानूनी रुख के संबंध में एक वीडियो पोस्ट किया था। यूसुफ अंसारी वीडियो में बीजेपी नेता किरीट सोमैया के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग करने के साथ उन्हें धमकी देते हुए दिखाई देते हैं। यूसुफ अंसारी के इस रुख के खिलाफ शिकायत मिलने पर शिवाजी नगर पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है। हाल ही में इस मामले को लेकर बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल मुंबई के विशेष पुलिस आयुक्त देवेन भारती से मुलाकात की थी।

प्रतिनिधिमंडल में मिहिर कोटेचा, सुनीर राणे, कैप्टन तमिन सेल्वन और अन्य बीजेपी नेता शामिल थे। विशेष पुलिस आयुक्त देवेन भारती से मुलाकात के दौरान किरीट सोमैया ने कहा था कि अवैध मस्जिदों पर लगे लाउडस्पीकरों के खिलाफ आवाज उठाने पर यूसुफ अंसारी ने जान से मारने की धमकी दी है। इसके बाद मुंबई के शिवाजी नगर थाना पुलिस ने बीजेपी नेता की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 196(1) (एक-बी) और 351 दो के तहत मामला दर्ज किया है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 14 अप्रैल - 2025

दंगे पर सियासत

वक्फ कानून के विरोधियों ने धार्मिक जुनून में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद, नॉर्थ 24 परगना, हुगली और मालदा जिलों में हिंसा का जिस तरह से तांडक किया है उसकी तो किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। दंगाइयों के सामने जो भी वाहन मिले वह आग की भेंट चढ़ गए। दुकानों-घरों में तोड़फोड़ कर लूटपाट की गई। 3 लोगों की मौत और 15 पुलिसकर्मी घायल होने के बाद भी दंगाइयों का जोश ठंडा होने का नाम नहीं ले रहा था। 150 लोगों की बाहें मरोडने के बाद हिंसा पर काबू पाया जा सका। लेकिन इसके बाद सियासत का जो खेल शुरू किया गया है उसे भी पूरा देश देख रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल के हिंसाग्रस्त इलाकों में 1600 जवान तैनात कर दिए हैं। 300 के करीब बीएसएफ जवान हैं। कुल 21 कंपनियां की तैनाती की गई हैं। हिंसाग्रस्त वाले इलाकों में इंटरनेट बैन है। धारा 144 लागू है। वक्फ कानून के विरोध में 10 अप्रैल से लगातार हिंसा जारी है। जलती आग में घी डाल गए टीएमसी सांसद और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान ने, जो चाय पीते हुए पोस्ट शेयर कर दी। इस पर भी अब बवाल मच गया है। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला के अनुसार बंगाल जल रहा है। पुलिस चुप है। इन सबके बीच यूसुफ पठान चाय की चुस्की लेते हुए हिंदुओं के कत्लेआम का आनंद ले रहे हैं। दूसरी ओर नए वक्फ कानून को लेकर दिल्ली में जमीयत उलेमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति की बैठक शुरू हो गई है। वहीं एमएआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ कानून असंवैधानिक करार दिया है। उनका कहना है कि बीजेपी वक्फ बोर्ड पर कब्जा करना चाहती है। पश्चिम बंगाल में नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें केंद्रीय बल की तैनाती और हिंसा की जांच एनआईए से कराने की मांग की थी। हाईकोर्ट ने हिंसाग्रस्त इलाकों में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती का आदेश दे दिया है। जस्टिस सौमेन सेन की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा- हम उन रिपोट्र्स पर आंखें मूंद नहीं सकते जो सामने आई हैं। मुर्शिदाबाद के अलावा जहां भी हिंसा नजर आती है, वहां केंद्रीय सुरक्षा बल की तैनाती की जाए। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने मुर्शिदाबाद हिंसा पर पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव और डीजीपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की। उन्होंने जल्द से जल्द सामान्य स्थिति सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कदम उठाने को कहा। पुलिस का कहना है कि पुलिस की ओर से गोली नहीं चली है, बीएसएफ की ओर से हो सकता है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कह दिया है कि वक्फ कानून राज्य में लागू नहीं होगा। कानून केंद्र ने बनाया है, इसलिए जो जवाब आप चाहते हैं, वह केंद्र से मांगा जाना चाहिए। मेरी अपील है कि शांत रहें। सबकी जान कीमती है, राजनीति के लिए दंगे न भड़काएं। इस बीच बीजेपी सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लेटर लिखकर राज्य के सीमावर्ती जिलों में सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम (अफस्पा) लागू करने की मांग की है।

बाबा साहेब की विरासत पर सियासत

प्रियंका सौरभ

देश भर में आज बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई जा रही है। मंदिरों की घंटियों की तरह मंचों पर माइक बज रहे हैं, फूलों की माला और भावुक भाषणों की बाढ़ है। लेकिन इन सबके बीच एक सवाल लगातार मन को कुरेदता है-क्या यह श्रद्धांजलि है या सत्ता की साधना? बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के महू में हुआ था। वे महार जाति से थे, जिसे अछूत समझा जाता था। सामाजिक बहिष्कार और अपमान के बीच उन्होंने शिक्षा हासिल की और कोलंबिया विश्वविद्यालय व लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसे संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त की।

यह उपलब्धि अपने आप में उस समय के भारत में एक क्रांति थी। बाबा साहेब ने सामाजिक अन्याय के खिलाफ मोर्चा खोला और 1956 में उन्होंने बौद्ध धर्म अपना लिया -एक ऐसा धर्म जो समता, करुणा और ज्ञान की राह दिखाता है। 6 दिसंबर 1956 को उन्होंने दुनिया को अलविदा कहा, लेकिन उनके विचार आज भी जीवित हैं - बशर्ते उन्हें ज़िंदा रखा जाए। आज जब हम संसद और विधानसभाओं की तरफ नज़र डालते हैं, तो पाते हैं कि वहां बड़े पैमाने पर पूंजीपति, अभिनेता, खिलाड़ी मौजूद हैं। लेकिन जो बहुजन समाज सत्ता की सीढ़ी बनता है, उसे नीचे ही रहने दिया जाता है। जातिगत जनगणना से बचने वाली सरकारें, सामाजिक न्याय को स्थायी नीति में बदलने को तैयार नहीं हैं। यही कारण है कि समाज में गहराई से असमानता बनी हुई है बाबा साहब की जयंती पर करोड़ों रुपये खर्च कर देना, बड़ी रैलियां और पोस्टर लगवा देना, उनकी मूर्तियों को फूलों से ढक देना-क्या यही श्रद्धा है? क्या ये वही लोग नहीं हैं जो बाबा साहब की किताबें कभी पढ़ते तक नहीं?

क्या ये वही सियासी दल नहीं हैं जिनकी नीतियां प्रत्यक्ष रूप से संविधान की आत्मा के विरुद्ध जाती हैं? यह ढोंग तभी रुकेगा जब हाथी के दांत खाने और दिखाने के एक कर दिए जाएं। जब कथनी और करनी में फर्क मिटेगा। और जब शासन सत्ता में सभी को जनसंख्या के अनुपात में हिस्सेदारी मिलेगी-तभी हम कह सकेंगे कि हमने बाबा साहब को सही मायनों में श्रद्धांजलि दी है। जिस बाबा साहेब ने भारत के सबसे दबे-कुचले, हाशिए पर पड़े वर्गों को आवाज दी, संविधान में उनके अधिकार सुनिश्चित किए, उन्हीं के नाम पर आज वही लोग जयंती मना रहे हैं जिन्होंने उनके विचारों को कुचलने में कोई कसर नहीं छोड़ी। बाबा साहेब ने स्पष्ट कहा थाः मैं हिंदू के रूप में पैदा हुआ, यह मेरे बस में नहीं था, लेकिन हिंदू होकर मरूंगा नहीं- यह मेरे वश में है। इस ऐतिहासिक उद्घोषणा को समझने के बजाय, राजनेताओं ने उन्हें मूर्तियों तक सीमित कर दिया।

संविधान, जिसे उन्होंने दलितों, पिछड़ों और गरीबों की रक्षा के लिए लिखा था, उसे आज बेतरतीब तरीके से तोड़ा-मरोड़ा जा रहा है। बड़े दुख की बात है कि जिन दलों का जन्म ही दलितों और पिछड़ों के हक के लिए हुआ था, वे आज या तो सत्ता के लालच में चुप हैं या डर के मारे मौनव्रत धारण किए हुए हैं। बसपा जैसे दल बाबा साहेब का नाम लेकर सत्ता में आए, लेकिन आज उनके सिद्धांतों की रक्षा में सबसे पीछे हैं। सिर्फ चुनावी रणनीति बनकर रह गया है बाबा साहेब का नाम। आरक्षित सीटों से विधायक-सांसद बनने वाले लोग अपने-अपने दलों की गुलामी में मग्न हैं। वे दलित हितों पर हो रहे प्रहारों को मूकदर्शक बनकर देख रहे हैं। ऐसे में एक साधारण नागरिक के तौर पर मैं, विनेश ठाकुर, इन सत्ता-भोगी प्रतिनिधियों की कठोर निंदा करता हूँ। आज जो लोग बाबा साहेब को याद कर रहे हैं, उनमें से अधिकांश ने उनके विचारों पर एक कदम भी चलने का साहस नहीं दिखाया।

जातिगत जनगणना, जनसंख्या के अनुपात में सत्ता में हिस्सेदारी, शिक्षा और रोज़गार में बराबरी जैसे मुद्दे आज भी लंबित हैं। इसके बजाय गरीबों को फ्री राशन देकर खुश करने की नीति अपनाई जा रही है - स्थायी रोजगार और गरिमा भरे जीवन की जगह भीख सरीखा जीवन दिया जा रहा है। लोकसभा और विधानसभाओं में बड़े-बड़े उद्योगपति, अभिनेता और खिलाड़ी पहुँचते हैं।

सामाजिक क्रांति की जरूरत है न कि भ्रान्ति की

रघु ठाकुर

हमारे देश के कुछ दलित बुद्धिजीवियों व स्वघोषित आंबेडकरवादियों ने अमेरिकी तर्ज पर भारत में डायवर्सिटी के सिद्धांत को अपना आदर्श लक्ष्य घोषित किया है तथा वे इसे क्रांतिकारी सिद्धांत बताने का प्रयास करते रहे हैं। दरअसल अमेरिका में 1960 के दशक में जब रंग भेद और नस्लभेद के विरुद्ध काले-नीग्रो लोगों का आंदोलन बहुत तीव्र हुआ था तथा जब आंदोलन और हिंसा अमेरिका के शहरों में भी फैली थी तब तत्कालीन राष्ट्रपति जॉनसन ने एक आयोग का गठन किया था। इस आयोग की सिफारिशों के आधार पर यह विविधता का कानून बनाया गया था और इस कानून के माध्यम से सभी क्षेत्रों में काले नीग्रो को भी समाहित किया गया था यह एक प्रकार से भारत के आरक्षण की पद्धति जैसा ही था जिसे बाद में अमेरिकी समाज में शएफरमेटिव एक्शन्य या शसकारात्मक कदम्य के रूप में जाना गया। हमारे देश के जो कुछ दलित बुद्धिजीवी अमेरिकी परस्त हैं वे अमेरिका के इन कदमों को बहुत क्रांतिकारी कदम मानते हैं और दूसरी तरफ उनके मन मस्तिष्क में कहीं भारत के अतीत या इतिहास के प्रति गहरी नफरत घर कर गई कि अतीत में भारत में उठाये गये इनसे बेहतर कदमों को वे उद्वत करना भी उचित नहीं मानते। महात्मा ज्योतिबा फुले ने जातिवादी भेदभाव एवं अंधविश्वास के विरुद्ध सामाजिक आंदोलन चलाया था। स्वामी विवेकानंद ने जातिवाद पर जबरदस्त हमला किया था तथा 20वीं सदी के शूद्रों की सदी निरूपित किया था। डॉ. राममनोहर लोहिया ने पिछड़े पावे सौ में साठ का नारा दिया था। परंतु हमारे वे दलित बुद्धिजीवी, फुले, विवेकानंद, डॉ. लोहिया की चर्चा नहीं करते। वे बुद्ध की चर्चा कभी कभी कभार ही करते हैं और वह भी लाचारी में क्योंकि आंबेडकर जी जीवन के अंतिम दिनों में बौद्ध हो गये थे। ये बुद्धिजीवी पेरियार की चर्चा भी नहीं करते हैं, जिन्होंने ब्राह्मणवाद के खिलाफ एक सांस्द्रतिक आंदोलन खड़ा किया था। बाबा साहब की चर्चा भी वे शायद सामाजिक लाचारी से करते हैं। ये दलित बुद्धिजीवी सूट-बूट को क्रांति का प्रतीक मानते हैं तथा यह उद्धत करते हैं गांधी की लंगोटी अतीतजीवी थी। इसकी खिलाफत में बाबा साहब ने सूट-बूट और टाई पहनी, जिसे गांधी ने त्याग दिया था। इन मित्रों की इस स्थापना का कोई तार्किक आधार नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत का पिछले हजार डेढ़ हजार वर्ष का इतिहास जाति प्रथा की विद्रतियों व जुल्मों से भरा पड़ा है। भारत की इस जाति प्रथा ने देश की बहुसंख्यक आबादी को जन्मना छोटा बना दिया। उसे शूद्र कहकर उत्पादन या सेवा के कार्य तक सीमित कर दिया तथा उत्पादन के लाभ के मालिक स्वयं बन बैठे। मनु स्मृति में शूद्र के जीवन का उददेश्य केवल सवर्ण की सेवा करना ही बताया गया है। हाथ से काम करने वालों तथा सेवा कार्य वाली बड़ी आबादी को गुलामों से भी बदतर बना दिया गया। अतीत के इन अन्यायों के प्रति गुस्सा होना भी चाहिए परंतु भारत में हुए उन प्रयोगों की चर्चा भी ईमानदारी से करनी चाहिए, जिनमें न केवल जाति प्रथा के विरुद्ध अभियान चलाया गया था वरन जिन्होंने तथा कथित ऊँची जातियों के अपने ही लोगों के अन्याय व दमन को भी सहा था। जाति प्रथा पर चोट जिस प्रकार कबीर ने की थी वह कोई मामूली हमला नहीं था। संत रविदास ने जाति के विरुद्ध जो दार्शनिक प्रश्न खड़े किये थे, उसका कोई उत्तर सवर्ण समाज नहीं दे सका था। वह भी कोई मामूली घटना नहीं थी। बाबा साहब निरू संदेह सूट-बूट और टाई पहनते थे, परंतु जीवन के आखिरी दौर में जब वह बौद्ध बने और जब उन्होंने दीक्षा ग्रहण की तब वे सूट-बूट में नहीं थे,बल्कि परंपरागत बौद्ध वेशभूषा में थे। इस घटना का हमारे दलित बुद्धिजीवी किस दृष्टिकोण से विश्लेषण करेंगे मैं नहीं जानता, परंतु हमें एक बात नहीं भूलनी चाहिए कि भाषा और भूषा भी एक प्रकार की गुलामी या मानसिक दास्तां की प्रतीक हो सकती है। अंग्रेजी काल में अंग्रेजी साम्राज्यवाद की भाषा थी और आज भी है। अंग्रेजी उस ब्रिटिश साम्राज्य की भाषा थी जिसने भारत को गुलाम बनाया था और आज अंग्रेजी उस विश्व व्यापार संगठन की भाषा है जो केवल आर्थिक साम्राज्यवाद की प्रतिनिधि संस्था है। इसी प्रकार सूट-बूट और टाई अंग्रेजियत तथा ठंडे मुल्कों की नकल है। चूंकि उस समय ब्रिटेन या यूरोप व अमेरिका में अध्ययन के लिए तथा वकालत जैसे कार्यों के लिए सूट-बूट अपरिहार्य थे, इसलिये बाबा साहब को भी सूट-बूट पहनना पड़ा था। वस्त्रों का संबंध भी जलवायु एवं उत्पादन के साथ होता है। यूरोप व अमेरिका ठंडी जलवायु वाले भूभाग हैं, जहां पर सूट-बूट, टाई आदि आवश्यक हैं परंतु भारत एक गर्म जलवायु वाला देश है, जहां वर्ष में चार माह छोड़कर भीषण गर्मी और उमस होती है। ऐसे मौसम में सूट-बूट उपयुक्त नहीं है। दक्षिण भारत की अधिकांश आबादी जिनमें बहुसंख्यक दलित व पिछड़े भी शामिल हैं लुंगी पहनते हैं। हमारा ग्रामीण समाज जिसमें बहुंसख्यक दलित व पिछड़ा आदिवासी है, धोती पहनता है। हमारे दलित बुद्धिजीवी मित्र जब काले अमेरिकी लोगों की चर्चा करते हैं तब वे यह भूल जाते हैं कि काले लोग विद्रोह के समय अपनी वेशभूषा में थे। अन्य सभी लोग भी अपने ही देश की वेशभूषा में लड़े हैं। भारत में कपास का उत्पादन पर्याप्त था और इसलिए हमारे देश में मौसम के अनुकूल धोती, कुर्ता, लुंगी आदि सुविधाजनक पोषाक थी। क्रांति वस्त्रों से नहीं बल्कि मानसिक परिवर्तन से होती है। ब्रिटिश काल में हमारे तमाम देशी शासक राजा-महाराजे और बड़े नौकरशाह सूट-बूट पहनकर ही अंग्रेजों की जी हुजूरी करते थे। इसके विपरीत खादी और देशी वेशभूषा अंग्रेजों और अंग्रेजियत के विरोध का प्रतीक थी। दलित उद्योगपति, पूंजीपति, नौकरशाह व सत्ताधीश बनें यह हमारे लिये सुखद होगा, परंतु आदर्श लक्ष्य तो तभी पूरा होगा जब कोई छोटा या बड़ा न रहे सब समान हों। क्रांति का मतलब ऐसे परिवर्तन से हो जो वर्तमान विषमता को समाप्त करे। गरीबी, भुखमरी, शोषण और पीड़ा के विशाल समुद्र में चंद सभ्रांत अमीरी और ताकत के टापू खड़े करने से विशाल दलित समाज को कोई फायदा नहीं होने वाला। दरअसल यह पूँजीवादी षडयंत्र है। यह नई दृष्टि दलितों में विषमता को आदर्श लक्ष्य बनाने की चाल है। आदर्श व्यवस्था वह होगी जिसमें बूट पर पॉलिश करने वाले और बूट की उत्पादक कंपनी का मालिक बाटा, दोनों की दैनिक समान होगी। जिन बुद्धिजीवी मित्रों के मन में बराबरी की बजाय बड़े बनने की इच्छा है, वे जन्मना दलित हो सकते हैं परंतु दिमाग से शोषक, सवर्ण जैसे ही है। मनुवाद विषमता का भाव है और समानता का भाव व कर्म समाजवाद है। अगर अमेरिका की अमीरी के टापू बनाने की नकल के बजाय यह दलित बुद्धिजीवी देश के आम दलितों से जुड़कर उन्हें परिवर्तन के लिए प्रेरित एवं शिक्षित करें, जिसका प्रयास बाबा साहब ने किया था, और वोट से इस प्रकार की क्रांति संभव है। हमारे यह दलित, बुद्धिजीवी, गांधी को कितनी ही गाली क्यों न दें, परंतु मैं कहना चाहूँगा कि गांधी को गाली देना, आंबेडकरवाद नहीं है। गांधी और आंबेडकर के बीच रिश्तों को समझने के लिये उस दौर की परिस्थितियों को भी समझना होगा। बाबा साहब स्वतरू भी अपने अमेरिकी आग्रहों का इस्तेमाल अपने दलित तबके लिए अधिक से अधिक अधिकार हासिल करने के लिए करते थे, वह श्कलेक्टिव बार्गेनिंग्य (सामूहिक सौदेबाजी) के चतुर प्रयोगकर्ता थे। वे कुछ समय के लिए कारखाना बंदी का आह्वान तो करते थे, परंतु कारखानों को सदा-सदा के लिए बंद कर रोजगार के जरिया या आमदनी के मूल स्त्रोतों को बंद नहीं करते थे। आज दुनिया में अनेक छोटे-छोटे मुल्क हैं जहां एक ही रंग के लोग ज्यादा भी और उसी रंग शासक भी हैं। ऐसे कुछेक मुल्क काले रंग वालों के भी हैं और गोरे रंग वालों के भी हैं। इन मुल्कों में वैसा ही रंग पूंजीवाद है, जिस प्रकार की कल्पना भारत में दलित पूँजीवादी मित्र करते हैं, परंतु पूँजीवादी व्यवस्था के कारण हर वर्ष करोड़ों लोग भूख और बीमारियों से मौत के शिकार होते हैं।

कांग्रेस का अधिवेशन बनाम ढाक के तीन पात

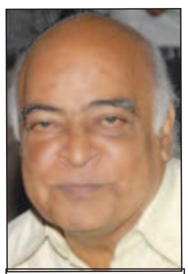

अशोक भाटिया

गुजरात में अधिवेशन कर कांग्रेस पार्टी लंबे समय से बीजेपी का गढ़ रहे राज्य में अपनी राजनीतिक ताकत को पुनर्जीवित करना चाहती थी । इसी के साथ कांग्रेस अपने जिला समितियों को भी उत्साहित करना चाहती थी थी कि आने वाले चुनावों को लेकर तैयार रहे ।हाल ही में कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व दिल्ली में तीन बैचों में 862 जिला अध्यक्षों से मिल चुका है, जहां उन्हें मिलने वाले 'अभूतपूर्व अधिकार' के बारे में संकेत दिया गया था । जिला अध्यक्षों की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने जिला अध्यक्षों से कहा था कि पार्टी के विचारों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने में उनकी भूमिका अहम है ।साल 2025 को संगठनात्मक पुनर्गठन के वर्ष के रूप में पहचान करते हुए, कांग्रेस गुजरात पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हुए आक्रामक रुख अपना रही है, जो महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमि है और जहां से उसके मुख्य प्रतिद्वंद्वी नरेंद्र मोदी आते हैं ।गुजरात में कांग्रेस अधिवेशन कर अपने कैडर को यह भी संदेश देना चाह रही थी कि वह प्रदेश में अपनी पहचान नहीं खोई है और वह मोदी और उनकी पार्टी बीजेपी से मुकाबले को तैयार है। अधिवेशन के लिए गुजरात के चुनाव पर वरिष्ठ पत्रकार मीनू जैन कहती हैं पिछले 10 साल से केंद्र में मोदी और अमित शाह काबिज हैं और दोनों ही गुजरात से आते हैं और कांग्रेस को वहां अपनी उपस्थिति दिखाना चाहती थी ।गौरतलब है कि 1960 में गुजरात राज्य के निर्माण के बाद, 1961 में भावनगर में अखिल भारतीय कांग्रेस सम्मेलन आयोजित किया गया था। यह पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, मोरारजी देसाई, उच्छंगराय ढेबर की उपस्थिति में आयोजित किया गया था। नीलम संजीव रेड्डी ने 1961 में कांग्रेस के 66वें सत्र की अध्यक्षता की थी। स्वागत समारोह था ठाकोरभाई देसाई। महासचिव जी. राजगोपालन, सादिक अली और महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री यशवंतराव चव्हाण भी मौजूद थे। बलवंत राय मेहता खुद भावनगर में पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित करने पर जोर दे रहे थे। उस समय पंडित नेहरू की लोकप्रियता काफी ज्यादा थी। चाचा नेहरू के दर्शन के लिए हजारों लोग भावनगर पहुंचे थे। भावनगर अधिवेशन में कांग्रेस ने राष्ट्रीय एकता समिति के गठन की घोषणा की और इंदिरा गांधी को समिति की अध्यक्षता की जिम्मेदारी सौंपी गई ।नीलम संजीव रेड्डी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा था कि कांग्रेस पार्टी में अनुशासन बनाए रखा जाना चाहिए और पार्टी कार्यकर्ताओं में मिशन की भावना पैदा की जानी चाहिए। अगले साल (1962) चुनाव होंगे, लोगों को आसानी से समझ लेना चाहिए कि हम क्यों खड़े हैं, हम चुनाव क्यों लड़ रहे हैं ।अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की बारी थी कि उन्होंने वही शब्द कहे जो नीलम संजीव रेड्डी ने 64 साल पहले अहमदाबाद में एक सम्मेलन में कहे थे। आजादी के बाद से देश और लगभग सभी राज्यों में कांग्रेस पार्टी सत्ता में थी। राष्ट्रीय स्तर पर कोई मजबूत और मजबूत विकल्प नहीं था जो कांग्रेस को चुनौती दे। कांग्रेस केंद्र में सत्ता में नहीं है। इनमें से दो कार्यकालों के लिए, 2014 से 2024 तक, कांग्रेस लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद भी नहीं पा सकी क्योंकि उसके पास पर्याप्त संख्या नहीं थी। 10 साल के अंतराल के बाद पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में 100 सांसद चुने जाने के बाद कांग्रेस को विपक्ष के नेता का पद मिला है। लोकसभा और राज्यसभा दोनों में विपक्ष के नेता का पद कांग्रेस के पास है। चुनावी राजनीति में कांग्रेस असफल क्यों हो रही है? अहमदाबाद में कांग्रेस अधिवेशन में जब मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी मंच पर मौजूद थे, तब देश के कुछ पदाधिकारियों, विशेषकर महिलाओं ने कड़ा रुख अपनाया और कहा कि पार्टी की बार-बार विफलताओं के लिए पार्टी के कुछ नेता जिम्मेदार हैं। राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से कश्मीर और मणिपुर से मुंबई तक दो पदयात्राएं निकालीं। हजारों लोग उनके साथ चले। इसका स्वागत किया गया। तो कांग्रेस ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव क्यों नहीं जीते? सत्र में यह भी आरोप लगाया गया कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व पार्टी के लिए कड़ी मेहनत करता है, चुनाव के दौरान चौबीसों घंटे कोशिश करता है, लेकिन पार्टी में कुछ गद्दार कैसे ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे पार्टी हार जाएगी। राहुल गांधी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एकमात्र उम्मीद हैं। जब वह पार्टी में सक्रिय या सक्रिय होते हैं, तो पार्टी में कुछ न कुछ जान होती है, लेकिन इस बीच वह गायब हो जाते हैं, छुट्टी पर चले जाते हैं या विदेश चले जाते हैं। तो आपको किस पर भरोसा करना चाहिए? यह सवाल कार्यकर्ता पूछते हैं। कांग्रेस के पास राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर नेतृत्व नहीं है जो कार्यकर्ताओं को ऊर्जा दे सके, राज्य में कार्यकर्ताओं को सक्रिय रख सके। पार्टी के पास ऐसा कोई नेता नहीं है जो युवाओं को कांग्रेस की ओर आकर्षित करे। तो पार्टी का विकास कैसे होगा? अगर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष का एक बेटा भाजपा में है और दूसरा क्षेत्रीय पार्टी में है, तो उन जिलाध्यक्षों पर कौन भरोसा करेगा? पार्टी को जुर्माना लगाना चाहिए कि प्रदेश अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष या नगर अध्यक्ष चुनाव न लड़ें। ऐसे पदों पर बैठे नेता पार्टी का नामांकन करवाते हैं और अपने दम पर चुनाव लड़ते हैं, इसलिए उन्हें पार्टी के अन्य उम्मीदवारों के प्रचार पर ध्यान देने का समय नहीं मिलता है। अगर प्रदेश अध्यक्ष या जिलाध्यक्ष अपने ही निर्वाचन क्षेत्र में फंस गए हैं तो पार्टी के अन्य उम्मीदवार कैसे चुने जाएंगे? उन्हें चुनाव साजो-सामान कौन मुहैया कराएगा? अहमदाबाद में सत्र में राहुल गांधी के भाषण में भी यही मुद्दे थे। उन्होंने संसद में वक्फ विधेयक पर बहस में भाग नहीं लिया। यदि विपक्ष के नेता संवेदनशील मुद्दे पर नहीं बोलते हैं, तो विपक्षी बेंचों के सदस्यों को क्या संदेश जाएगा? जब इस मुद्दे पर चर्चा चल रही थी, तब प्रियंका गांधी वाड्रा संसद में भी नहीं आईं, इसलिए पार्टी को क्या सीखना चाहिए? उम्मीद थी कि कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन दिल्ली, महाराष्ट्र और हरियाणा में लोकसभा और विधानसभा चुनावों में हार पर आत्ममंथन करेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। किसी ने नहीं बताया कि हम कहां कम पड़ रहे हैं। राहुल गांधी का भाषण वह कह रहा है। उनका हर भाषण आरएसएस की आलोचना करता है। वह कहते हैं कि केवल कांग्रेस ही भाजपा और आरएसएस को रोक सकती है। फिर पिछले 11 वर्षों से हर चुनाव में, कांग्रेस पार्टी कहती रही है कि केवल कांग्रेस ही भाजपा और आरएसएस को रोक सकती है।

उसे सपाट क्यों मारा जा रहा है? पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी, तमिलनाडु में एमके स्टालिन, उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव और जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला ने भाजपा को चुनौती दी है। भाजपा आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू और बिहार में नीतीश कुमार को घेरने को मजबूर है, लेकिन उन राज्यों में भी कांग्रेस तीसरे या चौथे स्थान पर है। बांग्लादेश के राष्ट्रपति इसका विपरीत जवाब देते हैं और उनके साथ बैठे मोदी जी चुप रहते हैं।

अफसर के दस्तखत, जनता के जख्म

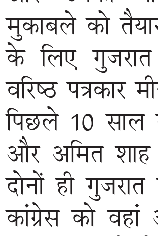

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

बड़े बाबू की मेज पर एक फाइल पड़ी थी, और उस पर 'तत्काल आवश्यक' की मुहर ऐसे चमक रही थी, मानो किसी सरकारी अफसर की संवेदनशीलता अचानक जाग उठी हो। बाबू साहब अपनी कुर्सी पर जमकर बैठे थे, जैसे सरकार से वेतन नहीं, बल्कि गद्दी का पट्टा पा गए हों। कलम हाथ में थी, लेकिन चलने को तैयार नहीं। फाइल को देखकर बोले-अरे भई, यह फाइल क्यों आई? हमने तो पहले ही कह दिया था कि जनता की समस्या हमारे हस्ताक्षर से नहीं, उनकी तक़दीर से हल होगी! दूसरी तरफ़ गाँव का एक बूढ़ा आदमी बैठा था, आँखों में उम्मीद का समंदर, लेकिन अफसर की टेबल पर फंसी सरकारी नौकरशाही की चट्टान उसे सूखा रही थी। साहब ने चश्मा ठीक किया, और बोले-देखो चाचा, सिस्टम ऐसे चलता है कि पहले चाय पिलाओ, फिर सिफारिश लगाओ, फिर चक्कर लगाओ, और फिर घर जाओ! बूढ़े ने कांपती आवाज़ में कहा, साहब, ये सरकारी योजना का लाभ मिल जाता तो मेरी झोपड़ी में दीवार आ जाती। अफसर हंसे-क्यों नहीं! और फिर उस दीवार पर एक सरकारी विज्ञापन भी चिपका देंगे-'आपके टैक्स के पैसे से बना, नेता जी के आशीर्वाद से पका!' सरकारी फाइलें किसी हॉरर फिल्म के भूत की तरह होती हैं, एक बार टेबल पर आ जाएं तो जाने का नाम नहीं लेतीं। चपरासी फाइल लेकर आता और बाबू जी उसे ऐसे घूरते, जैसे कोई घूरे पर बैठी गाय को देख रहा हो। बिना चाय के फाइल आगे नहीं बढ़ती, चपरासी ने गूढ़ ज्ञान दिया। गाँव के बूढ़े ने पगड़ी उतारी, रोनी सूरत बनाई और चाय के पैसे देने के लिए जेब टटोलने लगा। अफसर मुस्कराए-कहीं ऐसा न हो कि झोपड़ी बनाने से पहले तुम्हारी जेब की मरम्मत करनी पड़े! जनता की समस्या पर अफसरों की संवेदनशीलता ऐसी थी, जैसे फिल्म के विलेन को हीरो का दुख समझ में आ जाए। अबे मूर्ख, तेरा क्या काम यहाँ?-इंस्पेक्टर ने गब्बर स्टाइल में पूछा। बेचारा बुजुर्ग काँप गया, साहब, मेरे बेटे का राशन कार्ड नहीं बन रहा। अफसर ने ऐसी गहरी सांस ली, मानो वह राशन कार्ड न हुआ, भारत की अर्थव्यवस्था संभालने का ठेका हो।

राशन कार्ड नहीं बन रहा तो क्या हुआ? देशभक्ति से पेट भर लो! हमारे भाषण देखो, योजनाओं के नाम सुनो, भजन करो-भूख भाग जाएगी! बूढ़े के दर्द में पंचायती राजनीति नमक छिड़क रही थी। तुम्हें राशन कार्ड चाहिए? ठीक है, चुनाव के बाद आना। अभी तो हमारी प्राथमिकता विकास करना है-मतलब अपना विकास! पंच ने अफसर को आंख मारी और बोला, बुजुर्ग को थोड़ा उम्मीद दो, ताकि वोट बैंक बना रहे। अफसर बोले, हां, लेकिन वोट के बाद यह उम्मीद भी स्थगित हो जाएगी, जैसे सरकारी योजना की फाइलें होती हैं!

अंबेडकर जयंती: एक क्रांति का जन्म, एक सपने का सृजन

प्रो. आरके जैन

सपने वही साकार होते हैं, जो हिम्मत और हौसले से बुने जाते हैं। कल्पना करें, एक ऐसे बच्चे की, जिसे स्कूल के दरवाजे पर अपमान का सामना करना पड़े, जिसे पानी की एक घूँट के लिए दूसरों की दया पर निर्भर रहना पड़े। क्या वह बच्चा हार मान लेता है? नहीं! अगर उसका नाम भीमराव रामजी अंबेडकर हो, तो वह न केवल अपने भाग्य को बदल देता है, बल्कि पूरे समाज की नींव को हिला देता है। 14 अप्रैल, डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती, केवल एक तिथि नहीं, बल्कि उस ज्वाला का उत्सव है, जिसने सदियों की गुलामी और भेदभाव की बेड़ियों को तोड़कर भारत को समता, न्याय और मानवता का मार्ग दिखाया। बाबा साहेब, जैसा कि उन्हें प्रेम और सम्मान से बुलाया जाता है, एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचार, एक आंदोलन और एक क्रांति थे, जिन्होंने भारत के सामाजिक ताने-बाने को हमेशा के लिए बदल दिया। 1891 में मध्यप्रदेश के महू में एक साधारण परिवार में जन्मे भीमराव का बचपन अभावों, तिरस्कार और सामाजिक बहिष्कार से भरा था। महार जाति से होने के कारण उन्हें उस दौर की क्रूर जातिगत व्यवस्था का शिकार होना पड़ा। स्कूल में उन्हें अलग बैठाया जाता था, पानी पीने के लिए उन्हें दूसरों की कृपा पर निर्भर रहना पड़ता था। लेकिन इन कठिनाइयों ने उनके इरादों को कमजोर नहीं किया। उनकी असाधारण बुद्धि, ज्ञान की प्यास और शिक्षा के प्रति जुनून ने उन्हें न केवल भारत, बल्कि विश्व के शीर्ष शिक्षण संस्थानों तक पहुँचाया। कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसे संस्थानों में उन्होंने अर्थशास्त्र, विधि, समाजशास्त्र और राजनीति जैसे विषयों में गहन अध्ययन किया। उनकी विद्वता ऐसी थी कि अंग्रेजी सरकार से लेकर स्वतंत्र भारत तक, हर व्यवस्था उन्हें अपने लिए अपरिहार्य मानती थी। डॉ. अंबेडकर के लिए शिक्षा केवल व्यक्तिगत उन्नति का साधन नहीं थी, बल्कि यह सामाजिक परिवर्तन का सबसे शक्तिशाली हथियार थी। उनका प्रसिद्ध कथन—"शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो"—आज भी वंचित वर्गों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने शिक्षा को सामाजिक उत्थान का आधार बनाया और इसके प्रसार के लिए कई संस्थानों की स्थापना की। उनका मानना था कि जब तक समाज का अंतिम व्यक्ति शिक्षित और सशक्त नहीं होगा, तब तक समानता और न्याय का सपना अधूरा रहेगा। यही कारण था कि उन्होंने दलितों और वंचितों को शिक्षा के महत्व को समझाने के लिए अनगिनत प्रयास किए। वे कहते थे कि शिक्षा वह ताकत है, जो मनुष्य को अपनी नियति खुद लिखने की शक्ति देती है। बाबा साहेब का सामाजिक संघर्ष केवल अधिकारों की माँग तक सीमित नहीं था, यह समाज की चेतना को जागृत करने की ऐतिहासिक लड़ाई थी। 1927 का महाड़ सत्याग्रह इसका जीवंत उदाहरण है, जब उन्होंने दलितों के लिए सार्वजनिक जलस्रोतों तक पहुँच की माँग की। यह आंदोलन केवल पानी के अधिकार की लड़ाई नहीं था, बल्कि यह समाज को यह बताने का प्रयास था कि हर मनुष्य को बराबरी का हक है। इसके बाद 1930 में नासिक के कालाराम मंदिर प्रवेश आंदोलन ने एक बार फिर साबित किया कि बाबा साहेब जातिगत भेदभाव को मानवता पर आघात मानते थे। ये आंदोलन केवल प्रतीकात्मक नहीं थे, बल्कि सामाजिक नवजागरण की शुरुआत थे, जिन्होंने लाखों लोगों को यह विश्वास दिलाया कि वे भी सम्मान और समानता के हकदार हैं। डॉ. अंबेडकर का सबसे बड़ा योगदान भारतीय संविधान का निर्माण है, जिसने स्वतंत्र भारत को एक मजबूत, समतामूलक और न्यायपूर्ण राष्ट्र का आधार प्रदान किया। संविधान सभा के प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने एक ऐसा दस्तावेज़ तैयार किया, जो हर नागरिक को समानता, स्वतंत्रता, धार्मिक स्वतंत्रता, भाषाई स्वतंत्रता, शिक्षा का अधिकार और अवसर की समानता की गारंटी देता है। अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण की व्यवस्था ने लाखों लोगों को सामाजिक और आर्थिक मुख्यधारा में शामिल होने का अवसर दिया। यह व्यवस्था केवल नीति नहीं थी, बल्कि बाबा साहेब का वह वादा था, जो सदियों से उपेक्षित लोगों को सम्मान और अवसर का जीवन देना चाहता था। बाबा साहेब केवल दलितों के मसीहा नहीं थे, वे महिलाओं के अधिकारों के भी प्रबल समर्थक थे। उन्होंने हिंदू कोड बिल का मसौदा तैयार किया, जिसमें महिलाओं को संपत्ति में अधिकार, तलाक, विवाह की स्वतंत्रता और समान अधिकार देने की कोशिश की गई। यह बिल उस समय के रूढ़िवादी समाज के लिए क्रांतिकारी था, लेकिन तत्कालीन सरकार द्वारा इसे पारित न किए जाने पर उन्होंने केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। यह कदम उनकी उस अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो सिद्धांतों को किसी भी पद या प्रतिष्ठा से ऊपर रखता था। 1956 में बौद्ध धर्म अपनाकर बाबा साहेब ने एक और ऐतिहासिक कदम उठाया।

ऐसा शिवलिंग जिसके सामने औरंगजेब हुआ नतमस्तक

कौशाम्बी- हिंदू धर्म में खंडित मूर्तियों की पूजा को वर्जित माना जाता है, लेकिन प्रयागराज के कड़ा धाम स्थित प्राचीन शिव मंदिर में महाकालेश्वर खंडित शिव लिंग की पूजा विशेष रूप से की जाती है।

मान्यता है कि यहां पूजा करने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। यह स्थान महाभारत काल से जुड़ा हुआ है, जब धर्मराज युधिष्ठिर ने अपने अज्ञातवास के दौरान इस शिव लिंग की पूजा की थी।

औरंगजेब के आक्रमण से जुड़ी किवदंती

कड़ा धाम में स्थित इस खंडित शिव लिंग की पूजा की शुरुआत एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटना से जुड़ी हुई है। जब औरंगजेब ने भारत में मंदिरों पर आक्रमण किया था, तो उसने कड़ा धाम के मंदिर पर भी हमला किया। उस समय मठ के महंत उमराव गिरि जी महाराज उर्फ नागा बाबा ने शिव लिंग की पूजा करते हुए मंदिर की रक्षा के लिए एक विशेष कदम उठाया। उन्होंने अपने फरसे से शिव लिंग पर प्रहार किया, जिससे असंख्य भौरे (मधुमक्खियां) निकलकर औरंगजेब की सेना पर टूट पड़ी और उसे भगाकर रख दिया। यही घटना थी, जब से इस खंडित शिव लिंग की पूजा अनवरत रूप से की जाती है।

धर्मराज युधिष्ठिर ने यहां किया था शिव लिंग की स्थापना

कड़ा धाम, जिसे पहले "करोकोटक वन" के नाम से जाना जाता था, महाभारत काल से जुड़ा हुआ है। यहीं धर्मराज युधिष्ठिर ने अपने अज्ञातवास के दौरान शिव लिंग की स्थापना की थी।

युधिष्ठिर ने अपने परिवार सहित इस स्थान पर पूजा की थी। समय के साथ यह स्थान एक मठ में तब्दील हो गया और नागा बाबा यहां के महंत बने। किवदंती के अनुसार, जब औरंगजेब ने मंदिरों पर आक्रमण करना शुरू किया, तो इस स्थान पर भी उसका हमला हुआ था। नागा बाबा ने शिव लिंग पर प्रहार कर उसे खंडित किया और उसकी शक्ति का अहसास कराया।

बात–बात पर झूठ बोलतीं हैं इस मूलांक की लड़कियां

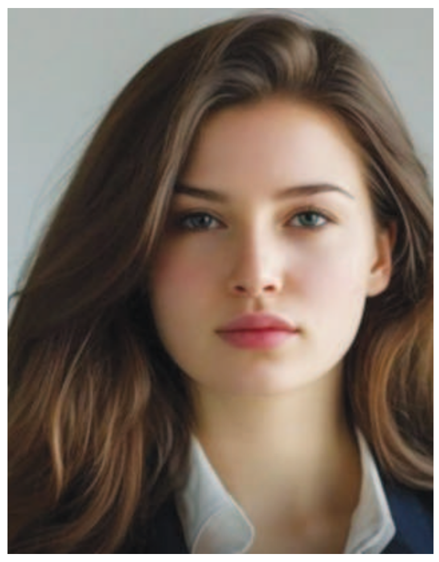

जिन महिलाओं का जन्म किसी भी महीने की 4, 13, 22 या 31 तारीख को होता है, उनका मूलांक 4 माना जाता है। इस अंक का स्वामी ग्रह राहु होता है, जो इन्हें एक रहस्यमय और अनिश्चित जीवन की ओर ले जाता है। मूलांक 4 की महिलाएं कर्मठ, ईमानदार और विश्लेषणात्मक सोच रखने वाली होती हैं, जो असंभव स्थितियों में भी समाधान निकालने का माद्दा रखती हैं। इनका जीवन अक्सर अचानक सौभाग्य और दुर्भाग्य के उतार-चढ़ाव से भरा होता है। विज्ञान, तकनीक और विश्लेषणात्मक क्षेत्रों में इनका प्रदर्शन काफी बेहतर रहता है।

मूलांक 4 एक रहस्यमयी अंक

यह अंक बहुत ही रहस्यमय माना गया है। मूलांक 4 की महिलाएं भी राहु की तरह गूढ़, स्वतंत्र विचारों वाली और आत्मविश्वासी होती हैं। मूलांक 4 की महिलाओं के दिमाग में क्या चल रहा है इसका पता लगाना अंसभव जैसा होता है। ये क्या सोच रही हैं कभी अपने मन की बात आसानी से शेयर नहीं करतीं। इन्हें जो अच्छा लगता है वह डिसीजन लेती हैं, चाहे आप इन्हें कितना भी समझाओ। इनका आत्मविश्वास कई बार कठोरता और जिद में भी बदल जाता है, जिससे पारिवारिक और सामाजिक जीवन में चुनौतियां उत्पन्न होती हैं।

इनका दिमाग़ी स्तर उच्च होता है। ये किसी भी कार्य में गहराई से सोचती हैं और समाधान निकालने में माहिर होती हैं। आकस्मिक सफलता और आकस्मिक विफलता, दोनों का अनुभव इनके जीवन में बार-बार होता है।

विपरीत परिस्थितियों में भी रखती हैं धैर्य

मूलांक 4 की महिलाएं किसी की झूठी तारीफ करना नहीं जानतीं और जो बात दिल में होती है, उसे साफ-साफ कह देने की प्रवृत्ति रखती हैं। यही स्पष्टवादिता कई बार इनके सामाजिक संबंधों में दूरियां पैदा कर देती है। विपरीत परिस्थितियों में भी ये धैर्य से काम लेना जानती हैं और सही समय पर सटीक निर्णय लेती हैं।

भाई-बहनों से संबंध

इनके भाई-बहनों से संबंध सामान्यतः अच्छे होते हैं, लेकिन बेबाक स्वभाव के कारण कभी-कभी टकराव भी हो जाता है।

वैवाहिक जीवन

विवाह के बाद ससुराल में सम्मान अर्जित करती हैं लेकिन जिद्दी स्वभाव और आलोचना को सहन न कर पाने की प्रवृत्ति जीवनसाथी के साथ संबंधों को प्रभावित कर सकती है। विशेष रूप से मूलांक 1, 2 और 3 के पुरुषों से विवाह में चुनौतियां अधिक देखी जाती हैं, जबकि मूलांक 5, 7 और 8 के साथ इनका दांपत्य जीवन तुलनात्मक रूप से बेहतर होता है।

बोलतीं हैं झूठ

अक्सर ये भी देखने को मिलता है कि ये महिलाएं अपने दिल की बात किसी से शेयर नहीं करना चाहतीं, जिस कारण इन्हें बार-बार झूठ का भी सहारा लेना पड़ता है। हालांकि लोग इनके झूठ को कई बार पकड़ भी लेते हैं, जिनसे उनका विश्वास इनपर कम हो जाता है।

इस योग मुद्रा से आपके ज्ञान और शक्ति में वृद्धि होगी! देवी प्रसन्न होकर करेंगी इच्छापूर्ति!

मुद्राओं का प्रचलन वेदकाल से संसार में चला आ रहा है। इस संसार में हमारे जीवन की बहुत सी समस्याओं का निराकरण ऋषि मुनियों द्वारा मुद्राओं की माध्यम से किया गया है। यह मुद्रा हमें किसी भी संकट से निकलने में मदद करती है। वेदकाल के समय ना लोगों के पास सुविधा थी और ना ही संसाधन। उस समय अपनी इच्छापूर्ति के लिये ऋषियों ने आमजन के लिये मुद्राज्ञान दिया। इससे लोगों की अनेकों समस्याओं का समाधान हुआ। आज हम देवी की त्रिखंड मुद्रा का दैनिक जीवन में इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं इस पर चर्चा करेंगे।

त्रिखंड मुद्रा : त्रिखंड मुद्रा देवी नित्य सुंदरी की 10 मुद्राओं में से एक प्रमुख मुद्रा है। इस मुद्रा का वर्णन वामकेश्वरतंत्र में किया गया है। यह बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्रा है इस पूजा के दौरान प्रयोग किया जाता है। यह मुद्रा देवी के तीन खंड का प्रतिनिधित्व करती है जो ज्ञान और शक्ति एवं इच्छा में वृद्धि करते हैं। इस मुद्रा का वर्णन वामकेश्वरतंत्र के तीसरे अध्याय में किया गया है।

कैसे करें त्रिखंड मुद्रा : त्रिखंड मुद्रा के लिए आपको सबसे पहले अपने दोनों हाथों को मिलाकर उंगलियों को अपने अंगूठे से जोड़ना होगा। इसके बाद अपनी उंगलियों को एक साथ सिकोड़ना होगा। इसके पश्चात अपनी उंगलियों को त्रिकोण के आकार में बनाकर देवी के समक्ष प्रार्थना करनी चाहिए। यह मुद्रा व्यक्ति के प्रत्येक उद्देश्य को पूरा करती है।

मां अपने बच्चे की कामयाबी के लिए करें ये सरल उपाय, चमक जाएगी किस्मत

ईश्वर का एक विशेष वरदान है मां। जब मां अपने बच्चों के लिए सोचती हैं तो वह सोच वरदान बन जाती है। मान्यता है कि मां के मन की शक्ति इतनी प्रबल होती है कि उसकी प्रार्थना को स्वयं भगवान भी नकार नहीं सकते। विशेष रूप से जब बात संतान की होती है तो मां की श्रद्धा और संकल्प से असंभव भी संभव हो सकता है। धार्मिक मान्यताओं और ज्योतिषीय उपायों के अनुसार मां द्वारा श्रद्धापूर्वक किए गए कुछ सरल उपाय बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। इन उपायों से न केवल बच्चों की पढ़ाई, करियर और विवाह संबंधी समस्याएं दूर हो सकती हैं, बल्कि मानसिक तनाव और गलत संगति जैसी स्थितियों में भी सुधार संभव है। इस बारे में बता रहे हैं

बच्चों के लिए मां करें ये सरल उपाय

संकल्प और मंत्र जाप का उपाय (7 दिन का विशेष उपाय)

अगर आपका बच्चा पढ़ाई में ध्यान नहीं देता, गलत संगत में है या जीवन में दिशाहीन हो गया है तो मां यह उपाय कर सकती हैं।

सामग्री

गंगाजल, अक्षत (चावल), लाल फूल, संकल्प सूत्र (कलावा या मौली)।

विधि इस प्रकार है

शांत मन से बैठकर गंगाजल, अक्षत (चावल) और लाल फूल हाथ में लें।

मुट्ठी बांधकर अपने बच्चे का नाम लेकर संकल्प लें- "मैं यह उपाय अपने पुत्र/पुत्री की सफलता के लिए कर रही हूं"। जो मनोकामना है वह मन दोहराएं।

किसी एक मंत्र का चयन करें- जैसे गायत्री मंत्र या ॐ गं गणपतये नमः या "ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे नमः"।

प्रतिदिन 11 माला जाप करें। सुबह या दिन में जब भी समय मिले, जाप पूरा करें।

एक जल पात्र और दीपक पास रखें और दीपक को सुबह जला दें जब तक माला पूरी न हो। रोजाना माला पूरी होने के बाद वो जल अपने बच्चे को पिला दें। ऐसा 7 दिन तक करें।

उपाय 2

विवाह में बाधा आ रही हो तो ये उपाय करें

विधि इस प्रकार है

एक ऐसा फल लें जो सात दिन तक खराब न हो (जैसे नारियल)।

मुट्ठी बांधकर अपने बच्चे का नाम लेकर संकल्प लें।

एक जल पात्र पास रखें।

प्रतिदिन उसी फल को हाथ में लेकर 11 माला ॐ मंत्र जाप करें।

जाप के बाद फल को घर के मंदिर में रखें।

सातवें दिन वह फल अपने बच्चे को खिला दें या उसका स्पर्श करवाएं।

रोजाना नया जल रखें, ध्यान रहे कि जल बच्चे को नहीं पिलाना है।

खींवसर में है रोगमुक्तेश्वर महादेव मंदिर

मंदिर के पुजारी गजानंद शर्मा ने कहा कि एक बार यहां पर दिल के दौरे वाला मरीज आ गया। उसे यहां से रेफर कर दिया गया। यह मरीज गाड़ी से उतरकर भगवान महादेव के शिवलिंग पर जल अर्पन करने लगा। यह चमत्कार देखकर हर कोई दंग रहे गया। भगवान महादेव के जयकारे गूंजने लगे।

आपने भगवान शिव के अनेक नाम और रुपों से परिचित होंगे। भगवान शिव को पशुपतिनाथ महादेव, देवो का देव, नर्बदेश्वेर महादेव, भूतश्वेर महादेव इस प्रकार के कई नामों से जाना जाता है। लेकिन नागौर जिले के खींवसर में स्थित भगवान शिव के मंदिर को रोगमुक्तश्वेर के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर खींवसर के हॉस्पिटल में बना हुआ है। मंदिर के पुजारी गजानंद शर्मा बताते हैं कि यहां पर पहले चबूतरा था।आसपास झाड़िया उग चुकी थी। इस स्थान की साफ-सफाई करवाकर खींवसर के भामाशाह घनश्याम चाडंक के द्वारा यहां पर जुलाई 2019 के अंदर चबूतरे पर बने शिवलिंग के स्थान पर महादेव की मंदिर बना दिया गया। इसके बाद यह मंदिर हॉस्पिटल में है। ऐसे में हॉस्पिटल में आने वाले लोगों के लिए यह एक आस्था का केंद्र बन गया है। यहां भोले बाबा हर व्यक्ति के दुःख और रोग को हरते हैं। जिस वजह से मंदिर को रोग मुक्तश्वेर नाम दे दिया गया और अब इस शिव मंदिर को रोग मुक्तश्वेर के नाम से ही जाना जाता है।

मरीज रोग मुक्तश्वेर की लगाते हैं परिक्रमा

पुजारी बताते है कि एक बार यहां पर दिल के दौरे वाला मरीज आ गया। उसे यहां से रेफर कर दिया गया। यह मरीज गाड़ी से उतरकर भगवान महादेव के शिवलिंग पर जल अर्पन करने लगा। यह चमत्कार देखकर हर कोई दंग रहे गया। भगवान महादेव के जयकारे गुजंने लगे। यहां पर दिनभर में आने वाले मरीज रोग मुक्तश्वेर शिवजी के परिक्रमा लगाते हैं। लोगो का ऐसा मानना है यहां भगवान शिव के सानिध्य में दवाई लेनी चाहिए।

5 हजार साल पुराना शिवलिंग

झालावाड के इस मंदिर के कुंड में नहाने से ठीक हो जाते हैं चर्म रोग !

इतिहासकार बताते हैं कि कायावर्णेश्वर महादेव मंदिर में मौजूद शिवलिंग की स्थापना महाभारत काल में अर्जुन के पुत्र अभिमन्यु के पौत्र राजा जन्मजय द्वारा की गई थी। यहां पर राजा जन्मेजय की प्रतिमा भी स्थापित है। एक पौराणिक कथा का हवाला देते हुए यहां के इतिहासकार बताते हैं कि राजा जन्मेजय का कुष्ठ रोग यहां के मंदाकिनी कुंड में स्नान करने से ठीक हुआ था।

झालावाड़ जिला मुख्यालय से लगभग 90 किलोमीटर दूर क्यासरा गांव के समीप पहाड़ियों के मध्य स्थित है एक प्राचीन शिवलिंग, जो महाभारत काल का बताया जाता है। शिवलिंग के ठीक नीचे पानी का एक कुंड बना है जिसके पानी से स्नान करने पर कुष्ठ रोग जैसे चर्म रोग भी दूर हो जाते हैं। यहां के इतिहासकार और इन मामलों के जानकार लोग बताते हैं कि यहां के लोग खेतों में खड़ी हुई फसलों में बीमारियां लगने पर भी यहां का पानी इस्तेमाल करके बीमारियों को दूर भगाते हैं।

इस कुंड के पानी को अपने साथ ले जाने के लिए दूर-दूर से लोग यहां पहुंचते हैं और भगवान भोले शंकर के दरबार में मन्नत मांग कर जाते हैं। मुरादें पूरी होने पर वापस यहां आते हैं और भंडारे तथा विशेष पूजा अर्चना का आयोजन करते हैं। इस मंदिर केजानकार बताते हैं कि यहां के कुंड के पानी से स्नान करने पर असाध्य चर्म रोग दूर होने के कारण इस मंदिर को कायावर्णेश्वर महादेव मंदिर का नाम मिला है। क्योंकि चर्म रोग दूर होने से मनुष्य की नई काया का निर्माण होता है।

कुंड में स्नान करने से ठीक हुआ था जन्मजय का कुष्ठ रोग

इतिहासकार बताते हैं कि कायावर्णेश्वर महादेव मंदिर में मौजूद शिवलिंग की स्थापना महाभारत काल में अर्जुन के पुत्र अभिमन्यु के पौत्र राजा जन्मजय द्वारा की गई थी। यहां पर राजा जन्मजय की प्रतिमा भी स्थापित है। एक पौराणिक कथा का हवाला देते हुए यहां के इतिहासकार बताते हैं कि राजा जन्मजय का कुष्ठ रोग यहां के मंदाकिनी कुंड में स्नान करने से ठीक हुआ था। स्नान के दौरान ही उन्हें मंदाकिनी कुंड में शिवलिंग मिला था जिसको राजा जन्मजय द्वारा यहां स्थापित किया गया।

भगवान शिव और बजरंगबली में मचा घमासान, फिर पूंछ में लपेट लिया

बजरंगबली भगवान शिव के ही अवतार माने गए हैं। और इन्हें एकादश रुद्र भी कहते है। इन्हें भगवान राम के परम भक्त और उनके प्रिय के रूप में भी जाना जाता है। लेकिन एक समय ऐसा भी आया था कि जब महादेव और हनुमानजी आमने सामने युद्ध के लिए आए गए। इस दौरान बजरंगबली ने अपना अद्भुत पराक्रम दिखाया था। उन्होंने शिवजी को अपनी पूंछ में लपेट लिया था, जिसे देखकर नंदी भी हैरान हो गए। इस महायुद्ध में जब बजरंगबली ने शिवजी को पूंछ में लपेटा तो क्या हुआ और यह घमासान कैसे शुरू हुआ। भगवान शिव के परम भक्त राजा वीरमणि और उनके पुत्रों का एक बार भगवान राम के छोटे भाई शत्रुघ्न की सेना के साथ बहुत बड़ा युद्ध हुआ था। यह युद्ध तब हुआ था जब शत्रुघ्नजी भगवान राम के द्वारा छोडे.गए अश्वमेध यज्ञ की रक्षा के लिए चल रहे थे। ऐसे में भगवान शिव अपने भक्त की रक्षा करने के लिए अपने गणों के साथ रण भूमि में पहुंचे थे। इस युद्ध के दौरान जब राजकुमार पुष्कल मारे गए और शत्रुघ्न मूर्छित होकर गिर गए। तब बजरंगबली ने अद्भुत पराक्रम दिखाया था। उन्होंने शिवजी के साथ युद्ध किया और घोड़ों व शिवजी के रथ को चूर चूर कर दिया। इसके बाद, शिवजी ने अपना त्रिशूल बजरंगबली पर चलाया, जिसे उन्होंने पकड़कर तोड़ दिया। भगवान शिव ने नंदी पर सवार होकर जब युद्ध करना शुरू किया तो हनुमानजी ने शाल वृक्ष का प्रहार करके शिवजी को व्याकुल कर दिया। कई प्रकार के प्रहार करके बजरंगबली ने शिवजी को आघात पहुंचाया और उन्हें अपनी पूंछ में लपेट लिया।

आमिर खान और गौरी स्प्रैट की उम्र में कितना अंतर?

हाल ही में अभिनेता आमिर खान ने अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ चीन में एक कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान कपल ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। दोनों मकाऊ इंटरनेशनल कॉमेडी फेस्टिवल में हाथों में हाथ डाले पैपराजी के लिए पोज देते हुए नजर आए। आइए जानते हैं आमिर और उनकी गर्लफ्रेंड की उम्र में कितना अंतर है।

गौरी के साथ आमिर ने खिंचवाईं तस्वीरें

फेस्टिवल में आमिर खान काले रंग के कुर्ता-पायजामा और भारी कढ़ाई वाले शॉल में नजर आए। जबकि गौरी ने सफेद रंग की फूलों वाली साड़ी पहनी हुई थी। दोनों ने चीनी अभिनेताओं शेन टेंग और मा ली के साथ भी पोज दिए। इस साल मार्च में आमिर ने अपने जन्मदिन पर उन्होंने अपने प्रशंसकों और मीडिया को गौरी को अपनी गर्लफ्रेंड के रूप में मिलवाया था।

आमिर और गौरी की उम्र में कितना अंतर?

आमिर खान ने हाल ही में अपना 60वां जन्मदिन मनाया। वहीं, गौरी स्प्रैट की उम्र की बात करें तो वह 46 वर्ष की हैं। दोनों की उम्र में 14 साल का अंतर है। कथित तौर पर गौरी अपनी पिछली शादी से जुड़वां बच्चों की मां हैं। अभिनेता पिछले एक साल से गौरी के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में हैं।

आमिर की पिछली शादियां

आमिर खान ने पहली शादी 1986 में रीना दत्ता से की थी और उनके दो बच्चे हुए इरा खान और जुनैद खान। साल 2002 में दोनों का तलाक हो गया। इसके बाद साल 2005 में उन्होंने किरण राव से शादी कर ली। उन्होंने सरोगेसी के जरिए एक बच्चे को जन्म दिया और उसका नाम आजाद रखा। हालांकि, साल 2021 में आमिर ने शादी के 15 साल बाद तलाक ले लिया।

'ड्रीम गर्ल 2' से छुट्टी होने पर छलका नुसरत का दर्द, अनन्या पांडे ने किया रिप्लेस

साल 2019 में आई फिल्म 'ड्रीम गर्ल' में आयुष्मान खुराना के साथ नुसरत भरूचा नजर आईं। हालांकि, वर्ष 2023 में जब इसका सीक्वल 'ड्रीम गर्ल 2' आया तो नुसरत को फिल्म से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। उनकी जगह अनन्या पांडे सीक्वल का हिस्सा बनीं। इस पर नुसरत भरूचा का दर्द छलका है। नुसरत का कहना है कि यह सही नहीं था, उनके अलावा फिल्म की पूरी स्टारकास्ट सीक्वल में नजर आई।

अनन्या पांडे ने किया रिप्लेस

नुसरत भरूचा ने कहा, 'मैं उन लोगों के साथ काम करूंगी, जो मेरे साथ काम करना चाहते हैं, जो सेट पर मेरी मौजूदगी को महत्व देते हैं। दीवार में सिर मार के क्या होगा'? फिल्म 'ड्रीम गर्ल' में नुसरत का अभिनय दर्शकों को काफी पसंद आया। मगर, सीक्वल में माही राजपूत के उनके किरदार को अनन्या पांडे ने रिप्लेस कर दिया।

सीक्वल का हिस्सा नहीं बनने पर आहत

फिल्म की रिलीज के करीब दो साल बाद अभिनेत्री ने खुलासा किया कि उन्हें रिप्लेस किए जाने पर दुख हुआ। सीक्वल का हिस्सा नहीं बनाए जाने पर वे आहत हुईं। खासकर यह पता चलने के बाद कि उन्हें छोड़कर पूरी कास्ट को दूसरे पार्ट में शामिल किया गया। नुसरत ने नयनदीप रक्षित के टॉक शो में यह खुलासा किया।

'मैं किसी के फैसले पर सवाल नहीं उठा सकती?'

उन्होंने कहा, 'मुझे तब और भी दुख हुआ जब मैं अपनी ही फिल्म की अगली कड़ी का हिस्सा नहीं बनी। खासकर यह जानकर की फिल्म का हर कलाकार सीक्वल का भी हिस्सा था, सिवाय लीड एक्ट्रेस के। मुझे लगा कि यह अच्छा नहीं था'। नुसरत ने आगे कहा कि जब उन्हें पता था कि कुछ भी नहीं बदलेगा तो वह किसी चीज के लिए लड़ नहीं सकती थीं। अभिनेत्री ने कहा, 'मैं किस बात के लिए लड़ूं? मैं क्या कहूंगी? मैं क्यों नहीं हिस्सा बनी? ठीक है, वे कहेंगे, हम तुम्हें नहीं लेना चाहेंगे। यही सच्चाई है। और यहीं पर बात खत्म हो जाती है। आखिरकार, यह किसी शख्स का चुनाव है। मैं उस पर सवाल नहीं उठा सकती'।

बोलीं- 'दीवार में सिर मारकर मेरा सिर ही फूटेगा'

नुसरत ने कहा, 'मैं जो लड़ाई लड़ सकती हूं, वह है खुद पर हार न मानना। मैं उन लोगों के साथ काम करूंगी जो मेरे साथ काम करना चाहते हैं। जो मानते हैं कि मैं उनके किरदार में जान डालूंगी और उनकी कहानियों और लेखन के साथ न्याय करूंगी। दीवार में सिर मारकर क्या होगा? सिर ही टूटेगा अपना। कोई बात नहीं, कोई और दरवाजा बना लूं'। वर्क फ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री नुसरत भरूचा की फिल्म 'छोरी 2' हाल ही में रिलीज हुई है। इस हॉरर फिल्म में उनके साथ सोहा अली खान नजर आई हैं।

बॉस लेडी की तरह गौहर खान ने किया रैंप वॉक फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

अभिनेत्री गौहर खान ने 10 अप्रैल को एलान किया कि वह जैद दरबार के साथ अपने दूसरे बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। रविवार को एक फैशन शो में गौहर खान ने रैंम्प वॉक करते हुए बेबी बंप फ्लॉन्ट किया है। वहां मौजूद लोगों ने उनके लिए तालियां बजाईं।

गौहर खान ने किया रैंप वॉक

गौहर खान के रैंप वाक का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि गौहर खान हरे रंग की फैशन साड़ी पहने हुए हैं। उन्होंने अपने लुक को मिनिमल ज्वैलरी से कंपलीट किया है। साथ ही उन्होंने हाई पेंसिल हील पहनी हुई है। गौहर खान लॉकडाउन के दौरान जैद दरबार से मिलीं। इसके बाद दोनों में प्यार हुआ। दोनों ने 2020 में शादी कर ली। 2023 में उन्होंने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। बच्चे का नाम जेहान है।

गौहर खान ने किया था प्रेग्नेंसी का ऐलान

10 अप्रैल को गौहर खान ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रेग्नेंसी की खबर से सबको हैरान कर दिया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया था जिसमें वह जैद के साथ नाच रही थीं। इस दौरान वह अपना फोन नीचे रखकर पीछे की ओर खिसकती हुई कैमरे के सामने अपना बेबी बंप दिखाती नजर आईं। उन्होंने वीडियो के कैप्शन में लिखा 'बिस्मिल्लाह। आपके दुआ और प्यार की जरूरत है। अपने प्यार से दुनिया को नचाएं।' काम की बात करें तो गौहर फिलहाल रवि दुबे और सरगुन मेहता की 'लवली लोला' में ईशा मालवीय के साथ मुख्य भूमिका निभाती नजर आ रही हैं।

प्रियंका चाहर ने ब्रेकअप की खबरों के बीच किसकी शादी की फोटो साझा कीं?

हाल ही में एक्ट्रेस प्रियंका चाहर से सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा की, इन शादी की तस्वीरों में वह सज-धज कर खूब एंज्वॉय कर रही हैं। साथ ही वह एक फैशन इवेंट में भी नजर आईं, जहां उन्होंने रिलेशनशिप को लेकर भी बात की।

हल्दी के फंक्शन की तस्वीरें साझा कीं

प्रियंका चाहर ने इंस्टाग्राम पेज पर एक हल्दी फंक्शन की तस्वीरें साझा कीं। यह हल्दी फंक्शन उनके भाई का है। तस्वीरों में वह अपने भाई को हल्दी लगा रही हैं, रिश्तेदारों के साथ झूम रही हैं, नाच रही हैं। पीले रंग का लहंगा प्रियंका चाहर ने पहना हुआ, जिसमें वह काफी दमक रही हैं।

प्रियंका बोलीं रिश्ते को बेहतर होना चाहिए

हाल ही में प्रियंका चाहर ने एक फैशन इवेंट में रैंप वॉक भी किया। इस इवेंट पर मीडिया से बातचीत करते हुए प्रियंका ने कहा कि फैशन हो या रिश्ते सभी में विकास जरूरी है, सबको वक्त के साथ इवोल्व होना चाहिए।

सोशल मीडिया से अंकित की तस्वीरें नहीं की डिलीट

प्रियंका और अंकित के रिलेशनशिप की बात करें तो ये 'बिग बॉस 16' में मिले। शो के बाद भी दोनों अकसर साथ दिखे, साथ में म्यूजिक वीडियो किए। एक-दूसरे को अपना अच्छा दोस्त बताते रहे लेकिन इनके फैंस को रिलेशनशिप में होने का आभास था। अब तक भी प्रियंका चाहर ने अपने इंस्टाग्राम से अंकित गुप्ता की तस्वीरें हटाई नहीं हैं।

प्रियंका चाहर का करियर फ्रंट

प्रियंका चाहर के करियर की बात करें तो वह सीरियल ये हैं चाहतें, गठबंधन, सावधान इंडिया में नजर आ चुकी हैं। साथ ही पेंडिंग लव और कैनेडी ट्विस्ट जैसी फिल्मों में भी वह अभिनय कर चुकी हैं।

राम्या कृष्णन ने शुरू की 'जेलर 2' की शूटिंग

साउथ सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री राम्या कृष्णन एक बार फिर सुपरस्टार रजनीकांत के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार हैं। हाल ही में उन्होंने 'जेलर 2' की शूटिंग शुरू कर दी। इस बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म का निर्देशन नेल्सन दिलीप कुमार कर रहे हैं। राम्या ने अपने इंस्टाग्राम पर शूटिंग के पहले दिन की खुशी साझा की।

अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर दी जानकारी

अभिनेत्री ने लिखा, "पदयप्पा को 26 साल और जेलर 2 की शूटिंग का पहला दिन।" इस पोस्ट ने फैंस में उत्साह की लहर दौड़ा दी। फिल्म में राम्या, रजनीकांत के किरदार मुथुवेल पांडियन की पत्नी विजया पांडियन उर्फ विजी की भूमिका में नजर आएंगी।

केरल में जोरों पर चल रही शूटिंग

'जेलर 2' की शूटिंग इस समय केरल के 'अट्टापडी' में चल रही है। शूटिंग के लिए रजनीकांत गुरुवार को ही कोयंबटूर पहुंचे है। यहां पहुंचकर उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में जानकारी दी कि यह शेड्यूल 20 दिनों का है। सेट से जुड़े सूत्रों के मुताबिक अभिनेत्री मिरना इस सीक्वल में भी अहम भूमिका में दिखेंगी। सन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म की शूटिंग सबसे पहले चेन्नई में शुरू हुई थी और अब यह केरल के खूबसूरत लोकेशन्स में आगे बढ़ रही है।

'जेलर' की कामयाबी ने बढ़ाई फैंस की उम्मीद

पहली 'जेलर' फिल्म ने 2023 में बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था। 348.55 करोड़ रुपये की कमाई के साथ यह तमिल सिनेमा की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बन गई थी। इस ब्लॉकबस्टर की सफलता ने 'जेलर 2' के लिए दर्शकों की उम्मीदें सातवें आसमान पर पहुंचा दी हैं। सन पिक्चर्स ने इस साल 10 मार्च को शूटिंग शुरू होने की घोषणा की थी। जनवरी में पोंगल के मौके पर रिलीज हुआ फिल्म का टीजर भी खूब वायरल हुआ था, जिसमें एक्शन और ह्यूमर का शानदार तड़का देखने को मिला था।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड ने किया नताशा-हार्दिक के बेटे को किस, यूजर्स बोले- मामा है उसका

शनिवार को नताशा स्टेनकोविक ने एक फैशन शो में रैंप वॉक किया। इस दौरान नताशा और हार्दिक के बेटे अगस्त्य और एलेक्जेंडर एलेक्स को दर्शकों के बीच में देखा गया। एलेक्जेंडर इस दौरान अगस्त्य की अपने बेटे की तरह देखभाल करते हुए नजर आए। अब यह वीडिया सोशल मीडिया पर तेजी के साथ वायरल हो रहा है। इस बीच ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि एलेक्जेंडर और नताशा एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। वहीं, वीडियो वायरल होने के बाद इंस्टाग्राम पर कुछ लोगों ने दावा किया कि वह अभिनेत्री के भाई हैं।

नेटिजन्स ने क्या कहा?

वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया यूजर्स ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी। एक यूजर ने लिखा, 'मामा है उसका', एक अन्य यूजर ने लिखा, 'वह उसका बॉयफ्रेंड नहीं है, भाई है उसका' एक और ने लिखा, 'नताशा का भाई और दिशा पटानी का बॉयफ्रेंड।'

दिशा के साथ भी जुड़ा नाम

एलेक्जेंडर एलेक्स का नाम पहले दिशा पाटनी के साथ भी जुड़ चुका है। वह दिशा को डेट करने के लिए चर्चा में रह चुके हैं। यह अटकलें तब लगाई गईं थीं, जब उनका कथित तौर पर टाइगर श्रॉफ के साथ ब्रेक अप हुआ था। पिछले कुछ दिनों से वह नताशा के साथ कई मौकों पर देखे गए हैं। हालांकि, दिशा और नताशा दोनों ने ही उनके साथ अपने कथित रिश्ते के बारे में कोई बात नहीं की है।

प्यार में पड़ने के लिए तैयार नताशा

हार्दिक पांड्या और नताशा ने साल 2020 में शादी की। इसी साल दोनों को एक बेटा हुआ। शादी के चार साल बाद 2024 में दोनों अलग हो गए। पिछले महीने नताशा का एक इंटरव्यू सामने आया, जिसमें उन्होंने प्यार पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'जैसा कि मैं आने वाले साल को देखती हूं, मैं निश्चित रूप से नए अनुभवों, अवसरों और शायद प्यार के लिए तैयार हूं। मैं प्यार में पड़ने के खिलाफ नहीं हूं।

जीवन जो भी मेरे सामने लाता है, उसे अपनाना चाहती हूं। मेरा मानना है कि सही समय आने पर सही संबंध स्वाभाविक रूप से बनते हैं। मैं सार्थक रिश्तों को महत्व देती हूं, जो विश्वास और समझ पर आधारित होते हैं।' नताशा का यह इंटरव्यू जैसे ही वायरल हुआ। अटकलें लगाई जाने लगीं कि वह एलेक्जेंडर को डेट कर रही हैं।

अभिषेक शर्मा की तूफानी पारी की फैन हुईं प्रीति जिंटा, सोशल मीडिया पर की जमकर तारीफ

हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में 12 अप्रैल, 2025 को खेले गए आईपीएल मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने प्रीति जिंटा की टीम पंजाब किंग्स को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस रोमांचक मैच में सनराइजर्स की जीत के हीरो युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा रहे। उन्होंने 55 गेंदों में 141 रनों की ऐतिहासिक पारी खेलकर आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज का रिकॉर्ड अपने नाम किया। प्रीति जिंटा ने इस करारी हार के बावजूद अभिषेक की तारीफ में कोई कसर नहीं छोड़ी।

अभिषेक ने रचा इतिहास

पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 245 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह स्कोर किसी भी टीम के लिए चुनौतीपूर्ण था, लेकिन अभिषेक शर्मा ने इसे आसान बना दिया। उन्होंने ट्रैविस हेड के साथ मिलकर 171 रनों की साझेदारी की और महज 40 गेंदों में शतक जड़ दिया। उनकी इस पारी में 14 चौके और 10 छक्के शामिल थे, जिसने पंजाब के गेंदबाजों को बेबस कर दिया। सनराइजर्स ने 18.3 ओवर में ही 246 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया, जिसमें सिर्फ दो विकेट गिरे। इस जीत ने सनराइजर्स को टूर्नामेंट में नई जान दी है।

अभिषेक की बल्लेबाजी की फैन हुईं प्रीति जिंटा

मैच हारने के बाद भी प्रीति जिंटा ने खेल भावना दिखाई। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अभिषेक शर्मा की तारीफ करते हुए लिखा, यह रात अभिषेक शर्मा के नाम है। क्या प्रतिभा है और उन्होंने क्या शानदार पारी खेली है। सनराइजर्स को बधाई। हमें इस हार को भूलकर आगे बढ़ना होगा, क्योंकि टूर्नामेंट में अभी बहुत कुछ बाकी है।

अपनी टीम का भी बढ़ाया हौसला

प्रीति ने अपनी टीम को भी सराहा और लिखा, श्रेयस अय्यर, प्रियांश आर्या, प्रभसिमरन सिंह और मार्कस स्टॉयनिस को उनकी शानदार कोशिश के लिए बधाई। मुझे गर्व है कि उन्होंने इतना अच्छा खेला। मुझे यकीन है कि हम अगले मैचों में और मजबूती से वापसी करेंगे।

इस फिल्म में नजर आएंगी प्रीति जिंटा

प्रीति जिंटा पंजाब किंग्स की सह-मालकिन हैं। वह हमेशा अपनी टीम का जोश बढ़ाती नजर आती हैं। स्टेडियम में उनकी मौजूदगी खिलाड़ियों के लिए उत्साह का काम करती है। क्रिकेट के अलावा, प्रीति जल्द ही सनी देओल के साथ फिल्म 'लाहौर 1947' में बड़े पर्दे पर नजर आएंगी। फैंस उनकी इस फिल्म का लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं।

सनी देओल के रोमांस के बजाए गुस्से को क्यों पसंद करते हैं फैंस? एक्टर ने खुद बताई वजह

सनी देओल की फिल्म 'जाट' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरूआत रही। फिल्म में सनी देओल ने बलदेव प्रताप सिंह का रोल अदा किया है। फिल्म में वह तटीय गांव में जाते हैं जहां पर राणा तुंगा (रणदीप हुड्डा) राज कर रहे होते हैं। इसके बाद सनी देओल अपने गुस्से वाले रोल में गांव में नाइंसाफी के खिलाफ लड़ाई लड़ते हैं। एक्टर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि वह ज्यादातर फिल्मों में रोमांस के बजाए गुस्सा वाला रोल ही क्यों करते हैं?

लोग गुस्से वाले सीन को याद रखते हैं

बॉलीवुड लाइफ से बात करते हुए सनी देओल ने बताया कि उनका किरदार अकसर गुस्सा ही जाहिर करता है। उन्होंने बताया 'हर भावना के लिए अलग जगह है। मुझे लगता है कि गुस्सा तब आता है जब कोई चीज हमें खटकती है। मेरी फिल्मों में भी कुछ गलत हो रहा होता है, जो मुझे खटकता है। ज्यादातर लोग मुझे तब याद करते हैं जब मैं गुस्से वाला रोल निभाता हूं न कि रोमांटिक सीन।'

गुस्से वाले किरदार करके खुश होते हैं सनी देओल

सनी देओल ने आगे कहा कि अभिनेताओं को वही किरदार करने चाहिए जो बहुत अच्छा कर सकें और असली लगे। यही ईमानदारी है। 'बाकी मैं नहीं जानता, मैं बस उस सीन में अपने आपको ढाल देता हूं। इसके बाद मैं इसे महसूस करना चाहता हूं और इसे करना चाहता हूं। जब मैं इस तरह के किरदार कर देता हूं तो मैं खुश होता हूं और अपने आप से संतुष्ट होता हूं कि यह असली है। जब मैं गलत करता हूं तो मैं इसे जानता हूं। लेकिन जब मुझसे दोबारा वही करने के लिए कहा जाता है तो मैं इसे नहीं कर सकता।'

फिल्म की कमाई

आपको बता दें कि 'जाट' फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 9.5 करोड़, दूसरे दिन सात करोड़ और तीसरे दिन 10 करोड़ की कमाई की थी। इस तरह से फिल्म की कमाई तीसरे दिन तक 26.5 करोड़ रुपये हो चुकी थी। गोपीचंद मलिनेनी के निर्देशन में बनी फिल्म में सनी देओल, रणदीप हुड्डा, सैयामि खेर, रेजिना कैसेंड्रा और विनीत कुमार सिंह अहम रोल में हैं।

प्रभास की फिल्म 'स्पिरिट' की शूटिंग सितंबर या अक्टूबर में होगी शुरू, सुनकर फैंस हुए खुश

साउथ अभिनेता प्रभास इन दिनों अपनी कई आगामी फिल्मों को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। वहीं उनकी फिल्म 'स्पिरिट' में प्रभास एक पुलिस अधिकारी के रोल में नजर आएंगे। आज फिल्म को लेकर एक नई अपडेट सामने आई है, जिसे सुनकर प्रभास के प्रशंसक जरूर खुश हो जाएंगे।

प्रभास अभी 'राजा साब' और हनु राघवपुडी की फिल्म पर काम कर रहे हैं। उनके पास 'स्पिरिट', 'सालार 2', 'कल्कि 2' और प्रशांत वर्मा के साथ एक और फिल्म भी है। प्रशंसक 'स्पिरिट' को लेकर सबसे ज्यादा उत्साहित हैं, जिसका निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा करेंगे।

एक खबर के मुताबिक, स्पिरिट की शूटिंग सितंबर या अक्टूबर 2025 में शुरू होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि संदीप वांगा इस फिल्म के जरिए पुलिस स्टाइल को नए तरीके से दिखाना चाहते हैं, जिसमें हीरो और विलेन की कहानी को खास अंदाज में पेश किया जाएगा। स्क्रिप्ट लिखने में उम्मीद से ज्यादा समय लगा। स्पिरिट एक आम पुलिस थ्रिलर से अलग होगी। वांगा ने स्क्रिप्ट पर 6 महीने से ज्यादा काम किया है और अब वह सितंबर या फिर अक्टूबर 2025 से शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार हैं।

फिल्म में अभिनेताओं के सेलेक्शन का काम चल रहा है। खबर है कि वांगा कोरिया और अमेरिका से भी कुछ अभिनेताओं को लेना चाहते हैं। स्पिरिट का निर्माण भूषण कुमार, संदीप रेड्डी वांगा और प्रणय रेड्डी वांगा मिलकर टी-सीरीज और भद्रकाली पिक्चर्स के बैनर तले करेंगे।

जेनेटिक इंजीनियरिंग में मौकों की भरमार

मेडिकल साइंस एक जरूरी क्षेत्र है, जो तकनीक में काफी आगे है। जब शोधकर्ताओं ने जीव विज्ञान को उभरती तकनीक के साथ जोड़ा, तो इसने बायोटेक्नोलाजी के व्यापक क्षेत्र को बनाया / और मेडिकल साइंस में क्रांति ला दी। नए उभरते क्षेत्रों के साथ, बायोलाजी कई शाखाओं में उभरा है। बायोलाजी की ऐसी ही एक शाखा है, जेनेटिक इंजीनियरिंग (अनुवांशिक अभियांत्रिकी) है। यह बायोटेक्नोलाजी और जीव विज्ञान को मिश्रित करती है। यह किसी विशेष जीव के जीन के सीधे । हेरफेर की सुविधा के लिए बायोटेक्नोलाजी का उपयोग करता है । करिअर बनाने के लिए इसे चिकित्सा के क्षेत्र के सबसे अच्छी शाखाओं में से एक माना जाता है। इस क्षेत्र में कई तरह के कोर्स कराए जाते हैं, जिन्हें पूरा कर छात्र शानदार करिअर बना सकते हैं।

आनुवंशिक अभियांत्रिकी क्या है

आनुवंशिक अभियांत्रिकी, जीवों के आनुवंशिक मेकअप को बदलने के लिए प्रयोगशाला में तकनीकों का उपयोग करती है। इसका उद्देश्य वांछित गुण पैदा करना या अवांछनीय गुणों को खत्म करना है । यह डीएनए को संशोधित करके, जोड़कर, प्रतीकात्मक फोटो हटाकर या एक प्रजाति से दूसरी प्रजाति में स्थानांतरित करके काम करता है। अनुवांशिक अभियांत्रिकी मुख्यतः शोध आधारित क्षेत्र है, जिसका इस्तेमाल चिकित्सा, पर्यावरण और कृषि के क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर किया जाता है। अनुवांशिक तकनीक के जरिए जीन में परिवर्तन कर पेड़-पौधों, जीव-जंतुओं और इंसानों में बीमारियों के प्रति रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित की जाती है।

जीन संपादन में नौकरियां ब्रिटेन की सरकार का अनुमान है कि 2030 तक अकेले ब्रिटेन में जीन और सेल थेरेपी से 19 हजार से ज्यादा नई नौकरियां पैदा होंगी। अमेरिका के ब्यूरो आफ लेबर स्टैटिस्टिक्स ने बायोमेडिकल इंजीनियरों की नौकरी में सात फीसद और चिकित्सा विज्ञान के विशेषज्ञों की नौकरी में 13 फीसद बढ़ोतरी का । अनुमान लगाया है। दोनों को मिलाकर करीब 17 हजार 500 नौकरियां पैदा होंगी। जीन थेरेपी की स्थापित और नई कंपनियों के विकास के साथ नौकरियां भी बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि इन कंपनियों कको विस्तार के लिए नये वैज्ञानिकों की भर्ती करनी होगी।

योग्यता

अनुवांशिक अभियांत्रिकी में डिग्री हासिल करने के लिए 12वीं भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित व जीव विज्ञान के साथ करना होगा।

इसके बाद छात्र अनुवांशिक अभियांत्रिकी में बीटेक कोर्स कर सकते हैं। इस कोर्स के लिए छात्रों को जेईई जैसी राष्ट्रीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा को पास करना होगा। इसके अलावा विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा इन-हाउस प्रवेश परीक्षा भी आयोजित की जाती है।

वेतनमान

आनुवंशिक अभियांत्रिकी के क्षेत्र में आपका वेतन] आपकी शिक्षा, अनुभव और विशेषज्ञता के अनुसार भिन्न हो सकता है। शुरूआती स्तर पर आप 3.5 से

प्रमुख संस्थान

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास, खड़गपुर, गुवाहाटी डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एवं निदान केंद्र, हैदराबाद 'आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना, बिहार

जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बंगलुरु महात्मा ज्योति राव फूले विश्वविद्यालय, जयपुर भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

6 लाख प्रति वर्ष कमा सकते हैं, जबकि अनुभवी / पेशेवर 12 लाख से अधिक प्रति वर्ष कमा सकते हैं।

शरुआती स्तर (रिसर्च एसोसिएट, जूनियर साइंटिस्ट): 3.5 से 6 लाख प्रति वर्ष । अनुभवी (मास्टर डिग्री और कुछ वर्षों की विशेषज्ञता): 6 से 12 लाख प्रति वर्ष । वरिष्ठ (पीएचडी और कई वर्षों की विशेषज्ञता) :- 12 लाख से अधिक प्रति वर्ष, कुछ मामलों में 20 लाख तक ।

निजी नहीं अब कार्यकारी सहायक का है जमाना

हाल ही में एक खबर सुर्खियों में रही कि पिछले 10 वर्षों में भारत में करोड़पतियों की संख्या में 85 फीसद की वृद्धि हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत में इस समय 3,26,400 करोड़पति हैं और करोड़पतियों की संख्या के आधार पर भारत का स्थान दुनिया में दूसरा है। देश में बढ़ते पूंजीपतियों और मशहूर लोगों की संख्या ने अनेक स्तरों पर रोजगार के अवसर पैदा किए हैं। कार्यकारी सहायक मतलब एक्जीक्यूटिव असिस्टेंट (ईए) की बढ़ती मांग इन्हीं अवसरों में से एक है। कार्यकारी सहायक, निजी सहायक (पीए) का परिष्कृत स्वरूप है। दरअसल, इन पूंजीपतियों और मशहूर लोगों के दिन प्रतिदिन के काम और व्यवसाय और निजी जिंदगी के बीच तालमेल बनाकर रखने के लिए एक ऐसे विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती है जो निजी सहायक, सचिव, और प्रबंधक की सारी खूबियों से युक्त हो। एक ऐसा सहयोगी जो दिन प्रतिदिन की कार्ययोजना का प्रबंधन तो करे ही व्यावसायिक संचार और जरूरत पड़ने पर कानूनी संचार का भी काम कर सके। कार्यकारी सहायक को कारपोरेट सहायक और सेलिब्रिटी असिस्टेंट के नाम से भी जाना जाता है।

अवसर

उक्त पाठ्यक्रमों को करने के साथ ही साथ आशुलिपि और कंप्यूटर प्रशिक्षण और कामकाजी जानकारी में सुधार करने के बाद विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं में निजी सहायक, कार्यालय सचिव, निजी सचिव आदि के पद पर काम करने का अवसर प्राप्त होता है। इसके अलावा शुरुआती दिनों में उद्योगपतियों और मशहूर लोगों को कार्यकारी सहायक की सेवा प्रदान करने वाली एजेंसियों के माध्यम से नौकरी हासिल की जा सकती है। अनुभव और संपर्क बढ़ने के बाद निजी स्तर पर काम शुरु किया जा सकता है।

कार्यकारी सहायक के कार्य

प्रबंधक के ईमेल को पढ़ना, निगरानी करना और उसका जवाब देना । काल का उत्तर देना और ग्राहकों के साथ कुशलता से संपर्क स्थापित करना। प्रबंधक की ओर से पत्राचार का प्रारंभिक प्रारूपण । प्रबंधक की अनुपस्थिति कार्य सौंपना । डायरी प्रबंधन। बैठकों की योजना बनाना और आयोजन करना । जटिल यात्रा का आयोजन । कार्यवाही बिंदु बनाना और कार्यवृत्त लिखना ।

वेतन

कार्यकारी सहायक और मिलते जुलते प्रोफाइल वाले कार्यों के लिए शुरुआती दिनों से ही 50 हजार के आसपास वेतन के अवसर मिलने लगते हैं। अनुभव और संपर्क बढ़ने के साथ आय के अवसर पांच लाख तक भी हो सकते हैं।

पाठ्यक्रम

पर्सनल असिस्टेंट सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा इन एडमिन सेक्रेटेरियल एंड पीए, सेक्रेटेरियल ट्रेनिंग कोर्स, आफिस मैनेजमेंट या सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस या कारपोरेट सेक्रेटरीशिप, एक्जीक्यूटिव असिस्टेंट मास्टरी कोर्स, सर्टिफाइड एक्जीक्यूटिव असिस्टेंट, उपरोक्त के

बैठकों के लिए कागजात तैयार करना। कार्यक्रमों की योजना बनाना और आयोजन करना । कार्यालय प्रणाली में सुधार। अनुसंधान का संचालन । प्रस्तुतियां तैयार करना। फाइलिंग और कार्यालय प्रणालियों का प्रबंधन और समीक्षा । टाइपिंग स्टेशनरी और कार्यालय उपकरण की सोर्सिंग और आर्डरिंग । तदर्थ परियोजनाओं का प्रबंधन ।

अतिरिक्त अन्य प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों जैसे विधि या व्यवसाय प्रबंधन में स्नातक या स्नातकोतर स्तर की पढ़ाई काफी मददगार साबित हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

छत्रपति शाहूजी जी महाराज विश्वविद्यालय, महिलाओं के लिए महारानी कला, वाणिज्य और प्रबंधन कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, कालेज आफ वोकेशनल स्टडीज - दिल्ली, वाईएमसीए दिल्ली, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, भारतीय कौशल विकास प्रशिक्षण संस्थान (आनलाइन), मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, भगिनी निवेदिता कालेज, दिल्ली।

करिअर में सफल होने के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता जरूरी

भावनात्मक बुद्धिमत्ता अपनी और दूसरे व्यक्तियों की भावनाओं को पहचानने और उन्हें प्रबंधित करने की क्षमता है। अगर आप भावनात्मक रूप से बुद्धिमान हैं तो पारस्परिक संबंधों को सहानुभूतिपूर्वक 7 संभाल सकते हैं। उच्च भावनात्मक बुद्धिमत्ता उम्मीदवारों को पेशेवर लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करती है और वे अपने जीवन में सफल हो पाते हैं। आइए जानते हैं कि करिअर में सफलता के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता क्यों जरूरी है।

भावनाओं में बहकर लिए गए फैसले ? अक्सर गलत साबित होते हैं। ऐसे में सही निर्णय लेने के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता होना जरूरी है। इसकी मदद से आप सही पहलुओं के बारे में विचार कर सकते हैं। एक अच्छी बौद्धिक समझ वाला व्यक्ति आगे बढ़ सकता है, लेकिन सभी क्षेत्र में सफल होने के लिए भावनात्मक समझ होना जरूरी है। इससे व्यक्ति क्रोध और खुशी के आवेग में कोई अनुचित कदम नहीं उठाता। ऐसे में अपने अंदर भावनात्मक समझ विकसित करें। भावनात्मक बुद्धिमत्ता लोगों को बेहतर संचारक बनने में मदद करती है।

भावनात्मक समझ वाले व्यक्ति किसी भी तरह के दबाव में काम कर सकते हैं। वे अपनी टीम को सही तरह से मार्गदर्शित करते हैं और हर काम को समय पर पूरा करने की कोशिश करते हैं। भावनात्मक बुद्धिमत्ता की मदद से लोग आत्मजागरूक हो जाते हैं और अधिक सकारात्मक प्रभाव पैदा करने के लिए काम करते हैं। कई बार उम्मीदवार अधिक तनावपूर्ण या आक्रामक परिस्थितियों में ऐसी प्रतिक्रिया देते हैं, जिनकी वजह से उनके करिअर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

ये हैं दुनियां की सबसे खतरनाक नौकरियां जान हथेली पर लेकर करना पड़ता है काम

कभी सोचा है कि कुछ लोग ऐसी नौकरियों को क्यों चुनते हैं, जिनमें जोखिम और खतरा हर पल साथ चलता है? ऐसी नौकरियां जहां सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं होती, लेकिन फिर भी लोग उन्हें चुनते हैं। ये नौकरियां साहस, कौशल, और एक अडिग संकल्प की परीक्षा होती हैं। जानिए दुनिया की उन सबसे खतरनाक नौकरियों के बारे में, जो न केवल जीवन को चुनौती देती हैं, बल्कि हर दिन को एक नए जोखिम से भर देती हैं।

अंडरवॉटर वेल्डर

पानी के नीचे जाकर वेल्डिंग करना कोई आसान काम नहीं है। इन वेल्डर्स को समुद्र की गहराइयों में जाकर जहाजों, पाइपलाइनों और ब्रिज स्ट्रक्चर की मरम्मत करनी होती है। एक सेकेंड की चूक जान ले सकती है। यही वजह है कि इसे दुनिया की टॉप 5 सबसे खतरनाक नौकरियों में गिना जाता है।

कोयला खदान

धरती के अंदर, जहां रौशनी नहीं जाती, वहां कोयले की खोज करने वाले माइनर्स काम करते हैं। हर दिन इनकी सुबह सुरंगों में उतरने से शुरू होती है, और वहां क्या होगा, कोई नहीं जानता। कभी छत गिर जाती है, कभी जहरीली गैस रिसने लगती है, और कई बार ब्लास्ट तक हो जाते हैं। ये लोग हमारी बिजली के लिए अपनी जिदगी की रोशनी दांव पर लगाते हैं।

स्नेक मिल्कर

इनका काम सिर्फ साहसी नहीं, बल्कि जानलेवा भी है। स्नेक मिल्कर जहरीले सांपों को पकड़कर उनसे जहर निकालते हैं, जिससे दवाइयां और एंटीवेनम बनाए जाते हैं। हर बार जब वे सांप के मुंह के पास हाथ ले जाते हैं, तो जान का खतरा बना रहता है। अब तक इस काम में दुनियाभर में कई लोगों की मौत हो चुकी है। फिर भी, ये लोग दूसरों की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं।

स्टंटमैन

जब किसी फिल्म में सुपरस्टार तेज रफ्तार बाइक से कूदते हैं या जलती बिल्डिंग में दौड़ लगाते हैं, तो असल में वो स्टंटमैन होता है। बिना harness, बिना स्टॉप वाले शॉट्स- ये लोग सचमुच जान पर खेल जाते हैं। कई बार एक छोटी गलती या टाइमिंग मिस होना सीधा मौत का रास्ता बन जाती है।

पावर लाइन कर्मचारी

इन लोगों की नौकरी बिजली की लाइनों पर होती है और वो भी सैकड़ों फीट ऊपर। चाहे धूप हो या बारिश, जब भी लाइन फॉल्ट होता है, इन्हें बुलाया जाता है। हाई वोल्टेज वायर, अस्थिर खंभे- ये सब मिलकर इस काम को बेहद खतरनाक बनाते हैं। यहां एक गलत कदम का मतलब हो सकता है जान का हमेशा के लिए चले जाना।

सीवर क्लीनर

सीवर और नाले साफ करने वालों के पास न तो सेफ्टी किट होती है, न ही हेल्थ इंश्योरेंस। उन्हें सीधे गंदगी में उतरना पड़ता है, और कई बार जहरीली गैस के कारण वहीं दम घुट जाता है। यह नौकरी सिर्फ गंदी ही नहीं, मौत से भरी होती है। इसके बावजूद, इन्हें समाज में सबसे कम दर्जा दिया जाता है। असल में, ये वो अनदेखे हीरो हैं जो हमारे शहरों को साफ रखते हैं।

फायरफाइटर

जब लोग आग से बचने के लिए भागते हैं, ये लोग अंदर जाते हैं। धुएं से भरी बिल्डिंग, गिरती हुई दीवारें और जलते कमरे- हर सेकेंड खतरे में होता है। एक आग पर काबू पाने के लिए कई बार इन्हें घंटों मशक्कत करनी पड़ती है। इस प्रोफेशन में कई बार जान भी चली जाती है, लेकिन ये लोग फिर भी पीछे नहीं हटते।

माइनर

माइनिंग का काम एक बंद सुरंग में, मशीनों के बीच और अंधेरे में होता है। हर वक्त विस्फोट, गैस लीकेज, या जमीन धंसने का डर बना रहता है। इस नौकरी में न तो साफ हवा होती है, न दिन का उजाला। फिर भी, ये लोग देश की अर्थव्यवस्था के लिए अपने जीवन को दांव पर लगाकर जमीन से धन निकालते हैं।

पायलट

लोग कहते हैं पायलट की लाइफ लग्जरी से भरी होती है, लेकिन सच इसके उलट है। हर उड़ान में सैकड़ों लोगों की जान की जिम्मेदारी होती है। खराब मौसम, टेक्निकल फेलियर सबकुछ जानलेवा बन सकता है। इस नौकरी में गलतियां नहीं चलतीं। पायलट का हर फैसला ऊपर आसमान में, एक सेकंड में तय होता है।

अपने 'बायोडाटा' में अनावश्यक जानकारियों को न करें शामिल

किसी भी नौकरी के लिए आवेदन करते वक्त आपका बायोडाटा ही आपको प्रदर्शित करता है। कंपनी के सामने बायोडाटा ही आपकी बात रखता है, इसलिए उसे बनाते वक्त आपको काफी सावधानी बरतनी चाहिए। कई ऐसी बाते हैं, जो आपको अपनी नौकरी के बायोडाटा में शामिल नहीं करनी चाहिए।

व्यक्तिगत जानकारी लिखने से बचें जब आप अपना बायोडाटा बनाएं तो इस बात का ध्यान रखें कि उसमें ज्यादा निजी जानकारी ना हो। निजी जानकारी के रूप में सिर्फ नाम, पता, ईमेल, मोबाइल नंबर आदि ही लिखें। इसमें अपने धर्म, घर-परिवार, वैवाहिक स्थिति आदि के बारे में जानकारी देने से बचें। तस्वीर न लगाएं : बायोडाटा में तब तक तस्वीर न लगाएं जब तक कि आवश्यक न हो या आपसे तस्वीर न मांगी गई हो।

कभी भी अपने बायोडाटा को रंग गिरंगा न बनाएं। हर लाइन को अलग रंग से न रंगे। जहां आवश्यक हो वहीं हाइलाइट करने के लिए एक रंग का प्रयोग करें।

कंपनी के काम को ध्यान में रखें बायोडाटा बनाते समय कंपनी या उसके काम को ध्यान में रखना चाहिए और उसी के अनुसार उसे तैयार करें। अगर उस कंपनी के लिए आपके द्वारा छोटी मोटी नौकरियों/ इंटर्नशिप का अनुभव काम का नहीं है तो उसे बाहर ही रखना ठीक है।

इससे एचआर का समय खराब होता है।

जो चीजें पता न हों उसे शामिल न करें : कई बार नौकरी के लिए लोग ऐसी चीजें बायोडाटा में शामिल कर लेते हैं। जिनके बारे में उन्हें पता भी नहीं होता। साक्षात्कार के दौरान अगर उनसे इसके बारे में सवाल पूछा जाता है तो वे जवाब नहीं दे पाते, ऐसे में नौकरी के अवसर कम हो जाते हैं।

बिहार में फील्ड असिस्टेंट की ढेरों नौकरियां

बिहार में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए सुनहरा मौका। बिहार कर्मचारी चयन आयोग ने कृषि निदेशालय के अंतर्गत फील्ड असिस्टेंट (क्षेत्र सहायक) के 201 पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है। इस भर्ती प्रक्रिया के तहत इच्छुक उम्मीदवार 25 अप्रैल से 23 मई 2025 तक आधिकारिक वे ब सा इ ट bssc.bihar.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 21 मई 2025 निर्धारित की गई है।

इतने पदों पर होगा चयन

इस भर्ती में कुल 201 पदों में से 35 फीसदी यानी 67 पद महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए हैं, जिससे महिला उम्मीदवारों को विशेष अवसर मिल सकेगा। कोटिवार आरक्षण की बात करें तो 79 पद अनारक्षित, 35 पद अनुसूचित जाति (SC), 2 पद अनुसूचित जनजाति (ST), 37 पद अत्यंत पिछड़ा वर्ग (MBC), 21 पद पिछड़ा वर्ग (BC), 7 पद पिछड़े वर्ग की महिलाओं के लिए तथा 20 पद आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं।

वर्गवार क्वालिफाइंग मार्क्स

इस भर्ती परीक्षा में चयन के लिए वर्गवार न्यूनतम अर्हतांक तय किए गए हैं। अनारक्षित वर्ग के लिए न्यूनतम क्वालिफाइंग मार्क्स 40 प्रतिशत, पिछड़ा वर्ग के लिए 36.5 प्रतिशत, अत्यंत पिछड़ा वर्ग के लिए 34 प्रतिशत, जबकि अनुसूचित जाति/जनजाति और महिला वर्ग के लिए 32 प्रतिशत निर्धारित किया गया है। दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए भी न्यूनतम अर्हतांक 32 प्रतिशत ही रहेगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि किसी भी श्रेणी में न्यूनतम अर्हतांक 32 प्रतिशत से कम नहीं होगा।

शैक्षणिक योग्यता और आयु सीमा

इस पद के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से आईएससी (कृषि) या कृषि में डिप्लोमा होना अनिवार्य है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि इस योग्यता के समकक्ष किसी भी अन्य डिग्री या प्रमाणपत्र को मान्यता नहीं दी जाएगी।

आयु सीमा की बात करें तो सामान्य वर्ग के पुरुष उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम 37 वर्ष तय की गई है। वहीं सामान्य श्रेणी की महिलाओं तथा बीसी/ओबीसी (पुरुष व महिला) के लिए यह सीमा 40 वर्ष, जबकि एससी/एसटी वर्ग (पुरुष व महिला) के लिए अधिकतम आयु 42 वर्ष निर्धारित की गई है।

इतना मिलेगा वेतन

फील्ड असिस्टेंट (क्षेत्र सहायक) पद पर चयनित उम्मीदवारों को लेवल-2 के तहत 5200-20200 रुपये का वेतनमान मिलेगा, जिसमें 1900 रुपये ग्रेड पे शामिल है। यह वेतनमान सातवें वेतन आयोग के अनुसार होगा, जिससे चयनित अभ्यर्थियों को एक स्थिर और सम्मानजनक आय का स्रोत प्राप्त होगा।

श्रेणीवार आवेदन शुल्क

इस भर्ती परीक्षा में आवेदन के लिए सामान्य, पिछड़ा वर्ग और अत्यंत पिछड़ा वर्ग के पुरुष उम्मीदवारों को 540 रुपये शुल्क देना होगा। वहीं बिहार के स्थायी निवासी अनुसूचित जाति/जनजाति के उम्मीदवारों, सभी वर्गों की दिव्यांग श्रेणी और सभी वर्गों की महिलाओं को 135 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। बिहार राज्य से बाहर के सभी वर्गों के अभ्यर्थियों (चाहे पुरुष हों या महिला) के लिए भी आवेदन शुल्क 540 रुपये ही रहेगा।

ट्रंप टैरिफ पर मूडीज ने कही बड़ी बात मार्केट से उठ जाएगा लोगों का भरोसा

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से टैरिफ वॉर के क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अमेरिका पर नया डाटा पेश किया है. कंपनी ने कहा कि जिस तरीके से अभी मार्केट में उथल पुथल मची हुई है. इसका निगेटिव इंपैक्ट अमेरिका के बाजार और वहां के लोगों पर पड़ेगा.अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को छोड़कर अन्य देशों पर जवाबी शुल्क को 90 दिन के लिए टाल दिया है. हालांकि, बाकी देशों पर मूल 10 प्रतिशत का सीमा शुल्क लागू रहेगा. मूडीज रेटिंग्स की वरिष्ठ उपाध्यक्ष निकी डांग ने कहा कि

अमेरिका-चीन तनाव में बढ़ने और चीन में सुस्ती की वजह से पड़ने वाले प्रभाव एशियाई क्षेत्र की वृद्धि की संभावनाओं के लिए महत्वपूर्ण निगेटिव रिस्क पैदा करते हैं.

भारत की इकोनॉमी ग्रोथ का अनुमान घटाया

भारत जैसे बड़े घरेलू बाजार वाली अर्थव्यवस्थाओं को इन बाजारों तक पहुंच चाहने वाली कंपनियों से लाभ हो सकता है, लेकिन निवेश प्रवाह में कोई भी बड़ा बदलाव कई साल के दौरान होगा. मूडीज की एक अन्य कंपनी मूडीज एनालिटिक्स, ने पिछले सप्ताह 2025 के कैलेंडर साल के लिए भारत की वृद्धि दर के अपने फरवरी के अनुमान को घटाकर 6.1 प्रतिशत कर दिया है. पहले उसने 6.4 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया था. डांग ने कहा कि शुल्क पर फिलहाल रोक ने क्षेत्र के व्यापार और वृद्धि पर अतिरिक्त शुल्क के नकारात्मक प्रभाव को कम कर दिया है. हालांकि, क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं को अब भी अतिरिक्त 10 प्रतिशत का शुल्क देना होगा.डांग ने कहा कि 90-दिवसीय स्थगन सभी सरकारों को अधिक अनुकूल शर्तों के लिए बातचीत करने के लिए कुछ गुंजाइश प्रदान करता है. उन्होंने कहा कि उच्च कुल शुल्क अब भी अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर कुछ मुद्रास्फीति दबाव डालते हैं. इस बीच, नीति अनिश्चितताओं के कारण व्यापार और उपभोक्ता भावना कमजोर पड़ने और घरेलू मांग में कमी आने की संभावना है, जिससे वृद्धि के लिए नकारात्मक जोखिम पैदा हो सकता है.

फायदा ही फायदा... रेलवे की कमाई बढ़ी, खर्चे में कमी आई, ऑपरेटिंग रेश्यो बेहतर माल ढुलाई में बनाया रेकॉर्ड

नई दिल्ली,13 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे ने अपनी वित्तीय स्थिति को बेहतर किया है। रेलवे ने वित्त वर्ष 2024-25 में अपना ऑपरेटिंग रेश्यो (ओआर) सुधारा है। ओआर एक महत्वपूर्ण पैमाना है जिससे पता चलता है कि रेलवे का वित्तीय प्रदर्शन कैसा है। यह 98.32% रहा, जो कि 2023-24 में 98.43% था। इसका मतलब है कि 31 मार्च 2025 को समाप्त हुए साल में रेलवे बोर्ड ने 100 रुपये कमाने के लिए 98.32 रुपये खर्च किए। भारतीय रेलवे का कुल खर्च वित्त वर्ष 2024-25 में 2.63 लाख करोड़ रुपये रहा। यह 2023-24 में 2.52 लाख करोड़ रुपये था। कुल कमाई वित्त वर्ष 2024-25 में 2.65 लाख करोड़ रुपये रही। यह पिछले साल 2.56 लाख करोड़ रुपये थी। रेलवे की बिना किराये वाली कमाई भी 11,000 करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच गई है। यह कमाई टिकटों से नहीं, बल्कि दूसरी चीजों से हुई है, जैसे विज्ञापन और पार्सल सेवा। रेलवे को यात्री, माल आदि से फायदा हुआ है। यात्रियों से होने वाली कमाई पिछले साल से 6.4% ज्यादा रही, जो 75,239 करोड़ रुपये है। माल से होने वाली आय 1.7% बढ़कर 2024-25 में 1.71 लाख करोड़ रुपये हो गई। यह 2023-24 में 1.68 लाख करोड़ रुपये थी। अन्य राजस्व में सबसे ज्यादा सुधार हुआ है। यह 19.8% बढ़कर वित्त वर्ष 25 में 11,562 करोड़ रुपये हो गया। यह कमाई बिना किराए के स्रोतों से होती है। रेलवे ने लगातार चौथे साल 2024-25 में माल ढुलाई और राजस्व के रेकॉर्ड तोड़े हैं। इस साल माल ढुलाई 1.61 अरब टन से ज्यादा हो गई। इससे भारत का रेलवे नेटवर्क सालाना माल ढुलाई के मामले में दूसरा सबसे बड़ा नेटवर्क बन गया है। इसने अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है।

सोने-चांदी के रेट में बड़ा बदलाव! एक्सपर्ट का आकलन: बढ़ेगी कीमत या गिर जाएगा भाव

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। इस साल सोने ने निवेशकों को खुश कर दिया. घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में अब तक 23 फीसदी की छलांग लग चुकी है, जबकि सिर्फ अप्रैल में ही 5 फीसदी का उछाल देखा गया. शुक्रवार 11 अप्रैल को एमसीएक्स गोल्ड जून फ्यूचर्स 93,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया. वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स गोल्ड 3,263 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस के ऑल-टाइम हाई पर ट्रेड हुआ.

सोना क्यों चमक रहा है?

इस बार सोने की तेजी के पीछे कई अहम वजहें हैं. इसमें सबसे बड़ी वजह है ट्रेड वॉर का डर. अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ जंग ने बाजारों में हड़कंप मचा रखा है. ट्रंप ने चीन से आयात पर 125 फीसदी टैरिफ लगाया है, जिसके जवाब में चीन ने भी अमेरिकी सामानों पर टैरिफ बढ़ा दिया है. इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर अनिश्चितता बढ़ी है, जिससे सोने जैसे सेफ-हेवन एसेट की डिमांड बढ़ रही है.इसके अलावा, डॉलर इंडेक्स में गिरावट भी सोने की कीमत बढ़ा रही है. दरअसल, अमेरिकी डॉलर कमजोर हो रहा है, जिससे सोना और सस्ता हो गया है. डॉलर इंडेक्स 100 के नीचे आ गया है, जो गोल्ड के लिए अच्छी खबर है. वहीं, अमेरिकी फेड रिजर्व द्वारा ब्याज दरें कम करने की संभावना से भी सोने को सपोर्ट मिल रहा है.

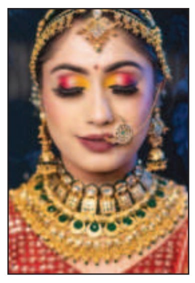

क्या अभी और बढ़ेगी कीमत?

द मिंट की रिपोर्ट के अनुसार, एक्सपर्ट्स का मानना है कि सोने की चमक बरकरार रह सकती है. यानी अगर आपने पहले से सोना खरीद रखा है, तो होल्ड करें. इसके अलावा, नए निवेशक डिप्स (गिरावट) का इंतजार कर सकते हैं. जबकी एसआईपी के तौर पर गोल्ड ईटीएफ या सोने के फंड्स में निवेश करना बेहतर विकल्प हो सकता है.देशभर के बड़े शहरों में सोने और चांदी की कीमतों की बात करें तो आज दिल्ली में सोने का भाव 93,680 प्रति 10 ग्राम है. जबकि मुंबई में गोल्ड रेट 95,670 प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया. हैदराबाद में सोने की कीमत 93,990 प्रति 10 ग्राम रही, जबकि चेन्नई में यह 94,120 प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था. कोलकाता और बेंगलुरु में भी सोने के दाम 93,720 और 93,920 प्रति 10 ग्राम रहे. चांदी की बात करें तो दिल्ली में इसका भाव 94,330 प्रति किलोग्राम रहा, जबकि मुंबई में यह 94,490 प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ. हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता में चांदी की कीमतें 94,640, 94,760 और 94,360 प्रति किलोग्राम दर्ज की गईं.

अनिल अंबानी की कंपनी करा सकती है मोटी कमाई! क्या है एक्सपर्ट की राय

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। अगर आप शेयर बाजार से कमाई करने की सोच रहे हैं, तो अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर से जुड़ी ये खबर आपके लिए काफी अहम हो सकती है. कंपनी के शेयरों ने बीते एक महीने में करीब 20% का जबरदस्त रिटर्न दिया है, जो कि निफ्टी 50 (1.60%), सेंसेक्स (1.52%) और बैंक निफ्टी (6.13%) जैसे प्रमुख इंडेक्स से कहीं बेहतर प्रदर्शन है. गौर करने वाली बात यह है कि मार्च 2020 में रिलायंस पावर का शेयर जहां 1 रुपये के ऐतिहासिक निचले स्तर पर था, वहीं अब यह करीब 40 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा है.

वित्तीय स्थिति में सुधार

एक रिपोर्ट के मुताबिक, रिलायंस पावर ने हाल ही में अपने कर्ज को कम करने के लिए बड़े कदम उठाए हैं. कंपनी का डेट-टू-इक्विटी रेशियो 1.61 से घटकर अब 0.86 हो गया है. यह सुधार मुख्य रूप से रिलायंस कैपिटल की हिस्सेदारी इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स को बेचने के बाद संभव हुआ है. हालांकि, कंपनी पर अभी भी 250 करोड़ रुपये के नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर का दायित्व बना हुआ है.

तिमाही नतीजे और लाभ

सितंबर 2024 की तिमाही में रिलायंस पावर ने 2,878 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जिसमें 3,000 करोड़ रुपये की एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी इनकम शामिल थी. यह इनकम विदर्भ इंडस्ट्रीज पावर लिमिटेड (वीआईपीएल) के डीकंसोलिडेशन से प्राप्त हुई थी. इसके बाद दिसंबर 2024 तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 42 करोड़ रुपये रहा.

ग्रीन एनर्जी में बड़ा दांव

कंपनी अब हरित ऊर्जा (ग्रीन एनर्जी) की दिशा में आगे बढ़ रही है. आंध्र प्रदेश में इसकी ग्रीन एनर्जी परियोजनाएं शुरू होंगी. कंपनी की एक सहायक इकाई को एशिया के सबसे बड़े सोलर और बैटरी स्टोरेज प्रोजेक्ट का कॉन्ट्रैक्ट मिला है.

कितना है टारगेट प्राइस?

बाजार एक्सपर्ट के मुताबिक रिलायंस पावर का शेयर 36 रुपये के स्तर पर एक मजबूत आधार बना चुका है. यदि यह 44 रुपये का स्तर पार कर लेता है, तो अगले लक्ष्य 48 रुपये और 52 रुपये हो सकते हैं.

काम-धंधा शुरू करने के लिए यहां मिलेगा 4 लाख तक का लोन, ऐसे कर सकते हैं अप्लाई

हैदराबाद, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। तेलंगाना सरकार ने एससी, एसटी, बीसी, माइनॉरिटी और ईबीसी/ईडब्ल्यूएस कैटेगरी में आने वाले लोगों के लिए अपना काम-धंधा शुरू करने के लिए राजीव युवा विकास स्कीम 2025 शुरू की है. इस स्कीम में कमजोर तबके से आने वाले लोगों को सरकार की ओर से 4 लाख रुपए तक का लोन मिलेगा. इस पैसे की मदद से ये लोग आत्मनिर्भर बन सकेंगे. अगर आप भी इस स्कीम के बारे में जानना चाहते हैं या फिर इसका फायदा लेना चाहते हैं तो हम आपको राजीव युवा विकास स्कीम 2025 के बारे में बता रहे हैं. इस स्कीम में लोन लेने वालों को सब्सिडी भी मिलती है. आइए जानते हैं कौन इस योजना का फायदा उठा सकता है.

कौन कर सकता है लोन के लिए अप्लाई

राजीव युवा विकास स्कीम 2025 का लाभ लेने के लिए राशन कार्ड होना जरूरी है, अगर आपके पास राशन कार्ड नहीं है तो इनकम सर्टिफिकेट की मदद से भी इस स्कीम में अप्लाई किया जा सकता है. इस स्कीम के जरिए कमजोर तबके के लिए सब्सिडी पर लोन लेकर अपना छोटा-मोटा

काम शुरू कर सकते हैं.राजीव युवा विकासम स्कीम 2025 का फायदा लेने वालों की सालाना इनकम की बात करें तो ग्रामीण क्षेत्र में ये 1.5 लाख रुपण से कम और शहरी क्षेत्र में 2 लाख रुपए सालाना से कम होनी चाहिए. अगर कोई व्यक्ति इससे ज्यादा कमाता है तो उसे इस स्कीम का फायदा नहीं मिलेगा. इस स्कीम का फायदा 21 से 55 साल तक की उम्र के लोग ले सकते हैं, जिनके पास खुद की कृषि भूमि ना हो. साथ ही जिनके पास कृषि भूमि है उनकी उम्र 21 से 60 के बीच में होनी चाहिए. ये योजना 1 जुलाई 2025 से लागू होगीराजीव युवा विकास स्कीम का फायदा लेने के लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड या इनकम सर्टिफिकेट, परमानेंट ड्राइविंग लाइसेंस, बैंक पासबुक, पासपोर्ट साइज के फोटो और जाति प्रमाण की जरूरत होगी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	मेष	मे
चंद्र-	तुला	मे
मंगल	कर्क	मे
बुध-	मीन	मे
गुरु-	वृष	मे
शुक्र-	मीन	मे
शनि-	मीन	मे
राहु-	मीन	मे
केतु-	कन्या	मे

लग्नारंभ समय		
मेष---	06-03	बजे
वृष---	07-48	बजे
मिथुन..	09-49	बजे
कर्क---	12-01	बजे
सिंह---	14-13	बजे
कन्या--	16-20	बजे
तुला----	18-25	बजे
वृश्चिक--	20-36	बजे
धनु......	22-50	बजे
मकर...	00-55	बजे
कुंभ....	02-45	बजे
मीन....	04-24	बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-04
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त -18-28
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा 08-25 तक उपरान्त द्वितीया
मास - वैशाख कृष्ण , सोमवार 14 April
नक्षत्र - स्वाति 00:13 तक उपरान्त विशाखा
योग - वज्र 22-37 तक उप सिद्धी
करण- कौलव 08-25 तक उप तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार - DR अम्बेडकर ज.

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 07:36 से 09:09 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत 06:04 - 07:36	शुभ	चंचल 18:28 - 19:57	शुभ
काल 07:36 - 09:09	अशुभ	रोग 19:57 - 21:23	अशुभ
शुभ 09:09 - 10:43	शुभ	काल 21:23 - 22:50	अशुभ
रोग. 10:43 - 12:16	अशुभ	लाभ 22:50 - 00:16	शुभ
उत्पात 12:16 - 13:50	अशुभ	उत्पात 00:16 - 01:42	अशुभ
चंचल 13:50 - 15:24	शुभ	शुभ 01:42 - 03:09	शुभ
लाभ 15:24 - 16:57	शुभ	अमृत 03:09 - 04:35	शुभ
अमृत 16:57 - 18:28	शुभ	चंचल 04:35 - 06:04	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज के दिन हालाँकि आप अपनी नौकरी और कार्य क्षेत्र से काफी संतुष्ट है परन्तु क्रोध के कारण आप अपना आपा खो सकते है और किसी सहकर्मी से आप विवाद में फँस सकते है। इन घटनाओ की वहज से कोई लापरवाही भरा निर्णय न ले जो की आपके लिए अच्छा न हो ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आपको अपने कार्य करने के लिए विशेष ध्यान देना होगा क्योकि आपके वरिष्ठ अधिकारी बारीकी से आपकी प्रगति को देखेंगे । वे आपके समर्पण भाव और मजबूत नेतृत्व के गुणों से प्रभावित होंगे । आज आपके थोड़े अधिक प्रयासों से आपके करियर को नयी गति मिल सकती है क्योकि आपके वरिष्ठ अधिकारी आपके इन गुणों को ध्यान में रखेंगे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज का दिन विशेष रूप से उन लोगों के लिए अच्छा और सफलता से भरपूर है जो किसी भी तरह से शिक्षा या लेखन से जुड़े हैं । छात्रों, शोधकर्ताओं, पत्रकारों, लेखकों और शिक्षा से जुड़े अन्य पेशेवरों के लिए एक बहुत आनंदमयी एवं अच्छा दिन होने के संकेत है। आज का दिन लंबी अवधि की योजनाओं में निवेश करने के लिए उपयुक्त है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप अपने कार्य स्थल की जिंदगी में अपने आप को फंसा हुआ महसूस करेंगे ।आपने अपने लिए उस कार्य क्षेत्र या करियर की कल्पना नहीं की थी जिसमे आप अभी कार्य कर रहे है । आप अपने जुनून को पाने के लिए अचानक अपनी नौकरी का त्याग कर सकते है , हालाँकि ग्रहो के विपरीत प्रभाव के कारण ये समय निर्णय लेने का नहीं है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
शिक्षण, लेखन, पत्रकारिता और साहित्य में लगे हुए लोग आज अपने कैरियर में बड़ी सफलता का आनंद ले सकते हैं और आपको अपनी उपलब्धियों के लिए सम्मानित भी किया जा सकता है। आज का दिन शैक्षिक संस्थानों और निर्माण के कारोबार में निवेश के लिए उपयुक्त है। सामान्य रूप से आपको पिछले कुछ दिनों के तनाव को पीछे छोड़ कर एक शांत दिन का आनंद मिलेगा ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज के दिन आपका जोर निवेश और धन पर रहेगा । अपने आप पर नियंत्रण रखे ! आज के दिन सम्पति के बारे में खोज खबर कर सकते है पर किसी भी तरह के धन वृद्धि उद्यम में न फंसे । वेतन वृद्धि के लिए अपने वरिष्ठ अधिकारीयों पर दबाव न डाले । इसके लिए अभी सही समय नहीं है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप अपने सभी लक्ष्यों को समय पर पूरा करेंगे और कार्य क्षेत्र में शांति का माहौल रहेगा , लेकिन व्यापार के मामलों में किसी भी समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श करें। धोखाधड़ी की संभावना है। यदि संभव हो तो अपनी व्यापारिक सौदों को दूसरे दिन पर ठाले और अपने सहयोगियों की विश्वसनीयता का मूल्यांकन करे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज के दिन आपको एक अप्रत्याशित रूप से उपहार आपके दिल के निकट के व्यक्ति से मिल सकता है। आज का दिन आपके लिए काफी उत्तम रहेगा । आपके सहकर्मी और आपसे उच्च पद पर तैनात सहकर्मी आपसे खुश रहेंगे तथा आपसे पूरा सहयोग एवं सहायता करेंगे जिसकी वहज से आप अपना काम समय पर पूरा कर पाएंगे तथा सांयकालीन बेला में आप किसी समारोह का भी आयोज़न कर सकते है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
यात्रा के अवसरों के लिए बहुत ही खुले दिल से स्वागत करे । ये धन कमाने का एक बेहतरीन मौका है! जो लोग अध्यन कर रहे है उन्हें अप्रत्याशित स्रोतों से अद्भुत अवसर मिल सकते है । आप जिस भी स्थिति मैं है , आप ये याद रखे की एकता में बल है इसलिए सामूहिक प्रयास ही संतोषजनक परिणाम ला सकता है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
हालाँकि आप सावधान और व्यवस्थित है , पर किसी दूसरे के कार्यभार के लिए आप जवाबदेह होंगे । अपने और अपने काम के तरीको पर विश्वास रखे । एक बार में एक काम को सुव्यस्थित तरीके से करे और अगले सप्ताह तक आप चीजों को आकार में वापस पायेंगे । उस समय तक अपने सहकर्मियों के साथ किसी बहस में संलिप्त न हो ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप एक लंबे समय से सीधे और संकीर्ण रास्ते में कठिन काम कर रहे है, लेकिन आज आप अपने कार्य को पूरा करने के लिए प्रवंचना या चतुराई का सहारा ले सकते है , हालाँकि ये एक अनावश्यक जोखिम है। लोग आसानी से आपके तंत्र को पहचान लेंगे और इसे अपराध के रूप में लेंगे और आपने सालो से जो प्रतिष्ठा कमाई है वो आप गवां सकते है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज का दिन निवेश के लिए उपयुक्त है बशर्ते के आपने उस के लिए पहले से ही कुछ नीतिया बनाई हुई हो । किसी के आग्रह पर निवेश करना से आपको सही फल नहीं मिलेगा किन्तु अगर आप गहराई से अनुसंधान करे तो आप सही निष्कर्ष पर पहुंच सकते है । आपके निवेश आपको लम्बी दुरी के लक्ष्यों को पूरा करने में मददगार साबित होगे इसलिए ध्यानपूर्वक स्थिति को समझकर निवेश करे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

पेट्रोल-डीजल पर 15 रुपए लीटर कमा रहीं कंपनियां

लेकिन रेट नहीं घटा रहीं; कच्चा तेल चार साल के निचले स्तर पर, तेल कंपनियों की ऐतिहासिक कमाई

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। कच्चे तेल की कीमतें चार साल के सबसे निचले स्तर (65.41 डॉलर प्रति बैरल) आ गई हैं। इससे पहले अप्रैल 2021 में दाम 63.40 डॉलर प्रति बैरल थे। इस गिरावट से पेट्रोल-डीजल रिफाइन करने पर होने वाली कमाई ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया है। रेटिंग एजेंसियों के अनुसार मौजूदा समय में तेल कंपनियों को पेट्रोल पर प्रति लीटर 12-15 और डीजल पर 6.12 का मुनाफा हो रहा है। इसके बावजूद, तेल कंपनियों ने पिछले एक साल से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई कटौती नहीं की है। हाल ही में संभावना थी कि तेल कंपनियां दाम घटाएंगी। लेकिन सरकार ने 2 लीटर एक्साइज ड्यूटी बढ़ा दी। इसकी आड़ में कंपनियां दाम घटाने से बच गईं। लंबे समय से तेल कंपनियां घाटे का हवाला देकर दामों में कटौती से बच रही हैं। जबकि, हकीकत ये है कि पिछले 5 सालों में 7 बड़ी तेल-गैस कंपनियों में केवल एक आईओसी को एक बार 2019-20 में मामूली घाटा हुआ था। इसे छोड़ दिया जाए तो ये कंपनियां साल दर साल भारी मुनाफा कमा रही हैं। केंद्र सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की पेट्रो लियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल के अनुसार, पेट्रोल-डीजल से केंद्र और राज्य सरकारों ने 5 साल में 35 लाख करोड़ जुटाए हैं।केंद्र को एक्साइज ड्यूटी, कंपनियों के लाभांश और आयकर से कुल 21.4 लाख करोड़ की कमाई हुई और राज्य सरकारों के वैट और लाभांश में हिस्सेदारी के रूप में 13.6 लाख करोड़ मिले।2024-25 में राज्य सरकारों का सब्सिडी बिल 4.7 लाख करोड़ रहा। केंद्र की कुल सब्सिडी इस वर्ष 3.81 लाख करोड़ थी। दोनों को मिलाकर देश में कुल सब्सिडी

8.51 लाख करोड़ की रही। इसके एवज में राज्यों को पेट्रोल-डीजल पर टैक्स से 3.2 लाख करोड़ और केंद्र को 4 लाख करोड़ मिले। दोनों को मिलाकर कुल कमाई 7.2 लाख करोड़ रही। यानी केंद्र-राज्य सरकारों ने जो सब्सिडी बांटी उसका करीब 85% हिस्सा पेट्रोल-डीजल पर टैक्स लगाकर ही वसूल लिया। केंद्र व राज्य सरकारों के लिए पेट्रोल-डीजल आय का बड़ा जरिया हैं।पेट्रोल पर केंद्र सरकार 21.90 टैक्स लेती है। दिल्ली की सरकार 15.39 वैट लेती है। कुल टैक्स 37.30 लीटर है। डीजल पर केंद्र सरकार 17.80 प्रति लीटर केंद्र सरकार लेती है। दिल्ली सरकार वैट के रूप में 12.83 लीटर ले रही है। दोनों को मिलाकर कुल टैक्स 30.63 लीटर है। देश में हर माह हर व्यक्ति की पेट्रोल की खपत औसतन 2.80 लीटर और डीजल की 6.32 लीटर/माह है। यानी वह पेट्रोल पर हर माह 104.44 और डीजल 193.58 हर माह टैक्स देता है। दोनों को मिलाकर प्रतिमाह 298 होता है। देश में पेट्रोल की सालाना खपत 4,750 करोड़ लीटर यानी प्रति व्यक्ति सालाना खपत 33.7 ली. है। डीजल की सालाना खपत 10,700 करोड़ लीटर यानी 75.88 ली. प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष है। यानी प्रति व्यक्ति सालाना पेट्रोल-डीजल की खपत 109.6 लीटर यानी प्रति माह 9.13 लीटर। यह खपत सालाना 10.6% की दर से बढ़ती है।

विदेशी निवेशकों की बड़ी बिकवाली, अप्रैल में अबतक 31,545 करोड़ मार्केट से निकाले

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बीते कारोबारी हफ्ते के लगातार 9वें सत्र में घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली जारी रखी. इस महीने अब तक एफआईआई ने कुल 31,575 करोड़ की बिकवाली की है. बीते तीन महीनों से एफआईआई लगातार बिकवाली कर रहे हैं और अब तक कुल 1,48,149 करोड़ के शेयर बेच चुके हैं. जनवरी में एफआईआई ने 78,027 करोड़, फरवरी में 34,574 करोड़ और मार्च में 3,973 करोड़ की बिकवाली की थी. शुक्रवार को भी एफआईआई ने 2,519.03 करोड़ के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) 3,759.27 करोड़ के नेट खरीदार रहे.

कब-कब की बड़ी बिकवाली

वित्त वर्ष 2024-25 में एफआईआई ने सात बार मासिक स्तर पर बिकवाली की. सबसे ज्यादा बिकवाली अक्टूबर और जनवरी में हुई, जब एफआईआई ने क्रमशः 94,017 करोड़ और 78,027 करोड़ के शेयर बेचे.

ट्रंप के टैरिफ का असर भारत पर भी

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के चीफ

इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट वीके विजयकुमार के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए 'जवाबी टैरिफ' के कारण वैश्विक बाजारों में अस्थिरता देखी जा रही है, जिसका असर भारत में एफपीआई निवेश पर भी पड़ रहा है. उन्होंने बताया कि 20 से 27 मार्च के बीच एफपीआई भारत में खरीदार बने थे, लेकिन वैश्विक उथल-पुथल के चलते वे फिर से विक्रेता बन गए हैं.

विजयकुमार का मानना है कि मध्यम अवधि में एफपीआई दो कारणों से दोबारा भारत का रुख करेंगे।अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध की स्थिति, जिससे दोनों अर्थव्यवस्थाओं में मंदी आना तय है.एफवाई 26 में बेहतर कमाई की संभावना.मौजूदा उथल-पुथल खत्म होने के बाद एफपीआई रणनीति में स्पष्टता आएगी. वैश्विक मंदी के बीच भी भारत एफवाई26 में 6% की दर से विकास कर सकता है, जो एफपीआई को आकर्षित करने में मदद करेगा।

शुक्रवार को डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 70 से अधिक देशों, जिनमें भारत भी शामिल है, पर लगाए गए टैरिफ को जुलाई तक स्थगित करने के फैसले के बाद बाजार में जोरदार तेजी देखी गई. बीएसई सेंसेक्स 1,310.11 अंक या 1.77% की तेजी के साथ 75,157.26 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 429.40 अंक या 1.92% चढ़कर 22,828.55 पर बंद हुआ. हालांकि, एलकेपी सिक्योरिटीज के सीनियर टेक्निकल एनालिस्ट रूपक डे का कहना है कि बाजार की चाल अभी भी कमजोर बनी हुई है. निफ्टी ने डेली टाइमफ्रेम पर 21-ईएमए के पास रेसिस्टेंस फेस किया और दिन के ऊपरी स्तर से नीचे बंद हुआ. जब तक निफ्टी 23,000 के ऊपर निर्णायक रूप से नहीं निकलता, ट्रेंड कमजोर रहेगा. नीचे की ओर 22,750 पर सपोर्ट है और इसके नीचे जाते ही बिकवाली तेज हो सकती है. अगर निफ्टी दृढ़ता से 23,000 पार करता है, तो यह 23,500 की ओर तेजी से बढ़ सकता है.

क्या आप जल्दी से 1 करोड़ रुपये का फंड तैयार करना चाहते हैं? यह फॉर्मूला कर देगा काम आसान

नई दिल्ली,13 अप्रैल (एजेंसियां)। लगभग हर शख्स का सपना होता है कि उसके पास एक करोड़ रुपये का फंड हो ताकि वह अपने कई सपने पूरे कर सके। लेकिन ज्यादातर लोगों की जिंदगी गुजर जाती है लेकिन एक करोड़ रुपये का फंड तैयार नहीं हो पाता। यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप पैसा कहां, कितना और कितने समय के लिए निवेश करते हैं। साथ ही उस निवेश पर कितना रिटर्न मिलता है। हालांकि एक करोड़ रुपये का फंड बनाना इतना भी मुश्किल नहीं है। अगर आप अनुशासित तरीके से निवेश करते हैं और चक्रवृद्धि ब्याज की ताकत का इस्तेमाल करते हैं तो आप अपनी बचत को धीरे-धीरे बढ़ा सकते हैं। इससे आपकी बचत दोगुनी या तिगुनी भी हो सकती है। इसलिए कहा जाता है कि चक्रवृद्धि ब्याज एक जादू है जो निवेश की गई रकम को बढ़ाती जाती है। बड़ा फंड बनाने के वैसे तो कई नियम हैं लेकिन इनमें 8-4-3 नियम काफी खास है। आप चक्रवृद्धि ब्याज के 8-4-3 नियम का पालन करके आसानी से अपना निवेश बढ़ा सकते हैं। यहां 8-4-3 का मतलब कुल 15 साल निवेश से है। हालांकि यह कैलकुलेशन बताती है कि चक्रवृद्धि ब्याज का असर कम समय में कितना ज्यादा दिखाई देता है। 8-4-3 के नियमानुसार आपको 15 साल तक हर महीने 21,250 रुपये एसआईपी के माध्यम से किसी म्यूचुअल फंड में निवेश करने होंगे। अगर सालाना रिटर्न 12 फीसदी रहता है तो आप देखेंगे कि शुरुआती 8 साल में आपका कुल निवेश 34.32 लाख रुपये हो जाएगा। आठ साल में जितनी रकम बनी है यानी 34.32 लाख रुपये, उतनी रकम अगले मात्र 4 साल में इकट्ठी हो जाएगी। यानी 12 साल में आपके पास 68.47 लाख रुपये का फंड इकट्ठा हो जाएगा। अब एक करोड़ रुपये के फंड के लिए आपको मात्र 3 साल और निवेश करना होगा। अगले तीन साल बाद यानी कुल 15 साल में आपके पास 1.07 करोड़ रुपये का फंड होगा ।यहां आपको एक करोड़ रुपये का फंड तैयार करने में 15 साल लग गए। अगर आप मात्र 5 साल और 21,250 रुपये हर महीने निवेश करते हैं तो अगले 5 साल में यह फंड बढ़कर दो करोड़ रुपये से ज्यादा का हो जाएगा।

मुगलों की बहू हूं लेकिन रहने को छत नहीं

पानी में ब्रेड डुबोकर बच्चे पाले; लालकिला भी टिकट लेकर जाती हूं

कोलकाता, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मेरा नाम रजिया सुल्ताना बेगम है। मैं मुगल सल्तनत के आखिरी बादशाह बहादुर शाह जफर के पड़पोते मिर्जा बेदार बख्त की बीवी हूं। 15 अगस्त साल 1965 को हमारी शादी हुई, तब मैं 12 साल की थी। मूल रूप से लखनऊ की रहने वाली हूं, लेकिन परवरिश कोलकाता में नाना के यहां हुई। इन दिनों मैं हावड़ा के शिवपुरी इलाके की एक गरीब बस्ती में जिंदगी काट रही हूं।

आज जो माहौल चल रहा है दुख होता है उसे देखकर। कब्रें खोदी जा रही हैं। कब्र में न तो मुर्दे हैं न उनकी हड्डी, तो फायदा क्या है। लोग कहते हैं कि मुगल लुटेरे थे। बाबर, तैमूर लंग से लेकर बहादुर शाह जफर तक सभी यहीं मरे, कौन था जो लूट कर ले गया और ले गया तो कहां ले गया। अरे उन लोगों ने फतेहपुर सीकरी बनाया, लाल किला बनाया, ताजमहल बनाया, हुमायूं का मकबरा बनाया। देश को सोने की चिड़िया बनाया।

दूसरी ओर ब्रिटिश कोहिनूर ले गए, लाल किले से सब हीरे ले गए। ब्रिटिश से सवाल करो, उन पर उंगली उठाओ। मैं तो कहती हूं कि सभी सड़कों के नाम हटा दो, शहरों के नाम बदल दो, लेकिन यह तो बताओ किसके नाम पर रखोगे। कोई इतिहासकार है क्या हिंदोस्तान को संवारने वाला।

मुगल आज भी देश को दे रहे हैं, मैं मुगल खानदान की बहू हूं, लेकिन लाल किले में 50 रुपए का टिकट लेकर जाती हूं। हुमायूं के मकबरे में 40 रुपए देकर जाती हूं। जबकि वो मेरे खानदान की रियासत है। मुगल कहां ले गए लूट कर, एक का नाम बता दो तो मैं सिर झुका लूंगी। कब्र खुदे या रहे, ये सरकार की जिम्मेदारी है।

अगर विदेश से उधम सिंह की राख वापस आ सकती है, तो रंगून से बहादुर शाह जफर की कब्र की मिट्टी क्यों नहीं आ सकती। क्या बहादुर शाह जफर वतन के गद्दार थे। उनकी हसरत थी कि उन्हें अपने वतन में दफन किया जाए। जब वो यहां से गए तो वतन की मिट्टी ले गए थे और कह गए थे कि अगर मैं मर जाऊं तो मेरे सीने पर वतन की मिट्टी रख देना।

बेदार साहब की कुछ बातें बहुत याद आती हैं। अक्सर कहते थे कि शाहजहां तो मोहब्बत में ताजमहल बना गए, लेकिन हम तेरी मोहब्बत में बांस का ताजमहल बनाएंगे। खुद ही बांस के ताजमहल में सो गए हमेशा के लिए। बात-बात पर कहते थे कि तुझे फख्र होना चाहिए कि तेरी शादी किस से हुई है। फिर कहते तौबा करो, ऐसा बोलना सही नहीं है। मेरी खाला और बेदार साहब की खाला दोस्त थीं। खाला ने बाजी से कहा कि अकबर के खानदान का लड़का है, सुल्ताना की शादी कर दो। कुछ बोझ कम होगा। मेरी शादी एक मुगल शासक के खानदान में हुई है, यह बात बेदार साहब के साथ रहकर पता चली।

जब शादी हुई उस वक्त बेदार साहब कोई काम नहीं करते थे।

हावड़ा के शिवपुरी इलाके की इसी गली में रजिया सुल्ताना बेगम रहती हैं।

बहादुर शाह जफर की फोटो के साथ रजिया सुल्ताना बेगम।

उन्हें मुगल खानदान का होने के नाते 250 रुपया पेंशन मिलती थी। उसी से गुजारा होता था। वो कहते थे कि हमारे खानदान में कभी किसी ने काम नहीं किया है, इसलिए मैं भी काम नहीं करूंगा। काम करना मेरे बस का नहीं है।

नवाब साहब नग भी बेचा करते थे। उनकी लिखी एक गजल मेरे पास है, अभी भी है कि - दुनिया का हर जर्रा हुआ है बेदार, हाए बेदार मुकद्दर मेरा बेदार....यह गजल नवाब साहब ने लिखी थी। यानी कि अल्लाह ने सभी कि किस्मत बदल दी, लेकिन हमारी नहीं बदली।

शादी के बाद दो बच्चे हुए। खर्च भी बढ़ गया। बेदार साहब को हर दिन गोश्त के साथ बढ़िया वाला चावल चाहिए था। गोश्त के बिना उनके गले से निवाला नहीं उतरता था। दिन में गोश्त और शाम को कलेजी पराठा। सिर्फ जुमे के दिन गोश्त नहीं बनता था। उनकी ये सब ख्वाहिशें पूरी करने के लिए मुझे फिर से काम करना पड़ा। शादी से पहले जिल्द बांधने, लाख की चूड़ी बनाने का काम सीखा था, वही सब फिर से शुरू किया।

निब वाले पेन का सॉकेट लगाना, किताबों की जिल्द बांधना जैसे काम करने पड़े। नवाब साहब का कहना था कि घर बैठे इज्जत का काम करो। बस किसी के यहां चूल्हा चौका करने नहीं जाना है। फिर उनकी मौत के बाद तो बहुत गुरबत के दिन आ गए। नवाब साहब ने मुझसे वादा लिया था कि अगर मैं मर गया तो बच्चों को पानी पिलाकर रखना, लेकिन किसी के आगे हाथ नहीं फैलाना। मैंने अपने बच्चों को पानी के साथ ब्रेड खिलाई है, लेकिन कभी किसी से मांगा नहीं। मैं हमेशा ये सोचती थी मुगल सल्तनत की बहू हूं और क्या काम कर रही हूं। कैसी जिंदगी है। नवाब साहब को इससे फर्क नहीं पड़ता था। उनसे कई दफा कहती थी कि रस्सी जल गई, लेकिन ऐंठन नहीं गई। वो किसी की शादी में नहीं जाते थे। कहते थे कि मोहताजगी का खाना नहीं चाहिए।

आखिरी दिनों में उन्हें लकवा मार गया था। अस्पताल में भर्ती थे। एक दिन कहने लगे सुल्ताना हमें घर ले चलो, खैराती इलाज नहीं चाहिए। उन्हें समझाया कि इलाज के पैसे नहीं हैं, लेकिन वो नहीं माने। तब डॉक्टर से छुट्टी मांगी और उन्हें घर ले आई। आखिर वो नहीं बचे। उस वक्त मैं 27 साल की थी, वो 60 साल के थे। उनकी मौत पर उस वक्त पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री रहे ज्योति बसु ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया और तीन बंदूकों की सलामी दी थी।

नवाब साहब की मौत के बाद बच्चों को लेकर मायके चली गई, क्योंकि खर्च नहीं चला पा रही थी। मायके जाकर भी काम करने लगी। कुछ दिन बाद नवाब साहब की 400 रुपए की पेंशन मेरे नाम हुई। यहां फिर से लाख की चूड़ी बनाने लगी। रोड पर चाय की दुकान लगाई। मोती पिरोए। फैक्ट्री से साड़ियों का गट्ठर लेकर आती, धागे तोड़ती फिर उन्हें लौटा देती। एक हजार साड़ी के 100 रुपए मिलते। बस यह है कि किसी से मांगा नहीं।

मेरे नाना अख्तर हुसैन के पास खूब पैसा हुआ करता था। वो नौकरी की तलाश में लखनऊ से कोलकाता आए थे। बाद में नानी और अम्मी भी यहां आ गईं। अम्मी की शादी लखनऊ में काकोरी के पास कसमंडी गांव में हुई थी। निकाह के वक्त नाना ने वालिद के सामने शर्त रखी कि अगर बेटी इस गांव में खुश नहीं रहेगी तो अपने साथ कोलकाता ले जाएंगे। जिंदगी भर बेटी और उसके बच्चों का खर्च उठाएंगे। शादी के दो साल बाद ही नाना, अम्मी को कोलकाता ले आए। उस वक्त उनका कारोबार बहुत अच्छा था। अम्मी के बाद मेरे वालिद भी कोलकाता आ गए।

नाना ने वालिद से कहा कि कुछ काम करो, वरना लोग कहेंगे ससुराल की रोटी तोड़ रहे हो। उस वक्त हम कोलकाता के तलतला स्ट्रीट में रहा करते थे। वक्त अच्छा कट रहा था। हमारे पास किसी चीज की कमी नहीं थी। पास में एक दादी के यहां अरबी पढ़ने जाते थे। मैं हमेशा पैंट-बुशर्ट पहनती थी। गिल्ली-डंडा और कंचे खेलती, पतंग उड़ाती। खुशनुमा अल्हड़ बचपन था।

नाना की मौत के बाद हमारे दिन ही पलट गए। ऐसी गरीबी आई कि एक वक्त की रोटी तक नहीं मिलती थी। वालिद की तो बहुत कमाई थी नहीं। जब मामी कहती थीं कि आओ खाना खा लो, तो हम कह देते कि भूख नहीं है। हमें पता था कि खाना तो है नहीं, इसलिए झूठ बोल देते थे कि पेट एकदम भरा हुआ है। जबकि इतनी तेज भूख लगी होती थी कि खाना दिख जाए तो छीन कर खा लें।

मामा उस वक्त सात आने का आटा, चार आने का गोश्त और एक आने की दाल लाते थे। मुश्किल से एक-एक रोटी ही सबके हिस्से आती थी। एक रोटी अगली सुबह के लिए रख देते थे। जब तेज भूख लगती तो कई बार अम्मी से कहते वो चूल्हे में कागज जलाकर ऊपर खाली पतीली चढ़ा देती थी। कहती थी कि सो जाओ, खाना पक जाएगा तो जगा दूंगी। हम खाने के इंतजार में सो जाते थे।

कुछ दिन बाद हम लोग काम करने लगे। मामू के घर में हमने बुक बाइंडिंग का काम किया, लिफाफे बनाए, लाख की चूड़ी बनाई। एक कुरान शरीफ की जिल्द बांधने के काम का दो रुपया मिल जाता था। एक हजार लिफाफे बनाने का चार आना मिलता था। रूमाल पर माड़ लगते थे। एक हजार रूमाल पर माड़ लगाने के चार आने मिलते थे। फिर शादी हो गई तो यही सब काम दोबारा शुरू किया।

कुछ साल पहले किसी ने पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल से मिलवाया था। उन्होंने अपनी मर्जी से पेंशन छह हजार रुपए कर दी। उसमें से 2500 रुपए घर का किराया है। 3500 में घर का सामान और मेरा इलाज। जब सभी राजा-महाराजा को उनके घर वापस मिले हैं, तो बहादुर शाह जफर को क्यों नहीं। वो भी तो बादशाह थे, कोई भिखारी तो थे नहीं। मुझे भी मेरा घर चाहिए। मैं उनके पड़पोते की बीवी हूं। हमें हमारा महल वापस मिले। न हमारे पास जायदाद, न शहंशाही पेंशन, न रहने को छत।

मैं कितने साल से कह रही हूं, कोई सुनवाई नहीं। सरकार ने टीपू सुल्तान, हैदराबाद, मीर जाफर, वालिद शाह को खूब दिया, लेकिन हमें नहीं।

नवाब साहब कहते थे कि काश बहादुर शाह ने भी घुटने टेक दिए होते, लेकिन फिर कहते कि आज दुनिया में जो हमारा नाम है, उनकी वफादारी की ही वजह से है। बहादुर शाह जफर ने वतन से गद्दारी नहीं की तो हमारी आने वाली नस्लें भी सिर उठा कर जी पाएंगी।

झारखंड में जेल ब्रेक की साजिश!

खुलासे वाली चिट्ठी से खलबली, एनआईए कोर्ट के जज को धमकी

रांची, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। रांची सिविल कोर्ट में एनआईए कोर्ट के जज को जान से मारने की धमकी मिली है। प्रशांत बोस और शीला मरांडी को छुड़ाने के लिए जेल ब्रेक की भी धमकी दी गई है। जज को यह धमकी पत्र के माध्यम से मिली है। पुलिस ने कोतवाली थाने में चार संदिग्धों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

रांचीः एनआईए कोर्ट के जज को जान से मारने की धमकी मिली है। साथ ही नक्सली नेता प्रशांत बोस और शीला मरांडी को जेल से छुड़ाने की बात कही गई है। ये धमकी जज को एक पत्र के माध्यम से दी गई है। पुलिस ने इस मामले में चार संदिग्ध लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है और जांच कर रही है। रांची सिविल कोर्ट परिसर में स्थित एनआईए कोर्ट

के जज को ये धमकी मिली है। धमकी देने वालों ने प्रशांत बोस और शीला मरांडी को जेल से निकालने के लिए जेल ब्रेक करने की भी धमकी दी है। ये जानकारी रांची कोतवाली थाना प्रभारी इंस्पेक्टर आदिकांत महतो ने दी। उन्होंने बताया कि उन्हें सीनियर पुलिस अधिकारियों से इस बारे में सूचना मिली थी।

रांची कोतवाली थाने में चार संदिग्ध लोगों पर केस दर्ज किया गया है। इन संदिग्धों के नाम हैं- अरुण कुमार, अनामिका इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, साकेत तिर्की और एक अज्ञात व्यक्ति। कोतवाली थाना प्रभारी आदिकांत महतो ने बताया कि उन्हें सीनियर पुलिस अधिकारियों से सूचना मिली थी। सूचना ये थी कि एनआईए कोर्ट के जज को एक धमकी भरा पत्र मिला है। ये पत्र किसी छद्म नाम से भेजा गया था। सूचना मिलते ही वे तुरंत कोर्ट पहुंचे।

बताया गया कि कोर्ट में उन्हें स्पीड पोस्ट से भेजे गए दो लिफाफे मिले। दोनों लिफाफों में पत्र भेजने वाले का नाम अलग-अलग लिखा हुआ था। पत्रों में एनआईए कोर्ट के जज पर हमला करने और जेल ब्रेक करने की बात लिखी थी। पत्र में ये भी लिखा था कि इसके लिए शूटरों को पैसा दिया जा चुका है। पत्र में साफ लिखा था कि जेल ब्रेक का मकसद प्रशांत बोस और शीला मरांडी को जेल से छुड़ाना है। पत्र में एक मोबाइल नंबर भी दिया गया था। साथ ही, उसमें अरुण कुमार का नाम भी लिखा था।

झारखंड पुलिस ने जब उस मोबाइल नंबर की जांच की, तो पता चला कि वो नंबर झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा (जेसीइसीइ बोर्ड) के अरुण कुमार के नाम पर रजिस्टर्ड है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि धमकी भरा पत्र किसने भेजा और इसके पीछे क्या मकसद है।

जय भीम पदयात्रा में शामिल हुए सीएम साय

बोले- कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के लिए संविधान के साथ किया खिलवाड़

रायपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती है। ठीक उसके एक दिन पहले राजधानी रायपुर में आयोजित जय भीम पदयात्रा में शामिल हुआ हूं। यह कार्यक्रम खेल एवं कल्याण विभाग के द्वारा किया गया है। विभाग के मंत्री, अधिकारी, मंत्री गढ़ और विधायक गढ़ समेत छात्र-छात्राएं इस पदयात्रा में शामिल हुए हैं। उन्होंने अंबेडकर जयंती की प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी है।

सीएम विष्णुदेव साय ने बाबा साहब की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि जिन्होंने संविधान का निर्माण किया है, जिसके माध्यम से भारत चल रहा

है। यह संविधान हम सभी लोगों को स्वतंत्रता से जीने का अधिकार देता है। अपनी बात स्वतंत्रता से कहने की अधिकार देता है।

'कांग्रेस संविधान के साथ खिलवाड़ किया'

उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस देश के जनता से विश्वास खो चुकी है। वे संविधान की बात करते हैं, उन्होंने इस देश में इमरजेंसी लगाया और लाखों लोगों को जेल में भर दिया। सीएम साय ने आरोप लगाते हुए कहा कि अपने स्वार्थ के कारण कितनी बार इस देश की संविधान के साथ खिलवाड़ किया है। उसका गलत तरीके से संशोधन किया है।

'पहले अपने पैर पर खड़ा हो जाए कांग्रेसी'

कांग्रेस के न्याय पदयात्रा पर सीएम साय ने कहा कि यह कुछ भी करें। छत्तीसगढ़ में इनका पूरा सुपड़ा साफ हो गया है। विधानसभा, लोकसभा, नगरी निकाय, पंचायती राज के चुनाव में पूरी तरह से हारे हैं। इनको हार का मुंह देखना पड़ा है। उन्होंने कहा कि यह पहले अपने घर परिवार संभाल ले ठीक से। अपने पैर पर खड़ा हो जाए तो कोई बात करें।

नक्सलवाद से हुनर की ओर: कभी बहाते थे खून, अब ले रहे कौशल विकास का प्रशिक्षण, सरेंडर के बाद बदल रही जिंदगी

बीजापुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। बस्तर संभाग में एक समय बंदूक थामे जंगलों में खून-खराबा करने वाले पूर्व नक्सली आज हुनरमंद बनकर नई जिंदगी जी रहे हैं। सरेंडर के बाद ये लोग आत्मनिर्भर बन रहे हैं और अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं। बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा में सरकार द्वारा संचालित विशेष प्रशिक्षण शिविरों में 90-90 लोगों के बैच में पूर्व नक्सलियों को कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन शिविरों में प्रशिक्षण ले रहे लोग अपने अतीत पर पछतावा जताते हुए वर्तमान से संतुष्ट नजर आते हैं। पूर्व पीएलजीए सदस्य सुकराम बताते हैं, ₹मैं पहले दूसरे राज्य में मजदूरी करता था। नक्सलियों ने मेरे परिवार को परेशान किया, जिसके चलते मजबूरी और जोश में मैं संगठन में शामिल हो गया। खून-खराबा किया, लेकिन बाद में समझ आया कि यह गलत है। मैंने सरेंडर किया और अब राजमिस्त्री का प्रशिक्षण ले रहा हूं।₹ सुकराम जैसे कई युवा परिवार की सुरक्षा और अन्य मजबूरियों के चलते नक्सलवाद में शामिल हुए थे, जो अब इन शिविरों में नई

राह तलाश रहे हैं।

सरकार इन पूर्व नक्सलियों को उनकी रुचि के अनुसार ट्रेड सिखा रही है, ताकि उन्हें भविष्य में आसानी से रोजगार मिल सके। आइटीआइ और लाइवलीहुड मिशन के तहत राजमिस्त्री, खेती-किसानी, पशुपालन, मछली पालन जैसे कौशल सिखाए जा रहे हैं। प्रशिक्षण के साथ-साथ एक्सपोजर विजिट भी करवाई जा रही हैं, जहां ये लोग विभिन्न जिलों के संस्थानों में जाकर व्यवसायों को करीब से समझ रहे हैं। बस्तर, खासकर बीजापुर, एक समय नक्सलवाद का गढ़ माना जाता था। अब सरेंडर करने वाले नक्सलियों के लिए सरकार विशेष प्रयास कर रही है, ताकि वे बेरोजगारी के कारण दोबारा उसी दलदल में न लौटें। प्रशिक्षण शिविरों में 90 लोगों के बैच में पहले चरण का प्रशिक्षण शुरू किया गया है। यहां सुबह पांच बजे योग से दिन की शुरुआत होती है, फिर दिनभर विभिन्न ट्रेड की ट्रेनिंग दी जाती है। साक्षर भारत कार्यक्रम के तहत पढ़ाई, टीवी देखने का समय और शाम को खेलकूद का आयोजन भी किया जाता है।

इन शिविरों में ऐसे पूर्व नक्सली भी शामिल हैं, जो कभी बम बनाने और हथियार चलाने जैसे कामों में लिप्त थे। अब वे खेती, पशुपालन और अन्य रोजगारपरक कौशल सीख रहे हैं। सरकार का उद्देश्य इन्हें जिम्मेदार और आत्मनिर्भर नागरिक बनाना है। प्रशिक्षण ले रहे पूर्व नक्सलियों का कहना है कि बंदूक छोड़ने के बाद उनकी जिंदगी में सकारात्मक बदलाव आया है।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने शहीद को दी श्रद्धांजलि

सरकार शहीद के परिवार के साथ- सीएम

रांची, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के खूंटी जिले के रहने वाले जवान सुनील धान की शहादत पर राज्यभर में शोक की लहर है। झारखंड जगुआर मुख्यालय, रांची में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने शहीद जवान के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने इस मौके पर शहीद के परिवार से मुलाकात की और दुख की इस घड़ी में पूरा साथ देने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि सरकार हमेशा शहीद के परिवार के साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा कि झारखंड में उग्रवाद अब अपने आखिरी दौर में है। सुरक्षा बल लगातार ऑपरेशन चला रहे हैं और उग्रवादियों का सफाया कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे कई बहादुर जवानों ने अपनी जान दी है लेकिन उनकी शहादत बेकार नहीं जाएगी।

शहीद सुनील धान खूंटी जिले के कर्रा प्रखंड के

कांटी पोड़हा टोली गांव के रहने वाले थे। उनके परिवार में मां श्रीमती फगुनी उराइन, पत्नी श्रीमती गंदरी धान और दो छोटे बेटे प्रियांश (6 वर्ष) और अनिकेत (4 वर्ष) हैं।

घायल जवान से अस्पताल में की मुलाकात

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने राज अस्पताल, रांची में भर्ती कोबरा बटालियन के घायल जवान विष्णु सैनी से भी मुलाकात की। वे पश्चिमी सिंहभूम जिले के जराईकेला में चल रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान आईईडी ब्लास्ट में घायल हुए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार उन्हें हरसंभव बेहतर इलाज उपलब्ध कराएगी।

चांपा में धर्मांतरण और धार्मिक सद्भावना भंग करने का मामला

बजरंग दल के हंगामे के बाद चार गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। चांपा शहर में धार्मिक सद्भावना को ठेस पहुंचाने और कथित धर्मांतरण का मामला सामने आया है। चांपा के बीडीएम अस्पताल चौक स्थित एक तीन मंजिला इमारत में प्रार्थना सभा के आयोजन के दौरान तनाव बढ़ गया।

इस सभा में जांजगीर के साथ-साथ अन्य राज्यों से भी लोग शामिल हुए। जानकारी मिलने पर बजरंग दल के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया और भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया।

बीडीएम अस्पताल चौक की इमारत में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया था। इस दौरान महिलाओं, बच्चों और पुरुषों की भीड़ धीरे-धीरे इकट्ठा हुई।

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर सभा में शामिल लोगों से बातचीत की, जहां उन्हें धर्मांतरण की आशंका हुई।

पुलिस को सूचना देने पर चांपा थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। जांच के दौरान पुलिस को आयोजन स्थल से धर्मांतरण से संबंधित सामग्री, पुस्तकें और पोस्टर मिले। साथ ही प्रार्थना के नाम पर बीमारियों को ठीक करने का दावा भी किया जा रहा था।

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए चार लोगों को हिरासत में लिया और धार्मिक उन्माद फैलाने तथा धर्मांतरण के लिए प्रेरित करने की धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू की।

यह घटना हनुमान जयंती के दिन हुई, जब देशभर में हिंदू समुदाय धार्मिक आयोजनों में व्यस्त था। पुलिस की समय पर कार्रवाई से माहौल को नियंत्रित किया गया और सभा में शामिल ग्रामीणों को उनके घर भेज दिया गया।

बर्बरता की हदें पार: *प्रेमिका से मिलने गए युवक को परिजनों ने पकड़ा*

नग्न कर पीटा; सुई चुभाई व चौराहे पर घुमाया, छह आरोपी गिरफ्तार

सक्ती, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। सक्ती मालखरौदा थाना क्षेत्र में दलित युवक को बीच चौराहे पर नग्न कर मारपीट करने वाले छह आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामले में एक आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि युवक अपनी नाबालिग प्रेमिका से मिलने गया था, जहां नाबालिग युवती के परिजनों और ग्रामीणों ने युवक को देख लिया। इसके बाद युवक की बेरहमी से पिटाई की गई। इसके अलावा युवक को निर्वस्त्र कर बुरी तरीके से जलील भी किया गया।

दरअसल, नौ अप्रैल को ग्राम बासिन का एक युवक अपनी नाबालिग प्रेमिका से मिलने ग्राम रबेली गया था। इस दौरान युवक को युवती के परिजनों और कुछ ग्रामीणों ने देख लिया। इसके बाद युवक को रात भर पीटा गया। युवक के शरीर पर सुई भी चुभाई गई। अगले दिन सुबह युवक को बीच चौराहे पर नग्न कर पहले घुमाया गया। इसके बाद युवक के साथ बेरहमी से मारपीट की गई। मारपीट के दौरान युवक पानी के लिए तड़पता रहा, लेकिन किसी ने उसे पीने के लिए पानी भी नहीं दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही सक्ती एसडीओपी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम की मदद से युवक को ग्रामीणों से छुड़ाया। इसके बाद युवक को इलाज के लिए मालखरौदा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था, जहां डॉक्टर ने युवक की गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रायगढ़ जिला अस्पताल रेफर कर दिया। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद युवक ने घटना की शिकायत थाने में दर्ज कराई। युवक की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया गया।

हार्वर्ड के प्रोफेसर्स ने ट्रम्प पर केस किया: फंड रोकने की धमकी दी थी; आरोप- यहूदी विरोधी नफरत रोकने में नाकाम

वॉशिंगटन, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर्स ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन के खिलाफ मैसाचुसेट्स की फेडरल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट केस दायर किया है। प्रोफेसर्स के दो ग्रुप ने यूनिवर्सिटी फंड को रोकनी की धमकी के खिलाफ यह केस दर्ज किया है। ट्रम्प प्रशासन हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को मिलने वाले 9 अरब डॉलर के फंड की समीक्षा कर रहा है। हार्वर्ड के प्रोफेसर्स ने हवाला दिया है कि ट्रम्प का यह फैसला अमेरिकी संविधान के फर्स्ट अमेंडमेंट (प्रथम संशोधन) का उल्लंघन करता है। प्रोफेसर्स ने आरोप लगाया है कि यूनिवर्सिटी फंड में कटौती करना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन है। हाल ही में ट्रम्प प्रशासन ने हार्वर्ड को एक चिट्ठी भेजी थी। इस चिट्ठी में यूनिवर्सिटी को कुछ शर्तें पूरी करने के लिए कहा गया था। ऐसा न करने पर यूनिवर्सिटी की संघीय फंडिंग पर रोक लगाने की धमकी दी गई। इस कदम के पीछे ट्रम्प प्रशासन का दावा था कि हार्वर्ड जैसे प्रतिष्ठित संस्थान एंटी-सेमिटिज्म (यहूदियों के खिलाफ नफरत) को रोकने में नाकाम रहे हैं।

'ट्रंप के सामने सरेंडर कर दो, वरना तबाही मच जाएगी'

ईरानी अधिकारियों ने खामेनेई को क्यों दी थी चेतावनी ?

न्यूयॉर्क, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में परमाणु कार्यक्रम को लेकर ओमान के मस्कट में बातचीत हुई। इसमें अमेरिका की तरफ से स्टीव विटकॉफ और ईरान से अब्बास अराकची शामिल हुए। ओमान के विदेश मंत्री ने इसमें मध्यस्थ की भूमिका निभाई। दोनों देशों ने 19 अप्रैल को अगली बैठक करने पर सहमति जताई है। रिपोर्ट के अनुसार, पहले ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई अमेरिका से किसी डील के खिलाफ थे। हालांकि ईरानी अधिकारियों ने उन्हें समझाया कि अगर ट्रंप के सामने झुके नहीं तो सरकार गिर सकती है और देश में भारी तबाही हो सकती है।

रिपोर्ट में किए गए ये बड़े दावे

रिपोर्ट में बताया गया है कि ईरान की संसद और न्यायपालिका के बड़े नेताओं ने खामेनेई से कहा कि अगर अमेरिका और इजरायल की सैन्य कार्रवाई को रोकना है तो बातचीत करना बहुत जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बातचीत नहीं हुई या असफल रही तो नेतांज़ और फोर्दो जैसे परमाणु ठिकानों पर हमला तय है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन ने भी खामेनेई को बताया कि देश की आर्थिक हालत और आंतरिक स्थिति इतनी कमजोर है कि वह अब किसी युद्ध का बोझ नहीं उठा सकती। अमेरिका और ईरान के बीच यह बातचीत उनके लंबे समय से चले आ रहे तनाव भरे रिश्तों में एक अहम मोड़ साबित हो सकती है,लेकिन इसका नतीजा इस बात पर निर्भर करेगा कि दोनों देश कितनी ईमानदारी और लचीलापन दिखाते हैं। वहीं, बातचीत की शुरुआत एक अच्छा कदम माना जा रही है, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने साफ चेतावनी दी है कि अगर कोई समझौता नहीं हुआ तो अमेरिका ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला कर सकता है। ईरानी अधिकारियों ने भी कहा है कि अगर बातचीत नाकाम हुई, तो वे अपने यूरेनियम संवर्धन को हथियार बनाने की दिशा में बढ़ा सकते हैं।

खामेनेई ने रखी हैं ये शर्तें

खामेनेई ईरानी अधिकारियों के दबाव में अब अमेरिका के साथ परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत के लिए तैयार हो गए हैं, लेकिन उन्होंने इसके लिए कुछ शर्तें रखी हैं। खामेनेई ने कहा है कि ईरान थोड़ी मात्रा में यूरेनियम संवर्धन कम करने और उस पर सख्त निगरानी रखने की बात पर बातचीत कर सकता है। लेकिन उन्होंने साफ किया है कि ईरान अपने मिसाइल कार्यक्रम पर कोई चर्चा नहीं करेगा, क्योंकि यह उसकी सुरक्षा नीति का अहम हिस्सा है। यही बात अमेरिका के लिए एक बड़ी रुकावट बन सकती है। ईरान अपने क्षेत्रीय नीति और आतंकी संगठनों जैसे हमास, हिजबुल्लाह और हूती को दिए जा रहे समर्थन पर बातचीत के लिए तैयार है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर कोई समझौता नहीं हुआ, तो ईरान को बहुत बुरे दिन का सामना करना पड़ेगा। अमेरिका का कहना है कि वह हर हाल में ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना चाहता है।

अमेरिका के जॉर्जिया में हिंदू फोबिया को मान्यता देने के लिए बिल पेश ऐसा करने वाला पहला राज्य

जॉर्जिया, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राज्य जॉर्जिया की असेंबली में हिंदू फोबिया और हिंदू विरोधी कट्टरता को मान्यता देने के लिए बिल पेश किया गया है। अगर यह बिल पास होकर कानून बन जाता है तो जॉर्जिया राज्य में हिंदू समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए जॉर्जिया हिंदू फोबिया को परिभाषित भी करेगा। हिंदू फोबिया के लिए बिल पेश करने वाला जॉर्जिया पहला अमेरिकी राज्य है। इस बिल को रिपब्लिकन सीनेटर शॉन स्टिल, क्लिंट डिक्सन और डेमोक्रेटिक सीनेटर जेसन एस्टेव्स और इमैनुएल डी। जोन्स ने मिलकर पेश किया है। इससे पहले जॉर्जिया ने 2023 हिंदू फोबिया के खिलाफ प्रस्ताव पास किया था। इसमें हिंदू विरोधी कट्टरता की निंदा की गई थी। साथ ही हिंदू धर्म को दुनिया के सबसे प्राचीन धर्मों में से एक के रूप में मान्यता दी गई थी

ताजिकिस्तान में एक घंटे में दो बार आया भूकंप सहम गए लोग; रिक्टर स्केल पर 6.1 थी तीव्रता

ताजिकिस्तान, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। ताजिकिस्तान में रविवार को एक घंटे के भीतर दो बार भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। पहले झटके की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.1 दर्ज की गई, जो काफी मजबूत मानी जाती है। भूकंप के झटके महसूस होते ही लोग अपने घरों से घबराकर बाहर निकल आए। हालांकि अभी तक किसी बड़े नुकसान या जनहानि की जानकारी नहीं मिली है। भूकंप का केंद्र ताजिकिस्तान के पहाड़ी क्षेत्र में बताया जा रहा है। बार-बार आ रहे भूकंप के झटकों ने लोगों को चिंता में डाल दिया है। ताजिकिस्तान में दोपहर साढ़े बारह बजे भी ताजिकिस्तान में भूकंप आया था, जिसकी तीव्रता 4.2 थी।

हिमाचल प्रदेश के मंडी में भूकंप से कांपी धरती, 3.4 रही तीव्रता

मंडी, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की वजह से लोग दहशत में हैं सभी अपने-अपने घरों से बाहर निकल गए। इस भूकंप की तीव्रता 3.4 रही। इसका केंद्र मंडी जिले के सुंदर नगर के जयदेवी में धरती से 5 किलोमीटर रहा। कुछ समय पहले 23 फरवरी को भी भूंकप की वजह से यहां की धरती कांप उठी थी। मंडी जिले में रविवार सुबह 9:18 पर भूकंप के झटके महसूस किए गए है। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.4 आंकी गई। भूकंप का केंद्र जमीन के अंदर पांच किलोमीटर नीचे मापा गया है। सुंदर नगर के जयदेवी में भूकंप का केंद्र रहा। फिलहाल, इन झटकों से नुकसान की सूचना नहीं है। इससे पहले इसी साल 7 जनवरी को 3.4 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। मंडी, चंबा, कांगड़ा, लाहौल और कुल्लू भूकंप के मामले में अति संवेदनशील क्षेत्रों में शामिल है। हिमाचल प्रदेश भारत में सिस्मिक जोन आईवग और वी में आता है, जो ज्यादा भूकंपीय जोखिम वाले क्षेत्र हैं। इसका कारण इसकी भौगोलिक स्थिति और भू-वैज्ञानिक संरचना है।

बांग्लादेश से 10 लाख मुसलमानों की 'जिहाद ललकार', नेतन्याहू के पोस्टर पर पड़े चप्पल

ढाका, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। गाजा में हो रहे फिलिस्तीनियों के नरसंहार के खिलाफ पूरी दुनिया के मुसलमान सड़कों पर आने लगे हैं। सीरिया से लेकर मिस्र तक मुस्लिम मौलाना इजराइल के खिलाफ जिहाद का ऐलान कर रहे हैं और अब जिहाद की आग भारत के पड़ोस तक आ चुकी है। पाकिस्तान के मुफ्ती तकी उस्मानी ने लोगों से अपील की कि जो लोग उमरा जैसी स्वैच्छिक यात्रा पर जाने की योजना बना रहे हैं, वे इस पैसे को फिलिस्तीनी प्रतिरोध में लगाने की सोचें। उनकी इस सभा में हजारों लोग इकट्ठा हुए और जिहाद के लिए 'लब्बेक' कहा। वहीं बांग्लादेश की कट्टरपंथ पार्टियां तो एक दम और आगे निकल गई हैं। गाजा पट्टी में इजराइल की कार्रवाई की निंदा करने के लिए बांग्लादेश की राजधानी में लाखों प्रदर्शनकारियों ने रैली निकाली, प्रदर्शनकारियों की संख्या करीब 10 लाख होने का अनुमान है, जो ढाका यूनिवर्सिटी कैंपस के सुहरावर्दी पार्क में एकत्र हुए। इन लाखों लोगों ने एक साथ इजराइल के खिलाफ जिहाद की ललकार भरी और नेतन्याहू के पोस्टर को चप्पलों और डंडों से पीटा। इस प्रो-फिलिस्तीनी रैली में बांग्लादेश के लोग सैकड़ों फिलिस्तीनी झंडों के साथ-साथ कलमा लिखा हुआ सफेद झंडा भी लिए हुए थे, जिसका मतलब खिलाफत राज से जुड़ा माना जाता है और 'आजाद फिलिस्तीन' जैसे नारे लगा रहे थे। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की अध्यक्षता वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी, कई इस्लामी समूह और पार्टियों ने इस रैली में अपनी एकजुटता दिखाई। सभी पार्टियां इस दौरान इजराइल के खिलाफ एक दिखाई दी, बांग्लादेश एक मुस्लिम बहुल राज्य है और इजराइल के साथ कोई राजनयिक संबंध नहीं रखता है। यह आधिकारिक तौर पर एक स्वतंत्र फिलिस्तीन का समर्थन करता है।

म्यांमार के मेइकतिला शहर में 5.5 तीव्रता का भूकंप, 15 दिन पहले 7.7 तीव्रता के भूकंप में 3600 जानें गई थीं

मेइकतिला, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। म्यांमार के मेइकतिला शहर में रविवार सुबह 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। इसका केंद्र मांडले और नैपीदा के बीच जमीन से 10 किमी नीचे था। इस भूकंप से किसी तरह के नुकसान की फिलहाल खबर नहीं है। हालांकि ये भूकंप 15 दिन पहले म्यांमार में आए 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद आया सबसे बड़ा आफ्टरशॉक है। उस भूकंप में 3,649 लोगों की जान गई थी, जबकि 5000 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इसके अलावा तजिकिस्तान में भी रविवार को 5.9 तीव्रता का भूकंप आया। इसका केंद्र जमीन से 16 किमी नीचे रहा।

सूडान में अर्धसैनिक बलों का कहर

एल फशेर में किया भयानक हमला; 114 नागरिकों की हुई मौत

खार्तूम, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिमी सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य की राजधानी एल फशेर में पिछले दो दिनों में दो विस्थापन शिविरों पर अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) द्वारा किए गए हमलों में 114 से अधिक नागरिक मारे गए। उत्तरी दारफुर राज्य के स्वास्थ्य प्राधिकरण के महानिदेशक इब्राहिम खातिर ने बताया, शुक्रवार 12 अप्रैल को ज़मज़म विस्थापन शिविर पर आरएसएफ मिलिशिया द्वारा किए गए क्रूर हमले में 100 से अधिक नागरिक मारे गए और दर्जनों लोग घायल हो गए।

सैकड़ों की संख्या में लोग हुए घायल

सिन्हुआ के अनुसार, खातिर ने खुलासा किया कि जमजम शिविर में मारे गए लोगों में रिलीफ इंटरनेशनल के नौ कर्मचारी भी शामिल हैं, जो शिविर में एक फील्ड अस्पताल चलाने वाला एक गैर-सरकारी संगठन है। स्वयंसेवी समूह इमरजेंसी रूम ने एक बयान में कहा कि अबू शौक शिविर पर आरएसएफ द्वारा भारी गोलाबारी के परिणामस्वरूप शनिवार को 40 नागरिक मारे गए और सैकड़ों घायल हो गए।

अभी तक करीब 30 हजार लोगों की हुई मौत

आरएसएफ ने हमलों के संबंध में फिलहाल कोई बयान जारी नहीं किया है। बता दें, 10 मई 2024 से सूडानी सशस्त्र बलों (आरएसएफ) और आरएसएफ के बीच एल फशेर में भीषण लड़ाई चल रही है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा बनाए गए संकट निगरानी समूह, सशस्त्र संघर्ष स्थान और घटना डेटा के अनुसार, अप्रैल 2023 के मध्य से एसएएफ और आरएसएफ के बीच विनाशकारी संघर्ष में सूडान उलझा हुआ है। इस संघर्ष में अभी तक 29 हजार 600 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

अर्जेंटीना में रूसी धार्मिक नेता रुडनेव गिरफ्तार यौन शोषण और मानव तस्करी के हैं आरोप

अर्जेंटीना, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। मानव तस्करी के मामले में रूसी पंथ नेता कोंस्टैंटिन रुडनेव को अर्जेंटीना में गिरफ्तार किया गया है। रुडनेव आश्रम शम्बाला धार्मिक समूह के संस्थापक हैं। रुडनेव पर यौन शोषण और मानव तस्करी के आरोप हैं। 28 मार्च को जब अर्जेंटीना पुलिस ने बारिलोचे एयरपोर्ट पर उन्हें गिरफ्तार किया तो रुडनेव ने रेजर ब्लेड से अपना गला काटने की कोशिश की। हालांकि, इसमें वो असफल रहे। अर्जेंटीना पुलिस ने रुडनेव के साथ-साथ और भी कई लोगों को गिरफ्तार किया है। ये सभी ब्राजील जाने की कोशिश कर रहे थे। जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, वे सभी रूसी नागरिक हैं और रुडनेव के धार्मिक समूह का हिस्सा हैं।

क्या है पूरा मामला ?

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, रुडनेव ने रूस से लाई गई 22 वर्षीय महिला की अपने आश्रम शम्बाला धार्मिक समूह में भर्ती की। बाद में वह प्रेगनेंट हो गईं। 21 मार्च को जब वह महिला बच्चे को जन्म देने के लिए बारिलोचे के एक अस्पताल में पहुंची तो उसके साथ दो अन्य महिलाएं भी थीं। गर्भवती महिला घबराई हुई थीं और कुपोषित दिख रही थीं। अभियोजक की रिपोर्ट में कहा गया है कि रूसी महिला के साथ जो दो महिलाएं थीं, वो उसे ज्यादा बात करने की अनुमति नहीं दी थी। महिला की स्थिति और उसके साथियों के व्यवहार को देखकर डॉक्टर चिंतित हो गए। बच्चे के जन्म के बाद दोनों महिलाओं ने अस्पताल के अधिकारियों से नवजात बच्चे का अंतिम नाम 'रुडनेव' दर्ज करने के लिए कहा। इसके बाद चीजें पता चलीं। गर्भवती महिला को भी गिरफ्तार कर लिया गया। दरअसल, रुडनेव उसे अर्जेंटीना की नागरिकता दिलाना चाहते थे। अर्जेंटीना के अभियोक्ता फर्नांडो एरिगो का मानना है कि महिला आश्रम शम्बाला की शिकार हो सकती हैं। हालांकि, उनमें से किसी पर भी अभी तक कोई अपराध का आरोप नहीं लगाया गया है, क्योंकि आपराधिक जांच गिरफ्तारी के बाद शुरू होती है। अर्जेंटीना पुलिस कुल 21 रूसी नागरिकों की जांच कर रहा है। उन पर एक आपराधिक संगठन (आश्रम शम्बाला) का हिस्सा होने का आरोप लगाया गया है, जिसने यौन तस्करी और गुलामी के उद्देश्य से रूस से लाई गई 22 वर्षीय महिला की भर्ती की।

रुडनेव पर बलात्कार समेत कई आरोप

घटना के एक सप्ताह बाद अर्जेंटीना पुलिस कोन्स्टेंटिन रुडनेव का पता लगाने में सफल रही और 28 मार्च को उसे गिरफ्तार कर लिया। मैकेनिकल इंजीनियर से धार्मिक नेता बने रुडनेव ने 1989 में धार्मिक समूह की स्थापना की थी। वह अपने अनुयायियों को मसीहा बताते थे। आश्रम शम्बाला की पहले रूस के 18 क्षेत्रों में पहुंच थी और इसके लगभग 30,000 सदस्य थे, जिनमें से कई परिवार से संबंध तोड़ने के बाद रुडनेव की पूजा करते थे। रुडनेव को बलात्कार, हिंसक यौन कृत्यों और मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में 2013 में साइबेरिया की एक जिला अदालत ने 11 साल की जेल की सजा सुनाई थी।

इजराइल ने सेंट्रल गाजा में हवाई हमले किए

मिसाइलों से अस्पताल को निशाना बनाया; हमले में इमरजेंसी वॉर्ड तबाह

गाजा, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। इजराइल ने देर रात सेंट्रल गाजा में हवाई हमले किए है। इन हमलों की चपेट में स्थानीय अस्पताल भी आ गया। अल-अहली अरब बैपटिस्ट अस्पताल के कर्मचारियों के मुताबिक परिसर के भीतर एक बिल्डिंग पर दो मिसाइलों से हमला किया। इस हमले में इमरजेंसी और रिसेप्शन डिपार्टमेंट पूरी तरह तबाह हो गया है। हमले में आस-पास की इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है। अस्पताल के अधिकारियों के मुताबिक हमले से कुछ देर पहले एक फोन कॉल आई थी। इसमें उनसे इमारत को तुरंत खाली करने के लिए कहा गया ता। इसके तुरंत बाद यह हमला हुआ। हमले पर इजराइली सेना की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। इससे पहले इजराइल ने दावा किया था कि इस इलाके से उसके ऊपर रॉकेट दागा गया था।

इजराइली सेना ने राफा का बाकी गाजा से संपर्क काट दिया है। रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने मोराग कॉरिडोर पर कब्जा कर लिया है, जिससे राफा का गाजा पट्टी से संपर्क टूट गया है। मोराग कॉरिडोर दक्षिणी गाजा में एक रास्ता है जो उसे गाजा पट्टी से अलग करता है। काट्ज ने गाजा के लोगों को धमकी देते हुए कहा कि यह हमास को भगाने और सभी बंधकों को रिहा कर जंग को खत्म करने का आखिरी मौका है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो ये सब गाजा के दूसरे इलाके में भी होना शुरू हो जाएगा।

काट्ज ने कहा कि राफा को अब 'इजराइली सिक्योरिटी जोन' में बदल दिया गया है। इजराइली सिक्योरिटी जोन का मतलब मतलब उन जगहों से है, जिन्हें इजराइल अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी मानता है और उन्हें कंट्रोल करता है। राफा क्रॉसिंग, फिलाडेल्फी कॉरिडोर, वेस्ट बैंक के कुछ इलाके और गोलान हाइट्स इजराइली सुरक्षा क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इन इलाकों पर सेना के जरिए कंट्रोल किया जाता है। इजराइल काट्ज ने कहा कि नेत्जारिम कॉरिडोर जो गाजा को दो भागों में बांटती है, उसका भी विस्तार किया जाएगा। इस साल की शुरुआत में जब सीजफायर को लेकर डील हुई थी तब इजराइल ने नेत्जारिम कॉरिडोर छोड़ दिया था। लेकिन कुछ ही समय बाद इजराइल ने जंग फिर से शुरू कर दी और फिर से इस कॉरिडोर को अपने कब्जे में ले लिया। काट्ज ने कहा कि जो भी लोग गाजा से छोड़ना चाहते हैं उन्हें आसानी से रास्ता दिया जाएगा।

नेपाल के बीरगंज में हनुमान जयंती के शोभायात्रा पर पथराव, हालात बेकाबू, पुलिस ने लगाया कर्फ्यू

बीरगंज नेपाल के बीरगंज में शनिवार को हनुमान जयंती के शोभायात्रा पर पथराव के बाद हालात तनावपूर्ण हो गया है। इसको देखते हुए पर्सा जिला अधिकारी गणेश आर्याल दोपहर 12 बजे तक कर्फ्यू लगा दिया है। पूरे बीरगंज शहर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। वहीं, जगह-जगह पुलिस गश्त कर रही है। रक्सौल बॉर्डर से भारत के तरफ से आने-जाने वाले सभी लोगों को रोक दिया गया है। दरअसल, हर साल की तहत इस साल भी बीरगंज में हनुमान जयंती का भव्य शोभायात्रा निकला था। इसी दौरान छपकैया में शोभायात्रा पहुंचते ही मदरसे के छत से कुछ उपद्रवी शोभा यात्रा पर पत्थरबाजी करने लगे। इस घटना में एक दर्जन पुलिसकर्मी और शोभायात्रा यात्रा में शामिल श्रद्धालु घायल हो गए। इसके बाद हालात बेकाबू हो गए। हालात बिगड़ता देख पुलिस को लाठीचार्ज और टियर गैस के गोले दागने पड़े। हालात को नियंत्रण करने के लिए नेपाल पुलिस को टियर गैस के गोले और लाठीचार्ज का सहारा लेना पड़ा। लेकिन फिर भी भीड़ पीछे हटने का नाम नहीं ले रही थी। कुछ उपद्रवियों ने आसपास के दूकानों एवं बाइक में आग लगा दिया जिससे हालात और खराब हो गए। इसको देखते हुए पर्सा जिला अधिकारी ने कल दोपहर तक बीरगंज में कर्फ्यू लगा दिया है।

वहीं, भारत आने वाले रक्सौल बॉर्डर पर भी सुरक्षा बढ़ा दिया गया। रक्सौल बॉर्डर पर शंकराचार्य गेट के पास नेपाल आर्म्ड फोर्स की तैनाती कर दी गई है। रक्सौल एसडीओ शिवाक्षी दीक्षित हालात पर नजर बनाई हुई हैं। उन्होंने लोगों के नेपाल बॉर्डर पर जाने से रोक लगा दिया है। वहीं, बीरगंज के सिटी एसपी गौतम मिश्रा ने बताया कि इस मामले को गंभीरता से जांच कर रहे हैं। शोभायात्रा पर पथराव करने वालों का पहचान किया जा रहा है। पुलिस आरोपियों पर सख्त कार्रवाई करेगी।

ब्रिटिश सांसद को चीन ने दिखाया बाहर का रास्ता

हांगकांग में नहीं मिली एंट्री; रवैए पर उठ रहा सवाल

हांगकांग, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। चीन का दूसरे देशों के नेताओं के साथ अजीबो-गरीब रवैए से संबंधित एक खबर सामने आ रही है। जहां हांगकांग एयरपोर्ट पर एक ब्रिटिश सांसद और लिबरल डेमोक्रेट पार्टी की नेता वेरा हॉबहाउस को रोक दिया गया। बता दें कि ये घटना पिछले सप्ताह की है, जब सांसद अपने पति के साथ अपने नवजात पोते से मिलने हांगकांग गई थीं। लेकिन एयरपोर्ट पर अधिकारियों ने उन्हें अंदर आने से रोक दिया और कोई कारण नहीं बताया। बता दें कि यह 1997 में हांगकांग के चीन के अधीन जाने के बाद पहली बार हुआ है कि किसी ब्रिटिश सांसद के साथ ऐसा व्यवहार किया गया हो।

सांसद ने सोशल मीडिया पर किया पोस्ट

मामले की जानकारी देते हुए ब्रिटिश सांसद वेरा हॉबहाउस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ब्लूस्काई पर लिखा कि मुझे इस क्रूर और परेशान करने वाले झटके का कोई कारण नहीं बताया गया। विदेश सचिव को इसे सभी सांसदों का अपमान मानना चाहिए और चीनी राजदूत से इसका जवाब मांगना चाहिए। हालांकि सांसद की सवाल उठाने पर हांगकांग में ब्रिटिश दूतावास ने कहा कि वह इस मुद्दे को गंभीरता से ले रहा है और स्थानीय अधिकारियों से बात कर रहा है। हांगकांग प्रशासन ने अभी तक इस मामले में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

ब्रिटेन-चीन समझौते को कर चुका है खारिज

चीन अक्सर इस तरह की आलोचना पर नाराजगी जताता है और ब्रिटेन-चीन समझौते को भी खारिज कर चुका है, जिसके तहत हांगकांग को चीन को सौंपा गया था, जिसके बाद 2019 में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनों के बाद हांगकांग में कई बदलाव हुए हैं। चीन ने वहां सख्त राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू कर दिया, जिससे कई विपक्षी नेताओं को जेल हुई, मीडिया पर सेंसरशिप लगी और चुनाव प्रक्रिया पर रोक लगी।

अफगानिस्तान में चार लोगों की गोली मारकर हत्या, तालिबानी नेता बोले- 'फांसी देना इस्लाम का हिस्सा'

काबुल, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्ला अखुंदजादा ने कहा है कि फांसी देना इस्लाम का हिस्सा है। यह बयान तब आया जब हाल ही में चार लोगों को हत्या के आरोप में गोली मारकर मौत की सजा दी गई थी। यह घटनाएं शुक्रवार को खेल स्टेडियमों में हुईं, जो 2021 में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद एक ही दिन में सबसे ज्यादा फांसी की घटनाएं मानी जा रही हैं। बता दें कि, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इन हत्याओं की निंदा हो रही है। संयुक्त राष्ट्र और कई मानवाधिकार संगठनों ने इन हत्याओं को अमानवीय बताया है।

सजाएं देना भी जरूरी है- जबीहुल्लाह मुजाहिद

वहीं तालिबान प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद की तरफ से जारी एक ऑडियो क्लिप में अखुंदजादा ने कहा, 'हमें सिर्फ नमाज या इबादत तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इस्लाम एक पूरा जीवन पद्धति है जिसमें अल्लाह के सारे हुक्म शामिल हैं। इनमें सजाएं देना भी जरूरी है।' उन्होंने कहा कि तालिबान का संघर्ष सत्ता या धन के लिए नहीं था, बल्कि इस्लामी कानून को लागू करने के लिए था। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिमी देशों के कानूनों की अफगानिस्तान में कोई जरूरत नहीं है।

चारों दोषियों पर हत्या का अपराध साबित

इधर अफगान सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि चारों दोषियों को हत्या का अपराध साबित होने पर मौत की सजा दी गई थी। पीड़ित परिवारों ने माफ करने से इनकार कर दिया था। यह बयान ऐसे समय आया है जब तालिबान दुनिया के देशों, खासकर पश्चिमी देशों, से रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका ने हाल ही में तालिबान के तीन नेताओं से इनाम हटा दिया है और चार अमेरिकी नागरिकों को रिहा किया गया है।

गहलोत को फिर लगा झटका! भजनलाल सरकार की खास योजनाओं में कांग्रेस राज की एक भी योजना को स्थान नहीं

जयपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने जल जीवन मिशन सहित 25 योजनाओं को फ्लैगशिप (अति महत्वपूर्ण) कार्यक्रम घोषित कर दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय केन्द्र और राज्य सरकार की इन योजनाओं की सीधे मॉनिटरिंग करेगा। संबंधित विभाग को हर महीने की सात तारीख तक इनमें हुए कार्य और खर्च की सीएमओ जानकारी भेजनी होगी। इनमें अशोक गहलोत सरकार की 26 फ्लैगशिप योजनाओं में से किसी को शामिल नहीं किया गया है। बता दें कि सरकार पहले ही गहलोत राज की कई योजनाओं को बंद कर चुकी है और कई योजनाओं के नाम बदल चुकी है। ऐसे में अब कांग्रेस राज की एक भी योजना को स्थान नहीं मिलने से गहलोत को फिर झटका लगा है।

आयोजना विभाग ने 25 योजनाओं को फ्लैगशिप कार्यक्रम घोषित करने का आदेश जारी किया। इसके अनुसार जिलों के प्रभारी मंत्री और प्रभारी सचिव इन योजनाओं की लगातार मॉनिटरिंग करेंगे। जल जीवन मिशन के कार्यों की लचर गति और पानी के संकट को लेकर हाल ही पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने नाराजगी जताते हुए गंभीर सवाल उठाए थे। भजनलाल सरकार ने अब अपने 25 फ्लैगशिप कार्यक्रमों में जल जीवन मिशन को शामिल किया है।

इन योजनाओं में अशोक गहलोत सरकार के समय मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा और जांच योजना, पालनहार, जनसूचना, जनआधार, मुख्यमंत्री युवा संबल और सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित फ्लैगशिप कार्यक्रम घोषित 26 योजनाओं में से किसी को शामिल नहीं किया गया। इन 26 योजनाओं में से कुछ योजनाओं का नाम बदलकर और कुछ योजनाओं को बंद करने का संकेत देकर पहले ही उन्हें फ्लैगशिप योजनाओं से बाहर करने का संकेत दिया जा चुका था।

इसके अलावा प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन, कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण व शहरी, स्वामित्व योजना, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0, अटल ज्ञान केंद्र, मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान,मुख्यमंत्री सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, अटल प्रगति पथ, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी व ग्रामीण व पीएम विश्वकर्मा योजना को भी फ्लैगशिप कार्यक्रम बनाया है।

सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रमों में हरियाळो-राजस्थान, जल जीवन मिशन, अमृत योजना, पंच गौरव योजना, पं. दीनदयाल उपाध्याय, गरीबी मुक्त गांव योजना, नए परिवारों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम का लाभ दिलाना तथा नमो ड्रोन दीदी, सोलर दीदी, लखपति दीदी, बैंक सखी, कृषि सखी व पशु सखी योजना को शामिल किया है।

मंत्री गजेंद्र सिंह ने ज्योति मिर्धा पर कसा तंज
कहा -'वो 4 बार हार गईं तो मेरी क्या गलती'

जयपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान भाजपा में आपसी खींचतान का मामला थमता हुआ नजर नहीं आ रहा है। कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर और प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. ज्योति मिर्धा के बीच पिछले कई दिनों से सियासी युद्ध चल रहा है। दोनों ही वरिष्ठ नेताओं के तीखे बयान भी सामने आ चुके हैं। अब कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने डॉ. ज्योति मिर्धा के पुराने जख्म कुरेद दिए हैं। हालांकि चुनाव के दौरान कई राजनैतिक दिग्गजों को हार का सामना करना पड़ता है लेकिन खींवसर ने डॉ. मिर्धा पर तंज कसते हुए कहा कि वे बार चुनाव हार रही है तो इसमें हमारी क्या गलती है।

एक मीडिया संस्थान को दिए गए विशेष इंटरव्यू में खींवसर ने कहा कि ज्योति मिर्धा लोकसभा चुनाव हार गईं और फिर विधानसभा चुनाव भी। कांग्रेस के टिकट पर भी चुनाव हार गई थी और भाजपा के टिकट पर भी हार का सामना करना पड़ा। बार-बार हारने पर उनकी मनोस्थिति को समझा जा सकता है।

विधायक की चिट्ठी लीक हुई तो विवाद आया सामने

खींवसर से भाजपा विधायक रेवंतराम डांगा की ओर से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लिखी एक चिट्ठी पिछले महीने सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी। इस चिट्ठी से पार्टी की फजीहत हुई थी क्योंकि चिट्ठी में विधायक ने लिखा कि उनके क्षेत्र में विरोधी दल के नेता के सारे काम हो रहे हैं। अफसर और कर्मचारी भी उनके ही लगाए हुए हैं। भाजपा विधायक डांगा ने अपनी पीड़ा बयान करते हुए लिखा कि उनकी अनुशंसा पर एक भी ट्रांसफर नहीं हुआ। जब यह चिट्ठी सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो भाजपा नेता डॉ. ज्योति मिर्धा ने कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर की ओर इशारा करते हुए चिट्ठी वायरल करने का आरोप लगाते हुए बयान दिए थे। तभी से डॉ. मिर्धा और कैबिनेट मंत्री खींवसर के बीच की खींचतान सामने आई है।

सबूत हैं तो पेश करें, वरना ऐसे आरोप न लगाएं

कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर का कहना है कि भाजपा विधायक डांगा की चिट्ठी लीक करने के जो आरोप लगाए जा रहे हैं तो आरोप लगाने से पहले सबूत पेश करने चाहिए। बिना तथ्य के आरोप लगाना ओछी मानसिकता की निशानी है। खींवसर ने कहा कि डांगा की चिट्ठी किसने लीक की। इसका पता चल चुका है। चूंकि यह गोपनीय मामला है। ऐसे में नाम उजागर करना फिलहाल उचित नहीं है। जिसने चिट्ठी लीक की, उसके सबूत भी मिल चुके हैं।

भीषण सड़क हादसा: दादा-दादी, बेटा-बहू और पोती की मौके पर ही मौत

जयपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में एक बार फिर ओवरटेक के चक्कर में भीषण सड़क हादसा हो गया। जयपुर के जमवारामगढ़ क्षेत्र में ट्रेलर-कार की आमने-सामने की भिड़ंत में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 6 महीने की बच्ची भी शामिल है।

हादसा रविवार सुबह 8 बजे जमवारामगढ़ के रायसर थाना क्षेत्र में मनोहरपुर-दौसा हाईवे पर हुआ है। तेज रफ्तार कार ने जैसे ही ओवरटेक किया तो सामने से आ रहे ट्रेलर में जा घुसी। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार बुरी तरह चकनाचूर हो गई और कार सवार सभी लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलते ही एडिनशल एसपी जयपुर ग्रामीण मुख्यालय रजनीश पूनिया, जमवारामगढ़ एसडीएम ललित मीणा व रायसर थाना अधिकारी रघुवीर सिंह मौके पर पहुंचे। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शवों को कार से बाहर निकाला और नीम्स अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

उत्तर प्रदेश के रहने वाले लोग सीकर जिले में स्थित खाटू श्यामजी मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे। कार में दादा-दादी अपने बेटे-बहू और पोती के साथ सवार थे।। बताया जा रहा है कि परिवार अक्सर इसी सड़क मार्ग से खाटूश्याम जी के दर्शन के लिए जाते थे।

हादसे में मरने वाले सभी एक ही परिवार के है और उत्तर प्रदेश रहने वाले थे। मृतकों की पहचान अभिषेक वर्मा पुत्र सत्यप्रकाश उम्र 33, प्रियंसी पत्नी अभिषेक उम्र 30, सत्यप्रकाश पुत्र गुरूप्रसाद उम्र 60, रामादेवी पत्नी सत्यप्रकाश उम्र 55 और प्रियंसी की 6 महीने की बच्ची निवासी ठाकुर गंज वाली गली लखनऊ उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। कार से टकराने के बाद ट्रेलर पलटकर 20 फीट गहरी खाई में जा गिरा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतकों को काफी मशक्कत के बाद कार से बाहर निकाला। शवों को नीम्स अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। वहीं, खाई में गिरे ट्रेलर में चालक बुरी तरह फंस गया। जिसे केबिन काटकर करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। चालक को गंभीर हालत में नीम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, ट्रेलर के खलासी को भी मामूली चोट आई है। दौसा-मनोहरपुर नेशनल हाईवे 148 पर 13 महीने में 170 सड़क हादसे हो चुके है। जिनमें 39 लोगों की मौत हो चुकी है और 163 लोग घायल हो चुके है। हैरान कर देने वाली बात ये है कि अधिकतर हादसे ओवरटेक के चक्कर में हुए है।

पूर्व मंत्री सोहन सिंह चौहान का लंबी बीमारी के बाद निधन

अजमेर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मंत्री सोहन सिंह चौहान का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उन्होंने कल रात घर में अंतिम सांस ली। उनके निधन के बाद मसूदा में शोक की लहर फैल गई है। आज दोपहर 1 बजे उनके निवास स्थान चंपानगर से अंतिम यात्रा निकाली जाएगी। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा समेत कांग्रेस नेताओं ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दुख जताया है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि 'पूर्व मंत्री तथा मसूदा से विधायक रहे सोहन सिंह चौहान का निधन होने पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति एवं परिजनों को हिम्मत देने की प्रार्थना करता हूं।'

वहीं, गोविंद सिंह डोटासरा ने भी एक्स पर लिखा कि 'पूर्व मंत्री एवं मसूदा से विधायक रहे सोहन सिंह चौहान के निधन का दुःखद समाचार मिला है, शोकाकुल परिवारजनों के प्रति मेरी संवेदना है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं परिवारजनों को संबल प्रदान करें।'

सोहन सिंह चौहान का लंबे समय से बीमारी के चलते निधन हो गया है। वे मसूदा से प्रधान, विधायक एवं मगरा विकास बोर्ड के अध्यक्ष रहे। उन्होंने अजमेर जिले में काफी विकास कार्य किए। पूर्व मंत्री सोहन सिंह चौहान के निधन पर विधायक शंकर सिंह रावत, पूर्व सभापति नरेश कनोजिया सहित जनप्रतिनिधियों ने शोक जताया।

सब्जी मंडी में दिनदहाड़े चोरी थैले में रखे ढाई लाख ले भागा चोर

बीकानेर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। शहर के पूगल रोड स्थित फल-सब्जी मंडी में एक बार फिर चोरों ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी। कल दोपहर मंडी की दुकान नंबर 47 से एक अज्ञात व्यक्ति थैले में रखे करीब ढाई लाख रुपये चोरी कर ले गया। यह पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है, जिसका फुटेज अब सामने आया है। सीसीटीवी फुटेज में साफ नजर आ रहा है कि मौके पर मौजूद एक व्यक्ति मौका मिलते ही थैले से नकदी निकालकर फरार हो गया। दुकान मालिक को इस बात की भनक तब लगी जब उसने पैसे गिनने के लिए थैला खोला। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मंडी में व्यापार करने वाले दुकानदारों ने इस घटना को लेकर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि यह पहली बार नहीं है, इससे पहले भी मंडी में कई बार चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन अब तक ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।

सांचौर पुलिस ने 1.660 किलोग्राम डोडा पोस्त और 3.45 लाख रुपये नगद किया बरामद

जालौर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। जालौर जिले में चलाए जा रहे ऑपरेशन भौकाल के तहत सांचौर पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए डोडा पोस्त के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1.660 किलोग्राम डोडा पोस्त, मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त से अर्जित 3,45,995 रुपये नकद और एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा जब्त किया है।

पुलिस के अनुसार, ऑपरेशन भौकाल अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद यादव के निर्देशन में थाना अधिकारी देवेन्द्र सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने 11 अप्रैल 2025 को मुखबिर सूचना पर कार्रवाई की। सूचना के आधार पर टीम ने सांचौर कस्बे के चोपनिया वास इलाके में दबिश दी और मौके से लालाराम पुत्र गुलाराम जाति जाट, उम्र 38 साल, निवासी भीमगुड़ा, थाना सरवाना, हाल निवासी चोपनिया वास, सांचौर को संदिग्ध हालत में पकड़ा।

पुलिस द्वारा मौके पर तलाशी लेने पर आरोपी के पास से 1.660 किलोग्राम डोडा पोस्त, मादक पदार्थ की बिक्री से प्राप्त 3,45,995 रुपये नकद, और डोडा पोस्त को तोलने में प्रयुक्त एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा बरामद किया गया।

एसपी ज्ञानचंद यादव के निर्देशन में थाना अधिकारी देवेन्द्र सिंह के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में गठित टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर थाना सांचौर में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण संख्या 173/2025 दर्ज किया है। आरोपी से मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े अन्य नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है और आगे की जांच जारी है।

आंधी-बारिश के साथ गिरे ओले, 2 की मौत

जयपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ का असर देखा गया। प्रदेश कई जिलों में शाम को मौसम का मिजाज बदला। अंधड़ के साथ बारिश व ओलावृष्टि हुई। खराब मौसम के चलते 2 लोगों की मौत हो गई। जयपुर सहित कई जिलों में बारिश हुई। वहीं, दौसा, नागौर, गंगापुरसिटी और शाहपुरा में ओले गिरे। हालांकि, आज से गर्मी एक बार फिर तेवर दिखाने शुरू कर देगी। दोपहर बाद नागौर जिले के भदवासी, ढूंढ़िया, कंवलीसर सहित आस-पास के गांव, गंगापुरसिटी और भीलवाड़ा के शाहपुरा में ओले गिरे। नागौर में ओलावृष्टि से एक ओर जहां खेतों में सफेद चादर बिछ गई, वहीं नुकसान भी काफी हुआ। करीब आधे घंटे तक हुई तूफानी बारिश व ओलावृष्टि से गांवों में वन्य जीवों की मौत हो गई। अलवर जिले में कई जगह तूफानी बारिश व ओलावृष्टि से गांवों में काफी नुकसान हुआ। वहीं, टहला क्षेत्र के मल्लाणा गांव के एक खेत में आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई तथा तीन लोग झुलस गए। बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से रोशन देवी, हरिओम मीना, हेमलता मीना व छोटी देवी झुलस गए। जिन्हें उपचार के लिए टहला सीएचसी लाया गया। जहां हालात गभीर होने पर रोशन देवी को टहला से राजगढ़ रेफर कर दिया। राजगढ़ चिकित्सालय में चिकित्सक ने जांच के बाद रोशन को मृत घोषित कर दिया। दौसा जिले में भी अंधड़ के साथ चना आकार के ओले गिरे और बारिश हुई। दौसा सहित सीकराय, बांदीकुई क्षेत्र के गांवों में पहले तेज अंधड़ चला और फिर झमाझम बारिश का दौर शुरू हुआ। इस दौरान कई जगह ओले गिरने से हल्की ठंडक बढ़ गई। सिरोही जिले के कई हिस्सों में शुक्रवार देर रात तेज अंधड़ आया, जिससे लोगों के टीन टप्पर उड़ गए। देर रात तेज आंधी के दौरान पेड़ गिरने से एक महिला की जान चली गई। अंधड़ से कई जगहों पर बिजली भी गुल हो गई, जिससे लोगों को परेशानी हुई। आंधी से जिले में 14 विद्युत पोल धराशायी व 2 ट्रांसफार्मर फेल हो गए।

वर्दी पर लगा दाग, पुलिसकर्मियों ने सटोरिए से की 25 लाख की वसूली, 3 निलंबित, 2 को लाइन हाजिर किया

जयपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर में जिला स्पेशल टीम साउथ के पांच पुलिसकर्मियों के खिलाफ 25 लाख रुपये की जबरन वसूली के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। मामला एक सटोरिए संदीप बच्यानी की शिकायत पर दर्ज हुआ है, जिसने आरोप लगाया है कि आरोपित पुलिसकर्मियों ने उसे डराकर एक अज्ञात व्यक्ति को 25 लाख रुपए दिलवाए।

एएसआई नानूराम, हेड कॉन्स्टेबल हरिओम और कॉन्स्टेबल ओमप्रकाश, बुधराम व राजेश चौधरी के खिलाफ यह एफआईआर दर्ज की गई है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप के अनुसार तीन कॉन्स्टेबल- ओमप्रकाश, बुधराम और राजेश चौधरी को निलंबित कर दिया गया है, जबकि एएसआई नानूराम और हेड कॉन्स्टेबल हरिओम को लाइन हाजिर किया गया है।

शिकायतकर्ता संदीप बच्यानी ने बताया कि ये पुलिसकर्मी बिना वारंट के उसके घर पहुंचे और उसे धमकाकर एक अज्ञात व्यक्ति को 25 लाख रुपए देने को मजबूर किया। इसके बदले में इन पुलिसकर्मियों ने उसे गिरफ्तारी और किसी भी कानूनी कार्रवाई से बचाने की बात भी कही।

शिवदासपुरा थाने के सीआई बृजमोहन कविया ने बताया कि शिकायत की पुष्टि के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश पर मामला दर्ज किया गया है। संदीप ने अपनी शिकायत में पुलिस पर बार-बार धमकाने और जबरन वसूली का आरोप लगाया है। उसके अनुसार दोनों सीनियर पुलिसकर्मी नानूराम और हरिओम पहले से ही उसके संपर्क में थे और पहले भी उससे पैसे की मांग कर चुके थे। शिकायतकर्ता ने सबूतों के साथ पुलिस कमिश्नर को लिखित शिकायत सौंपी, जिसके आधार पर एफआईआर दर्ज की गई।

इलेक्ट्रिक गाड़ी से परेशान होकर ट्रेन के आगे कूद गया रेलवे नर्सिंग ऑफिसर

जेब में रखे सुसाइड नोट में लिखी थी ये बात

अजमेर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। नॉर्थ-वेस्टर्न रेलवे अस्पताल में कार्यरत नर्सिंग अधिकारी ने दौराई रेलवे स्टेशन के निकट ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर जीआरपी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक का शव जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में रखवाया है। जीआरपी थाना प्रभारी फूलचंद बालोटिया ने बताया कि नॉर्थ-वेस्टर्न रेलवे अस्पताल में कार्यरत डीडवाना-कुचामन जिले के जस्सीपुरा निवासी नर्सिंग अधिकारी हरदेवाराम (30) पुत्र जस्साराम दौराई में ट्रेन के आगे कूद गया। उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। बालोटिया ने बताया कि मृतक की जेब से सुसाइड नोट मिला है। इसमें एक कंपनी के इलेक्ट्रॉनिक दोपहिया वाहन से परेशान होना लिखा है। पुलिस सुसाइड नोट के आधार पर छानबीन कर रही है। परिजन को भी सूचना दी गई है।

2024 बैच के नए आईएएस अब बदलेंगे राजस्थान की तस्वीर! 13 आईएएस अफसरों की सफलता की कहानी

जयपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। संघ लोकसेवा आयोग के वर्ष 2023 के सिविल सर्विसेज एग्जाम में कई होनहार युवाओं का चयन भारतीय प्रशासनिक सेवाओं के लिए हुए है। आईएएस के लिए चयनित युवाओं की फिलहाल मसूरी में ट्रेनिंग चल रही है। राजस्थान को इस बार 13 नए आईएएस मिलने वाले हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 13 युवा आईएएस को राजस्थान कैडर आवंटित किया है। फिलहाल ये युवा अफसर ट्रेनिंग पर हैं। ट्रेनिंग पूरी होती ही जल्द ये अफसर राजस्थान आएंगे और अपनी नई जिम्मेदारी संभालेंग। आइए जानते हैं इन 13 युवा आईएएस अफसरों के बारे में

सृष्टि डबास – युवा आईएएस सृष्टि डबास दिल्ली की रहने वाली हैं। उन्होंने पहले ही प्रयास में 6ठी रैंक हासिल करते हुए अपनी प्रतिभा का परचम लहरा दिया। यूपीएससी की तैयारी करते समय वे रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया मुंबई में एचआर ब्रांच में ग्रेड सेकंड पद की कर्मचारी थी। सरकारी नौकरी करते हुए सृष्टि ने यूपीएससी की तैयारी की और कामयाबी हासिल की।

ऐश्वर्या प्रजापति – युवा आईएएस ऐश्वर्या प्रजापति उत्तर प्रदेश की रहने वाली हैं। उन्होंने अपने दूसरे प्रयास में यूपीएससी एग्जाम को क्रैक किया और ऑल इंडिया 10वीं रैंक हासिल की। पहले प्रयास में वे प्री एग्जाम भी पास नहीं कर पाई थी लेकिन हौसला नहीं टूटा। वे फिर से तैयारी में जुट गई और दूसरे प्रयास में आईएएस बन गई। एश्वर्य ने उत्तराखंड से इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स से इंजीनियरिंग की। एलएनटी में नौकरी लग गई। विशाखापट्टनम में नौकरी की थी।

मेधा आनंद – युवा आईएएस मेघा आनंद उत्तर प्रदेश के बरेली की रहने वाली हैं। उन्होंने ऑल इंडिया 13 वीं रैंक हासिल की थी। वर्ष 2019 में भी मेधा ने यूपीएससी की परीक्षा दी थी। उन दिनों उन्हें 311वीं रैंक हासिल हुई। रैंक के आधार पर मेधा को भारतीय रेलवे यातायात सेवा (आईआरटीएस) में नियुक्ति मिल गई। इसके बाद भी वे तैयारी में जुटी रही और 13 वीं रैंक प्राप्त करके सबको चौंका दिया।

स्वाति शर्मा – युवा आईएएस स्वाति शर्मा झारखंड के सतना की रहने वाली हैं। यूपीएससी सिविल सर्विसेज 2023 के एग्जाम में उन्होंने 15 वीं रैंक हासिल की थी। दो बार असफल रहने के बाद भी लगातार तैयारी में जुटी रही और तीसरे प्रयास में वे आईएएस बन गई।

राजपूत नेहा उधव सिंह - युवा आईएएस नेहा राजपूत महाराष्ट्र की रहने वाली हैं। बचपन से ही पढ़ाई में अव्वल रहने वाली नेहा ने अपने पहले ही प्रयास में यूपीएससी के एग्जाम को क्रैक करने में कामयाबी हासिल की। उन्हें ऑल इंडिया 51 वीं रैंक मिली थी। 12 की पढाई के बाद उन्होंने डॉक्टर की पढाई की। डॉक्टर बनने के बाद आईएएस बनने की ठानी और पहले ही प्रयास में कामयाबी प्राप्त कर ली।

मोहन लाल जाखड़ –युवा आईएएस मोहनलाल जाखड़ राजस्थान के बाड़मेर के रहने वाले हैं। वे 53 वीं रैंक के साथ आईएएस के लिए चयनित हुए। जाखड़ की प्रारम्भिक शिक्षा सरकारी स्कूल में ही हुई थी। वर्ष 2020 में उन्होंने आईआईटी खड़गपुर से बीटेक किया। आईएएस में चयनित होने से एक महीने पहले ही जाखड़ की भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में नौकरी लगी थी। उन्होंने हैदराबाद में जॉइनिंग भी कर ली, बाद में वहां से इस्तीफा देकर आईएएस की ट्रेनिंग में गए।

रविंद्र कुमार मेघवाल – युवा आईएएस रविंद्र कुमार मेघवाल राजस्थान के सिरोही जिले के रेवदर के रहने वाले हैं। रविंद्र मेघवाल ने अपने पहले ही प्रयास में यूपीएससी एग्जाम को क्रैक किया और 138 वीं रैंक प्राप्त करते हुए आईएएस बन गए। रविंद्र बताते हैं कि उन्होंने बिना कोचिंग किए ही कामयाबी हासिल कर ली। तैयारी के लिए पहले वे जयपुर आए थे। करीब डेढ साल से वे पारिवारिक कार्यक्रमों से दूर रहे और पूरी लगन के साथ तैयारी करते रहे।

चौधरी बिरजू गोपाल – युवा आईएएस चौधरी बिरजू गोपाल सीकर जिले के बावड़ी के रहने वाले हैं। चौधरी को 187 रैंक मिली थी। पहले प्रयास में उनका चयन नहीं हुआ था लेकिन दूसरे प्रयास में कामयाबी मिल गई। इससे पहले बिरजू ने वर्ष 2021 में एसएससी सीजीएल में ऑल इंडिया 25 वीं रैंक हासिल की थी। वे इनकम टैक्स डिपार्टमेंट में इंस्पेक्टर बने और जोधपुर में नौकरी की।

अदिति यादव – युवा आईएएस अदिति यादव राजस्थान के बहरोड़ की रहने वाली हैं। अदिति ने 194 वीं रैंक के साथ आईएएस में चयन पाया था। वे सेवानिवृत्त विंग कमांडर ऋषिदेव यादव की बेटी हैं। ऋषिदेव यादव के दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी ने पहले ही प्रयास में यूपीएससी एग्जाम क्रेक करके यह साबित कर दिया कि बेटियां बेटों से कम नहीं है।

मृणाल कुमार- युवा आईएएस मृणाल कुमार यूपी के रहने वाले हैं। मृणाल 197 रैंक हासिल करते हुए आईएएस बने हैं। सिविल सर्विसेज की तैयारी करने से पहले उन्होंने केमिकल इंजीनियरिंग में बीटेक किया था।

आराधना चौहान – युवा आईएएस आराधना चौहान मध्यप्रदेश के इंदौर की रहने वाली हैं। तीन बार असफल होने के बाद चौथे प्रयास में उन्हें कामयाबी मिली। आराधना ने 251 वीं रैंक के साथ आईएएस में चयन पाया है। उन्होंने वर्ष 2015 में भोपाल से बीटेक किया। बीटेक के साथ ही उन्होंने यूपीएससी की तैयारी शुरू कर दी थी। एक्सपीरियेंस के लिए एक बार मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा दी थी। कॉर्पोरेट सेक्टर समझने के लिए पुणे में एक साल तक जॉब भी की।

रोहित वर्मा – युवा आईएएस रोहित वर्मा हिमाचल प्रदेश के रहने वाले हैं। रोहित ने 607 वीं रैंक हासिल करते हुए आईएएस में चयन पाया। उनके पिता भारत तिब्बत सीमा पुलिस में एसीपी हैं। रोहित ने बीटेक किया है। बीटेक के बाद उन्हें एक प्राइवेट कंपनी में 18 लाख का पैकेज मिला हुआ था। प्राइवेट नौकरी को छोड़कर यूपीएससी की तैयारी की और आईएएस बन गए।

भानु शर्मा – युवा आईएएस भानू शर्मा महाराष्ट्र के रहने वाले हैं। ठाणे के रहने वाला भानू ने महज 25 वर्ष की आयु में ही यूपीएससी एग्जाम को क्रैक किया। वे पहले ही प्रयास में आईएएस बन गए।

बंडी ने अंबेडकर के इतिहास को कमतर करने की कांग्रेस की साजिश की निंदा की

करीमनगर, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने आज सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि इस पुरानी पार्टी ने बीआर अंबेडकर के इतिहास को कमतर करने के लिए कई साजिशें रची हैं। उन्होंने करीमनगर में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बाइक रैली में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने अंबेडकर की प्रतिमा को साफ किया। इस अवसर पर बोलते हुए संजय ने आरोप लगाया कि अंबेडकर का अपमान करने का कांग्रेस पार्टी का "शर्मनाक" इतिहास रहा है, जिन्होंने न केवल शोषित वर्गों को जागरूक किया, बल्कि भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश भी बनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि अंबेडकर के पार्थिव शरीर को दिल्ली के बजाय मुंबई ले जाने वाली कांग्रेस पार्टी ने अंबेडकर की पत्नी को शव के परिवहन के लिए हवाई किराए का भुगतान करने के लिए बिल भेजे। उन्होंने कहा कि वे देश भर में अंबेडकर जयंती समारोह आयोजित कर रहे हैं। संजय ने कहा, "इसी के तहत हम अंबेडकर की मूर्तियों की सफाई कर रहे हैं, ताकि आने वाली पीढ़ियों को अंबेडकर के महान इतिहास के बारे में बताया जा सके। यह हमारे अंदर के अज्ञान को दूर करके हमें चमकाने के लिए है। यह उनके आदर्शों को जारी रखने के लिए है। अंबेडकर एक महान व्यक्ति थे, जिन्होंने शोषितों के जीवन में रोशनी लाई। वे एक बुद्धिजीवी हैं, जिन्होंने अपना पूरा जीवन अस्पृश्यता को जड़ से मिटाने और जातिवाद को जड़ से उखाड़ने में लगा दिया। वे भारतीय लोकतंत्र के लिए दिशासूचक हैं। अंबेडकर शोषितों के स्वाभिमान के ध्वज हैं। वे एक बहुत गरीब दलित परिवार में पैदा हुए और भोजन के लिए कई उतार-चढ़ाव से गुजरे। वे एक महान व्यक्ति थे, जिन्होंने कितनी भी भूख लगी हो, केवल एक बार खाना खाकर पढ़ाई की। उन्होंने पढ़ाई नहीं छोड़ी, भले ही उन्हें स्कूल में पढ़ने की अनुमति नहीं थी। वे एक महान नेता थे, जिन्होंने उच्च शिक्षा के लिए अपने जीवन के 10 साल बड़ौदा के महाराजा को ऋण के रूप में दिए। अंबेडकर एक ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीन दयाल की विचारधारा को मजबूत किया। उन्होंने देश के विभाजन और जम्मू-कश्मीर की स्वायत्तता का विरोध किया।" उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार निश्चित रूप से अंबेडकर की आकांक्षाओं का अनुसरण कर रही है। उन्होंने कहा, "यह नरेंद्र मोदी की सरकार है जिसने पंच तीर्थों की स्थापना की है ताकि आने वाली पीढ़ियां अंबेडकर के इतिहास को जान सकें। हमने रामनाथ कोविंद, एक दलित और एक आदिवासी द्रौपदी मुर्मू को भारत का राष्ट्रपति बनाया। इसने मंत्रिमंडल में 12 दलितों, 2% ओबीसी और 8 महिलाओं को जगह दी है। इसने एनसीबीसी (राष्ट्रीय बीसी आयोग) को संवैधानिक दर्जा दिया है। यह हर साल 1.25 लाख दलितों को उद्योगपति बना रहा है। भाजपा ने अंबेडकर को भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया है। हमारी सरकार द्वारा अंबेडकर स्मारक टिकट और बिल जारी किए गए। भाजपा को संसद, सुप्रीम कोर्ट और विधि मंत्रालय के कार्यालय परिसर में अंबेडकर की मूर्ति स्थापित करने का श्रेय दिया जाता है। भाजपा को 2023 में नारी शक्ति वंदन विधेयक (33% आरक्षण) पेश करने और संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का श्रेय दिया जाता है।"

वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 के खिलाफ हजारों लोगों ने रैली निकाली

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वक्फ संशोधन अधिनियम (डब्ल्यूएए) 2025 के विरोध में रविवार को हजारों लोग शहर की सड़कों पर उतर आए। पार्टी लाइन से हटकर सभी वर्गों के लोग निजाम कॉलेज मैदान पहुंचे, जहां से रैली शुरू हुई और टैंक बंड में डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा तक पहुंचे। राष्ट्रीय तिरंगा लेकर रैली में शामिल लोगों ने भाजपा नीत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगाए।

प्रदर्शनकारियों ने डब्ल्यूएए को असंवैधानिक बताया और कहा कि यह अल्पसंख्यकों और उनकी वक्फ संपत्तियों को निशाना बनाने के लिए पेश किया गया है। बड़ी संख्या में महिलाएं भी अपना विरोध दर्ज कराने के लिए रैली में शामिल हुईं। बैठक में शामिल होने वालों में सहारनपुर के सांसद इमरान मसूद, टीएमआरईआईएस के अध्यक्ष फहीम कुरैशी, अल्पसंख्यक मामलों पर सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर और अन्य शामिल हैं। इसके अलावा, कई सामाजिक कार्यकर्ता, छात्र संघ के नेता और प्रमुख सोशल मीडिया प्रभावित लोग विरोध कार्यक्रम में शामिल हुए। पुलिस ने रैली के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। हालांकि, शहर के मध्य इलाकों में रैली के कारण ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रही।

अखिल भारतीय किसान सभा की रैली तमिलनाडु रवाना

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय किसान सभा (एआईकेएस) के 30वें राष्ट्रीय सम्मेलन का अभियान रैली राज्य की राजधानी से शुरू हुई। संगठन के नेता माधव रेड्डी और श्रीशैलम ने जुलूस को हरी झंडी दिखाई। एआईकेएस के 89वें स्थापना दिवस के अवसर पर तेलंगाना राज्य किसान संघ के महासचिव पश्य पद्म ने संगठन का झंडा फहराया। पश्य पद्म, प्रभु लिंगम, देव भक्तुन्नी संध्या, डीजी नरेंद्र प्रसाद, निम्माला नरसिम्हा, विष्णुवर्धन रेड्डी स्वरूप, सुधाकर गौड़ और सुभान रेड्डी के नेतृत्व में जुलूस हैदराबाद से चौटुप्पल पहुंचा। एआईकेएस का 30वां राष्ट्रीय सम्मेलन 15, 16 और 17 अप्रैल को तमिलनाडु के नागपट्टिनम में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर तेलंगाना राज्य किसान संघ (एआईकेएस) के तत्वावधान में हैदराबाद शहर से नागपट्टिनम तक जुलूस निकाला जाएगा। यह जत्था चौटुप्पल, मिर्यालगुडा, दाचेपल्ली, येलचुर, संतमागलुर, नेल्लोर, टाडा, आरम्भकम, चंगलपट्टू, गुम्मादिपुडी, कुड्डालोर, पांडिचेरी और नागापट्टनम पहुंचेगा।

पूर्व में एआईकेएस का 29वां राष्ट्रीय अधिवेशन हैदराबाद में हुआ था। 30वें अधिवेशन के अवसर पर 29वें राष्ट्रीय अधिवेशन द्वारा नागापट्टनम में एआईकेएस का झंडा प्रस्तुत किया जाएगा। अखिल भारतीय किसान सभा की स्थापना 11 अप्रैल 1936 को ब्रिटिश उपनिवेशवादियों के खिलाफ देश के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हुई थी। 89वां स्थापना दिवस 11 अप्रैल 2025 को बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। अखिल भारतीय किसान सभा ने देश की आजादी, जमीन, भोजन और आजीविका के लिए महान किसान संघर्ष और सशस्त्र संघर्ष करने वाले किसानों का नेतृत्व किया। अखिल भारतीय किसान सभा ने तेलंगाना के सशस्त्र संघर्ष, पश्चिम बंगाल में तेभागा किसान विद्रोह, केरल में पुन्नपरा किसान संघर्ष, मालाबार किसान संघर्ष तथा संबंधित राज्यों में किसान आंदोलनों और संघर्षों में अग्रणी भूमिका निभाई। किसान संघर्षों के परिणामस्वरूप, फसलों के लिए समर्थन मूल्य, भूमि सुधार अधिनियम और भूमि अधिकारों से संबंधित कई कानूनों को प्राप्त करने तथा बड़े और मध्यम स्तर की सिंचाई परियोजनाओं को प्राप्त करने में एआईकेएस ने प्रमुख भूमिका निभाई। एआईकेएस ने भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए शासकों द्वारा लाए गए किसान विरोधी कानूनों को हाल ही में निरस्त करने तक संयुक्त किसान मोर्चा के तत्वावधान में किसान संघर्ष के लिए एकजुट आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। इसने 2013 के भूमि अधिग्रहण अधिनियम और खाद्य सुरक्षा अधिनियम के लिए निरंतर आंदोलनों में भी अग्रणी भूमिका निभाई। 6 जून, 2017 को जब मध्य प्रदेश के मंदसर में छह किसानों की गोली मारकर हत्या कर दी गई, तो इसने शासकों के अत्याचार के खिलाफ किसानों को देशभक्ति के साथ एकजुट किया। अखिल भारतीय किसान सभा फसलों के लिए गारंटीकृत समर्थन मूल्य अधिनियम, ऋण माफी अधिनियम, कृषि के लिए निवेश सहायता को <.6000 से बढ़ाकर <.18000 करने, राष्ट्रीय कृषि बाजार नीति के मसौदे को वापस लेने और किसानों के पक्ष में फसल बीमा योजना में संशोधन और कार्यान्वयन के लिए लड़ती है।

श्री सिध्दी विनायक सूर्यमुखी मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से आयोजित

हैदराबाद,13 अप्रैल(स्वतंत्र वार्ता)। श्री सिध्दी विनायक सूर्यमुखी हनुमान मंदिर 9 नं. मिर आलम पार्क में पवनपुत्र हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से आयोजित हुवा।

इस संदर्भ में, श्री सिध्दी विनायक सूर्यमुखी हनुमान मंदिर के सूत्रों नुसार, श्री सिध्दी विनायक सूर्यमुखी हनुमान मंदिर 9 नं. मिर आलम पार्क में पवनपुत्र हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से आयोजित हुवा। इस शुभावसर पर 12 अप्रैल के सुबह 6.00 बजे भगवान का अभिषेक तथा सुबह 8.45 बजे से सुंदरकाड पाठ आयोजन हुवा। इसके अंतर्गत सभी भक्तों के लिए दोप. 1 बजे से अन्नदान प्रसाद कार्यक्रम आयोजित हुवा।

इस हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रम में अधिकाधिक भक्तों ने भाग लेकर तीर्थ प्रसाद ग्रहण कर पुण्य का लाभ लिया।

इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम व्हाट्सएप पर जारी किए जाने की संभावना

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अगर तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीजी बीआईई) की योजना सफल होती है, तो छात्र अपने नतीजे व्हाट्सएप पर देख सकेंगे। बोर्ड हाल ही में आयोजित इंटरमीडिएट पब्लिक एग्जामिनेशन (आईपीई) के नतीजों को व्हाट्सएप पर उपलब्ध कराने के विकल्प पर विचार कर रहा है। इसके लिए बोर्ड एक समर्पित नंबर जारी करने की योजना बना रहा है जिस पर नतीजे देखे जा सकेंगे और स्कोरकार्ड डाउनलोड किया जा सकेगा। इसके लिए बस उम्मीदवार के हॉल टिकट नंबर की जरूरत होगी। यह पहल आंध्र प्रदेश सरकार की 'मन मित्र' की तर्ज पर है, जो व्हाट्सएप गवर्नेंस के लिए एक पहल है। 9552300009 नंबर पर मन मित्र को 'हाय' संदेश भेजकर लोग शनिवार को जारी किए गए इंटरमीडिएट के नतीजों को डाउनलोड करने सहित लगभग 200 सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

सूत्रों के अनुसार, टीजी बीआईई नई सेवा शुरू करने से पहले तकनीकी पहलुओं और व्यवस्थाओं पर विचार कर रहा है। अगर आईपीई मार्च 2025 के लिए नहीं, तो इंटरमीडिएट एडवांस्ड सप्लीमेंट्री रिजल्ट के लिए पहल शुरू किए जाने की संभावना है।

अंबेडकर ने जीवन भर कांग्रेस पार्टी के खिलाफ लड़ाई लड़ी: किशन रेड्डी

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को बीआर अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर, केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने खैरताबाद विधानसभा क्षेत्र के बंजारा हिल्स के जीवीके सर्कल में अंबेडकर प्रतिमा के साथ-साथ सिकंदराबाद निर्वाचन क्षेत्र के सीताफल मंडी में अंबेडकर प्रतिमा को धोया।

इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉ बीआर अंबेडकर के कार्यों और विरासत का सम्मान करने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए हैं। उन्होंने कहा, 'हम अंबेडकर की सोच से प्रेरित होकर आगे बढ़ रहे हैं। संसद के सेंट्रल हॉल में अंबेडकर का चित्र लगाया गया है। अंबेडकर को हमारी सरकार द्वारा दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न है। भाजपा सरकार अंबेडकर के जीवन से जुड़े पांच महत्वपूर्ण स्थानों को पंचतीर्थ कह रही है। इन्हें ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थानों के रूप में विकसित किया गया है। हमने इन स्थानों को इसलिए विकसित किया है, ताकि लोग वहां जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दे सकें। मध्य प्रदेश के मावू में अंबेडकर जन्मभूमि को स्मारक के रूप में विकसित किया गया है।' उन्होंने कहा, 'कांग्रेस पार्टी ने संसद में अंबेडकर के बाद राजनीति में आए कई लोगों की मूर्तियां स्थापित कीं। कांग्रेस के शासनकाल में अंबेडकर को भारत रत्न नहीं दिया गया। भारतीय संविधान के निर्माण और सामाजिक न्याय सुधारों में डॉ. अंबेडकर के अद्वितीय योगदान के बावजूद कांग्रेस ने उन्हें वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वे हकदार थे। हम सभी वर्गों के लोगों से अंबेडकर जयंती समारोह को उत्सवी माहौल में सफल बनाने का आग्रह करते हैं।'

बालानगर में सड़क दुर्घटना में व्यक्ति की मौत

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार दोपहर बालानगर में यातायात पुलिस की कथित मनमानी के कारण एक व्यक्ति की जान चली गई। रिपोर्ट के अनुसार, 20 साल की उम्र वाला यह व्यक्ति मोटरसाइकिल चला रहा था, तभी एक ट्रैफिक कांस्टेबल ने उसे रोकने की कोशिश की। इस दौरान वह अपना संतुलन खो बैठा और सड़क पर गिर गया। बाइक का पीछा कर रही एक आरटीसी बस ने उसे कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कुछ ही देर में मौके पर भीड़ जमा हो गई और प्रदर्शन शुरू हो गया। कुछ लोगों ने ट्रैफिक पुलिसकर्मियों पर हमला करने की कोशिश की, तभी स्थानीय कानून व्यवस्था पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। पुलिस के लाठीचार्ज में कुछ लोग घायल हो गए। पुलिस के उच्चाधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त बल मौके पर भेजा।

आईएमडी-हैदराबाद ने तेलंगाना के कुछ जिलों में लू की चेतावनी जारी की

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)-हैदराबाद ने रविवार दोपहर जारी अपने पांच दिवसीय पूर्वानुमान में कुछ जिलों के लिए लू की चेतावनी जारी की है और अगले दो दिनों के लिए तेलंगाना राज्य के अन्य जिलों में गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और तेज हवाओं की चेतावनी दी है।

भद्राद्रि कोत्तागुडेम, खम्मम, आदिलाबाद, जगतियाल, कुमारमभीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निज़ामाबाद जिलों के लिए अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस और 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने के साथ हीट वेव अलर्ट जारी किया गया है।

तेलंगाना के मुलुगु, भद्राद्रि कोठागुडेम, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबुबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, जनगांव जिलों के लिए बिजली और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे) के साथ गरज के साथ बारिश की चेतावनी जारी की गई है। हैदराबाद सहित बाकी जिलों में अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस और 40 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहेगा।

तनाव प्रबंधन कार्य शाला का आयोजन

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हबीटेट् एलिट, के प्रांगण में आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वीश्री डॉक्टर गवेषणाश्रीजी आदि ठाणा-4 के सानिध्य में कैसे हो तनाव मुक्त जीवन कार्यशाला का आयोजन किया गया । साध्वी श्रीजी द्वारा नवकार मंत्र से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ । सिकंदराबाद सभा के एडवाइजरी विमल पुगलिया द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। साध्वी ने बहुत ही सारगर्भित छोटे छोटे उदाहरणों के द्वारा समझाया है कि व्यक्ति को सोचने का तरीक़ा बदलना चाहिए और हमारे भीतर जो एनर्जी है इसका उपयोग पॉज़िटिव सोच में करना चाहिए। अगर हम तनाव रखते हैं तो मस्तिष्क की कोशिकाएं ख़त्म हो जाती हैं और हमारे सोचने की शक्ति कमज़ोर पड़ जाती है हमें अपनी सकारात्मक सोच के द्वारा आध्यात्मिक के फूल खिलाने चाहिए। अच्छे विचारों को अपने पास रखे एवं बुरे विचारों का खत्म कर देना चाहिए । उनके द्वारा तालमेल हेतु बी हैपी बनने की प्रेरणा दी गई। परिवार, समाज को साथ लेकर चलना एवं सभी को खुश करके आगे बढ़ने पर जोर दिया गया । तनाव मुक्ति के लिए जीवन शैली का संतुलित होना जरूरी है। धार्मिक साधना से सुंतलन किया सकता है। वर्तमान में जीना चाहिए। भूत और भविष्य में न खोएं। साध्वीश्री मयंक प्रभा जी ने बताया हमारे भीतर ज्ञान, दर्शन , शक्ति का अनंत ख़ज़ाना है। उन्होंने स्त्री के अर्थ को बडी रोचकता से समझाया।

कार्यक्रम में सिकंदराबाद सभा के अध्यक्ष सुशील संचेती मंत्री हेमंत संचेती एवं पदाधिकारीकरण , अणुव्रत समिति अध्यक्ष प्रकाश एच. भंडारी मंत्री रीता सुराणा, ऋषभ दुगड़, महिला मंडल की सदस्या एवं श्रावक- श्राविकाओं की अच्छी उपस्थिति रही। कार्यक्रम को संपादित करने में महेंद्र बैद, महावीर खींवसारा, महेंद्र बुच्चा, प्रसन्न सुराणा, जितेन्द्र, जिनेश भंसाली,श्रेणिक गोलछा, मनीष बुच्चा, जिनेश सांखला, अरविन्द खिंवसरा, ऋषभ दुगड़ आदि का विशेष सहयोग रहा।

कांचा गच्चीबावली भूमि सौदे में 15,776 करोड़ रुपये के भुगतान पर सवाल

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार द्वारा 9,995 करोड़ रुपये का ऋण लेने के लिए कांचा गच्चीबावली की 400 एकड़ की कीमती जमीन को गिरवी रखने के फैसले ने सरकारी खजाने पर पड़ने वाले भारी वित्तीय बोझ को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। उधार की शर्तों पर करीब से नज़र डालने पर पता चलता है कि अगले 10 वर्षों में 15,776.93 करोड़ रुपये की लंबी अवधि की देनदारी चुकानी होगी, जिससे राजकोषीय विवेक पर गंभीर चिंताएं पैदा होती हैं।

मध्यस्थता के लिए ट्रस्ट इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को आवश्यक करों, शुल्कों और 169 करोड़ रुपये के कमीशन के भुगतान के बाद, बॉन्ड की बिक्री के माध्यम से टीजीआईआईसी खाते में लगभग 8,476 करोड़ रुपये जमा किए गए। इस प्रकार, सरकार 10 वर्षों के भीतर उधार ली गई राशि का लगभग दोगुना प्रभावी रूप से चुकाएगी। मौजूदा सरकारी उधार दरों से कहीं ज़्यादा 9.3 प्रतिशत की ब्याज दर पर, अगले 10 वर्षों में ऋण पर 5,781.93 करोड़ रुपये का संचयी ब्याज लगेगा। किश्तों का भुगतान वित्तीय वर्ष में प्रत्येक तिमाही के अंत में किया जाना आवश्यक है। पहले दो वर्षों में यानी दिसंबर 2026 तक, टीजीआईआईसी अकेले ब्याज के रूप में 1,933 करोड़ रुपये का भुगतान करेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि राज्य एजेंसी द्वारा इस तरह की उच्च लागत वाली उधारी, जिसके पास ऋण सेवा से मेल खाने के लिए कोई राजस्व-उत्पादक योजना नहीं है, व्यवहार्यता और इरादे पर सवाल उठाती है। इस तथ्य को छोड़कर कि टीजीआईआईसी ऋण की गारंटी और सेवा तेलंगाना सरकार द्वारा दी जाती है, इतने भारी ब्याज पर जुटाए गए ऋण का उपयोग पूंजीगत व्यय के लिए नहीं किया जा रहा है।

भाग्यनगर हैदराबाद के हिमायत सागर स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मन्दिर में पण्डित लालजी शुक्ला महाराज व पण्डित विनीत शुक्ला महाराज के नेतृत्व में, शनिवार 12 अप्रैल के दोपहर में श्रीरामचरितमानस के अखण्ड पाठ के साथ पवनपुत्र हनुमान जन्मोत्सव का धूमधाम से आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत ब्रह्म मुहूर्त में हनुमान जन्मोत्सव पर भगवान हनुमान का अभिषेक, श्रृंगार आरती की गयी। इस शुभावसर पर, अधिकाधिक भक्तों ने हिस्सा लेकर भगवान का दर्शनकर, तीर्थ प्रसाद ग्रहण किया।

संकट मोचन हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव मनाया

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। श्री संकट मोचन वीर हनुमान भक्त मंडल, भाग्यनगर द्वारा कोतवालगुड़ा स्थित श्री संकट मोचन दक्षिण मुखी वीर हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव पर श्री रामचरित मानस का अखंड पाठ आयोजित किया गया।

पंडित लालजी शुक्ला , विनीत शुक्ला महाराज द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, श्री रामचरितमानस का अखंड पाठ सम्पूर्ण हुआ। जिसकी शनिवार, 12 अप्रैल को मध्यान 12:30 बजे पूर्णाहुति हुई। मंदिर में प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में हनुमान जी महाराज का अभिषेक, श्रृंगार आरती की गई। श्रृंगार आरती एवं प्रसाद कार्यक्रम दोपहर 1.30 बजे प्रारंभ हुआ जिसमें हनुमान भक्त मंडल के सदस्यों के अतिरिक्त भक्तों की भारी भीड़ देखी गई लगभग 800 से अधिक भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया । हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री संकट मोचन हनुमान भक्त मंडल की भूमिका अहम रही।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

17 राज्यों में आंधी...

यूपी में अगले 24 घंटे तक 47 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। बिजली के साथ ओले भी गिरने की आशंका है। बिहार में आज पटना समेत 24 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। MP के 24 जिलों में बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टरबेंस के साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ की सक्रियता घटने के बाद तेज गर्मी का असर शुरू होगा। 15 अप्रैल के बाद राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में हीटवेव चलने का अनुमान है। इस दौरान तापमान 40 डिग्री पार पहुंच सकता है।

अगले 2 दिन मौसम का हाल

उत्तराखंड, यूपी, बिहार, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश: उत्तरी-पश्चिमी राज्यों में बिजली-गरज के साथ बारिश का अलर्ट है। पहाड़ी राज्यों में ओले गिरने की संभावना है। राजस्थान: 14 और 15 अप्रैल में पश्चिम राजस्थान के इलाकों में हीटवेव के आसार है। तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश: गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा) के साथ हल्की और मध्यम बारिश की संभावना है।

मुर्शिदाबाद में केंद्रीय ...

उन्होंने मुर्शिदाबाद की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने गृह मंत्रालय से एक उच्च स्तरीय जांच और निगरानी टीम भेजने का भी अनुरोध किया है।

इससे पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वक्फ संशोधन कानून को पश्चिम बंगाल में लागू नहीं किया जाएगा। तृणमूल सरकार इस कानून का समर्थन नहीं करती है। उन्होंने लोगों से दंगा न करने और शांत रहने का आग्रह किया। ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद के मुद्दे पर लोगों से अपील करते हुए कहा कि हमने इस मामले पर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। हम इस कानून का समर्थन नहीं करते हैं। यह कानून हमारे राज्य में लागू नहीं किया जाएगा तो फिर दंगे क्यों?

उन्होंने अपने X हैंडल पर पोस्ट करते हुए कहा कि मेरी सभी धर्मों के लोगों से ईमानदारी से अपील है कि कृपया शांत रहें और संयम बरतें। धर्म के नाम पर कोई भी गलत व्यवहार न करें। हर मानव जीवन कीमती है। राजनीति के लिए दंगे न भड़काएं। जो लोग दंगे भड़का रहे हैं। वे समाज को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वक्फ कानून केंद्र सरकार ने बनाया है और इस मामले पर केंद्र से सवाल किया जाना चाहिए। उन्होंने अपने X हैंडल पोस्ट में कहा कि याद रखें हमने वह कानून नहीं बनाया है जिसके खिलाफ कई लोग आंदोलन कर रहे हैं। यह कानून केंद्र सरकार ने बनाया है। इसलिए जवाब केंद्र सरकार से मांगा जाना चाहिए।

बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार दंगे भड़काने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी। हम किसी भी हिंसा की गतिविधि को क्षमा नहीं करते हैं। तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भी शांति की अपील की है। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और राज्य में हिंसा भड़काने वालों से सावधान रहने का आग्रह किया है।

तहव्वुर राणा ...

कोर्ट के आदेश के अनुसार, राणा को हर दूसरे दिन दिल्ली कानूनी सेवा प्राधिकरण की ओर से दिए गए वकील से मिलने की अनुमति है। उसका हर 48 घंटे में मेडिकल चेकअप भी किया जा रहा है। एक अन्य अधिकारी ने पुष्टि की कि अन्य गिरफ्तार व्यक्तियों की तरह सभी प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है। अमेरिका से प्रत्यर्पण के बाद दिल्ली की एक अदालत ने राणा को जांच एजेंसी को 18 दिन की हिरासत में सौंप दिया था। इसके बाद राणा को शुक्रवार सुबह NIA मुख्यालय लाया गया। NIA के अधिकारी तहव्वुर राणा से लगातार पूछताछ कर रहे हैं। वे 26/11 मुंबई आतंकी हमलों में उसकी भूमिका का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। इन हमलों ने 16 साल पहले पूरे देश को हिलाकर रख दिया था।

सूत्रों के अनुसार, जांचकर्ता उससे कई अहम जानकारियों के आधार पर पूछताछ कर रहे हैं। इसमें डेविड कोलमैन हेडली के साथ हुई दर्जनों फोन कॉल भी शामिल हैं। हेडली एक अमेरिकी नागरिक है और वह इस साजिश में शामिल होने के कारण अमेरिका की जेल में सजा काट रहा है। राणा से उन लोगों के बारे में भी पूछा जा रहा है जिनसे वह हमलों से पहले मिला था। खासकर दुबई में मौजूद एक अहम संपर्क के बारे में, जिसके बारे में अधिकारियों का मानना है कि उसे मुंबई पर हमले की योजना के बारे में पता हो सकता है। 64 वर्षीय कनाडाई व्यवसायी राणा मूल रूप से पाकिस्तान का रहने वाला है। उस पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से संबंध होने का भी शक है। लश्कर-ए-तैयबा ने ही मुंबई में हमले किए थे।

नेशनल हेराल्ड केस में ...

कक्कड़ के बयान से एक बात तो साफ है कि आम आदमी पार्टी इस मामले को लेकर बिना नाम लिए कांग्रेस के गांधी परिवार पर निशाना साध रही है। दिल्ली विधानसभा चुनावों में दोनों दलों के बीच हुई कड़वी लड़ाई के बाद केजरीवाल की पार्टी का यह बयान दोनों दलों के रिश्तों में निर्णायक मोड़ भी साबित हो सकता है। क्योंकि "आप'ने एक तरह से अब कांग्रेस की फर्स्ट फैमिली के खिलाफ ही मोर्चा खोल दिया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले दिनों में इस मामले में किस तरह का राजनीतिक मोड़ लेता है।

नेशनल हेराल्ड केस एक अखबार से जुड़ा है, जिसे कभी पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने शुरू किया था। आरोप है कि इस अखबार की संपत्ति का गलत इस्तेमाल किया गया। इस मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और उनकी मां सोनिया

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने राजस्थान रॉयल्स के हराया

जयपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2025 में दूसरी टीमों के घर में सफलता का सिलसिला बरकरार रखते हुए एक और जीत हासिल कर ली है. रजत पाटीदार की कप्तानी वाली टीम ने अपने छठे मैच में राजस्थान रॉयल्स को उसके घर जयपुर में 9 विकेट से रौंद दिया. एक बार फिर बेंगलुरु के गेंदबाजों ने घर से बाहर बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजों को बड़े स्कोर से रोकते हुए 173 रन तक ही पहुंचने दिया. इसके बाद फिल सॉल्ट और विराट कोहली की बेहतरीन साझेदारी और पारियों के दम पर बेंगलुरु ने 18वें ओवर में ही ये लक्ष्य हासिल कर लिया. इस तरह टीम को सीजन में चौथी जीत मिली और ये चारों ही घर से बाहर मिली हैं.

आईपीएल 2025 सीजन शुरू होने के तीन हफ्ते बाद जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में पहला मैच खेला गया. इससे पहले राजस्थान ने अपने दो होम मैच गुवाहाटी में खेले थे. ऐसे में अपने असली घर में लौटने पर टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी लेकिन पहले बैटिंग और फिर फील्डिंग ने टीम को निराश किया. राजस्थान ने इस मैच में कुल 5 कैच छोड़े, जिसका फायदा सॉल्ट और कोहली ने उठाया. हालांकि उनसे पहले बेंगलुरु ने भी 3 कैच छोड़कर राजस्थान पर मेहरबानी दिखाई थी.

सॉल्ट ने मचाया धमाल

फिल सॉल्ट ने अपनी पारी का आगाज ही जोरदार चौके के साथ किया। पहले ओवर की चौथी बॉल पर सॉल्ट ने जोफ्रा आर्चर के खिलाफ शानदार सिक्स भी जमाया। तीसरे ओवर में सॉल्ट ने आर्चर को फिर से निशाने पर लिया और उनके ओवर में लगातार दो गेंदों पर चौका और छक्का जमाया। आरसीबी के सलामी बल्लेबाज ने अपना अर्धशतक महज 28 गेंदों में पूरा किया। सॉल्ट ने 33 गेंदों में 65 रन की तेज तर्रार पारी खेली। अपनी इस इनिंग के दौरान सॉल्ट ने 5 चौके और 6 गगनचुंबी छक्के जमाए।

नवजोत सिद्धू ने अभिषेक को बताया प्राइड ऑफ इंडिया

बोले- जैसा गुरु वैसा चेला; लंबा अरसा भारत के लिए खेलेगा

चंडीगढ़, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा खिलाड़ी अभिषेक शर्मा को लेकर पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने अभिषेक शर्मा की तारीफ करते हुए उन्हें 'प्राइड ऑफ इंडिया' यानी भारत का गौरव बताया है। सिद्धू ने कहा कि जैसा गुरु होता है, वैसा ही चेला निकलता है। दरअसल, अभिषेक शर्मा ने हाल ही में अपने दमदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है और यही कारण है कि अब दिग्गज खिलाड़ी भी उनके खेल की सराहना कर रहे हैं। सिद्धू ने अभिषेक के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वह लंबे अरसे तक भारत के लिए क्रिकेट खेलेंगे।

अभिषेक शर्मा का क्रिकेट के प्रति जुनून और मेहनत साफ तौर पर उनके प्रदर्शन में दिखाई देती है। उन्होंने कम समय में ही अपने खेल से लोगों के बीच एक अलग पहचान बना ली है। सिद्धू ने इस बात पर भी गर्व जताया कि अभिषेक उनके मार्गदर्शन में खेल की शुरुआत कर चुके हैं और आज वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से अभिषेक मैदान पर आत्मविश्वास के साथ खेलते हैं, वह उन्हें एक बड़े खिलाड़ी की श्रेणी में लाकर खड़ा करता है।

सिद्धू ने यह भी कहा कि भारत को अभिषेक जैसे खिलाड़ियों की जरूरत है जो जुनून, कड़ी मेहनत और देशभक्ति के साथ खेलें। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा लेने की सलाह दी और अभिषेक को एक आदर्श उदाहरण बताया। सोशल मीडिया पर भी सिद्धू का यह बयान वायरल हो रहा है और लोग अभिषेक की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

अभिषेक शर्मा फिलहाल शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और क्रिकेट एक्सपर्ट्स का भी मानना है कि वह आने वाले वर्षों में भारतीय क्रिकेट का एक मजबूत स्तंभ बन सकते हैं। नवजोत सिंह सिद्धू का यह बयान निश्चित ही अभिषेक के आत्मविश्वास को और बढ़ावा देगा और युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

मोहन बागान सुपर जाएंट ने जीता आईएसएल कप

कोलकाता, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। मोहन बागान सुपर जाइंट ने फाइनल में बेंगलुरु एफसी को 2-1 से हराकर इंडियन सुपर लीग फुटबॉल में दोहरी सफलता हासिल कर ली। मोहन बागान ने लीग विजेता शील्ड के बाद आईएसएल कप भी अपने नाम कर लिया।

पहला हाफ गोल रहित बराबर रहने के बाद 49वें मिनट में मोहन बागान के अल्बर्टो रोड्रिग्ज के आत्मघाती गोल से बेंगलुरु एफसी ने बढ़त बनाई लेकिन जेसन कमिंग्स ने 72वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके स्कोर 1-1 कर दिया। निर्धारित समय में स्कोर 1-1 रहा।

मैच इसके बाद अतिरिक्त समय में खिंचा और जेमी मैकलारेन ने अतिरिक्त समय के छठे मिनट में गोल दागकर मोहन बागान सुपर जाइंट्स की जीत सुनिश्चित की। मोहन बागान की टीम आईएसएल के इतिहास में एक ही सत्र में लीग विजेता शील्ड और आईएसएल कप जीतने वाली सिर्फ दूसरी टीम बनी। मुंबई सिटी ने 2020-21 में यह कारनामा किया था।

2 शतक, 470 रन, आईपीएल लीग में देखने को मिला रिकॉर्डतोड़ मैच

इस्लामाबाद, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल में फैंस को एक से बढ़कर एक दो बड़े मुकाबले देखने को मिली. डबल हेडर के दूसरे मैच में तो सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 246 रनों का टारगेट चेज करके जीत हासिल की. वहीं, पाकिस्तान में खेली जा रही क्रिकेट लीग में भी एक हाई स्कोरिंग मैच देखने को मिला. इस मुकाबले में भी एक रिकॉर्डतोड़ रन चेज हुआ. जहां फैंस को खूब चौके और छक्के देखने को मिले. ये मैच मोहम्मद रिजवान की कप्तानी वाली मुल्तान सुल्तान और डेविड वार्नर की कप्तानी वाली कराची किंग्स के बीच खेला गया.

कराची किंग्स का धमाकेदार जीत से आगाज

पाकिस्तान सुपर लीग 2025 की शुरुआत 11 अप्रैल से हो चुकी है. सीजन के तीसरे मैच में मुल्तान सुल्तान और कराची किंग्स की टक्कर देखने को मिली. ये मैच बल्लेबाजों के नाम रहा. दोनों ही टीम की ओर से 200+ रन देखने को मिले. इस मुकाबले में कराची ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, हालांकि मुल्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बोर्ड पर एक बड़ा स्कोर लगाया. मुल्तान की टीम ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 234 रन बनाए. लेकिन कराची ने 19.2 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर ही इस टारगेट को हासिल कर लिया. ये इस लीग के इतिहास का तीसरा सबसे बड़ा रन चेज रहा. यानी इस मुकाबले में कुल 470 रन देखने को मिले.

मोहम्मद रिजवान की पारी गई बेकार

मुल्तान सुल्तान की टीम के लिए इस मैच में मोहम्मद रिजवान ने एक कप्तान पारी खेली. उन्होंने 63 गेंदों का सामना करते हुए 166.66 की स्ट्राइक रेट से 105 रन बनाए. इस दौरान उनके बल्ले से 9 चौके और 5 छक्के देखने को मिले. वहीं, माइकल ब्रेसवेल ने भी 17 गेंदों पर 5 चौके और 3 छक्कों की मदद से नाबाद 44 रन का योगदान दिया. इनके अलावा कामरान गुलाम ने 19 गेंदों पर 36 रन की पारी खेली. लेकिन जेम्स विंस का शतक इन सब पर भारी पड़ा.

कराची किंग्स की इस जीत के हीरो जेम्स विंस रहे, जिनके शतक के आगे ये टारगेट छोटा साबित हुआ. जेम्स विंस ने सिर्फ 43 गेंदों पर 234.88 की स्ट्राइक रेट से 101 रन बनाए और कराची किंग्स की जीत तय कर दी. उनके अलावा खुशदिल शाह ने भी 60 रन बनाए और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई. इससे पहले टिम सीफर्ट ने ओपनिंग करते हुए 16 गेंदों पर 32 रन बनाकर रन चेज में जीत की नींव रखी.

राहुल द्रविड़ व्हील चेयर पर, दौड़े-दौड़े आए विराट

झट से लगाया गले, इमोशनल मोमेंट देख भावुक हुए लोग

जयपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान और बेंगलुरु के मैच से पहले विराट कोहली और राहुल द्रविड़ की मुलाकात ने दिल छू लिया. द्रविड़, जो अब राजस्थान रॉयल्स के कोच हैं, सीजन से पहले एक क्लब मैच में चोटिल होकर व्हीलचेयर पर हैं. कोहली ने मैच से पहले "द वॉल" के सामने एक घुटने पर झुककर उन्हें गले लगाया. यह भावुक पल फैंस के लिए यादगार बन गया.

राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच एक मुलाकात ने सभी का दिल जीत लिया. रविवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में होने वाले आईपीएल 2025 मुकाबले से पहले विराट कोहली और राहुल द्रविड़ की दिल छू लेने वाला मीटअप हुआ. राहुल द्रविड़ इस सीजन में राजस्थान फ्रेंचाइजी के हेड कोच की भूमिका निभा रहे हैं. लेकिन सीजन शुरू होने से पहले ही वे अपने बेटे के साथ एक लोकल क्लब में खेलते हुए चोटिल हो गए, जिसकी वजह से वे व्हील चेयर पर हैं. मुकाबले से पहले विराट कोहली "द वॉल" राहुल द्रविड़ के सामने एक पैर पर झुककर उन्हें गले लगाते नजर आए.

दोनों ही टीमें मैच से पहले प्रैक्टिस सेशन में व्यस्त हैं. लेकिन विराट कोहली ने जैसे ही भारतीय क्रिकेट के दिग्गज को देखा, तुरंत ही दौड़ते हुए आए और राहुल द्रविड़ से मिलने के लिए जमीन पर बैठ गए. राजस्थान रॉयल्स ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से इस भावुक पल का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, "चाहे आप छोटे हों या नंबर 18, पहले तो राहुल भाई से ही मिलना है." द्रविड़ ने भी हाई वोल्टेज मैच से पहले कोहली को गले लगाया और दोनों के बीच हंसी-मजाक और गर्मजोशी देखने को मिली. इन दो आधुनिक दौर के दिग्गजों की दोस्ती और पुराने दिनों की यादों ने फैंस को भी भावुक कर दिया.

विराट कोहली मैदान पर मैच के दौरान भले ही काफी आक्रामक दिखें, लेकिन ऑफ फील्ड उनके संस्कार पूरी तरह सामने आते हैं. चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान भी उन्होंने मोहम्मद शमी की मां के पैर छूकर एक शानदार संस्कारों वाली मिसाल पेश की थी. हालांकि सभ्यता शायद भारतीय टीम की ही निशानी है, बड़ों का सम्मान करना, उनका आदर करना भारतीय दिग्गज अपने वरिष्ठों के प्रति दिखाते ही रहते हैं. कुछ दिन पहले धोनी ने भी द्रविड़ से इसी तरह बैसाखियों पर देखने के बाद मुलाकात की थी. विराट की मुलाकात का एक और वीडियो है, इसे भी देखें, इसमें वे राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन से भी मुलाकात करते हुए दिख रहे हैं.

संजू सैमसन की अगुआई वाली राजस्थान रॉयल्स इस वक्त अंक तालिका में सातवें स्थान पर है. टीम ने अब तक पांच मैचों में से दो में जीत हासिल की है. राजस्थान रॉयल्स अब आरसीबी के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर मुकाबला खेलने के लिए तैयार है. अगर टूर्नामेंट में अब तक के प्रदर्शन की बात करें तो राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा है. उन्होंने पांच में से तीन मुकाबले गंवाए हैं और अंक तालिका में सातवें स्थान पर हैं. अपने पिछले मैच में उन्हें शुभमन गिल की गुजरात टाइटन्स से 58 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा था.

भारत की स्वर्णिम कामयाबी: भारतीय कंपाउंड मिश्रित टीम को तीरंदाजी विश्वकप के चरण-1 में गोल्ड

ऑबर्नडेल, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका में आयोजित तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण में भारत ने शानदार शुरुआत की है। भारतीय कंपाउंड मिश्रित टीम ने वर्ल्डकप के इस प्रतिष्ठित मुकाबले में चीनी ताइपे के खिलाड़ियों को पटखनी दी। ज्योति सुरेखा वेन्नम और ऋषभ यादव ने गजब के धैर्य का परिचय दिया और कांटे की टक्कर के दौरान चीनी ताइपे के खिलाड़ियों- हुआंग आई-जौ और चेन चिह-लुन को 153-151 से हराया। पहली और दूसरी सीरीज में पिछड़ने के बाद ज्योति-ऋषभ ने जोरदार वापसी की। दोनों ने मुकाबले को चौथे और निर्णायक सीरीज में जीता, जिसके बाद भारत की झोली में स्वर्ण पदक आया। इससे पहले शुक्रवार को भारत ने यूरोपीय देश स्लोवेनिया को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

फाइनल में गोल्ड के लिए कांटे की टक्कर के बीच भारत की मिश्रित जोड़ी पहली और दूसरी सीरीज में 37-38 और 38-39 से हार गई, लेकिन ज्योति और ऋषभ ने हौसला कायम रखा। तीसरे सेट में जोरदार वापसी करते हुए दोनों ने दो 10 और एक इनर 10 निशाना लगाया। इसकी बदौलत भारतीय जोड़ी को 39-38 के करीबी अंतर से जीत मिली।

तीसरे सेट में भारत को मिली जीत के साथ मुकाबला चौथे और निर्णायक चरण में गया। चीनी ताइपे के प्रतिद्वंद्वी हुआंग आई-जौ और चेन चिह-लुन के मुकाबले भारतीय तीरंदाजों ने कई बेहतरीन निशाने लगाए। निर्णायक सेट में भारतीय जोड़ी ने 39-36 से जीत हासिल की। कुल स्कोर 153-151 रहा।

यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि इस स्पर्धा को 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में शामिल किया गया है। क्वालीफिकेशन स्कोर के आधार पर ज्योति और ऋषभ को पांचवीं वरीयता मिली थी। दोनों ने पहले दौर में स्पेन को 156-149 से हराया था। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने डेनमार्क को कांटे की टक्कर में 156-154 से हराया। सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी ने स्लोवेनिया के खिलाड़ियों को 159-155 से मात देकर फाइनल में जगह बनाई थी।

भारत की इस स्वर्णिम कामयाबी में धीरज बोम्मादेवरा का भी उल्लेखनीय योगदान रहा। वीजा से जुड़ी कुछ परेशानियों के कारण उन्हें अमेरिका पहुंचने में देरी हुई थी। मुकाबले से चंद घंटे पहले पहुंचे धीरज ने कमाल का धैर्य दिखाया और भारतीय पुरुष रिकर्व टीम को फाइनल में पहुंचाने में योगदान दिया। पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय टीम में अनुभवी तीरंदाज तरुणदीप राय और अतनु दास भी शामिल हैं। इन खिलाड़ियों ने स्पेन को 6-2 से हराकर देश को सीजन के पहले विश्व कप में दूसरा पदक भी दिलाया।

फोकिना की चुनौती पार कर मोंटे कार्लो मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे अल्कारेज

मोनाको, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। स्पेन के स्टार खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सेमीफाइनल में हमवतन एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना को हराकर मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। अल्कारेज ने इस मुकाबले में फोकिना को 7-6(2) 6-4 से हराया। अब रविवार को फाइनल में उनका सामना लोरेंजो मुसेटी और एलेक्स डि मिनॉर के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी अल्कारेज छह मैच प्वाइंट से अपने 23वें टूर फाइनल में पहुंचे। फ्रेंच ओपन और पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बाद यह अल्कारेज का लगातार तीसरा क्ले कोर्ट फाइनल होगा। फोकिना यहां 2022 के उपविजेता था। पिछले दो वर्षों में दोनों खिलाड़ियों के बीच मुकाबला नहीं हुआ था।

अल्कारेज ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में आर्थर फिल्स को ढाई घंटे तक चले मुकाबले में 4-6, 7-5, 6-3 से हराया था और सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। फिल्स के खिलाफ अल्कारेज ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी की थी। आर्थर फिल्स के पास मौका था क्योंकि एक समय अल्कारेज हार से सिर्फ पांच अंक दूर थे। उन्होंने 53 बेजा गलतियां की थी लेकिन आर्थर मौका नहीं भुना सके थे।

अन्य मैचों की बात करें तो गत चैंपियन स्टेफनोस सितसिपास क्वार्टर फाइनल में हार के बाद बाहर हो गए। सितसिपास को लोरेंजो मुसेटी के खिलाफ अपनी हार को लेकर अचरज होगा। तीन बार 2021, 2022 और 2024 में मोंटे कार्लो में विजेता रहे सितसिपास ने मुसेटी के खिलाफ पहला सेट 6-1 से जीत भी लिया था। उसके बाद उनकी सर्विस खराब होती चली गई। मुसेटी ने अंतिम दो सेट 6-3, 6-4 से जीते। मुसेटी अपनी जीत से इतने हैरान हुए कि लगभग रोने लगे थे। अब उनकी टक्कर एलेक्स डि मिनोर से होगी, जो तीन साल में अपना पहला सेमीफाइनल खेलेंगे। मिनोर ने ग्रिगोर दिमित्रोव को 6-0, 6-0 से हराया।

पंकज आडवाणी का जलवा

डब्ल्यूबीएल विश्व मैचप्ले बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में जीता रजत पदक

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के सबसे दिग्गज क्यू (बिलियर्ड्स और स्नूकर) खिलाड़ियों में शामिल पंकज आडवाणी को डब्ल्यूबीएल विश्व मैचप्ले बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप के फाइनल में डेविड कॉजियर के खिलाफ मामूली अंतर से हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। पंद्रह चरण के मुकाबलों के फाइनल में दोनों खिलाड़ियों ने पूरा दमखम दिखाया। आडवाणी ने 2-0 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन उनके प्रतिद्वंद्वी ने आयरलैंड के कालों में खेले गए फाइनल मुकाबले में शानदार वापसी की। ब्रिटेन के खिलाड़ी ने आखिरी चरण के मुकाबले को जीतने के साथ ही 8-7 (19-100, 0-100, 100-47, 100-52, 19-100, 100-0, 49-100, 100-3, 34-100, 4-100, 100-85, 31-100, 100-53, 100-43, 100-28) से खिताब अपने नाम कर लिया। आडवाणी अब रविवार से आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स में अपने खिताब का बचाव करेंगे उतरेंगे, जिसे वह 2016 से जीतते आ रहे हैं। यह विश्व चैंपियनशिप समयबद्ध प्रारूप में आयोजित की जाएगी, जिसमें दुनिया भर के खिलाड़ियों से बड़े ब्रेक की उम्मीद की जाती है।

राजगीर में महिला कबड्डी विश्व कप का आयोजन

एक से दस जून तक 14 देशों की टीमें लेंगी भाग

पटना/राजगीर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में दूसरी बार महिला कबड्डी विश्व कप 2025 का आयोजन होने जा रहा है। इसे लेकर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। शहर के कंकड़बाग इलाके में स्थित पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित कार्यक्रम में यह समझौता हुआ। एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से फेडरेशन के महासचिव जितेन्द्र प्राणसिंह ठाकुर और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण ने हस्ताक्षर किए। इससे पहले बिहार में 2012 में एक से चार मार्च तक पटना के पाटलिपुत्र खेल परिसर में यह आयोजन हुआ था। लेकिन राजगीर के नवनिर्मित स्टेडियम में यह आयोजन पहली बार हो रहा है।

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के निदेशक रविंद्र नाथ चौधरी, क्रीड़ा कार्यपालक आनंदी कुमार, खेल विभाग के सहायक निदेशक संजय कुमार, इंटरनेशनल कबड्डी फेडरेशन के डायरेक्टर तेजस्वी सिंह गहलोत तथा बिहार कबड्डी एसोसिएशन के चेयरमैन कुमार विजय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। भारतीय महिला कबड्डी टीम की कप्तान सोनाली विष्णु और उप कप्तान पुष्पा राणा भी इस ऐतिहासिक अवसर पर शामिल रहीं। खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने प्रतीक चिन्ह और अंग वस्त्र भेंट कर सभी का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों का अभिनंदन करते हुए बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि बिहार में पहली बार महिला कबड्डी विश्व कप का एक से 10 जून तक राजगीर में आयोजन बिहार के लिए बहुत खुशी और गर्व की बात है। खेल के क्षेत्र में विकास की सरकार की प्रतिबद्धता के साथ सहयोग और प्रयास के कारण बिहार को कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं को आयोजित करने का गौरव प्राप्त हो रहा है।

एक से 10 जून तक राजगीर के राज्य खेल अकादमी में आयोजित होने वाली महिला कबड्डी विश्व कप 2025 में भारत, ईरान, बांग्लादेश, नेपाल, थाईलैंड, हॉलैंड, जापान, पोलैंड, अर्जेंटीना, हंगरी, जर्मनी, केन्या और युगांडा सहित 14 देश की टीमों के शामिल होने की संभावना है। दर्शकों के लिए मैच देखने की व्यवस्था मुफ्त होगी। लेकिन टिकट पास के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराकर इसे हासिल करना होगा। जिन्हें पास उपलब्ध नहीं हो पाएगा उनके लिए बाहर बड़े स्क्रीन पर मैच देखने की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि महिला कबड्डी विश्व कप में शामिल होने वाली खिलाड़ियों के आने, जाने, भोजन और आवासन सहित हर प्रकार की सुविधाओं की सुचारु व्यवस्था बिहार सरकार कर रही है।

उन्होंने एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव जितेन्द्र प्राणसिंह से अनुरोध किया कि 15 दिन तक भारतीय टीम का प्रशिक्षण कैंप राजगीर में ही आयोजित की जाए, जिससे भारतीय टीम को यहां के माहौल में ढलने में आसानी होगी। साथ ही बिहार के खिलाड़ियों को भी उनके साथ प्रैक्टिस करने और सीखने का मौका मिलेगा। बिहार के लिए अच्छे प्रशिक्षक और रेफरी के लिए भी आग्रह किया, ताकि बिहार के खिलाड़ी राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर कर सकें। एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव जितेन्द्र प्राणसिंह तथा इंटरनेशनल कबड्डी फेडरेशन के डायरेक्टर तेजस्वी सिंह गहलोत ने खेल के क्षेत्र में बिहार की निरंतर बढ़ती उपलब्धियों पर प्रसन्नता जाहिर की। उन्होंने भविष्य में बिहार की कबड्डी को हर संभव सहयोग देने के लिए आश्वस्त किया। बिहार की कबड्डी टीम जूनियर लेवल पर काफी अच्छा कर रही है और बेहतर प्रशिक्षण के साथ सीनियर लेवल पर भी काफी अच्छा करेगी।

हैदराबाद बनेगा 'एशिया की सिलिकॉन वैली' कांग्रेस सरकार का बिल्डरों को समर्थन : उत्तम

मंत्री ने बिल्डर्स एसोसिएशन की बैठक को संबोधित किया

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन उत्तम कुमार रेड्डी ने रविवार को एचआईसीसी नोवोटेल में आयोजित साइबराबाद बिल्डर्स एसोसिएशन (सीबीए) की पहली वार्षिक आम बैठक में बिल्डरों को पूर्ण समर्थन का आश्वासन देते हुए रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए कांग्रेस सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता की पुष्टि की। बिल्डरों, डेवलपर्स और हितधारकों से भरे हॉल को संबोधित करते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि निर्माण गतिविधि में मंदी की रिपोर्ट को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है और कांग्रेस सरकार हैदराबाद और आसपास के क्षेत्रों में रियल एस्टेट में उछाल सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा, "हम एक महत्वपूर्ण समय पर मिल रहे हैं।

आप में से कई लोग भविष्य को लेकर चिंतित हैं। मैं आपको स्पष्ट रूप से आश्वस्त करना चाहता हूं कि तेलंगाना में वर्तमान कांग्रेस सरकार न केवल हैदराबाद और साइबराबाद में बल्कि पूरे राज्य में भवन और निर्माण गतिविधि का समर्थन करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।" उन्होंने वादा किया कि सरकार बिल्डरों के सामने आने वाली किसी भी समस्या को हल करने के लिए सक्रिय रूप से हस्तक्षेप करेगी - चाहे वह सरकारी एजेंसियों या किसी अन्य प्राधिकरण के साथ हो - सुचारू संचालन और तेजी से व्यापार वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए। उन्होंने कहा, "हम चाहते हैं कि हर बिल्डर हैदराबाद और विशेष रूप से साइबराबाद क्षेत्र के विकास से लाभान्वित हो।" पिछली कांग्रेस सरकारों की विरासत पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने कहा कि हैदराबाद में अधिकांश विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त बुनियादी ढाँचे - जैसे कि राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, आउटर रिंग रोड (ओआरआर), पीवी नरसिम्हा राव एक्सप्रेसवे, मेट्रो रेल नेटवर्क और कृष्णा और गोदावरी नदियों से पानी लाने वाली प्रमुख पेयजल परियोजनाएँ - सभी कांग्रेस शासन के दौरान निष्पादित की गई थीं। उन्होंने कहा, "यह वैश्विक मानक का बुनियादी ढांचा है, और इसने हैदराबाद को न केवल भारत में, बल्कि दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते शहरों में से एक बना दिया है।"

हैदराबाद में मध्यम जलवायु, महानगरीय संस्कृति और व्यापार के अनुकूल माहौल होने की बात दोहराते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने बिल्डरों को आश्वासन दिया कि कांग्रेस सरकार इस पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करना जारी रखेगी। उन्होंने कहा, "चाहे कानून और व्यवस्था की बात हो, सामाजिक सद्भाव की बात हो या नीतिगत समर्थन की - हम हैदराबाद और साइबराबाद को और भी तेज़ी से विकसित करने में आपके साथ खड़े हैं।"

मंत्री ने हैदराबाद के जल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए नई पहलों की भी बात की, उन्होंने कहा कि सरकार शहर की बढ़ती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए कृष्णा और गोदावरी नदियों से अतिरिक्त पेयजल लाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा, "एक कठिन वर्ष में भी, हैदराबाद और साइबराबाद को पानी की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा।"

यातायात की भीड़भाड़ के बारे में उन्होंने कहा कि सरकार शहरी गतिशीलता में सुधार के लिए मेट्रो रेल नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रही है। उन्होंने हैदराबाद में अमेज़न और गूगल जैसी वैश्विक प्रौद्योगिकी दिग्गजों की मौजूदगी का उल्लेख किया और कहा, "साइबराबाद एशिया की सिलिकॉन वैली के रूप में विकसित होगा - मेरे मन में कोई संदेह नहीं है।" उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद के रियल एस्टेट और निर्माण क्षेत्र में वैश्विक निवेशकों की रुचि बढ़ रही है, और कांग्रेस सरकार इन निवेशों को आकर्षित करने के लिए सही पारिस्थितिकी तंत्र बना रही है। उन्होंने भारत में अपनी तरह के एक कौशल विश्वविद्यालय के शुभारंभ और सरकार की व्यापक विकास रणनीति के हिस्से के रूप में एक योजनाबद्ध भविष्य शहर की ओर इशारा किया। उन्होंने महत्वाकांक्षी मूसी नदी कायाकल्प परियोजना पर भी प्रकाश डाला, इसकी तुलना लंदन में टेम्स, पेरिस में सीन और सियोल में हान नदी जैसी प्रतिष्ठित नदियों के परिवर्तन से की।

उन्होंने कहा, एक बार पूरा हो जाने पर, हैदराबाद किसी भी वैश्विक शहर के बराबर होगा। वैश्विक मानकों, मजबूत कानून और व्यवस्था और व्यापार करने में आसानी का वादा करते हुए, मंत्री ने सीबीए सदस्यों को निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया। आप एक बढ़ते और लाभदायक भविष्य की आशा कर सकते हैं। हम आपको न केवल बिल्डरों के रूप में, बल्कि प्रगति में हमारे भागीदारों के रूप में मानते हैं, उन्होंने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ तेलुगु में भी यही भावना दोहराई।

मुख्यमंत्री आज भू भारती अधिनियम और पोर्टल का शुभारंभ करेंगे

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार सोमवार को भू भारती पोर्टल का आधिकारिक शुभारंभ करने वाली है। राजस्व विभाग तेलंगाना के तीन जिलों के तीन मंडलों में परीक्षण के आधार पर भू भारती अधिनियम को लागू करेगा। इन शुरुआती मंडलों के परिणामों के आधार पर, अधिनियम को 2 जून तक राज्य भर में पूरी तरह से लागू किए जाने की उम्मीद है। रविवार को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने जुबली हिल्स स्थित अपने आवास पर अधिकारियों के साथ भू भारती के संबंध में समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने पूरे राज्य में सभी मंडलों में पोर्टल के बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा "भू भारती वेबसाइट इतनी सरल होनी चाहिए कि औसत किसान इसे समझ सके। यह कम से कम एक सदी तक रहेगी, इसलिए इसे आधुनिक और सुरक्षा जोखिमों को कम करने के लिए उचित रूप से डिजाइन किया जाना चाहिए,।" मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बेहतर होगा कि भू भारती के प्रबंधन की जिम्मेदारी किसी विश्वसनीय संगठन को सौंपी जाए। रविवार को सचिवालय में मीडिया से अनौपचारिक बातचीत के दौरान राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भू भारती अधिनियम और पोर्टल को पेश करने का प्राथमिक उद्देश्य तेलंगाना में सभी भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सोमवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 134वीं जयंती के उपलक्ष्य में भू भारती अधिनियम और पोर्टल को जनता के सामने पेश करने वाले हैं। पोंगुलेटी ने विधानसभा में की गई पिछली घोषणा को दोहराया, जिसमें संकेत दिया गया कि कांग्रेस सरकार 2029 के विधानसभा चुनावों के दौरान भूभारती अधिनियम पर जनमत संग्रह पर विचार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, "मैं फिर से पुष्टि करना चाहता हूं कि हम इस वादे को निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" मंत्री ने कहा कि, जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, भूभारती पहल के लागू होने के बाद धरणी प्रणाली के तहत हुई किसी भी भूमि अनियमितता पर फोरेंसिक ऑडिट किया जाएगा। पोंगुलेटी ने लोगों से अपनी भूमि की जानकारी की जांच करने के लिए तुरंत पोर्टल पर जाने से परहेज करने का आग्रह किया, उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह की बढ़ोतरी से पोर्टल पूरी तरह से बंद हो सकता है। उन्होंने कहा कि अगर कोई जानबूझकर पोर्टल को बाधित करना चाहता है, तो मुख्यमंत्री ने पहले ही पुलिस को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने साझा किया कि केंद्र सरकार के एनआईसी द्वारा प्रबंधित भूभारती पोर्टल को और अधिक उन्नत संस्करण बनाने के लिए आधुनिक सुविधाओं को शामिल करके इसे बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पोर्टल का विकास चल रहे पंजीकरण को प्रभावित किए बिना आगे बढ़ेगा। मंत्री ने यह भी बताया कि वह तेलंगाना राज्य में भू भारती अधिनियम और पोर्टल के क्रियान्वयन के लिए चुने गए पायलट गांवों का दौरा करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित मंत्री भी इन नामित गांवों का दौरा करेंगे और जिला कलेक्टरों के साथ साझेदारी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

राज्यपालों के लिए समयसीमा पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वागतयोग्य

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने सरकारी विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राज्यपालों द्वारा लिए जाने वाले निर्णयों के लिए समयसीमा निर्धारित करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से विधायकों के दलबदल पर निर्णय लेने के लिए विधानसभा अध्यक्षों के लिए भी समयसीमा निर्धारित करने का आग्रह किया। तमिलनाडु सरकार द्वारा लगभग 10 विधेयकों को एक वर्ष से अधिक समय से लंबित रखने के संबंध में राज्यपाल के खिलाफ दायर याचिका के बाद, सर्वोच्च न्यायालय ने निर्देश जारी किए थे और समयसीमा निर्धारित की थी।

रामा राव ने कहा कि अनगिनत अवसरों पर भाजपा और कांग्रेस दोनों ने शासन में बाधाएं उत्पन्न करने के लिए राज्यपाल की संस्था का दुरुपयोग किया है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय को विधानसभा अध्यक्षों द्वारा संविधान के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग का भी संज्ञान लेना चाहिए और विधायकों के दलबदल पर उनके लिए समयसीमा निर्धारित करनी चाहिए। वह विधानसभा अध्यक्ष को बीआरएस की उस याचिका का जिक्र कर रहे थे जिसमें सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल हुए 10 विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग की गई थी।

कांग्रेस के शासन और रवैये से सभी वर्ग कराह रहे हैं: तलसानी

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और सनतनगर विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने आज कांग्रेस सरकार के रवैये की आलोचना करते हुए कहा कि इसके शासन में सभी वर्गों के लोगों को कठिनाइयों और परेशानियों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने यह टिप्पणी पश्चिम मरेडपल्ली में विधायक कार्यालय में सनतनगर विधानसभा क्षेत्र की बीआरएस पार्टी इकाई की आम बैठक में की। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य को विकास के मामले में देश के लिए एक मिसाल बनाने का श्रेय बीआरएस पार्टी और उसके नेता केसीआर को जाता है। उन्होंने तेलंगाना राज्य के निर्माण के उद्देश्य से गठित बीआरएस पार्टी के स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर 27 अप्रैल को पार्टी उत्सव के भव्य आयोजन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस महीने की 2% तारीख को सुबह 10 बजे सभी डिवीजनों को मेहराबों और झंडों से खूबसूरती से सजाया जाना चाहिए और कहा कि ऐतिहासिक घटना का जश्न मनाने के लिए पार्टी के झंडे फहराए जाने चाहिए।

उन्होंने बड़ी संख्या में लोगों से वारंगल जिले के एलकाथुर्थी में पार्टी की रजत जयंती बैठक में इकट्ठा होने और केसीआर के नेतृत्व को मजबूत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने बीआरएस सरकार के 10 साल के शासन को देखा है, वे चाहते हैं कि केसीआर सरकार वापस आए। उन्होंने दावा किया कि सभी वर्गों के लोग कांग्रेस सरकार के सिर्फ 15 महीने के शासन से तंग आ चुके हैं। यह कहते हुए कि गरीब कई वर्षों से फुटपाथ पर छोटे-मोटे व्यवसाय करके अपना गुजारा कर रहे हैं, उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने सत्ता में आने के बाद उन्हें कई तरह की परेशानियां दी हैं। उन्होंने याद दिलाया कि बीआरएस पार्टी लगातार लोगों के पक्ष में लड़ती रहेगी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कांग्रेस सरकार द्वारा अपनाई जा रही जनविरोधी नीतियों के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। बैठक में जीएचएमसी पार्षद कोलन लक्ष्मी, कुर्मा हेमलता, टी. माहेश्वरी, पूर्व पार्षद नमना सेसकुमारी, अथिली अरुणा गौड़, डिवीजन बीआरएस पार्टी के अध्यक्ष अकुला हरिकृष्णा, अथिली श्रीनिवास गौड़, कोलन बाल रेड्डी, श्रीनिवास गौड़, वेंकटेशन राजू, हनमंता राव और अन्य ने भाग लिया।

एसएलबीसी सुरंग बचाव में 50 दिन बाद भी कोई सफलता नहीं

हरीश राव ने सरकार की लापरवाही को ठहराया जिम्मेदार

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एसएलबीसी सुरंग बचाव अभियान 50 दिनों के बाद भी जारी रहने के बाद, वरिष्ठ बीआरएस विधायक और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर पूरी तरह विफल होने का आरोप लगाया। उन्होंने पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग करते हुए राज्य सरकार से उन्हें तत्काल सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने घटना और बचाव कार्यों में हुई चूक की पूरी जांच की भी मांग की। उन्होंने इस घटना के लिए रेवंत रेड्डी सरकार को जिम्मेदार ठहराया, जिसके कारण सुरंग के अंदर आठ मजदूर फंस गए। उन्होंने कहा कि इस सरकार की लापरवाही ने आठ निर्दोष लोगों के जीवन को अनिश्चितता में धकेल दिया है और उनके परिवारों को अकल्पनीय दुख में डुबो दिया है।

बचाव कार्यों में प्रगति की कमी की आलोचना करते हुए हरीश राव ने कहा कि परिवार के सदस्य उम्मीद के सहारे मौके पर ही रह रहे हैं। उनका इंतजार एक दर्दनाक अनुभव में बदल गया है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर ठोस कार्रवाई के बजाय केवल प्रतीकात्मक इशारे करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि समीक्षा बैठक और मौके पर फोटो खिंचवाने के अलावा, संकट को हल करने के लिए कोई ईमानदार प्रयास नहीं किया गया है। अब तक सुरंग से केवल दो शव निकाले जा सके हैं और बाकी छह का क्या हुआ, इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं है। उन्होंने कहा कि पूरा देश देख रहा है और उम्मीद कर रहा है। लेकिन मुख्यमंत्री, जिन्हें इस बचाव अभियान का तत्परता से नेतृत्व करना चाहिए था, पूरी तरह से लापरवाह रहे हैं। पूर्व मंत्री ने समयसीमा में बार-बार बदलाव और राहत दलों के बीच समन्वय की कमी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हेलीकॉप्टर लैंडिंग की तारीखें भी कई बार बदली गई हैं, लेकिन एक भी व्यक्ति को जीवित नहीं बचाया जा सका है। उन्होंने कहा कि यह देरी, भ्रम और निष्क्रियता शासन के इतिहास में एक कलंक है। उन्होंने कहा कि श्रमिक आजीविका की तलाश में तेलंगाना आए थे और उन्होंने दुख की इस घड़ी में उनके परिवारों के साथ खड़े होने की आवश्यकता पर बल दिया।

किशोर की करंट लगने से मौत

शव को आसिफाबाद के पास नदी में फेंका

कुमराम भीम आसिफाबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को सिरपुर (टी) मंडल के टोंकिनी गांव में एक किसान और उसके रिश्तेदार को अपने किशोर बेटे के शव को नदी में फेंकने और उसके बाद अपने कृत्य के परिणामों के डर से गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। बेटे की मौत गलती से उसके खेत के चारों ओर लगाए गए विद्युतीकृत बाड़ को छूने से हुई थी। पुलिस ने बताया कि चौदरी जयेंद्र (19) की मौत उस समय हुई जब वह 9 अप्रैल की रात को अपने पिता चिरंजीवी द्वारा गांव में अपने धान के खेत के चारों ओर लगाई गई बिजली की बाड़ को गलती से छू गया। चिरंजीवी ने कथित तौर पर अपने बेटे को बिजली से मारने के आरोप में जेल जाने के डर से शव को पेनगंगा नदी में फेंक दिया। इसके बाद उसने शिकायत दर्ज कराई कि उसका बेटा 10 अप्रैल को लापता हो गया था। स्थानीय लोगों ने शनिवार को नदी में शव देखा और पुलिस को सूचना दी। पूछताछ के बाद चिरंजीवी ने अपना अपराध कबूल कर लिया। उसने अपने रिश्तेदार चिलिराम की मदद से शव को नदी में फेंकने की बात स्वीकार की। उसने खुलासा किया कि वह मौत के कारण के परिणामों से डर गया था। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर बिजली के झटके से मौत के कारण के आधार पर चिरंजीवी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। चिरंजीवी और चिलिराम को अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। आगे की जांच जारी है।

श्रीशैलम राजमार्ग पर 6 किमी लंबा यातायात जाम

श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण परेशानी बढ़ी

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के नागकुरनूल जिले में श्रीशैलम राजमार्ग पर रविवार को छह किलोमीटर लंबा यातायात जाम लग गया, क्योंकि श्रद्धालुओं का एक बड़ा समूह सालेश्वरम जतरा के लिए जा रहा था। अधिकारियों के अनुसार, ट्रैफिक जाम मुख्य रूप से अमराबाद मंडल के मन्ननूर चेकपोस्ट पर टोल टैक्स का भुगतान करने में देरी के कारण हुआ। वन विभाग सलेस्वरम जाने वाले वाहनों से टोल वसूलता है। इस देरी के कारण श्रीशैलम घाट रोड पर चेकपोस्ट से सिद्धपुर क्रॉस तक छह किलोमीटर लंबा यातायात जाम लग गया, जिससे महिलाओं और बच्चों सहित श्रद्धालुओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। स्वयंसेवक और वन विभाग के कर्मचारी यातायात को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे थे। हर साल, हिंदू चंद्र वर्ष की पहली पूर्णिमा, चैत्र पूर्णिमा के अवसर पर, सलेश्वरम लिंगमैया स्वामी मंदिर में एक जात्रा आयोजित की जाती है।

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश दोनों से श्रद्धालु तीन दिवसीय सालेश्वरम जात्रा में शामिल होते हैं, जिसे तेलंगाना की अमरनाथ यात्रा के रूप में जाना जाता है। रविवार को जात्रा का आखिरी दिन होने के कारण मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु कतार में खड़े थे। लंबे ट्रैफिक जाम का कारण यह भी बताया जाता है कि सैकड़ों श्रद्धालु मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर या आंध्र प्रदेश के श्रीशैलम मंदिर जा रहे हैं। हनुमान जयंती और कई छुट्टियों के कारण जतारा और श्रीशैलम मंदिर में भीड़ बढ़ गई। अधिकारियों के अनुसार, कई भक्त जंगल में स्थित और पहाड़ियों से घिरे सालेश्वरम लिंगमैया स्वामी मंदिर की ओर भी जा रहे थे। वे दर्शन कर रहे थे और प्रसाद चढ़ा रहे थे। मंदिर तक जाने के लिए तीन रास्ते हैं, जिनके बारे में माना जाता है कि इन्हें छठी या सातवीं शताब्दी में बनाया गया था। मंदिर के अधिकारियों ने पहले ही श्रद्धालुओं से यात्रा के दौरान सहयोग करने का आग्रह किया है। उन्हें जंगल में प्लास्टिक कवर, पानी की बोतलें और अन्य प्लास्टिक की वस्तुएं ले जाने से मना किया गया है। श्रद्धालुओं को जंगल में अकेले यात्रा न करने की सलाह दी गई है। अधिकारियों ने शराब पीने पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया और चेतावनी दी कि उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली की पार्टियों को सबक सिखाने का समय आ गया : केटीआर

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में पिछड़े विकास के लिए कांग्रेस और भाजपा को जिम्मेदार ठहराते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने लोगों से राज्य की अनदेखी करने के लिए उन्हें उचित सबक सिखाने का आग्रह किया। उन्होंने मतदाताओं से आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस और भाजपा दोनों को कड़ा संदेश देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि चाहे चुनाव हो या अवसर, इन दोनों दिल्ली की पार्टियों को जवाबदेह बनाने का समय आ गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बीआरएस एकमात्र ऐसी पार्टी है जो सही मायने में तेलंगाना की आत्मा और पहचान का प्रतिनिधित्व करती है।

रविवार को मलकाजगिरी में बीआरएस पार्टी की बैठक में बोलते हुए रामा राव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर खोखले वादों से जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया, साथ ही कहा कि कांग्रेस पार्टी के निराधार आश्वासनों ने लोगों को संकट में डाल दिया है। उन्होंने लोगों से ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) चुनाव सहित आगामी सभी चुनावों में कांग्रेस को निर्णायक रूप से खारिज करने का आग्रह करते हुए चेतावनी दी कि धोखेबाज पर एक बार विश्वास करना हमारी गलती है।

लेकिन बार-बार उसके झांसे में आना हमारी गलती बन जाती है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि तेलंगाना में बिगड़ते हालात के बावजूद केवल रेवंत रेड्डी ही जश्न मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के मंत्री, विधायक और पार्टी कार्यकर्ता मौजूदा कांग्रेस सरकार द्वारा बार-बार वादे पूरे न करने से असंतुष्ट हैं।

उन्होंने कहा कि मलकाजगिरी के विधायक मर्री राजशेखर रेड्डी सार्वजनिक मुद्दों के समाधान के लिए अपने अथक प्रयास जारी रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि डंपिंग यार्ड जैसे प्रमुख मुद्दों को उठाने से लेकर नालों की सरकारी उपेक्षा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तक, राजशेखर रेड्डी ने साबित कर दिया है कि एक अच्छे नेता का चुनाव सार्थक बदलाव की ओर ले जाता है।

इस अवसर पर रामा राव ने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को 27 अप्रैल को वारंगल के निकट बीआरएस रजत जयंती समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि 25 वर्ष पूरे करना किसी भी राजनीतिक दल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि हमें इस उपलब्धि तक पहुंचने वाली तेलुगु राज्यों की दूसरी पार्टी होने पर गर्व है। बैठक से पहले मलकाजगिरी में रामा राव के स्वागत में एक विशाल रैली निकाली गई। इस अवसर पर उनकी मौजूदगी में कांग्रेस और भाजपा के कई वरिष्ठ नेता बीआरएस में शामिल हुए।

एआईएमपीएलबी 19 अप्रैल को वक्फ (संशोधन) कानून के खिलाफ विरोध बैठक

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ 19 अप्रैल को दारुस्सलाम मैदान में एक विरोध बैठक आयोजित करेगा। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को कहा कि यह बैठक एआईएमपीएलबी अध्यक्ष खालिद सैफुल्लाह रहमानी के नेतृत्व में शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक होगी। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य और अन्य मुस्लिम संगठन इस बैठक में हिस्सा लेंगे। वक्ता लोगों को बताएंगे कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम वक्फ के पक्ष में नहीं है। एआईएमआईएम अध्यक्ष ने कहा कि वे संसद वक्फ समिति के सदस्यों से भी बात करने की कोशिश कर रहे हैं और अगर उनका कार्यक्रम अनुमति देता है, तो वे भी इस जनसभा में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक के संबंध में संसद में पारित 49 संशोधनों का वक्फ से कोई संबंध नहीं है।

असदुद्दीन ने कहा कि नए कानून के अनुसार, केंद्रीय वक्फ निकाय में 11 गैर-मुस्लिम होने चाहिए, और राज्य वक्फ निकाय में सात गैर-मुस्लिम होंगे। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी), जैन और गुरुद्वारों के बंदोबस्ती बोर्ड में केवल उनके धार्मिक निकाय के सदस्य होते हैं। उन्होंने सवाल किया कि फिर, मुसलमानों से वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिमों को रखने के लिए क्यों कहा जा रहा है? असदुद्दीन ने कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा लाए गए कानून के खिलाफ हैं, जो और अधिक विवाद पैदा करेगा और संपत्तियों से वक्फ का अधिकार छीन लेगा। मैं सभी से इस कानून का शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने की अपील करता हूं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.